THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com
Vaartha Hindi
@Vaartha_Hindi
Vaartha official
www.hindi.vaartha.com

दिल्ली ब्लास्ट आमिर ने उमर को सुरक्षित ठिकाने दिए

नई दिल्ली, 17 नवंबर (एजेंसियां)। दिल्ली ब्लास्ट के आतंकी डॉ. उमर के साथी आमिर राशिद अली ने ही उमर को सेफ हाउस (सुरक्षित ठिकाना) उपलब्ध कराया था। साथ ही एलईडी बनाने में भी मदद की थी। सोमवार को नेशनल इन्वेस्टिगेशन एजेंसी (एनआईए) ने स्पेशल एनआईए कोर्ट में आरोपी की कस्टडी पाने के लिए ये दलील दीं।

रविवार को दिल्ली से गिरफ्तार आमिर को आज कोर्ट में पेश किया गया था। पूरी सुनवाई बंद कमरे में हुई। यहां केवल मामले से जुड़े अधिकारी और वकील मौजूद रहे। एनआईए ने लंबी हिरासत की डिमांड की थी। दिल्ली ब्लास्ट में उपयोग कार आमिर के ही नाम है। >14

वर्ष-30 अंक : 232 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) मार्गशीर्ष कृ.13 2082 मंगलवार, 18 नवंबर-2025

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर * पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

मदीना जा रहे 45 भारतीयों की मौत

18 एक ही परिवार से; उमरा के लिए जा रही बस डीजल टैंकर से टकराई

रियाद, हैदराबाद, 17 नवंबर (एजेंसियां)। सऊदी अरब में सोमवार देर रात एक सड़क हादसे में 45 भारतीयों की मौत हो गई। मक्का से मदीना जाते समय इनकी बस डीजल टैंकर से टकरा गई और उसमें आग लग गई। मृतकों में 18 महिलाएं, 17 पुरुष और 10 बच्चे शामिल हैं। हादसे में सिर्फ 1 शख्स जिंदा बचा है। उसकी पहचान मोहम्मद अब्दुल शोएब (24 साल) के रूप में हुई है। शोएब ड्राइवर के पास बैठा था। हादसे के बाद उसे तुरंत अस्पताल ले जाया गया। एक सरकारी अस्पताल में उसका इलाज चल रहा है। मारे गए लोगों में से 18 एक ही परिवार के थे। इनमें 9 बच्चे और 9 बड़े शामिल थे। यह परिवार हैदराबाद का रहने वाला था और शनिवार को भारत लौटने वाला था। मृतकों में ज्यादातर हैदराबाद के बताए जा रहे हैं। हादसा मदीना से लगभग 25 किलोमीटर दूर मुहरास के पास भारतीय समयानुसार रात लगभग 1:30 बजे हुआ। उस समय कई यात्री सो रहे थे। उन्हें बचने का कोई मौका नहीं मिला।

54 लोग हैदराबाद से सऊदी गए थे

हैदराबाद पुलिस के मुताबिक 9 नवंबर को 54 लोग हैदराबाद से सऊदी गए थे। वे 23 नवंबर को वापस आने वाले थे। इनमें से 4 लोग रविवार को कार से अलग से मदीना गए थे। वहीं 4 लोग मक्का में रुक गए थे। दुर्घटना वाली बस में 46 लोग सवार थे।

तेलंगाना सरकार ने कहा है कि वह रियाद में भारतीय दूतावास के संपर्क में है। राज्य सरकार की ओर से जारी बयान में बताया गया कि मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने दिल्ली में मौजूद अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि वे दूतावास से नजदीकी तालमेल बनाकर पीड़ितों की पहचान और अन्य औपचारिकताओं में मदद करें।

12 मृतकों के नाम सामने आए

हादसे में मारे गए लोगों में से 12 भारतीय पीड़ितों की पहचान हो पाई है, उनमें अब्दुल मोहम्मद, मोहम्मद मौलाना, सोहेल मोहम्मद, मस्तान मोहम्मद, परवीन बेगम, जकिया बेगम, शौकत बेगम, फरहीन बेगम, जहीन बेगम, मोहम्मद मंजूर, मोहम्मद अली, गौसिया बेगम शामिल हैं।

हेल्पलाइन नंबर जारी

जेद्दा में भारतीय दूतावास ने हेल्पलाइन जारी किया है। दूतावास ने कहा , सऊदी अरब के मदीना के निकट भारतीय उमरा तीर्थयात्रियों के साथ हुई दुखद बस दुर्घटना को देखते हुए जेद्दा स्थित भारतीय महावाणिज्य दूतावास में 24x7 कंट्रोल रूम बनाया, हेल्पलाइन का संपर्क विवरण 8002440003 है।

घटना के बाद तेलंगाना सरकार ने सचिवालय में कंट्रोल रूम बनाया है, ताकि परिजन अपने परिजनों के बारे में जानकारी ले सकें। परिवारजन इन नंबरों पर संपर्क कर सकते हैं: 79979-59754 और 99129-19545।

ओवैसी ने शवों को भारत लाने की अपील की

हैदराबाद के सांसद असदुद्दीन ओवैसी ने सऊदी अरब में भारतीय उमरा यात्रियों की बस दुर्घटना पर दुख जताया है। ओवैसी ने बताया कि उन्होंने हैदराबाद की दो ट्रैवल एजेंसियों से संपर्क किया है और यात्रियों की जानकारी रियाद स्थित भारतीय दूतावास के साथ साझा की है। >14

शेख हसीना को फांसी की सजा

बांग्लादेश कोर्ट ने छात्रों की हत्याओं का दोषी माना, उम्रकैद की भी सजा, हसीना बोलीं- फैसला राजनीति से प्रेरित

ढाका, 17 नवंबर (एजेंसियां)। बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना को सोमवार को मौत की सजा सुनाई गई है। उन्हें ढाका की इंटरनेशनल क्राइम्स ट्रिब्यूनल ने 5 में से दो मामले, हत्या के लिए उकसाने और हत्या का आदेश के लिए मौत की सजा दी। जबकि बाकी मामलों में उम्रकैद की सजा सुनाई।

ट्रिब्यूनल ने उन्हें जुलाई 2024 के छात्र आंदोलन के दौरान हुई हत्याओं का मास्टरमाइंड कहा। ट्रिब्यूनल ने दूसरे आरोपी पूर्व गृह मंत्री असदुज्जमान खान को भी 12 लोगों की हत्या का दोषी माना और फांसी की सजा सुनाई।

वहीं, तीसरे आरोपी पूर्व आईजीपी अब्दुल्ला अल-ममून को 5 साल के जेल की सजा सुनाई। ममून हिरासत में हैं और सरकारी गवाह बन चुके हैं। कोर्ट ने हसीना और असदुज्जमान कमाल की प्रॉपर्टी जब्त करने का आदेश दिया है। सजा का ऐलान होते ही कोर्ट रूम में मौजूद लोगों ने तालियां बजाई। शेख हसीना के अलावा पूर्व गृहमंत्री असदुज्जमान ने 5 अगस्त 2024 को तख्तापलट के बाद देश छोड़ दिया था। दोनों नेता पिछले 15 महीने से भारत में रह रहे हैं।

हसीना ने जिस कोर्ट की स्थापना की, उसी ने सजा सुनाई :

हसीना को मौत की सजा सुनाने वाले इंटरनेशनल क्राइम्स ट्रिब्यूनल की स्थापना उन्होंने ही की थी। इसे 2010 में बनाया गया था। इस कोर्ट को 1971 के बांग्लादेश मुक्ति संग्राम के दौरान हुए वॉर क्राइम्स और नरसंहार जैसे मामलों की जांच और सजा के लिए बनाया गया था। हालांकि इस ट्रिब्यूनल को बनाने के लिए 1973 में ही कानून बना दिया गया था, लेकिन दशकों तक प्रक्रिया रुकी रही। इसके बाद 2010 में हसीना ने इसकी स्थापना की ताकि अपराधियों पर मुकदमा चल सके।

सबरीमाला सोना चोरी मामले में पीएम मोदी से हस्तक्षेप की मांग

केरल भाजपा का एक करोड़ हस्ताक्षर अभियान शुरू

तिरुवनंतपुरम, 17 नवंबर (एजेंसियां)। केरल भाजपा ने सोमवार को सबरीमाला के सोने से जुड़े विवाद को राष्ट्रीय स्तर पर उठाने के लिए बड़ा कदम उठाया। पार्टी ने अयप्पा भक्तों से एक करोड़ हस्ताक्षर जुटाने का अभियान शुरू किया है, ताकि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से सीधे हस्तक्षेप की मांग की जा सके। यह अभियान मलयालम महीने वृश्चिकम के पहले दिन शुरू हुआ, यानी वह दिन जब सबरीमाला में वार्षिक तीर्थयात्रा की शुरूआत होती है। इस कार्यक्रम का शुभारंभ तिरुवनंतपुरम के प्रसिद्ध पाझवंगड़ी गणपति मंदिर के सामने भाजपा के राज्य महासचिव एस. सुरेश ने किया।

तमिलनाडु और आंध्र प्रदेश के अयप्पा भक्तों से भी अपील :

इस दौरान भाजपा के राज्य महासचिव एस. सुरेश ने कहा कि भक्तों के हस्ताक्षर प्रधानमंत्री को सौंपे जाएंगे। उन्होंने पड़ोसी तमिलनाडु और आंध्र प्रदेश के अयप्पा भक्तों से भी इस अभियान में शामिल होने की अपील की। उनके अनुसार, सबरीमाला की रक्षा के लिए यह एकजुटता जरूरी है। भाजपा नेता ने कहा कि सबरीमाला में जो हुआ, वह सिर्फ सोने की चोरी नहीं थी, बल्कि श्रद्धास्थल को चोट पहुंचाने की एक बड़ी साजिश का हिस्सा था।

एलडीएफ और यूडीएफ सरकारों पर भी बरसे भाजपा नेता :

भाजपा नेता ने केरल की पिछली एलडीएफ और यूडीएफ सरकारों पर आरोप लगाया कि वे सबरीमाला को कमजोर करने की कोशिशें करती रही हैं, और यह सब एजेंटों व बिचौलियों के जरिए गुप्त रूप से किया गया।

दो पैन कार्ड केस : सपा नेता आजम खां और अब्दुल्ला को सात-सात साल की सजा

50-50 हजार का जुर्माना भी लगाया

रामपुर, 17 नवंबर (एजेंसियां)। रामपुर की अदालत ने मंगलवार को सपा नेता आजम खां और उनके बेटे पूर्व विधायक अब्दुल्ला आजम को दो पैन कार्ड मामले में दोषी ठहराते हुए सात साल की कैद की सजा सुनाई है। इसके अलावा दोनों पर 50-50 हजार का जुर्माना भी लगाया गया है। फैसले के बाद दोनों को अदालत ने तुरंत कस्टडी में ले लिया।

मामले की सुनवाई के दौरान वादी भाजपा विधायक आकाश सक्सेना भी कोर्ट में मौजूद रहे। फैसले को देखते हुए कचहरी परिसर में सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए थे। बाहर बड़ी संख्या में भाजपा और सपा कार्यकर्ता भी एकत्र हो गए थे। इससे परिसर के आसपास तनाव का माहौल बना रहा।

आजम खां के खिलाफ दर्ज कुल 104 मामलों में से अब तक 12 में फैसले आ चुके हैं। इसमें सात मामलों में उन्हें सजा और पांच मामलों में बरी किया जा चुका है। दो पैन कार्ड मामले में मिली सात साल की सजा सपा नेता और उनके बेटे के लिए बड़ा झटका मानी जा रही है।

भाजपा विधायक ने दर्ज कराई थी प्राथमिकी

भाजपा विधायक आकाश सक्सेना ने सिविल लाइंस कोतवाली पुलिस को दी एक तहरीर दी थी। इसमें आरोप लगाया कि अब्दुल्ला आजम के पैन कार्ड में जन्म तिथि एक जनवरी 1993 है, जो कि शैक्षिक प्रमाणपत्र के आधार पर सही है। इसी पैन कार्ड से अब्दुल्ला ने आयकर के रिटर्न दाखिल किए हैं।

जबकि स्वार-टांडा से 2017 के विधानसभा चुनाव के नामांकन में प्रस्तुत पैन अलग है। यह पैन कार्ड बैंक पासबुक में कूटरचना कर हाथ से लिखा गया था। नामांकन की तिथि पर यह पैन संचालित नहीं था। आरोप है कि अब्दुल्ला आजम ने अपने पिता आजम खां के साथ सुनियोजित षड़यंत्र के तहत चुनाव नामांकन आयु संबंधी अयोग्यता छुपाने के लिए कूटरचना कर जन्म तिथि 30 सितंबर 1990 दर्शाते हुए दूसरा पैन कार्ड बनवाया था।

इस पैन कार्ड को आयु पूर्ण करने संबंधी लाभ प्राप्त करने के लिए इस्तेमाल में लाया गया। सक्सेना का आरोप था कि अब्दुल्ला आजम ने कूटरचित मिथ्या दस्तावेज तैयार किए और प्रस्तुत नामांकन पत्र स्वीकार कराकर विधानसभा का चुनाव जीता।

इस तहरीर के आधार पर सिविल लाइंस कोतवाली की पुलिस ने सांसद आजम खां और विधायक अब्दुल्ला आजम के खिलाफ आईपीसी की धारा 420, 467, 468, 471 और 120 बी के तहत रिपोर्ट दर्ज की थी।

तेलंगाना स्पीकर तय करें नया साल कहां मनाएंगे : सुप्रीम कोर्ट

बीआरएस विधायकों की अयोग्यता पर जल्द फैसला करें, नहीं तो कोर्ट आना होगा

नई दिल्ली, 17 नवंबर (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) के 10 विधायकों के दल-बदल केस में सुनवाई की। कोर्ट ने तेलंगाना विधानसभा अध्यक्ष (स्पीकर) जीपी कुमार को विधायकों की अयोग्यता वाली याचिकाओं पर अभी तक फैसला नहीं लेने पर अवमानना नोटिस जारी किया।

सीजेआई बीआर गवई की अध्यक्षता वाली बेंच ने कहा कि 31 जुलाई को तेलंगाना स्पीकर को तीन महीने के अंदर इन 10 विधायकों की अयोग्यता पर फैसला लेने का आदेश दिया गया था। इसी आदेश के पालन न होने पर 10 नवंबर को याचिका दायर की गई थी। सीजेआई ने कहा- यह तो घोर अवमानना है। स्पीकर को व्यक्तिगत रूप से कोर्ट में आने से फिलहाल छूट दी गई है, लेकिन उन्हें अब तय करना चाहिए कि नया साल कहां मनाना है। अगर जल्द फैसला लेने का आदेश नहीं माना, तो उन्हें कोर्ट में ही आना होगा।

वहीं स्पीकर की ओर से पेश सीनियर एडवोकेट मुकुल रोहतगी और अभिषेक मनु सिंघवी ने कहा कि 4 याचिकाओं में सुनवाई पूरी हो चुकी है और 3 में साक्ष्य दर्ज हो गए हैं। उन्होंने कोर्ट से 8 हफ्ते का और समय मांगा है। अगली सुनवाई चार हफ्ते बाद करेगी।

2023 में तेलंगाना में विधानसभा चुनाव के बाद कांग्रेस को बहुमत मिला और बीआरएस सत्ता से बाहर हो गई। इसके बाद 10 विधायक बीआरएस छोड़कर कांग्रेस में शामिल हो गए थे।

आर्मी चीफ बोले- ऑपरेशन सिंदूर 88 घंटे का ट्रेलर था

पाकिस्तान फिर मौका देगा तो जवाब और कड़ा होगा, आतंक फैलाने वालों पर सख्त कार्रवाई जरूरी

> इस साल 21 आतंकियों को ढेर किया गया है, जिनमें 61% पाकिस्तानी थे। कश्मीर में पत्थरबाजी, नारेबाजी जैसी घटनाएं खत्म हो चुकी हैं।
>
> **जनरल उपेंद्र द्विवेदी**
> आर्मी चीफ

नई दिल्ली, 17 नवंबर (एजेंसियां)। आर्मी चीफ जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने सोमवार को ऑपरेशन सिंदूर को लेकर कहा कि फिल्म तो शुरू भी नहीं हुई थी, बस 88 घंटे का ट्रेलर दिखा था। अगर पाकिस्तान फिर मौका देता है तो हम उन्हें बताने में पीछे नहीं हटेंगे कि जिम्मेदार देश पड़ोसियों से कैसे पेश आते हैं।

आर्मी चीफ दिल्ली में चाणक्य डिफेंस डायलॉग के उद्घाटन कार्यक्रम में बोल रहे थे। इस दौरान उन्होंने कहा कि भारत प्रगति की बात करता है, इसलिए जो लोग आतंक फैलाते हैं, उन्हें रोकने के लिए सख्त कदम जरूरी हैं। आर्मी चीफ ने बताया, भारतीय सेना भविष्य को जमीन से जुड़कर देखती है। हम पांच जेनरेशन के वॉरफेयर में लड़ रहे हैं और सेना उसी के अनुसार खुद को बदल रही है। पहले युद्ध में फैसले लेने में दिन लग जाते थे, लेकिन अब हालात बदल चुके हैं। अगर युद्ध 48 घंटे में भी लड़ना पड़े तो देश की पूरी ताकत एक साथ लगानी होगी।

जनरल द्विवेदी ने कहा कि असली ताकत वही होती है जब दुश्मन को यकीन हो कि अगर उसने कोई गलती की तो भारत तुरंत कार्रवाई करेगा। आज भारत की डिफेंस क्षमता इतनी मजबूत हो चुकी है कि सामने वाला देश हमारे इरादों को गंभीरता से लेता है।डिप्लोमेसी में सेना की भूमिका अहम : विदेश मंत्री एस जयशंकर पिछले साल अक्टूबर में सेना कमांडरों को संबोधित कर चुके हैं और उन्होंने साफ कहा था कि डिफेंस डिप्लोमेसी में भारतीय सेना की भूमिका बेहद महत्वपूर्ण है।

अल फलाह यूनिवर्सिटी के चांसलर का भाई हैदराबाद से गिरफ्तार

25 साल से फरार था हमूद; भाई जवाद के दिल्ली ब्लास्ट से जुड़े तार

महू इंदौर , 17 नवंबर (एजेंसियां)। दिल्ली कार ब्लास्ट से सुर्खियों में आई फरीदाबाद की अल फलाह यूनिवर्सिटी के चेयरमैन जवाद अहमद सिद्दीकी पर पुलिस ने शिकंजा कसना शुरू कर दिया है। महू निवासी जवाद के भाई हमूद सिद्दीकी को पुलिस ने हैदराबाद से गिरफ्तार किया है। उसे 16 नवंबर को कोर्ट में पेश कर जेल भेज दिया गया है।

आरोप है कि हमूद ने चिटफंड कंपनी खोलकर पैसा दोगुना करने का झांसा दिया, फिर लोगों से निवेश करवाया। इसके बाद रुपए लेकर भाग गया। इस मामले में पुलिस उसको 25 साल से तलाश रही थी।

जवाद फरीदाबाद की उस अल फलाह यूनिवर्सिटी का संस्थापक चेयरमैन है, जिसमें धमाके का मुख्य आरोपी डॉ. उमर नबी पढ़ाता था। वह अल फलाह चैरिटेबल ट्रस्ट का संचालक भी है।

महू थाने के टीआई कमल सिंह गेहलोद ने बताया- साल 2000 में जवाद ने अपने भाई हमूद के साथ मिलकर उसी के नाम पर चिटफंड कंपनी खोली थी। लोगों को पैसा दोगुना करने का लालच देकर इसमें इन्वेस्टमेंट कराया। सेना के रिटायर्ड कर्मचारी और मिलिट्री इंजीनियरिंग सर्विसेस में काम करने वाले को भी फंसाया। इसके बाद सारा पैसा लेकर दोनों भाई परिवार समेत महू से भाग निकले।

टीआई गेहलोद का कहना है कि हमूद हैदराबाद में रिचकॉम प्राइवेट लिमिटेड के नाम से शेयर मार्केट में इन्वेस्टमेंट फर्म चला रहा था। पुलिस ने सिद्दीकी परिवार के रिश्तेदारों से उसकी जानकारी निकाली। इसके बाद योजनाबद्ध तरीके से कार्रवाई करते हुए उसे पकड़ा।

धोखाधड़ी के साथ मारपीट की धाराओं में भी केस

इंदौर ग्रामीण एसपी यांगचेन डोलकर भूटिया ने बताया कि हमूद के खिलाफ महू थाने में साल 2000 में धोखाधड़ी के तीन केस दर्ज किए गए थे। इसके अलावा 1988 में मारपीट और जान से मारने की कोशिश की धाराओं में भी केस दर्ज थे। हमूद पर 10 हजार रुपए का इनाम घोषित था।

हमूद ने 1995 और 1996 में अल फहद फिनकॉम नाम से इन्वेस्टमेंट कंपनी खोली थी। इसमें जवाद और हमून डायरेक्टर थे। इनकी पत्नियां भी इसमें शामिल थीं।

करीब दो साल कंपनी चलाई। इसके बाद पैसा लेकर फरार हो गए। तीनों मामलों में करीब 35 लाख रुपए के गबन की शिकायत हुई थी। पूछताछ में पता चला है कि भागने के बाद हमूद ने परिवार से कोई संपर्क नहीं रखा।

10 नवंबर को दिल्ली में लाल किले के पास हुंडई i20 कार में ब्लास्ट हुआ था। इसमें 13 लोगों की जान चली गई थी। इस सिलसिले में नेशनल इन्वेस्टिगेशन एजेंसी की एक टीम जांच के लिए 15 नवंबर को बुरहानपुर भी आई थी। हालांकि, टीम ने स्थानीय पुलिस अफसरों से संपर्क नहीं किया था।

जवाद का परिवार करीब 25 साल पहले महू के कायस्थ मोहल्ले में रहता था। उसके दो भाई भी यहीं पढ़े-लिखे हैं। पिता मोहम्मद हम्माद सिद्दीकी महू के शहर काजी रह चुके हैं। उसका सौतेला भाई अफाम हत्या के मामले में जेल जा चुका है।

जवाद ने इंदौर के गोविंदराम सेकसरिया इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी एंड साइंस से बीटेक की डिग्री ली थी।

इससे पहले वह महू के क्रिश्चियन मिशनरी स्कूल राजेश्वर विद्यालय से 11वीं तक पढ़ा था। उसने सिविल सर्विसेज परीक्षा में तीन बार इंटरव्यू तक दिया, लेकिन सिलेक्शन नहीं हो सका था।

नई नहीं है सियासी घरानों में बिखराव की दास्तां

लालू से गांधी, ठाकरे, पवार फैमिली तक सामने आ चुकी है अंदरूनी कलह

नई दिल्ली, 17 नवंबर (एजेंसियां)। बिहार चुनाव में करारी शिकस्त के बाद आरजेडी सुप्रीमो लालू यादव की फैमिली में भूचाल ही आ गया है। चुनावी रण में महागठबंधन की बुरी गत के बाद परिवार में टूट और बिखराव साफ नजर आने लगा है। लालू यादव के बड़े बेटे तेज प्रताप यादव को तो पहले ही पार्टी से निकाला जा चुका है। अब बेटी रोहिणी ने मोर्चा संभाला है। उन्होंने बीते दो दिनों में जिस तरह से बैक टू बैक ट्वीट किए, घर छोड़ा। खुद को पार्टी और परिवार से अलग कर लिया, उससे राजनीतिक गलियारे में हलचल ही मच गई। उन्होंने दो टूक कहा कि 'मुझे गंदी गालियां दी गई, मारने के लिए चप्पल उठाया।' इतना ही रोहिणी ने आगे कहा कि मैं रोते हुए मां-बाप का घर छोड़ आई हूं। रोहिणी के इन दावों ने कई सवाल खड़े कर दिए। इस बीच लालू यादव की तीन और बेटियों ने माता-पिता का घर छोड़कर पटना से चली गईं। इन घटनाक्रम के बाद सवाल उठने लगे कि क्या आरजेडी सुप्रीमो का परिवार टूट चुका है?

लालू फैमिली में बढ़ा घमासान, रोहिणी ने क्यों खोला मोर्चा

जिस तरह से रोहिणी के खुलासों को लेकर तेज प्रताप ने मोर्चा खोला वो भी अहम है। माना जा रहा कि ये मुद्दा अभी और तूल पकड़ेगा। हालांकि, लालू फैमिली अकेली नहीं है जहां ऐसा पारिवारिक टकराव सामने आया है। सियासी परिवारों में पहले भी अंदरूनी कलह और बिखराव देखने को मिलता रहा है। इसमें गांधी परिवार से लेकर, महाराष्ट्र के ठाकरे, पवार फैमिली तक भी शामिल हैं। समाजवादी पार्टी के मुखिया अखिलेश यादव की फैमिली में भी ऐसा विवाद हो चुका है। यही नहीं झारखंड की सत्ताधारी जेएमएम के मुखिया हेमंत सोरेन का परिवार भी ऐसे झगड़े से जूझ चुके हैं। जानें सियासी घरानों में बिखराव की दास्तां।

बिहार में हार और लालू फैमिली में बढ़ गया झगड़ा

देश की राजनीति में परिवारवाद कोई नया नहीं है। कई प्रमुख पार्टियों में इसकी झलक साफ नजर आती है। लालू फैमिली भी इससे अलग नहीं है। आरजेडी सुप्रीमो लालू यादव ने अपने छोटे बेटे तेजस्वी यादव को ही एक तरह से अपना राजनीतिक उत्तराधिकारी घोषित किया। हालिया बिहार चुनाव में वो महागठबंधन की ओर से सीएम कैंडिडेट भी बनाए गए। हालांकि, उनके नेतृत्व में न तो पार्टी और न ही गठबंधन ने अच्छा परफॉर्म किया। इसका साइड इफेक्ट भी सामने आया। बहन रोहिणी ने तेजस्वी और उनके सलाहकारों पर सवाल खड़े कर दिए। इसी के बाद सवाल उठने लगा कि क्या लालू फैमिली में कोई बड़ा बवाल तो सामने नहीं आ जाएगा। फिलहाल तेजस्वी और लालू यादव ने खुद इस मुद्दे पर अब तक चुप्पी नहीं तोड़ी है। देखना होगा कि उनका इस पर क्या रुख रहेगा।

जब मुलायम फैमिली में हुआ मतभेद

परिवार में टकराव का ये मुद्दा केवल लालू फैमिली तक ही सीमित नहीं है। देश के कई और राज्यों में ऐसी पॉलिटिकल फैमिली हैं जहां परिवार के सदस्यों में सत्ता और वर्चस्व की लड़ाई सामने आ चुकी है। इस फेहरिस्त में यूपी की मुख्य विपक्षी पार्टी सपा भी शामिल है। समाजवादी पार्टी के संस्थापक मुलायम सिंह यादव ने जब ये दल बनाया तो शायद ही उन्होंने सोचा होगा कि कभी पार्टी में नेतृत्व क्षमता को लेकर कोई घमासान देखने को मिलेगा। हालांकि, मुलायम फैमिली ऐसे विवाद से गुजर चुकी है। ये मामला साल 2016 में सामने आया था जब मुलायम सिंह यादव के बेटे अखिलेश यादव और उनके चाचा शिवपाल यादव के बीच मतभेद खुलकर सामने आ गए थे। हालांकि, उस समय मुलायम सिंह यादव ने चाचा भतीजे के बीच कई बार सुलह कराने की कोशिश की, लेकिन बात नहीं बनी। शिवपाल यादव ने अलग पार्टी तक बना ली। इसका 2017 यूपी विधानसभा चुनाव नतीजों पर गहरा असर पड़ा। सपा की करारी शिकस्त हुई। पिता मुलायम सिंह यादव को खोने के बाद अखिलेश यादव ने चाचा शिवपाल को मना लिया। फिर शिवपाल ने अपनी पार्टी का सपा में विलय कर दिया। चाचा तो मान गए लेकिन मुलायम सिंह यादव की छोटी बहू अपर्णा यादव ने बगावती तेवर नहीं छोड़ा। उन्होंने 2022 में समाजवादी पार्टी छोड़कर भारतीय जनता पार्टी का दामन थाम लिया था। वो अब भी बीजेपी की ही सदस्य हैं।

पवार फैमिली में टकराव से टूटी पार्टी

राजनीतिक दल में पारिवारिक टकराव का सबसे चौंकाने वाला मामला साल 2023 में सामने आया। जब महाराष्ट्र के दिग्गज नेता शरद पवार की पार्टी एनसीपी में बड़ी टूट हुई। शरद के भतीजे अजित पवार के बागी तेवर की वजह से राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी में दो फाड़ हो गया। अजित पवार उस समय बीजेपी-शिंदे सरकार में उपमुख्यमंत्री बन गए। उधर शरद पवार अपनी पार्टी 'एनसीपी' को बचाने की लड़ाई लड़ रहे। ऐसा माना जा रहा कि शरद पवार अपनी बेटी सुप्रिया सुले को पार्टी की बागडोर सौंपना चाहते थे, यहीं से टकराव बढ़ा और पार्टी में बड़ी टूट हुई।

जब आमने-सामने आ गए ठाकरे ब्रदर्स

महाराष्ट्र की पवार फैमिली ही नहीं ठाकरे परिवार में टकराव हो चुका है। बालासाहेब ठाकरे की पार्टी शिवसेना का जिम्मा उद्धव ठाकरे को सौंपे जाने के बाद ये घमासान सामने आया। उस समय उद्धव के भाई राज ठाकरे ने शिवसेना छोड़कर महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना का गठन किया। हालांकि, अब राज ठाकरे और उद्धव ठाकरे के बीच फिर से नजदीकियां बढ़ती दिख रही हैं। इसे महाराष्ट्र की राजनीति में अहम माना जा रहा।

गांधी परिवार में भी हो चुका है टकराव

कांग्रेस नेता राहुल गांधी अभी लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष हैं। उनके साथ बहन प्रियंका गांधी, मां सोनिया गांधी पार्टी में अहम जिम्मेदारी संभाल रही हैं। हालांकि, गांधी परिवार में भी टकराव सामने आ चुका है। ये मामला उस समय का है जब इंदिरा गांधी के बड़े बेटे संजय गांधी का निधन हुआ था। उसी के बाद संजय गांधी की पत्नी मेनका गांधी ने अलग राह पकड़ ली थी। वो गांधी परिवार से अलग होकर बीजेपी में चली गईं, उनके टिकट पर कई बार सांसद और केंद्रीय मंत्री भी बनीं। मेनका गांधी के बेटे वरुण गांधी भी बीजेपी के सदस्य हैं और सांसद रह चुके हैं।

हरियाणा के चौटाला परिवार में भी फूट

हरियाणा का चौटाला परिवार भी सियासी उठापटक से बच नहीं सका। यहां भी परिवार में पार्टी के नेतृत्व का मुद्दा प्रमुखता से उठा और फिर दो खेमे बन गए। पूरा घमासान 2018 में सामने आया, जब चौटाला परिवार में विरासत की लड़ाई का असर इंडियन नेशनल लोकदल पर पड़ा। ओम प्रकाश चौटाला और उनके बड़े बेटे अजय चौटाला अलग हो गए। अजय चौटाला ने नया दल जननायक जनता पार्टी बनाई। 2019 के हरियाणा विधानसभा चुनाव में जेजेपी ने 90 में से 10 सीटें जीतीं और अजय चौटाला के बेटे दुष्यंत चौटाला 'किंगमेकर' बनकर उभरे। बीजेपी ने जेजेपी संग मिलकर राज्य में सरकार बनाई और दुष्यंत चौटाला उपमुख्यमंत्री बने। हालांकि, 2024 विधानसभा चुनाव से पहले दुष्यंत चौटाला ने खुद को सरकार से अलग कर लिया था।

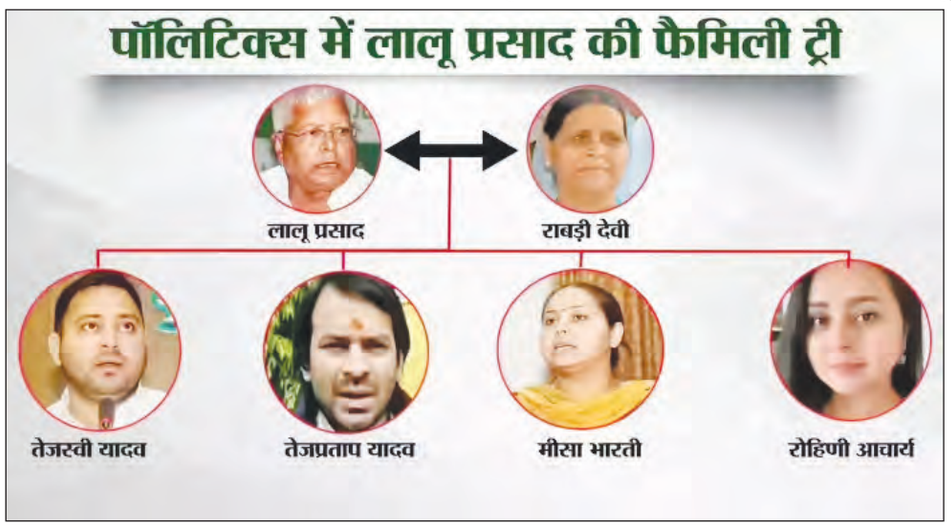

तेलंगाना के केसीआर परिवार में भी फूट

तेलंगाना के पूर्व सीएम और बीआरएस चीफ केसीआर की पार्टी में भी फूट सामने चुकी है। बीते विधानसभा चुनाव में पार्टी को मिली शिकस्त के बाद टकराव सामने आ गया। फिलहाल केसीआर के बेटे केटीआर के हाथ में पार्टी की कमान है। इस बीच उन्होंने अपनी बहन के. कविता को पार्टी से बाहर निकालने का फैसला लिया। इसी के बाद के. कविता ने अलग पार्टी बना ली। देखना होगा कि इस राजनीतिक फूट से दोनों खेमों पर आगे क्या असर पड़ेगा।

उपमुख्यमंत्री ने मंत्रिमंडल में फेरबदल की संभावनाओं को किया खारिज

कहा-नेता तभी टिकेंगे जब पार्टी बचेगी

बेंगलुरु, 17 नवंबर (एजेंसियां)। कर्नाटक मंत्रिमंडल में फेरबदल की अटकलों के बीच उपमुख्यमंत्री और प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष डी.के. शिवकुमार ने सोमवार को ऐसी किसी भी संभावना से इनकार किया। हालांकि, पार्टी सूत्रों ने संकेत दिया है कि इस घटनाक्रम से पार्टी के भीतर और भी कलह पैदा होने की संभावना है, क्योंकि मुख्यमंत्री सिद्धारमैया मंत्रिमंडल में फेरबदल के इच्छुक हैं।

दिल्ली में पत्रकारों से बात करते हुए, जब शिवकुमार से कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे से उनकी मुलाकात के बारे में पूछा गया, तो उन्होंने कहा, किसी भी प्रदेश अध्यक्ष का राष्ट्रीय अध्यक्ष से मिलना स्वाभाविक है। इसमें कुछ खास नहीं है। यह मुलाकात पार्टी के मामलों को लेकर थी। कार्यालय उद्घाटन, ट्रस्ट और अन्य मुद्दों पर चर्चा हुई। मंत्रिमंडल में फेरबदल की चर्चा के बारे में पूछे जाने पर, शिवकुमार ने स्पष्ट रूप से कहा कि ऐसा कुछ भी नहीं हो रहा है और यह मुद्दा विचाराधीन नहीं है। अगर कांग्रेस पार्टी है, तो आप और मैं जीवित रह सकते हैं। मैं यहां पार्टी के मामलों पर चर्चा करने आया हूं। मंत्रिमंडल में कोई फेरबदल नहीं है, और इससे संबंधित कुछ भी नहीं है। इस बीच, मुख्यमंत्री सिद्धारमैया आज सुबह बेंगलुरु से दिल्ली के लिए रवाना हुए। समाज कल्याण मंत्री एच.सी. महादेवप्पा, मुख्यमंत्री के कानूनी सलाहकार और विधायक ए.एस. पोन्नन्ना और वरिष्ठ विधायक अशोक पट्टन उनके साथ राष्ट्रीय राजधानी गए।

इससे पहले, बर्खास्त मंत्री के.एन. राजन्ना ने मुख्यमंत्री सिद्धारमैया से उनके आवास पर मुलाकात की और लगभग 20 मिनट तक उनसे चर्चा की। इस दौरान मंत्री महादेवप्पा भी मौजूद थे। सूत्रों ने बताया कि राजन्ना ने मुख्यमंत्री से उन्हें मंत्रिमंडल में फिर से शामिल करने और राष्ट्रीय नेतृत्व को यह विश्वास दिलाने का अनुरोध किया कि वह कांग्रेस पार्टी की विचारधारा के प्रति समर्पित एक निष्ठावान अनुयायी हैं। मतदाता धोखाधड़ी पर राहुल गांधी के बयान पर विरोधाभासी टिप्पणियों के बाद राजन्ना को मंत्रिमंडल से हटा दिया गया था।

राजन्ना ने कांग्रेस पार्टी को अपने गृह जिले तुमकुरु में पूरी तरह से हार का सामना करने की चेतावनी भी दी है, और उनके समर्थकों ने पार्टी का झंडा लिए बिना ही कार्यक्रम आयोजित करना शुरू कर दिया है। दिल्ली पहुंचने के बाद, मुख्यमंत्री सिद्धारमैया प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मिलने वाले हैं। उम्मीद है कि वह बाद में खड़गे से भी मिलेंगे और मंत्रिमंडल में फेरबदल पर चर्चा करेंगे।

मुंबई में फ्रांस की महिला से छेड़ाछाड़

शिकायत के 24 घंटे में आरोपी गिरफ्तार; फ्रांसीसी एम्बेसी में काम करती है पीड़ित

मुंबई, 17 नवंबर (एजेंसियां)। मुंबई के बांद्रा वेस्ट इलाके में फ्रांस की महिला (27) से छेड़छाड़ हुई। घटना 8 नवंबर की रात करीब 12:25 बजे हुई। महिला के मुताबिक वह अपने दोस्त से मिलकर घर लौट रही थी। तभी स्कूटर सवार व्यक्ति ने उसका पीछा किया और उससे छेड़छाड़ करके फरार हो गया। पीड़ित ने घटना के 5 दिन बाद 14 नवंबर को पुलिस थाने में शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने आरोपी को 24 घंटे में ही गिरफ्तार कर लिया। धारावी का कबाड़ कारोबारी सुनील वाघेला, जिसे छेड़छाड़ के आरोप में गिरफ्तार किया गया। धारावी का कबाड़ कारोबारी सुनील वाघेला, जिसे छेड़छाड़ के आरोप में गिरफ्तार किया गया। पुलिस के मुताबिक पीड़ित मुंबई के फ्रांसीसी वाणिज्य दूतावास में कर्मचारी है।

कॉर्बेट टाइगर रिजर्व में अवैध निर्माण और पेड़ों की कटाई पर सुप्रीम कोर्ट सख्त

> उत्तराखंड सरकार को दिए कडे निर्देश

नई दिल्ली, 17 नवंबर (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को उत्तराखंड सरकार को निर्देश दिया कि जिम कॉर्बेट टाइगर रिजर्व में जो भी नुकसान हुआ है, उसकी पूरी क्षतिपूर्ति की जाए।

गौरतलब है कि शीर्ष अदालत में डाली गई याचिका में पेड़ों की अवैध कटाई और गैरकानूनी निर्माण के खिलाफ याचिका डाली गई थी। इसे लेकर चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली बेंच ने कई निर्देश जारी करते हुए कहा कि सुप्रीम कोर्ट की तरफ से नियुक्त की गई केंद्रीय सशक्त समिति (सीईसी) से परामर्श कर तीन महीने के अंदर सभी अवैध निर्माणों को ध्वस्त करना सुनिश्चित करें। सुप्रीम कोर्ट ने कहा, "सीईसी उत्तराखंड द्वारा तैयार की गई पारिस्थितिक पुनर्स्थापन योजना की निगरानी करेगी।" अदालत ने राज्य सरकार को अवैध पेड़ कटाई की भरपाई के लिए कदम उठाने का भी निर्देश दिया। सीजेआई ने कहा, "अगर पर्यटन को बढ़ावा देना है, तो यह इको-टूरिज्म के तौर पर होना चाहिए।" उन्होंने यह भी कहा कि हमने मुख्य इलाके में अपने परिवारों से दूर कार्य करने वाले कर्मियों के लिए विशेष प्रावधान लाने का निर्देश दिया है।

फैसले के मुताबिक, उत्तराखंड सरकार को कॉर्बेट टाइगर रिजर्व में हुए नुकसान की क्षतिपूर्ति करनी होगी। अदालत ने कहा, "टाइगर सफारी के मामले में हमने दिशानिर्देश जारी किए हैं। यह 2019 के नियमों के तहत होना चाहिए। बचाव केंद्र स्थापित किए जाएं और उपचार-देखभाल में सहयोग हो। ये केंद्र टाइगर सफारी के करीब हों। वाहनों की संख्या को रेगुलेट किया जाए।" बेंच ने तीन महीने के अंदर एक बाघ संरक्षण योजना तैयार करने का भी आदेश दिया।

महबूबा बोलीं-कश्मीर की परेशानी लाल किले के सामने गूंजी

सरकार का वादा था-जम्मू-कश्मीर सुरक्षित होगा, दिल्ली ही खतरे में आ गई

श्रीनगर, 17 नवंबर (एजेंसियां)। पीडीपी चीफ और जम्मू कश्मीर की पूर्व सीएम महबूबा मुफ्ती ने केंद्र सरकार पर आरोप लगाया कि 10 नवंबर को लाल किले पर हुआ विस्फोट देश भर में बढ़ती असुरक्षा की भावना और जम्मू-कश्मीर में केंद्र की नीतियों की विफलता को दिखाता है। महबूबा ने कहा-आपने दुनिया को बताया कि कश्मीर में सब कुछ ठीक है, लेकिन कश्मीर की परेशानी लाल किले के सामने गूंज रही हैं। आपने जम्मू-कश्मीर को सुरक्षित बनाने का वादा किया था, लेकिन उसे पूरा करने के बजाय, आपकी नीतियों ने दिल्ली को असुरक्षित बना दिया है।

दिल्ली में लाल किला मेट्रो स्टेशन के पास 10 नवंबर की शाम कार ब्लास्ट हुआ था। जिसमें पुलवामा के रहने वाले डॉ. उमर ने खुद को विस्फोटक समेत उड़ा दिया था। इस हमले में 13 लोगों की मौत हुई है, जबकि 20 से ज्यादा घायल हैं। दिल्ली, हरियाणा, जम्मू कश्मीर और यूपी पुलिस समेत एनआईए, एनएसजी, ईडी इस व्हाइट कॉलर टेरर मॉड्यूल की जांच कर रही हैं। अब तक इस मॉड्यूल से जुड़े 6 डॉक्टरों को गिरफ्तार किया जा चुका है।

हिंदू-मुस्लिम की राजनीति करके वोट तो मिल सकते हैं, लेकिन देश किस दिशा में जा रहा है।दिल्ली के लोग शायद यह सोचते हैं कि जितना ज्यादा हिंदू-मुस्लिम विभाजन होगा, उतना ही खून-खराबा होगा, उतने ही ज्यादा वोट उन्हें मिलेंगे। मुझे लगता है कि उन्हें दोबारा सोचना चाहिए। देश कुर्सी से कहीं बड़ा है।

मैं ऐसा करने वाले युवाओं से फिर कहना चाहती हूं कि आप जो कर रहे हैं वह हर तरह से गलत है। यह न केवल आपके लिए, बल्कि आपके परिवार, जम्मू-कश्मीर और पूरे देश के लिए भी खतरनाक है। आप इतना बड़ा जोखिम इसलिए उठा रहे हैं क्योंकि आप अपने प्रियजन की जिंदगी बर्बाद कर रहे हैं। कई निर्दोष लोगों की जिंदगी दांव पर लगी है।

दिल्ली ब्लास्ट केस

अदालत ने आमिर राशिद अली को 10 दिन की एनआईए हिरासत में भेजा

नई दिल्ली, 17 नवंबर (एजेंसियां)। दिल्ली की अदालत ने कार ब्लास्ट मामले में ड्राइवर उमर मोहम्मद उर्फ उमर उर नबी के सहयोगी आमिर राशिद अली को 10 दिन की एनआईए हिरासत में भेजा है। आमिर को राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने रविवार को दिल्ली से गिरफ्तार किया था।

एनआईए ने सोमवार को दिल्ली की अदालत में आमिर राशिद अली को पेश किया और उसकी कस्टडी मांगी। इस पर सुनवाई करते हुए अदालत ने एनआईए को 10 दिन की कस्टडी सौंपी। आमिर राशिद अली से पूछताछ के दौरान एनआईए को कई अहम कड़ियों को जोड़ने में मदद मिल सकती है। आमिर राशिद अली जम्मू-कश्मीर के पंपोर के संबूरा का रहने वाला है। सूत्रों के अनुसार, एनआईए की जांच से पता चला है कि आमिर ने उमर उन नबी के साथ मिलकर आतंकी हमला करने की साजिश रची थी। एक बयान में कहा गया, आमिर कार की खरीद में मदद करने के लिए दिल्ली आया था, जिसमें विस्फोट हुआ था। इस आतंकी हमले की जांच के सिलसिले में एनआईए को आमिर की गिरफ्तारी के रूप में सफलता मिली। एनआईए ने दिल्ली पुलिस से मामला अपने हाथ में लेने के बाद व्यापक तलाशी अभियान चलाया था। दिल्ली में लाल किले के पास 10 नवंबर को हुए कार ब्लास्ट में कम से कम 12 लोग मारे गए थे, जबकि कई लोग बुरी तरह घायल हुए। यह ब्लास्ट फरीदाबाद में आतंकी मॉड्यूल के खुलासे के कुछ घंटे बाद हुआ था, जिसमें डॉक्टर मुजम्मिल और शाहीन समेत सात लोगों को आतंकी गतिविधियों में शामिल होने के आरोप में गिरफ्तार किया गया था। कार ब्लास्ट में शामिल उमर का भी फरीदाबाद के आतंकी मॉड्यूल से कनेक्शन सामने आया था। इसके बाद सरकार ने दिल्ली कार ब्लास्ट को आतंकी हमला करार देते हुए जांच एनआईए को सौंपी थी।

कर्नाटक में महिला के साथ सामूहिक दुष्कर्म

मदद करने के नाम पर वारदात को दिया गया अंजाम; सभी गिरफ्तार

बंगलूरू, 17 नवंबर (एजेंसियां)। कर्नाटक के कोप्पल जिले में एक महिला के साथ चार लोगों ने सामूहिक दुष्कर्म की वारदात को अंजाम दिया है। मामले में एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि रविवार को हुई इस घटना में शामिल सभी चार आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया है।

आर्थिक मदद करने के नाम पर दरिंदगी

पुलिस के अनुसार, महिला ने अपनी शिकायत में कहा है कि उसने एक आरोपी से आर्थिक मदद मांगी थी, जो उसे जानता था। उसने उसे मदद का आश्वासन दिया और कहा कि वह उसे 5,000 रुपये देगा।

आरोपियों ने जूस मिलाया था नशीला पदार्थ में

पैसे लेने के लिए, उसने उसे कुष्टगी तालुका में एक जगह आने को कहा। जब महिला उस जगह पर उससे मिली, तो वह उसे पैसे देने के बहाने मोटरसाइकिल पर येलबुर्गा ले गया। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने शिकायत का हवाला देते हुए बताया कि वहां एक सुनसान जगह पर पहुंचने के बाद, तीन लोग उसके साथ आ गए और कथित तौर पर उसे जूस पिलाया, जिसके बारे में उसे शक है कि उसमें नशीला पदार्थ मिला हुआ था। अधिकारी ने बताया कि बाद में, उन लोगों ने कथित तौर पर उसका यौन उत्पीड़न किया और उसके साथ दुष्कर्म किया।

महिला का इलाज जारी, सभी चार आरोपी गिरफ्तार

पुलिस ने बताया कि घटना के बाद आरोपी मौके से फरार हो गए। उन्होंने बताया कि महिला का यहां एक सरकारी अस्पताल में इलाज चल रहा है और उसकी हालत स्थिर बताई जा रही है। उन्होंने बताया कि शिकायत के आधार पर भारतीय न्याय संहिता की धारा 70 (सामूहिक दुष्कर्म) के तहत मामला दर्ज किया गया और घटना में शामिल सभी चार आरोपियों को रविवार देर रात गिरफ्तार कर लिया गया। फिलहाल पूरे मामले की छानबीन की जा रही है।

महिला से छेड़छाड़ के बाद मोबाइल छीना गया

बंगलूरू के उपकार लेआउट में 7 नवंबर की रात एक महिला के साथ छेड़छाड़ और लूट की वारदात हुई। पुलिस के मुताबिक, महिला रात 10.30 बजे अपने कुत्ते को टहलाने बाहर निकली थी। एफआईआर के अनुसार, एक अज्ञात व्यक्ति उसके पास आया और पहले उससे कुत्ते को सहलाने की अनुमति मांगी। बातचीत के बाद जब महिला वहां से जाने लगी, तो उसने अचानक अनुचित तरीके से उसे छुआ। महिला के विरोध करने पर उसने दोबारा छेड़छाड़ की कोशिश की, जिसके बाद महिला ने उसे धक्का दिया और मारा। झड़प के दौरान महिला का मोबाइल जमीन पर गिर गया। मदद के लिए चिल्लाने पर आरोपी मोबाइल उठाकर भाग गया। पुलिस ने 8 नवंबर को जयनभारती थाने में छेड़छाड़, यौन उत्पीड़न, चोरी और चोट पहुंचाने के आरोपों के तहत मामला दर्ज कर लिया है।

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

मेरा हैदराबाद

सुविचार

दो तरह से देखने से चीज़े छोटी नजर आती है, एक दूर से और एक गुरुर से!

पायरेटेड फिल्मों का विशाल भंडार और बैंक खातों से 3 करोड़ जब्त : सज्जनार

रवि पर लगभग 21 हजार फिल्में अपलोड करने का आरोप

हैदराबाद, 17 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद पुलिस ने गैरकानूनी मूवी वेबसाइट आईबोम्मा के संस्थापक रवि द्वारा कथित तौर पर की गई व्यापक डिजिटल पायरेसी के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी का खुलासा किया है।

रवि पर लगभग 21,000 फिल्में अपलोड करने का आरोप है, जिनमें हॉलीवुड की प्रतिष्ठित 1972 की क्लासिक 'द गॉडफादर' और हाल ही में आई टॉलीवुड फिल्म 'ओजी' शामिल हैं। सोमवार को मीडिया से बात करते हुए, पुलिस आयुक्त वी.सी. सज्जनर ने कहा कि रवि न केवल इस विशाल पायरेसी नेटवर्क का संचालन करता था, बल्कि ऑनलाइन सट्टेबाजी प्लेटफॉर्म को बढ़ावा देने में भी लगा हुआ था, जिससे एक जटिल आपराधिक माहौल बन गया।

सज्जनार ने बताया, उसने 65 मिरर वेबसाइटें स्थापित कीं। हमारी टीमों ने उसकी हार्ड ड्राइव से लगभग 21,000 फिल्में बरामद कीं। अपनी पायरेसी गतिविधियों के माध्यम से, उसने कथित तौर पर लगभग 20 करोड़ रुपये कमाए, और हमने अब तक उसके बैंक खातों से 3 करोड़ रुपये जब्त किए हैं। धोखाधड़ी की जटिल प्रकृति और अवैध धन के बड़े पैमाने पर प्रवाह को देखते हुए, आयुक्त ने संकेत दिया कि मामला केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) और प्रवर्तन निदेशालय को भेजा जाएगा। बताया जाता है कि रवि के कार्यों में अंतर्राष्ट्रीय कनेक्शन और लगभग 50 लाख उपयोगकर्ताओं का ग्राहक आधार शामिल है। सज्जनार ने चेतावनी दी, हालांकि पायरेसी गैरकानूनी है, लेकिन यह अक्सर एक बड़ी योजना से जुड़ी होती है।

आपकी व्यक्तिगत जानकारी डार्क वेब पर पहुँच सकती है, जहां इसका संभावित रूप से शोषण किया जा सकता है। जांचकर्ताओं ने पाया कि रवि पायरेसी के धंधे को चलाने के लिए पूरी तरह समर्पित था। उसने 101 डोमेन नाम खरीदे और जब भी कोई डोमेन नाम हटाया जाता, तो वह उनके बीच स्विच करता। इसके अलावा, उसने प्रमुख स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म पर प्रीमियर होने वाली फिल्मों को लीक किया और सिनेमाघरों से अनधिकृत रिकॉर्डिंग का इस्तेमाल किया। यह सामग्री टेलीग्राम चैनलों के माध्यम से उपयोगकर्ताओं तक पहुंचाई जाती थी।

बाद में, रवि ने आई बोम्मा से ट्रैफ़िक को ऑनलाइन सट्टेबाजी एप्लिकेशन पर पुनर्निर्देशित किया, एपीके फाइलें वितरित कीं, जिससे ग्राहकों को साइबर धोखाधड़ी का खतरा था। सज्जनार ने कहा, हमने आईबोम्मा व बीएपीपीएएम वेबसाइटों को पहले ही ध्वस्त कर दिया है और इस ऑपरेशन से प्रत्येक व्यक्ति की कमाई का पता लगाने की कोशिश कर रहे हैं। कमिश्नर ने बताया कि रवि ने पहले पुलिस को उसे पकड़ने की चुनौती दी थी, लेकिन वह अभी जेल में है। पुलिस नेटवर्क की और गहन जांच के लिए एक बार फिर हिरासत की मांग करने की योजना बना रही है। सज्जनार ने यह भी सख्त चेतावनी दी कि पुलिस का अपमान करने वाले मीम्स बनाने वालों को गंभीर परिणाम भुगतने होंगे।

चोरी के आभूषण के साथ तीन गिरफ्तार, 8 लाख के गहने बरामद

हैदराबाद, 17 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। सिकंदराबाद रेलवे पुलिस ने आरपीएफ कर्मचारियों के साथ मिलकर आरपीएस सिकंदराबाद की सीमा में अपराध करने वाले तीन कुख्यात चोरों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी अर्जुन कनिफनाथ बोसले पुत्र कनिफनाथ साहेबराव बोसले, निवासी अहमद नगर जिला, महाराष्ट्र, भरत वामन गांगुर्डे पुत्र वामन गांगुर्डे, निवासी अहिल्यादेवी नगर, अहमद नगर जिला, महाराष्ट्र, संतोष शांताराम कुसालकर पुत्र शांताराम अन्ना कुसालकर, निवासी विंचुर, निफाड तालुका, विंचूर लासगांव, नासिक महाराष्ट्र को गिरफ्तार किया गया।

तीनों आरोपी अपनी वित्तीय कठिनाइयों और व्यसनों के कारण आसान आर्थिक लाभ के लिए मिलकर चोरी की साजिश रची थी। तीनों पहले भी अपने-अपने इलाकों में छोटी-मोटी चोरियों में शामिल रहे थे और विंचूर गांव में अपने साथियों के ज़रिए एक-दूसरे से परिचित हुए, जहां उन्होंने चोरी जारी रखने की योजना बनाई। कोपरगांव आने के बाद, उन्होंने रेलवे स्टेशनों पर यात्रियों को निशाना बनाने का फैसला किया, क्योंकि उन्हें चोरी करके भागने का यह एक आसान तरीका लगा। इसके बाद, उन्होंने 12 अक्टूबर को ट्रेन संख्या 12734 नारायणद्री एक्सप्रेस में और उसी दिन ट्रेन संख्या 12728 गोदावरी एक्सप्रेस में एक और चोरी की। इसके अलावा, उन्होंने चुराए गए सोने के गहने महाराष्ट्र में बालू दहाड़े नाम के एक व्यक्ति को बेच दिए और उससे मिले पैसों को अपनी निजी ज़रूरतों पर खर्च कर दिया। आरोपियों के पास से 7,80,000 रुपये मूल्य के 78 ग्राम सोने के आभूषण जब्त किए गए।

इसी क्रम में जीआरपी और आरपीएफ सिकंदराबाद द्वारा एक आदतन संपत्ति अपराधी को गिरफ्तार किया गया, 29 ग्राम सोने की चेन और एक मोबाइल फोन बरामद किया गया, जिसकी कीमत 2,93,000 रुपये है। आरोपी मोहम्मद सनीदुल इस्लाम पुत्र रोहिसुद्दीन, निवासी तुक्कुगुडा, रंगारेड्डी जिला, तेलंगाना को गिरफ्तार किया गया है। आरोपी लंबे समय से आर्थिक तंगी, कई नौकरियां करने के बावजूद उचित वेतन न मिल पाने और शराब व सिगरेट की लत से जूझ रहा था। उसने चोरी करके आसानी से पैसा कमाने का फैसला किया। इसी इरादे से, वह जानबूझकर सिकंदराबाद रेलवे स्टेशन गया, भीड़ देखी और स्टेशन व ट्रेनों में चोरी करने की योजना बनाई। बीते पांच नवंबर को उसने घटकेसर के पास ट्रेन संख्या 17626 डेल्टा एक्सप्रेस के एक एसी कोच में चोरी की और चोरी की गई नकदी को अपनी निजी जरूरतों पर खर्च कर दिया। इसके बाद, उसने 6 नवंबर को सिकंदराबाद रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्म संख्या 1 पर एक और चोरी की और सोना, नकदी और एक मोबाइल फोन चुरा लिया। आरोपी को 16 नवंबर को सिकंदराबाद रेलवे स्टेशन पर गिरफ्तार कर लिया गया।

तेलंगाना में शीत लहर का प्रकोप जारी, मौसम विभाग ने जारी किया येलो अलर्ट

हैदराबाद, 17 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना में भीषण शीत लहर का प्रकोप बढ़ गया है, हाड़ कंपा देने वाली हवाएं और सुबह का घना कोहरा लोगों को परेशान कर रहा है। मौसम विभाग ने अनुमान लगाया है कि अगले दो दिनों में न्यूनतम तापमान सामान्य से 4-5 डिग्री कम हो सकता है। आदिलाबाद, कोमाराम भीम आसिफाबाद, निर्मल, संगारेड्डी, मेदक और कामारेड्डी जिलों के लिए सोमवार और आसिफाबाद, आदिलाबाद, निर्मल, संगारेड्डी और मेदक जिलों के लिए मंगलवार को येलो अलर्ट जारी किया गया है। आसिफाबाद जिले के सिरपुर में राज्य का सबसे कम न्यूनतम तापमान 7.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जबकि कई इलाकों में तापमान शून्य से नीचे दर्ज किया गया।

हैदराबाद में, मौसम का सबसे कम तापमान हैदराबाद विश्वविद्यालय क्षेत्र में 8.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जबकि राजेंद्रनगर में 10 डिग्री सेल्सियस, कैंटोनमेंट में 11.2 डिग्री सेल्सियस, मारेडपल्ली में 11.5 डिग्री सेल्सियस और कुतुबुल्लापुर और गच्चीबोवली में 12 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। मौसम विभाग ने चेतावनी दी है कि अगले दो दिनों तक शीतलहर जारी रहेगी और मंगलवार सुबह तक हैदराबाद में ठंड जारी रहने की संभावना है।

सी.वी. आनंद के सोशल मीडिया पोस्ट पर विवाद, अधिकारी ने दी सफाई

अभिनेता बालकृष्ण से जुड़ी इमोजी प्रतिक्रिया को बताया हैंडलर की गलती

हैदराबाद, 17 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के गृह विभाग के विशेष मुख्य सचिव सी.वी. आनंद ने एक पुराने सोशल मीडिया पोस्ट पर उठे विवाद को लेकर सफाई दी है। यह विवाद तब शुरू हुआ जब उनके एक्स अकाउंट से अभिनेता नंदमुरी बालकृष्ण (बलैया) से संबंधित पोस्ट पर एक इमोजी रिप्लाई सामने आया, जिससे उनके प्रशंसकों और आलोचकों के बीच बहस छिड़ गई। अधिकारी ने स्पष्ट किया कि लगभग दो महीने पहले किया गया वह इमोजी रिप्लाई उनके द्वारा नहीं, बल्कि एक सोशल मीडिया हैंडलर द्वारा किया गया था, जिसे उनके एक्स और इंस्टाग्राम अकाउंट संभालने की जिम्मेदारी दी गई थी। उन्होंने कहा कि यह प्रतिक्रिया अनावश्यक थी और उनकी जानकारी के बिना की गई थी।

विवाद सामने आने पर सी.वी. आनंद ने पोस्ट को हटाया, मामले की जानकारी जुटाई और बालकृष्ण को व्यक्तिगत रूप से संदेश भेजकर सम्मान व्यक्त किया तथा यदि पोस्ट से किसी की भावना आहत हुई हो तो माफी भी मांगी। उन्होंने बताया कि वह अभिनेता को दशकों से जानते हैं और चिरंजीवी, वेंकटेश और नागार्जुन जैसे वरिष्ठ तेलुगु सितारों के काम की हमेशा सराहना करते रहे हैं। आनंद ने यह भी बताया कि दो-तीन अनुचित पोस्ट के कारण उन्होंने पिछले महीने ही उस सोशल मीडिया हैंडलर को हटा दिया, जिसके बाद उनके अकाउंट पर पोस्ट और प्रतिक्रियाएं कम हो गईं। उन्होंने सभी से आग्रह किया कि इस मुद्दे को अब समाप्त माना जाए।

रेल परिचालन की सुरक्षा बनाए रखने के लिए समपारों पर सुरक्षा महत्वपूर्ण : महाप्रबंधक

हैदराबाद, 17 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। दक्षिण मध्य रेलवे के महाप्रबंधक संजय कुमार श्रीवास्तव ने अधिकारियों और कर्मचारियों को सड़क यातायात सुरक्षा और रेल परिचालन के लिए सभी समपारों पर सुरक्षा प्रोटोकॉल का कड़ाई से पालन करने की सलाह दी। सुरक्षा और यातायात सुविधा कार्यों पर एक विस्तृत समीक्षा बैठक सोमवार को रेल निलयम, सिकंदराबाद में आयोजित की गई। इस समीक्षा बैठक में दक्षिण मध्य रेलवे के अपर महाप्रबंधक सत्य प्रकाश सहित विभिन्न विभागों के प्रमुख और सभी 6 मंडलों यानी सिकंदराबाद, हैदराबाद, विजयवाड़ा, गुंतकल, गुंटूर और नांदेड़ के मंडल रेल प्रबंधकों (डीआरएम) ने वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से भाग लिया। महाप्रबंधक ने रेल परिचालन के प्रबंधन में सुरक्षा पर जोर दिया और कहा कि सड़क यातायात और रेल परिचालन के सुरक्षित संचालन के लिए उन सभी फाटकों पर सुरक्षा दिशानिर्देशों का कड़ाई से पालन करना बेहद ज़रूरी है जहां इंटरलॉकिंग नहीं है। अधिकारियों ने महाप्रबंधक को ज़ोन में नॉन-इंटरलॉकिंग फाटकों के स्थान के बारे में जानकारी दी। महाप्रबंधक ने नॉन-इंटरलॉकिंग फाटकों को इंटरलॉकिंग समपार फाटकों में बदलने की कार्ययोजना की समीक्षा की।

महाप्रबंधक ने सड़क और रेल उपयोगकर्ताओं की सुरक्षा को मजबूत करने के लिए आरयूबी और आरओबी पर चल रहे कार्यों में तेज़ी लाने के निर्देश दिए। महाप्रबंधक ने शीत ऋतु की समीक्षा की। इस संबंध में, उन्होंने अधिकारियों के साथ पर्याप्त फॉगिंग उपकरण, बिजली, सिग्नल उपकरण और दोनों तरफ़ पटरियों में बाधा डालने वाले पेड़ों की कटाई के प्रावधान की समीक्षा की। उन्होंने स्टेशनों पर सुरक्षा अलार्म लगाने पर भी चर्चा की ताकि ट्रेनों के व्यस्त लाइनों के विरूद्ध निर्धारित बिंदुओं की पहचान की जा सके। उन्होंने अधिकारियों को केबल क्षति की पहचान करने और ट्रेनों की समयपालनता बनाए रखने के लिए उन्हें तुरंत ठीक करने का निर्देश दिया।

बाद में, संजय कुमार श्रीवास्तव ने जोन में यातायात सुगमता कार्यों और यार्ड रीमॉडलिंग कार्यों की प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने मंडल रेल प्रबंधकों को निजी साइडिंग, लूप लाइनों के विस्तार, सभी महत्वपूर्ण स्टेशनों पर अतिरिक्त स्टेबलाइजिंग लाइनों के प्रावधान, स्टेशन भवनों से संबंधित विस्तार कार्यों और छोटे-बड़े पुलों से संबंधित कार्यों में तेजी लाने के निर्देश दिए। उन्होंने गति शक्ति कार्गो टर्मिनल के निर्माण कार्यों की प्रगति की भी समीक्षा की और उन्हें निर्धारित समय पर पूरा करने के लक्ष्य निर्धारित किए।

सीसीटीवी तकनीशियन की नृशंस हत्या और लूट के आरोप में चार गिरफ्तार

हैदराबाद, 17 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। मूल रूप से बिहार के रहने वाले सीसीटीवी तकनीशियन सौरभ कुमार (24) की नृशंस हत्या और लूट के मामले में रायदुर्गम पुलिस ने चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों में दो वयस्कों मोहम्मद इब्राहिम और रेहान निवासी टोलीचौकी और दो किशोर (सीसीएल) (जिनकी उम्र 18 वर्ष से कम है), सभी हकीमपेट निवासी है। सौरभ कुमार की 13 नवंबर को चोटों के कारण मौत हो गई थी। माधापुर ज़ोन के डीसीपी ऋतिराज के अनुसार, आरोपी 10 और 11 नवंबर की रात हाईटेक सिटी, गच्चीबावली और रायदुर्गम में अपने शिकार की तलाश में घूम रहे थे। उन्होंने पहले जुबली हिल्स में सौरभ का फोन छीनने की कोशिश की, लोगों के इकट्ठा होने पर भाग गए, फिर फिर से इकट्ठा हुए और कथित तौर पर उसका पीछा किया। रायदुर्गम के एफडीडीआई कॉलेज के पास, उन्होंने उस पर सेंटरिंग डंडों से हमला किया, उसका वीवो मोबाइल फोन लूट लिया और भाग गए। डायल 100 की सूचना के बाद पुलिस ने गंभीर रूप से घायल पीड़ित को उस्मानिया जनरल अस्पताल पहुंचाया, लेकिन इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। मामला हत्या के प्रयास से बदलकर धारा 103, 309(6) के साथ धारा 3(5) बीएनएस (लाभ के लिए हत्या) में बदल दिया गया। दो पुलिस टीमों ने सोमवार को आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। चोरी का फोन, दो मोटरसाइकिलें और अपराध में इस्तेमाल किए गए चार मोबाइल फोन बरामद किए गए। उन्हें अदालत में पेश किया जा रहा है और आगे की जांच जारी है।

साड़ी बाइक के पहिये में फंसी, महिला की मौत

मंचेरियल, 17 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। जयपुर मंडल के इंदरम गांव के निकट गोदावरी नदी पर बने उच्च स्तरीय पुल पर रविवार रात एक दर्दनाक हादसे में वेमनपल्ली मंडल केंद्र की 35 वर्षीय मध्यार्ला पुष्पपालता की मृत्यु हो गई। पुलिस के अनुसार, पुष्पपालता अपने दोपहिया वाहन पर सफर कर रही थीं, तभी उनकी साड़ी मोटरसाइकिल के पीछे के पहिये में फंस गई। संतुलन बिगड़ने पर वे सड़क पर गिर पड़ीं और गंभीर चोट लगने से उनकी मौके पर ही मौत हो गई। मृतका के पति वेंकन्ना की पहले ही कोविड-19 के दौरान मृत्यु हो चुकी थी। पुष्पपालता अपने पीछे दो बेटों और एक बेटी को छोड़ गई हैं।

नायलॉन मांझे पर रोक के लिए जागरूकता अभियान शुरू

संगारेड्डी, 17 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। दिसंबर में पतंगबाजी का मौसम शुरू होते ही प्रतिबंधित नायलॉन मांझे के खतरों को देखते हुए, एनिमल वॉरियर्स कंजर्वेशन सोसाइटी (एडब्ल्यूसीएस) ने ग्रेटर हैदराबाद नगर निगम और एचसीएल फाउंडेशन के साथ मिलकर जागरूकता कार्यक्रमों की श्रृंखला शुरू करने का निर्णय लिया है।

पटनचेरु स्थित यह संगठन बच्चों और युवाओं को विशेष रूप से लक्षित करते हुए हैदराबाद के प्रमुख शहरी पार्कों में जिम्मेदार पतंगबाजी पर जागरूकता गतिविधियां आयोजित कर रहा है। पहला कार्यक्रम इंदिरा पार्क में हुआ, जहां पिछले संक्रांति सीजन में नायलॉन मांझे में फंसे करीब 50 पक्षियों को बचाया गया था। इस सत्र में लगभग 300 लोगों को मांझे से होने वाली क्षति के बारे में बताया गया, जिसमें पिछले वर्ष मांझे में घायल होकर अपना पंख खो देने वाले एक कबूतर का उदाहरण भी शामिल था।

एडब्ल्यूसीएस की प्रतिनिधि संतोषी ने बताया कि वे सप्ताहांत में शहर के प्रमुख पार्कों में ऐसे कार्यक्रम जारी रखेंगी। स्वयंसेवक लोगों को समझाएंगे कि नायलॉन मांजा पक्षियों के लिए घातक क्यों है। सरकारी स्कूलों में भी इसी तरह के सत्र आयोजित कर छात्रों को प्रतिबंधित मांजा न खरीदने के लिए प्रेरित किया जाएगा। संगठन ने स्कूली बच्चों को पाटनचेरु के पास स्थित अपने पुनर्वास केंद्र का दौरा करने के लिए भी आमंत्रित किया है, जहां घायल पक्षियों का उपचार किया जाता है। संतोषी ने यह भी बताया कि वे पतंग विक्रेताओं से मिलकर नायलॉन मांझा न बेचने की अपील करेंगे। एडब्ल्यूसीएस हर पतंगबाजी सीजन में हैदराबाद और आसपास के क्षेत्रों में हर महीने 150 से 200 घायल पक्षियों को बचाता है। संगठन ने जीएचएमसी की शहरी जैव विविधता शाखा की अतिरिक्त आयुक्त वीवीएल सुभद्रा देवी और एचसीएल फाउंडेशन की स्वयंसेवक कोप्पोलु सैश्वेता और शेहला नुज़थ के सहयोग के लिए आभार व्यक्त किया।

बोराबंडा में ट्रांसजेंडर समूहों के बीच विवाद, तीन ने खुद को लगाई आग

हैदराबाद, 17 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। बोराबंडा में सोमवार को उस समय हल्का तनाव फैल गया जब ट्रांसजेंडर व्यक्तियों के एक समूह ने अपने प्रतिद्वंद्वी समूह के खिलाफ विरोध प्रदर्शन के दौरान खुद पर पेट्रोल छिड़ककर आग लगा ली।

रिपोर्ट के मुताबिक, इस घटना में तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए और उन्हें तुरंत गांधी अस्पताल ले जाया गया। विरोध कर रहे समूह ने आरोप लगाया कि प्रतिद्वंद्वी ट्रांसजेंडर समूह उन्हें उत्पीड़ित कर रहा था और उनके खिलाफ झूठे मामले दर्ज करवा रहा था। घटना के दौरान मौजूद पुलिसकर्मी जब आग बुझाने और लोगों को बचाने के लिए आगे बढ़े तो वे भी लपटों की चपेट में आ गए और झुलस गए। बोराबंडा पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है और दोनों समूहों के बीच विवाद की जड़ तक पहुंचने का प्रयास कर रही है।

टीडीपी के वरिष्ठ नेता अगैया का दिल का दौरा पड़ने से निधन

एनटीआर के कट्टर अनुयायी, हाल ही में महानाडु में हुए थे सम्मानित

करीमनगर, 17 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलुगु देशम पार्टी के वरिष्ठ नेता और पूर्व मुख्यमंत्री एनटी रामाराव के प्रखर अनुयायी कल्यादापु अगैया का सोमवार को दिल का दौरा पड़ने से निधन हो गया। वे लंबे समय से टीडीपी से जुड़े थे और पार्टी गठन के समय से ही सक्रिय रहे। अगैया ने वर्षों तक एनटीआर के परिवार के सदस्यों के साथ घनिष्ठ संबंध बनाए रखे और अलग तेलंगाना आंदोलन के दौरान कई नेताओं के पार्टी छोड़ने के बावजूद टीडीपी की विचारधारा के प्रति प्रतिबद्ध रहे।

हाल ही में पार्ट के महानाडु कार्यक्रम में आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायुडू और हिंदूपुर विधायक व अभिनेता बालकृष्ण ने अगैया को उनके योगदान के लिए सम्मानित किया था। उनके निधन पर चंद्रबाबू नायुडू ने गहरा शोक व्यक्त करते हुए कहा कि अगैया हर टीडीपी कार्यकर्ता के लिए प्रेरणा थे। मुख्यमंत्री ने परिवार के प्रति संवेदना जताते हुए कहा कि पार्टी के प्रति अगैया की निष्ठा को हमेशा याद किया जाएगा।

'लालू यादव धृतराष्ट्र और तेजस्वी यादव अहंकारी'

> आरजेडी सुप्रीमो के खास दोस्त शिवानंद तिवारी का सबसे बड़ा सियासी विस्फोट <

पटना, 17 नवंबर (एजेंसियां)। बिहार के वरिष्ठ समाजवादी नेता और राष्ट्रीय जनता दल (आरजेडी) के पूर्व राष्ट्रीय उपाध्यक्ष शिवानंद तिवारी ने बिहार के विधानसभा चुनाव में आरजेडी को मिली शर्मनाक पराजय को लेकर पार्टी के प्रमुख लालू यादव को निशाना बनाया है। उन्होंने आरजेडी नेता तेजस्वी यादव को अहंकारी कहा है। इसके साथ-साथ उन्होंने जनता दल यूनाइटेड (जेडीयू) के नेता और बिहार में 10वीं बार मुख्यमंत्री बनने जा रहे नीतीश कुमार को चेतावनी देते हुए बीजेपी से बचने की सलाह दी है।

शिवानंद तिवारी ने बिहार विधानसभा चुनाव के नतीजों को लेकर फेसबुक पर आरजेडी प्रमुख लालू यादव और तेजस्वी यादव पर तीखी टिप्पणी की है। उन्होंने अपनी पोस्ट में लिखा है कि, "बिहार का यह चुनाव कई मायनों में बेहद महत्वपूर्ण है। यह पहला चुनाव है जिसमें भाजपा अपने सहयोगियों के साथ बहुमत में आती दिखाई दे रही है। यह अलग बात है कि अभी वह कुछ दिनों तक नीतीश जी को ही मुख्यमंत्री बनाए रखेगी। बिहार में अपनी सरकार बनाना भाजपा का सपना रहा है। संपूर्ण हिंदी पट्टी में बिहार ही एकमात्र ऐसा प्रदेश है जहां भाजपा अब तक अपनी सरकार नहीं बना पाई है। बिहार बुद्ध की धरती है। यहीं चंपारण के सत्याग्रह के जरिए महात्मा गांधी संपूर्ण देश में जाने गए। यह लोहिया और जयप्रकाश के संघर्ष की धरती है। इस धरती ने अब तक स्वतंत्र रूप से हिंदुत्व की विचारधारा को अपनी धरती पर फलने फूलने नहीं दिया है। आज भी भाजपा यहां अन्य दलों से आयातित लोगों के कंधों पर ही टिकी हुई है। इस सबके बावजूद अपनी सरकार बनाने के सपने को साकार करने के चौखट तक तो भाजपा पहुंच ही गई है।"

लालू की राजनीति के अवसान का स्पष्ट संकेत शिवानंद तिवारी ने कहा है कि यह चुनाव लालू यादव की राजनीति का अंत करने वाला है। उन्होंने कहा है कि, "इस चुनाव ने लालू यादव को धरती सुंघा दी है। मैं लालू यादव का नाम ले रहा हूं, तेजस्वी का नहीं, क्योंकि तेजस्वी का अपना कोई व्यक्तित्व नहीं है। यह लालू यादव की ही आधुनिक प्रतिकृति है। आपादमस्तक अहंकार से चूर। यह चुनाव लालू राजनीति के अवसान का भी स्पष्ट संकेत है। लालू की राजनीति की तो 2010 में ही इतिश्री हो गई थी। उस चुनाव में लालू यादव की पार्टी के मात्र बाईस विधायक ही विधानसभा में पहुंचे थे। हालत इतनी खराब हो गई थी कि लालू जी की पार्टी को मुख्य विपक्षी दल की मान्यता भी नहीं मिल पाई थी। जबकि परिस्थितियों ने लालू यादव को एक समय मुख्यमंत्री बना दिया था। उसके पहले कर्पूरी (ठाकुर) जी के निधन के बाद लालू यादव नेता विरोधी दल बने थे। मुझे याद है लालू नेता विरोधी दल का चुनाव लड़ रहे थे। उसके बाद भागलपुर में बहुत गंभीर सांप्रदायिक दंगा हुआ। दंगा के बाद तत्कालीन मुख्यमंत्री सत्येन्द्र नारायण सिंह को इस्तीफा देना पड़ा था। उनके बाद जगन्नाथ मिश्र मुख्यमंत्री बने थे। लेकिन भागलपुर दंगा ने कांग्रेस पार्टी के पैर के नीचे से जमीन खिसका दी थी। मुसलमानों ने कांग्रेस का साथ छोड़ दिया था।"

मंडल कमीशन लाया सुनहरा अवसर

वरिष्ठ समाजवादी नेता ने कहा है कि, "लालू यादव के राजनैतिक जीवन के लिए मंडल कमीशन लागू किया जाना एक सुनहरा अवसर लेकर आया। मंडल कमीशन के समर्थन में उनके अभियान ने उनकी राजनीतिक प्रतिष्ठा को राष्ट्रीय स्तर पर पहुंचा दिया था। मंडल के विरोध में आडवाणी जी की रामरथ यात्रा ने उन्माद फैला दिया था। बिहार में आडवाणी जी की सांप्रदायिक उन्माद फैलाने वाली उस यात्रा को बिहार में रोकने और आडवाणी जी को गिरफ्तार करने के बाद तो लालू यादव न सिर्फ राष्ट्रीय हीरो बन गए बल्कि उनकी ख्याति देश की सीमा लांघ गई। लेकिन लालू जी ने इन दो ऐतिहासिक घटनाओं से जो ताकत और प्रतिष्ठा हासिल की थी उसे संभालने और उस ताकत के सहारे छोटी और कमजोर जातियों को ऊपर उठाने का काम नहीं किया।"

जनता दल लालू को सीएम बनाना नहीं चाहता था

उन्होंने आगे लिखा है- "उसके बाद 90 का चुनाव कांग्रेस हारी, लेकिन किसी को स्पष्ट बहुमत नहीं मिला। जनता दल के बाद वामपंथी पार्टियों और भाजपा को मिलाकर ही गैर कांग्रेसी सरकार बन सकती थी। लालू यादव जनता दल के विधायक दल के नेता थे। स्वाभाविक तौर पर उनके नेतृत्व में गठबंधन बनता। नीतीश कुमार बाढ़ से सांसद हो चुके थे, लेकिन जनता दल का केंद्रीय नेतृत्व लालू यादव को मुख्यमंत्री नहीं बनाना चाहता था।

विशेष रूप से वीपी सिंह। वे चाहते थे कि रामसुंदर दास जी मुख्यमंत्री बनें। गठबंधन के नेता चयन के लिए जो पर्यवेक्षक दिल्ली से आए थे उनको प्रधानमंत्री वीपी सिंह ने अपनी इच्छा बता दी थी। इसलिए पर्यवेक्षकों ने पहले यह प्रयास किया के सर्वसम्मति से रामसुंदर दास चुने जाएं। लेकिन शरद यादव भी उस बैठक में मौजूद थे। नीतीश कुमार के सहयोग से उन्होंने नेता पद के लिए विधायकों के बीच चुनाव कराने के लिए दबाव बनाया। जब चुनाव की नौबत आई तो चंद्रशेखर जी ने अपनी ओर से रघुनाथ झा जी को भी उम्मीदवार बना दिया।

> नीतीश अंदर से कमजोर

नीतीश और लालू की तुलना करते हुए शिवानंद तिवारी ने लिखा है - "नीतीश कुमार अंदर से कमजोर आदमी हैं। जोखिम उठाने वाला कदम उन्होंने अपने जीवन में कभी नहीं उठाया, इसीलिए वे बिहार तक ही सीमित रह गए। काफी प्रयास के बाद वे लालू यादव से अलग हुए और सामाजिक न्याय आंदोलन को उन्होंने छोटी और कमजोर जातियों तथा महिलाओं तक पहुंचाया। नीतीश कुमार के कार्यक्रम बिहार के समाज में बदलाव लाए। दूसरी ओर लालू यादव अपने परिवार से बाहर नहीं निकले। जाति उनके परिवार का ही विस्तार है। लालू और नीतीश की राजनीति का फर्क देखने के लिए इन दोनों ने किन लोगों को और किस आधार पर विधान परिषद और राज्यसभा में भेजा है इसकी सूची की तुलना कर लीजिए।"

लालू परिवार के लिए व्यापार है राजनीति

उन्होंने कहा है कि, "राजनीति लालू यादव और उनके परिवार के लिए व्यापार है। यही कारण है कि मंडल की लड़ाई के हीरो और आडवाणी जी के रामरथ को रथी सहित जेल पहुंचा देने वाले महाबली लालू यादव 2010 के विधानसभा चुनाव में सिर्फ 22 विधायक जिता पाए थे। पर 2015 के विधानसभा चुनाव में नीतीश जी ने लालू जी को संजीवनी पिला दी। उस चुनाव में नीतीश जी नरेंद्र मोदी को भाजपा द्वारा प्रधानमंत्री का चेहरा बनाकर 2014 का लोकसभा चुनाव लड़ने के फैसले से इस कदर बिदके कि उस गठबंधन से बाहर निकलकर उन्होंने लालू यादव से हाथ मिला लिया।"

लालू यादव की चाल का खुलासा

लालू यादव की चालों के बारे में शिवानंद तिवारी ने लिखा है-"विधानसभा में लालू और नीतीश दोनों साथ लड़े। कांग्रेस भी उस गठबंधन में शामिल थी। उस गठबंधन का नामकरण नीतीश कुमार ने किया था- महागठबंधन। नीतीश और लालू दोनों 101 और 101 सीटों पर लड़े थे। कांग्रेस के हिस्से में 43 सीटें आईं थीं। लालू जी की पार्टी को 80 सीटों पर जीत मिली थी और नीतीश कुमार को 71 सीट पर। नीतीश कुमार को गंभीर संदेह था कि लालू यादव ने जानबूझकर कुछ सीटों पर उनके उम्मीदवारों को हरवा दिया, ताकि उनकी सीटें कम हो जाएं। यह बात खुद नीतीश जी ने मुझसे कही थी। लेकिन लालू यादव के साथ नीतीश कुमार का टिकना संभव कहां था! पुनः वे लालू को छोड़कर भाजपा के साथ चले गए। फिर निकले और फिर लौट गए। बीते चुनाव में लालू यादव अपने 2010 के स्थान पर चले गए। नीतीश कुमार की पार्टी को 2020 के चुनाव में मोदी जी के हनुमान ने 43 विधायकों वाली पार्टी बना दिया था।" शिवानंद तिवारी ने चुनाव में बीजेपी और जेडीयू की जीत की तुलना करते हुए नीतीश कुमार को सावधान किया है। उन्होंने कहा है- "इस चुनाव में भाजपा और जदयू दोनों 101 और 101 सीटों पर लड़े। लेकिन नीतीश जी आज विधानसभा में दूसरे स्थान पर हैं।

राहुल गांधी मानहानि मामला : फिर टली सुनवाई

गवाहों के अनुपस्थित रहने के कारण कार्रवाई में हो रही देरी

सुल्तानपुर, 17 नवंबर (एजेंसियां)। रायबरेली सांसद राहुल गांधी से जुड़े मानहानि मामले की सुनवाई सोमवार को सुल्तानपुर की एमपी-एमएलए कोर्ट में टल गई। राहुल गांधी के अधिवक्ता ने बताया कि गवाह राम चंद्र दुबे के अनुपस्थित रहने और स्थगन प्रार्थना पत्र देने के कारण कार्यवाही नहीं हो सकी। अब इस मामले की अगली सुनवाई 26 नवंबर को होगी। यह मामला वर्ष 2018 का है। भाजपा नेता विजय मिश्रा ने राहुल गांधी के खिलाफ मानहानि का मुकदमा दायर किया था। मिश्रा, कोतवाली देहात के हनुमानगंज निवासी हैं। उन्होंने आरोप लगाया था कि 2018 के कर्नाटक चुनाव के दौरान राहुल गांधी ने तत्कालीन भाजपा अध्यक्ष और वर्तमान केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह पर अभद्र टिप्पणी की थी। इस मामले में पांच साल तक अदालती कार्यवाही चली। राहुल गांधी के पेश न होने पर दिसंबर 2023 में तत्कालीन जज ने उनके खिलाफ वारंट जारी किया था। फरवरी 2024 में राहुल गांधी ने कोर्ट में आत्मसमर्पण किया, जिसके बाद विशेष मजिस्ट्रेट ने उन्हें 25-25 हजार रुपये के दो मुचलकों पर जमानत दी। गत 26 जुलाई 2024 को राहुल गांधी ने कोर्ट में अपना बयान दर्ज कराया था। उन्होंने खुद को निर्दोष बताते हुए इस मामले को राजनीतिक साजिश करार दिया था। राहुल गांधी के बयान के बाद कोर्ट ने वादी को साक्ष्य प्रस्तुत करने का निर्देश दिया था तब से लगातार गवाह पेश किए जा रहे हैं। अब तक केवल एक गवाह से जिरह पूरी हो पाई है, जबकि दूसरे गवाह से जिरह शुरू हुई है। अक्सर हड़ताल और गवाहों के अनुपस्थित रहने के कारण कार्यवाही में देरी हो रही है।

बाइक राइडर को गाली देने वाले 2 पुलिसकर्मी निलंबित

पटना, 17 नवंबर (एजेंसियां)। पटना में बाइक सवार से गाली-गलौज, मारपीट और दुर्व्यवहार करने वाले नदी थाने के 2 पुलिसकर्मियों को निलंबित कर दिया गया है। गाली-गलौज और थप्पड़ मारने का एक वीडियो सोशल मीडिया पर सामने आया है। जो 14 नवंबर का है। इसी वीडियो के आधार पर वरीय अधिकारियों ने कार्रवाई की है।इसके अलावा पीड़ित बाइक राइडर अभिषेक राजपूत (19) पर भी कार्रवाई की गई है। बाइक से स्टंट और खतरनाक ड्राइविंग के लिए 7 हजार रुपए का जुर्माना लगाया गया है। जिसके बाद बाइक राइडर ने अपनी गलती के लिए माफी भी मांगी है।

बिहार में 20 नवंबर को नई सरकार का शपथ ग्रहण

19 को भंग होगी विधानसभा, राज्यपाल से मिले सीएम, कल जेडीयू-बीजेपी विधायक दल की बैठक

पटना, 17 नवंबर (एजेंसियां)। बिहार विधानसभा चुनाव में एनडीए की ऐतिहासिक जीत के बाद नई सरकार बनाने की कवायद शुरू हो गई है। नीतीश कुमार ने सोमवार को राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान से मुलाकात कर पत्र सौंपा है। जिसमें 19 नवंबर को विधानसभा भंग किए जाने की जानकारी दी गई। साथ ही एनडीए की प्रचंड जीत को लेकर नीतीश कुमार को बधाई दी गई है। इससे पहले आज आखिरी कैबिनेट मीटिंग हुई, जिसमें मौजूदा विधानसभा को 19 नवंबर को भंग भंग करने का प्रस्ताव पास हुआ।

कल विधायक दल की बैठक, 20 को शपथ ग्रहण

कल मंगलवार को जेडीयू विधायक दल की बैठक भी बुलाई गई है। बीजेपी विधायक दल की भी बैठक होगी। इसके बाद कल होनेवाली एनडीए की बैठक में विधायक दल का नेता चुना जाएगा, उसके बाद नई सरकार बनाने का दावा पेश किया जाएगा। 20 नवंबर को गांधी मैदान में नीतीश कुमार 10वीं बार बिहार के मुख्यमंत्री पद की शपथ लेंगे। केंद्रीय मंत्री जीतनराम मांझी ने बताया कि नई कैबिनेट में 36 मंत्री होंगे, जिसमें 16 भाजपा से, 15 जदयू से, 3 लोजपा (आर) से, हम और रालोमो से 1-1 मंत्री होंगे। गांधी मैदान में इसकी तैयारी चल रही है। शपथ ग्रहण में पीएम नरेंद्र मोदी भी शामिल होंगे।

22 नवंबर से पहले नई सरकार का गठन

मौजूदा सरकार का कार्यकाल 22 नवंबर को खत्म हो रहा है, इसलिए उससे पहले हर हाल में नई सरकार का गठन करना जरूरी होगा। इसी बीच चुनाव आयोग ने सभी विजयी उम्मीदवारों की सूची राजभवन को सौंप दी है और राज्य में आचार संहिता भी खत्म हो चुकी है, जिससे सरकार गठन की प्रक्रिया अब तेज होने वाली है।

राम मंदिर के ध्वजारोहण पर दिल्ली विस्फोट का साया

अब समारोह में मोबाइल नहीं ले जा सकेंगे मेहमान

अयोध्या, 17 नवंबर (एजेंसियां)। दिल्ली विस्फोट के बाद राम मंदिर में सुरक्षा व्यवस्था को और सख्त करते हुए ट्रस्ट और प्रशासन ने बड़ा निर्णय लिया है। ध्वजारोहण समारोह में आने वाले किसी भी मेहमान को मोबाइल फोन लेकर मंदिर परिसर में प्रवेश की अनुमति नहीं होगी। शुरुआत में मेहमानों को मोबाइल साथ ले जाने की अनुमति दी गई थी, लेकिन दिल्ली में हुए विस्फोट के बाद सुरक्षा एजेंसियों ने सतर्कता बढ़ाने की सिफारिश की। इसके बाद ट्रस्ट और प्रशासन ने संयुक्त समीक्षा के बाद मोबाइल पर प्रतिबंध लगाने का निर्णय लिया है।

25 नवंबर को राम मंदिर में ध्वजारोहण समारोह आयोजित है। समारोह में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ प्रमुख मोहन भागवत, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, राज्यपाल आनंदी बेन पटेल समेत आठ हजार मेहमान शामिल होंगे। मेहमानों को भेजे गए आमंत्रण पत्र में बताया गया था कि 25 नवंबर को सभी को सुबह आठ से 10 बजे के भीतर मंदिर में प्रवेश करना होगा। वे अपने साथ मोबाइल रख सकते हैं, लेकिन अब इस निर्णय को बदल दिया गया है। मेहमानों को खाली हाथ समारोह के लिए आना होगा।

लालू परिवार में छिड़ी जंग पर मांझी बोले

बिहार की जनता बर्दाश्त नहीं करेगी बेटी का अपमान

पटना, 17 नवंबर (एजेंसियां)। राष्ट्रीय जनता दल के सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव की बेटी रोहिणी आचार्य के साथ हुई घटना पर मचा सियासी घमासान थमने का नाम नहीं ले रहा है। केंद्रीय मंत्री जीतन राम मांझी ने इस मामले पर राष्ट्रीय जनता दल के नेता तेजस्वी यादव पर हमला बोला है। कहा कि राजनीति अपनी जगह है, लेकिन मानवीय दृष्टिकोण से रोहिणी आचार्य और उनकी बाकी बहनों का राबड़ी आवास से निकलने की घटना को मैं दुखद मानता हूं। हमारा परिवार जो संयुक्त परिवार चलता है। खासकर बहनों को विशेष तौर पर तरजीह दी जाती है। लेकिन, तेजस्वी यादव किस परिस्थिति में यह काम किए हैं? यह जांच का विषय है। हमलोग तो पहले भी कहते थे कि वह अनाप शनाप बोलते थे। हमलोगों को यही लगता था कि जो नॉर्मल आदमी इस प्रकार की बात नहीं बोलता है। हमलोग पहले भी बोलते थे कि तेजस्वी यादव की बात पर विश्वास मत कीजिए। जनता ने नीतीश कुमार और नरेंद्र मोदी के काम पर विश्वास किया। आज रिजल्ट आपलोगों के सामने हैं।

मांझी ने आरोप लगाया कि तेजस्वी यादव ने पहले अपने बड़े भाई तेज प्रताप यादव को घर से निकलवाया। इसके बाद बहन रोहिणी आचार्य को घर से निकाला। जिस बहन ने अपनी किडनी तक दे दी। उसके कहा गया कि गंदा किडनी दे दिया। पैसा ले लिया। यह सब शर्मनाक बात है। एक बेटी का अपमान बिहार की जनता बर्दाश्त नहीं करेगी। व्यक्तिगत रूप से हम इस घटना से बेहद दुखी हैं। इससे पहले हिन्दुस्तानी आवाम मोर्चा के अध्यक्ष जीतन राम मांझी ने दिल्ली में केंद्रीय मंत्री और बिहार चुनाव प्रभारी धर्मेंद्र प्रधान से मुलाकात की। उनके साथ बिहार भाजपा प्रभारी विनोद तावड़े भी मौजूद रहे। जीतन राम मांझी ने धर्मेंद्र प्रधान को पुष्पगुच्छ देकर एनडीए की जीत की बधाई दी।

नंदकिशोर गुर्जर बोले-गोवंश काटने वाले की काट दो गर्दन

लखनऊ में किसी की हैसियत नहीं, जो मेरी बात काट दे

सहारनपुर, 17 नवंबर (एजेंसियां)। लोनी विधायक नंदकिशोर गुर्जर ने कहा कि यदि कोई गोवंश काटने वाला मिल जाए, तो उसकी गर्दन काट दो। तुम्हें अपनी मां की रक्षा करनी चाहिए। यह बात उन्होंने सहारनपुर में आयोजित सनातन चेतना सम्मेलन में कही।

सहारनपुर में रणदेवा गांव के प्यारे जी महाराज मंदिर में सोमवार को सनातन चेतना सम्मेलन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यहां पहुंचे लोनी विधायक नंदकिशोर गुर्जर ने कहा कि हिंदुओं को अब जागना होगा। हिंदू अपने बारे में गलत बातें सुनकर भी चुप ही रहता है। कुछ लोग अपनी मनमर्जी के अनुसार मनगढ़ंत बयान दे रहे हैं। मौर्य घूम-घूम कर देशभर में देवी देवताओं का मजाक उड़ा रहा है और हिंदू केवल सुनते हैं। यह चुप रहने का समय नहीं है। हिंदुओं को इस पर अपनी प्रतिक्रिया देनी चाहिए। उन्होंने कहा कि अगर कोई गोवंश काटने वाला मिल जाए तो उसके सामने हाथ नहीं जोड़ने, बल्कि उसी समय उसकी गर्दन काट देनी चाहिए। ताकि उसे तुरंत सख्त सजा मिले सके। ऐसा करने से हमने कानून अपने हाथ में भी नहीं लिया। प्रत्येक हिंदू का कर्तव्य है कि वह अपनी मां की रक्षा करे। कहा कि इस समय पश्चिमी उत्तर प्रदेश के ऊपर खतरा मंडरा रहा है।

महिला की सिर और हाथ काटकर हत्या

डीएनए और कछुआ अंगूठी भी बनेगी सबूत, प्रेमी ने इसलिए बर्बरता से मार डाला

नोएडा, 17 नवंबर (एजेंसियां)। नोएडा के सेक्टर-82 कट के पास 6 नवंबर को सिर और हाथ कटे मिले महिला के शव की जांच में हत्या का खुलासा कर चुकी पुलिस अब आगे सबूतों को मजबूत करेगी। मिले शव और महिला के दोनों बच्चों की डीएनए जांच होगी। इस जांच के लिए शव के नाखून का एक हिस्सा पहले ही डॉक्टर व फॉरेंसिक टीम ने निकाल कर रख लिया था।

अब शव की शिनाख्त जिस प्रीति यादव निवासी बरौला के रूप में हुई है उसके दोनों बच्चों के सैंपल डीएनए जांच में लिए जाएंगे।

इसके अलावा पुलिस ने महिला के काटे गए हाथ और सिर का अवशेष भी गाजियाबाद से बरामद किया है। इन अवशेष के खून और बरामद सिर और हाथ कटे शव के खून की जांच कर मिलान किया जाएगा। प्रीति की हत्या के खुलासे के बाद उसका पति जिससे अलगाव था वह बच्चों की निगरानी लेने के लिए आगे आ गया है। गाजियाबाद में मिले हाथ के अवशेष से पुलिस को एक चांदी की कछुआ आकार वाली अंगूठी भी मिली है। इस अंगूठी की पहचान पुलिस ने प्रीति के दोनों बच्चों और उसके पूर्व पति से करवाई है। इस पर तीनों ने यह कहा है कि प्रीती ने यह अंगूठी पिछले 5-6 साल से पहन रही थी। पति और बच्चों ने पुलिस को एक लिखित तहरीर भी इस हत्या की घटना को लेकर दी है। सूत्रों की माने तो इस तहरीर में भी इस कछुआ अंगूठी का जिक्र है। वहीं हत्या में पकड़े गए आरोपी मोनू का भी पुलिस ने खून का सैंपल पुलिस ने करवाया है। इसे भी जांच में किसी सबूत के तौर पर पुलिस पेश करेगी। वहीं पति के सामने आने के बाद यह स्थिति स्पष्ट हो गई है कि वह मूलरूप से बिहार का निवासी है। उससे और प्रीति के 3 बच्चे थे। करीब दो साल पहले जब प्रीति अपने पति से अलग हुई तो बड़ी बेटी को उसके पिता ने ही अपने पास रख लिया था। वहीं बच्चे प्रीति के पास रह रहे थे। नोएडा-ग्रेनो एक्सप्रेसवे किनारे सेक्टर-82 कट के पास मिले महिला के सिर व हाथ कटे शव की शिनाख्त कर पुलिस ने हत्या का खुलासा कर दिया है।

भीषण हादसा, तीन लोगों की मौत-15 घायल

बेतिया, 17 नवंबर (एजेंसियां)। बेतिया-बगहा नेशनल हाईवे पर मंगलवार देर रात भीषण हादसा में तीन लोगों की मौत हो गई और 15 लोगों की हालत गंभीर है। घटना शिकारपुर थाना क्षेत्र के बिशुनूर्वा गांव के पास की है। बताया जा रहा है कि मंगलवार रात तेज रफ्तार कार ने सड़क पार कर रहे बारातियों के समूह को जोरदार टक्कर मार दी। हादसा इतना भीषण था कि मौके पर ही तीन लोगों की मौत हो गई, जबकि 15 से अधिक लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे की सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची और सभी गंभीर रूप से जख्मी लोगों को लौरिया सीएचसी में भर्ती कराया। कई घायलों की हालत नाजुक बताई जा रही है, जिन्हें बेहतर इलाज के लिए रेफर करने की प्रक्रिया जारी है।

14 करोड़ का सोना लूटने वाला पटना में गिरफ्तार

देहरादून के ज्वेलरी शोरूम में हुई थी वारदात, पुलिस से बचने के लिए बदल रहा था लोकेशन

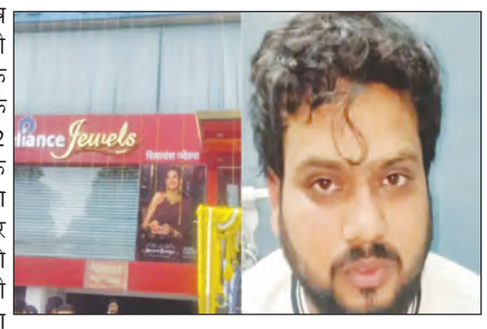

पटना, 17 नवंबर (एजेंसियां)। दीघा थाना क्षेत्र के शिवाजी नगर स्थित दिल्ली दरबार कम्युनिटी हॉल के पास एक निजी मकान में बिहार एसटीएफ ने रविवार शाम कुख्यात अपराधी कुंदन कुमार उर्फ भगत को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने उसके 2 साथियों को भी पकड़ा है। कुंदन उत्तराखंड के देहरादून में 14 करोड़ रुपए के सोना लूटकांड का प्रमुख आरोपी है। कुंदन मूल रूप से मुजफ्फरपुर का रहने वाला है और घटना के बाद ठिकाने को लगातार बदल रहा था, जिसके कारण पुलिस की पकड़ से दूर था। बिहार एसटीएफ को गुप्त सूचना मिली की पटना के दीघा इलाके में एक मकान में छिप कर रह रहा हैं। उसके ठिकाने की जानकारी मिलते ही टीम ने उसे पकड़ लिया। बताया जा रहा है कि इस कार्रवाई में दूसरे राज्यों की एसटीएफ भी शामिल थे। हालांकि, पटना पुलिस ने अभी आधिकारिक पुष्टि नहीं की है। जानकारी के अनुसार, कुंदन पर बिहार के अलावा अन्य राज्यों में हत्या, रंगदारी, लूट समेत गंभीर अपराधों में कई केस दर्ज हैं। इसके साथ ही उस पर एके-47 से जुड़े एक मामले में भी आरोप है। इसी सिलसिले में एनआईए मुजफ्फरपुर स्थित आवास पर दो बार छापेमारी कर चुकी है। मिली जानकारी के मुताबिक 9 नवंबर 2023 को देहरादून के एक बड़े ज्वेलरी शोरूम में 14 करोड़ का सोना लूटा गया था। इस घटना में बिहार और यूपी के अपराधी शामिल थे। बिहार के वैशाली, मुजफ्फरपुर, सीतामढ़ी सहित यूपी का गैंग भी शामिल था।

बीएलओ ने किया एसआईआर का बहिष्कार

> अधिकारी की आत्महत्या के बाद फैसला > विपक्ष बोला-माकपा के खिलाफ हो जांच

तिरुवनंतपुरम, 17 नवंबर (एजेंसियां)। केरल में सोमवार को विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) प्रक्रिया पूरे राज्य में प्रभावित रही क्योंकि बूथ स्तर के अधिकारियों (बीएलओ) ने कथित तौर पर काम के तनाव के कारण एक अधिकारी की आत्महत्या के बाद काम का बहिष्कार कर दिया। जानकारी के मुताबिक, कन्नूर जिले के पय्यान्नूर में बीएलओ, 44 वर्षीय अनीश जॉर्ज रविवार को अपने घर में फंदे से लटके पाए गए। मामले में परिवार के सदस्यों और स्थानीय निवासियों ने आरोप लगाया कि एसआईआर प्रक्रिया से जुड़े काम के दबाव के कारण उन्होंने यह कदम उठाया।

ट्रेड यूनियनों का प्रदर्शन, एसआईआर स्थगित करने की मांग

वहीं राज्य सरकार के कर्मचारियों के कई ट्रेड यूनियनों, जिनमें राज्य सरकार के कर्मचारियों और शिक्षकों की कार्य परिषद और शिक्षक सेवा संगठनों की संयुक्त समिति शामिल हैं, ने जिला कलेक्ट्रेट पर विरोध प्रदर्शन किया और मांग की कि अधिकारी बीएलओ पर अत्यधिक दबाव न डालें और एसआईआर को स्थगित करने पर विचार करें। केरल एनजीओ एसोसिएशन ने भी राज्य भर में विरोध प्रदर्शन किया और मांग की कि आगे आत्महत्याओं को रोकने के लिए एसआईआर प्रक्रियाओं को रोका जाए।

एसआईआर से जुड़े काम का अधिक दबाव- परिजन

इस बीच, सोमवार को पोस्टमार्टम के बाद जॉर्ज का शव उनके रिश्तेदारों को सौंप दिया गया। जॉर्ज के परिवार ने दोहराया कि एसआईआर से संबंधित काम का दबाव उन पर बहुत अधिक था। जॉर्ज के बहनोई सैजू ने संवाददाताओं को बताया, 'उन्हें ठीक से खाने और सोने का भी समय नहीं मिला। एसआईआर अभ्यास के तहत सौंपे गए काम को पूरा करने के लिए उन पर बहुत दबाव था।' सैजू ने आगे बताया कि वरिष्ठ अधिकारी जॉर्ज से लगातार अपडेट के लिए संपर्क करते थे। उन्होंने कहा, 'काम का बोझ बहुत ज्यादा था, इसे देखते हुए जॉर्ज के पिता ने उनसे कहा कि अगर उनकी नौकरी भी चली जाए, तो भी चिंता न करें।'

'माकपा कार्यकर्ताओं की भूमिका की भी जांच हो'

वहीं विपक्ष के नेता वीडी सतीशन ने कहा कि प्रारंभिक जांच से संकेत मिलता है कि जॉर्ज की आत्महत्या में माकपा कार्यकर्ताओं की भूमिका की भी जांच होनी चाहिए। उन्होंने आरोप लगाया, 'हमें पता चला कि जॉर्ज को तब धमकाया गया था जब कांग्रेस का एक बूथ-स्तरीय एजेंट उनके साथ गणना के लिए गया था।' उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि भाजपा और माकपा दोनों ही पारंपरिक कांग्रेसी मतदाताओं को मतदाता सूची से बाहर रखने की कोशिश कर रही हैं।

भाजपा और माकपा पर भी बरसे सतीशन

उन्होंने कहा, 'जहां भाजपा एसआईआर को गलत इरादे से लागू कर रही है, वहीं माकपा इसे केरल में आगे बढ़ा रही है। हम इसका कड़ा, कानूनी और राजनीतिक रूप से विरोध करेंगे।' सतीशन ने राज्य सरकार और भारत निर्वाचन आयोग (ईसीआई) से बीएलओ की सुरक्षा सुनिश्चित करने और गहन जांच करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा, 'ज्यादातर बीएलओ महिलाएं हैं। एक मतदान केंद्र में लगभग 700-1,200 मतदाता होते हैं, और बीएलओ को कम समय में लक्ष्य पूरा करने के लिए प्रत्येक घर में कई बार जाना पड़ता है।'

माकपा कार्यकर्ताओं ने बीएलओ को धमकाया-जोसेफ

केरल प्रदेश कांग्रेस कमेटी (केपीसीसी) के अध्यक्ष सनी जोसेफ ने कहा कि जॉर्ज की तरफ से टेलीफोन पर की गई बातचीत से पता चला कि गणना के दौरान कांग्रेस के बूथ-स्तरीय एजेंटों के साथ जाने पर माकपा कार्यकर्ताओं ने उन्हें धमकी दी थी। जोसेफ ने कहा, 'बातचीत से पता चला कि माकपा ने जॉर्ज के खिलाफ झूठी शिकायत दर्ज कराने की धमकी दी थी, जिसमें उन पर घरों में कांग्रेस के पर्चे बांटने का आरोप लगाया गया था। काम के तनाव के अलावा, इस राजनीतिक धमकी के कारण उन्होंने आत्महत्या कर ली।'

प्रदर्शनकारी बीएलओ का पूरा समर्थन-सनी जोसेफ

उन्होंने आगे कहा कि कांग्रेस पार्टी प्रदर्शनकारी बीएलओ का पूरा समर्थन करती है। उन्होंने कहा, 'हमें उम्मीद है कि बीएलओ का विरोध चुनाव आयोग की आंखें खोलने पर मजबूर करेगा। हमारे बार-बार अनुरोध के बावजूद, आयोग ने ऐसे समय में एसआईआर कराने का फैसला किया जब स्थानीय निकाय चुनाव की घोषणा हो चुकी है।' जोसेफ ने कहा कि पार्टी एसआईआर प्रक्रिया के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाएगी। उन्होंने आरोप लगाया, '2002 की मतदाता सूची को देखते हुए, मेरे पास भी मतदान का अधिकार नहीं है। कई राजनीतिक नेताओं के नाम मतदाता सूची में नहीं होंगे। भारत सरकार और चुनाव आयोग नागरिकों के बुनियादी लोकतांत्रिक अधिकारों को खत्म कर रहे हैं।'

एसआईआर का बहिष्कार करेंगे तमिलनाडु राजस्व कर्मचारी

चेन्नई। तमिलनाडु के राजस्व विभाग के कर्मचारियों ने सोमवार को घोषणा की कि वे 18 नवंबर से शुरू होने वाले विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) का बहिष्कार करेंगे। कर्मचारी संघों का कहना है कि उन पर बहुत अधिक काम का बोझ डाला जा रहा है, जबकि उपलब्ध जनशक्ति, प्रशिक्षण और संसाधन बेहद कम हैं।

कर्मचारियों का आरोप है कि अधिकारियों की तरफ से देर रात तक समीक्षा बैठकें करना और दिन में तीन-तीन वीडियो कॉन्फ्रेंस लेना काम को और अधिक कठिन बना देता है। एसआईआर के दौरान कर्मचारियों को मतदाता सूची से संबंधित फॉर्म बांटने, भरवाने और ऑनलाइन अपलोड करने जैसे काम करने पड़ते हैं, जिसे वे बिना पर्याप्त तैयारी के थोपे गए दबाव के रूप में देख रहे हैं। संघों ने मांग की है कि सभी कर्मचारियों को ठीक से प्रशिक्षित किया जाए और ब्लॉक लेवल ऑफिसर (बीएलओ) के रूप में काम करने के लिए अतिरिक्त कर्मियों की नियुक्ति की जाए। इस विरोध में राजस्व विभाग के साथ-साथ आंगनवाड़ी कार्यकर्ता, मिड-डे मील कर्मचारी, नगर निगम और पंचायत कर्मी भी शामिल होंगे। संघ का कहना है कि जब तक प्रशासन उनकी मांगों पर ध्यान नहीं देता, तब तक यह विरोध जारी रहेगा।

वैष्णोदेवी मेडिकल इंस्टीट्यूट में एडमिशन की पहली लिस्ट पर बवाल

इसमें 42 मुस्लिम स्टूडेंट; हिंदू संगठनों की मांग लिस्ट रद्द करें, हिंदुओं को आरक्षण दें

जम्मू, 17 नवंबर (एजेंसियां)। जम्मू-कश्मीर के रियासी जिले में स्थित श्री माता वैष्णो देवी इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल एक्सीलेंस में एमबीबीएस एडमिशन को लेकर विवाद बढ़ गया है। सोमवार को कई हिंदू संगठनों ने एक साथ विरोध प्रदर्शन किया और एडमिशन वाली सीट अलॉटमेंट की पहली लिस्ट तुरंत रद्द करने की मांग की।

इस साल संस्थान को 50 एमबीबीएस सीटें मिली हैं। 2025-26 के पहले बैच में 42 मुस्लिम, 7 हिंदू और एक सिख छात्र का नाम सीट अलॉटमेंट लिस्ट में है। हिंदू संगठनों का कहना है कि सीट बंटवारे में भेदभाव किया गया है। इसमें हिंदू छात्रों की अनदेखी की गई है।

इसके विरोध में युवा राजपूत सभा, राष्ट्रीय बजरंग दल और कल्कि आंदोलन जैसे हिंदू संगठन जम्मू में प्रदर्शन कर रहे हैं। उनका कहना है कि मेडिकल कॉलेज का निर्माण वैष्णो देवी मंदिर में आने वाले श्रद्धालुओं के दान से हुआ है, इसलिए इसका इस्तेमाल हिंदू समुदाय के हित में होना चाहिए। राष्ट्रीय बजरंग दल के अध्यक्ष राकेश बजरंगी ने कहा कि 50 सीटों में सिर्फ 7 हिंदू और 1 सिख छात्र हैं। यह हमें स्वीकार नहीं। हम हिंदुओं के लिए पर्याप्त आरक्षण की गारंटी मांगते हैं। युवा राजपूत सभा के पूर्व अध्यक्ष विक्रम सिंह ने चेतावनी दी कि यदि उपराज्यपाल और श्राइन बोर्ड अध्यक्ष मनोज सिन्हा तुरंत हस्तक्षेप नहीं करते, तो आंदोलन तेज किया जाएगा। मेडिकल कॉलेज में समुदाय आधारित पक्षपात गंभीर मुद्दा है, इसकी उच्च स्तरीय जांच होनी चाहिए और दोषियों पर सख्त कार्रवाई की जाए।

प्रदर्शन में युवाओं ने आरोप लगाया कि सीट अलॉटमेंट की प्रक्रिया में कई अनियमितताएं हुईं हैं। पूरी प्रक्रिया को सार्वजनिक नहीं किया गया, कट-ऑफ और मेरिट लिस्ट भी स्पष्ट नहीं है और कथित रूप से एक विशेष समुदाय को ज्यादा सीटें दी गईं। संस्थान के अधिकारियों ने कहा कि एडमिशन पूरी तरह योग्यता (मेरिट) के आधार पर हुए हैं। संस्थान को अल्पसंख्यक संस्थान का दर्जा नहीं मिला, इसलिए धर्म के आधार पर कोई आरक्षण लागू नहीं किया जा सकता।प्रदर्शनकारी विश्वविद्यालय के पास इकट्ठा हुए और नारेबाजी करते हुए मुख्य गेट की ओर बढ़े। उन्होंने विश्वविद्यालय का गेट जबरदस्ती खोल दिया, लेकिन पुलिस समय पर पहुंच गई और उन्हें आगे बढ़ने से रोक दिया।

सेना को मिलेंगी स्वदेशी लेजर आधारित एंटी-ड्रोन प्रणाली

अब दो किलोमीटर दूर से ही दुश्मन ड्रोन होंगे ढेर

नई दिल्ली, 17 नवंबर (एजेंसियां)। भारतीय सेना और वायुसेना अब ड्रोन खतरों का मुकाबला और मजबूती से कर सकेंगी क्योंकि दोनों सेनाएं पहली बार 16 स्वदेशी ड्रोन-रोधी प्रणाली खरीदने जा रही हैं। ये नई एंटी-ड्रोन प्रणालियां दो किमी की दूरी से ही दुश्मन के ड्रोन को लेजर बीम से निष्क्रिय कर सकेंगी। हाल के वर्षों में दुश्मन देशों और आतंकी संगठनों द्वारा बढ़ते ड्रोन इस्तेमाल ने सुरक्षा एजेंसियों को चिंता में डाला है। इसी चुनौती का सामना करने के लिए सरकार और रक्षा तंत्र तेजी से कदम उठा रहे हैं।

रक्षा मंत्रालय जल्द ही रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) द्वारा विकसित उन्नत इंटीग्रेटेड ड्रोन डिटेक्शन एंड इंटरडिक्शन सिस्टम (आईडीडीएस मार्क-2) को मंजूरी देने की तैयारी में है। अधिकारियों के अनुसार यह प्रणाली लेजर आधारित 10 किलोवॉट बीम से लैस है, जो पहले संस्करण की तुलना में दुगुनी दूरी से दुश्मन ड्रोन को तबाह कर सकती है। पहले संस्करण की क्षमता सिर्फ एक किमी तक सीमित थी।

उन्नत लेजर हथियारों की दिशा में बड़ा कदम

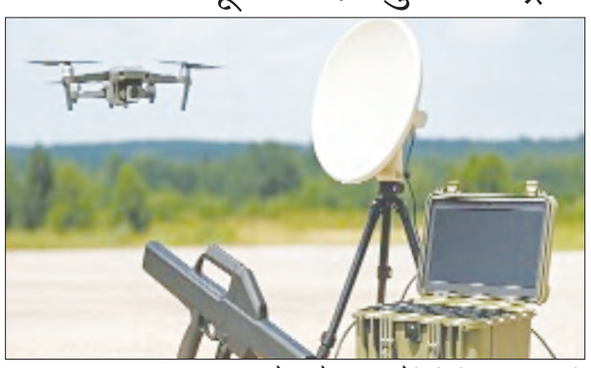

नई प्रणाली की खासियत यह भी है कि यह न सिर्फ ड्रोन को मार गिरा सकती है, बल्कि उनके सेंसर और संरचना को भी क्षतिग्रस्त कर ऑपरेशन को पूरी तरह रोक देती है। भारत ऑपरेशन सिंदूर के दौरान पाकिस्तान की ओर से बड़े पैमाने पर ड्रोन इस्तेमाल के बाद लेजर आधारित इंटरसेप्शन सिस्टम पर तेजी से काम कर रहा है।

इसी प्रक्रिया के तहत डीआरडीओ ने पांच किमी दूरी तक मार करने वाली 30 किलोवॉट लेजर आधारित डायरेक्ट एनर्जी वेपन (डीईडब्ल्यू) प्रणाली का भी सफल परीक्षण किया है। इस साल अप्रैल में भारत ने पहली बार लेजर हथियार का उपयोग कर फिक्स्ड-विंग एयरक्राफ्ट, मिसाइल और स्वॉर्म ड्रोन को गिराने की क्षमता दिखाकर दुनिया में अमेरिका, चीन और रूस जैसे देशों की कतार में जगह बनाई।

एंटी-सिस्टम ने ड्रोन को किया ढेर

डीआरडीओ की लैब चेस ने आंध्र प्रदेश के कुरनूल में डीईडब्ल्यू एमके-II(ए) का सफल प्रदर्शन किया। इस परीक्षण में ड्रोन को संरचनात्मक रूप से क्षतिग्रस्त किया गया और उनके सेंसर निष्क्रिय किए गए। विशेषज्ञों का कहना है कि युद्धों में ड्रोन का उपयोग लगातार बढ़ रहा है, और आने वाले समय में यह हथियार निर्णायक भूमिका निभाएंगे। ऐसे में बड़ी संख्या में एंटी-ड्रोन प्रणाली की जरूरत पड़ेगी। कुरनूल परीक्षण ने साफ कर दिया कि भारत अब लंबी दूरी के लेजर इंटरसेप्शन सिस्टम विकसित करने की क्षमता हासिल कर चुका है।

सेना-वायुसेना को जल्द मिलेगी पहली खेप

अधिकारियों के अनुसार सेना और वायुसेना को जल्द ही आईडीडीएस मार्क-2 की पहली खेप मिल सकती है। इसका निर्माण पूरी तरह स्वदेशी है और इसे ग्राउंड बेस्ड तथा मोबाइल प्लेटफॉर्म पर तैनात किया जा सकेगा। यह प्रणाली सीमावर्ती इलाकों, महत्वपूर्ण सैन्य ठिकानों और संवेदनशील प्रतिष्ठानों की सुरक्षा में अहम भूमिका निभाएगी। सरकार का लक्ष्य है कि आने वाले दो साल में एंटी-ड्रोन रक्षा ढांचा पूरी तरह मजबूत कर दिया जाए ताकि दुश्मन ड्रोन भारत के लिए खतरा न बने।

डीआरडीओ प्रमुख डॉ. समीर वी कामत ने कहा कि संगठन सिर्फ लेजर हथियारों पर ही नहीं, बल्कि हाई-एनर्जी माइक्रोवेव सहित कई उन्नत तकनीकों पर आगे बढ़ रहा है। इन तकनीकों का उपयोग भविष्य में मिसाइलों, ड्रोन स्वार्म और अन्य हवाई खतरों को नियंत्रित करने में किया जाएगा। आने वाले वर्षों में भारतीय सेनाओं की एंटी-ड्रोन क्षमता और बढ़ाने के लिए कई नए प्रोजेक्ट भी शुरू किए गए हैं। लक्ष्य है कि युद्धक्षेत्र में भारत किसी भी ड्रोन हमले का तुरंत जवाब दे सके।

अवैध बैनर-पोस्टर पर क्या कार्रवाई की और कितना जुर्माना वसूला?

कोर्ट ने नगर निगमों से मांगा जवाब

मुंबई, 17 नवंबर (एजेंसियां)। बॉम्बे हाईकोर्ट ने सोमवार को महाराष्ट्र के सभी नगर निगमों से जानकारी मांगी कि सार्वजनिक सड़कों पर लगाए गए अवैध होर्डिंग्स, बैनर और पोस्टरों के खिलाफ कितनी प्राथमिकी दर्ज की गई हैं और अब तक कितना जुर्माना वसूला गया है।

जस्टिस रेवती मोहिते डेरे और जस्टिस संदीप पाटिल की खंडपीठ ने कहा कि वह यह जानना चाहती है कि नगर निगमों और जिला परिषदों ने जुर्माना वसूलने के लिए क्या कदम उठाए हैं। कोर्ट अवैध होर्डिंग्स, बैनर और पोस्टरों के खिलाफ दाखिल की गई याचिकाओं पर सुनवाई कर रही थी। याचिकाकर्ताओं का कहना था कि ये अवैध तरीके से लगाए गए हैं और सार्वजनिक संपत्ति को खराब व बदसूरत बना रहे हैं। हाईकोर्ट कई वर्षों से अवैध बैनरों और होर्डिंग्स के खिलाफ स्खत कार्रवाई का निर्देश दे चुका है। कोर्ट ने पहले सभी राजनीतिक दलों को यह लिखित में देने को भी कहा था कि उनके कार्यकर्ता अवैध तरीके से बैनर नहीं लगाएंगे।

पीएम ने ट्रैक-मशीन में बैठकर बुलेट ट्रेन प्रोजेक्ट देखा

शनिवार को सूरत पहुंचे थे मोदी

सूरत, 17 नवंबर (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को गुजरात के सूरत पहुंचे थे। यहां उन्होंने अंत्रोली इलाके में बने रहे देश के पहले बुलेट ट्रेन स्टेशन का दौरा किया था। इस दौरान पीएम ने ट्रैक मशीन में बैठकर पूरे कॉरिडोर का जायजा लिया। पीएम यहां 35 मिनट तक रुके और प्रोजेक्ट से जुड़े अधिकारियों-कर्मचारियों से बात की। इस दौरान पीएम मोदी ने अधिकारियों से कहा-अपने हर अनुभव को इस भावना के साथ दर्ज करें कि मैं अपने देश के लिए काम कर रहा हूं। देश को कुछ नया देने रहा हूं। यह आने वाली पीढ़ी के लिए बहुत उपयोगी है। इस दौरे की आधिकारिक तस्वीरें और जानकारी नेशनल हाई स्पीड रेल कॉर्पोरेशन लिमिटेड (एनएचएसआरसीएल) ने अब जारी की हैं।

508 किमी का कॉरिडोर, करीब 378 किमी के पिलर तैयार

2015 में पीएम मोदी ने अहमदाबाद से मुंबई तक बुलेट ट्रेन चलाने की घोषणा की थी। 14 सितंबर, 2017 को इस प्रोजेक्ट की आधारशिला रखी गई। मुंबई-अहमदाबाद हाई-स्पीड रेल परियोजना 508 किलोमीटर लंबी है। एनएचएसआरसीएल के मुताबिक, कॉरिडोर में अब तक 378 किलोमीटर का पियर वर्क पूरा हो चुका है। पूरे प्रोजेक्ट की बात करें, तो अब तक 75% काम पूरा हो चुका है। प्रोजेक्ट के तहत नदियों पर कुल 24 ब्रिज बनाए जाने हैं।

इनमें से 14 छोटे ब्रिज बनकर तैयार हैं। नर्मदा नदी पर बन रहा सबसे लंबा 1.4 किमी का पुल भी फाइनल स्टेज में है। सब कुछ प्लान के मुताबिक चला, तो 2026 के आखिर तक बुलेट ट्रेन का पहला ट्रायल हो सकता है। बुलेट ट्रेन में पहली बार अर्थक्वेक वॉर्निंग सिस्टम भी लगाया जा रहा है। गुजरात सेक्शन में बुलेट ट्रेन का काम महाराष्ट्र के मुकाबले तेज रफ्तार से चल रहा है। यहां बन रहे 348 किमी लंबे कॉरिडोर का काम आखिरी फेज में है। दादरा और नगर हवेली के 4.3 किमी हिस्से में भी कंस्ट्रक्शन लगभग पूरा होने वाला है। गुजरात में अब तक 272 किमी वायाडक्ट यानी एलिवेटेड हिस्से का काम पूरा हो गया है। 24 में से 14 पुल बन चुके हैं। किम, पार और पूर्णा नदियों पर पुल तैयार हैं। तापी और माही पर काम चल रहा है। राज्य की इकलौती 350 मीटर लंबी सुरंग भी बन चुकी है।

ममता बनर्जी ने लिखा पीएम मोदी को पत्र

दार्जिलिंग में वार्ताकार के कामकाज का विरोध

कोलकाता, 17 नवंबर (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने दार्जिलिंग हिल्स में गोरखाओं से जुड़े मुद्दे पर 'वार्ताकार' का विरोध करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को एक पत्र लिखा है। उन्होंने सरकार के आदेश को असंवैधानिक बताते हुए नियुक्ति को रद्द करने की मांग की। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने बताया कि कोई और सूचना दिए बिना गृह मंत्रालय के अंतर्गत आने वाले वार्ताकार कार्यालय ने काम करना शुरू कर दिया है। उन्होंने कहा कि यह वास्तव में चौंकाने वाला है। प्रधानमंत्री मोदी को लिखे पत्र में ममता बनर्जी ने कहा, कृपया मेरे 18 अक्टूबर के पत्र का संदर्भ लें, जिसमें मैंने आपसे दार्जिलिंग हिल्स में गोरखाओं से संबंधित मुद्दों के लिए एक सेवानिवृत्त आईपीएस अधिकारी की वार्ताकार के रूप में नियुक्ति पर पुनर्विचार करने और उसे रद्द करने का अनुरोध किया था। आपके कार्यालय ने इस पर तुरंत संज्ञान लिया था और गृह मंत्री को इस पर विचार करने का सुझाव दिया था। यह गंभीर चिंता का विषय है कि मेरे पत्र के उत्तर में कोई और सूचना दिए बिना और आपके हस्तक्षेप के बावजूद गृह मंत्रालय के अंतर्गत वार्ताकार कार्यालय ने 10 नवंबर के ज्ञापन के माध्यम से सूचित किया है कि कार्यालय ने कार्य करना शुरू कर दिया है। ममता बनर्जी ने गोरखा प्रादेशिक प्रशासन अधिनियम, 2011 का हवाला देते हुए कहा कि यह कानून दार्जिलिंग, कलिम्पोंग और कुर्सियांग उप-मंडलों में स्वशासन सुनिश्चित करने के लिए बनाया गया था। इसे स्पष्ट रूप से पश्चिम बंगाल राज्य सरकार के रूप में परिभाषित किया गया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि पश्चिम बंगाल सरकार राज्य के आंतरिक मामलों में इस असंवैधानिक, मनमाने और राजनीतिक रूप से रंगे हस्तक्षेप को स्पष्ट रूप से अस्वीकार करती है और इसका कड़ा विरोध करती है। उन्होंने यह भी कहा कि इस तरह के कृत्य न केवल संवैधानिक संघीय ढांचे को कमजोर करते हैं, बल्कि हमारी लोकतांत्रिक राजनीति को परिभाषित करने वाली एकता और आपसी सम्मान की भावना को भी नष्ट करते हैं। उन्होंने आखिर में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मामले में हस्तक्षेप करने और आदेश को रद्द करने का अनुरोध किया।

सरबजीत को पाकिस्तान भेजने की नंबरदार ने की सिफारिश

एसजीपीसी मेंबर का खुलासा, बोलीं- उसी ने घर जाकर तफ्तीश की; बेटे-मां में बातचीत नहीं

कपूरथला, 17 नवंबर (एजेंसियां)। पंजाब के कपूरथला की सरबजीत कौर के पाकिस्तान जाकर निकाह करने के मामले में नंबरदार का कनेक्शन सामने आया है। मामले में सुल्तानपुर लोधी की एसजीपीसी सदस्य बीबी गुरप्रीत कौर रूही ने बताया कि सरबजीत कौर ने ननकाना साहिब जाने के लिए गुरुद्वारा श्री बेर साहिब में फाइल दी थी। इसी क्रम में अमानीपुर गांव की सरबजीत कौर ने अपना पासपोर्ट जमा करवाया। एसजीपीसी सदस्य ने बताया कि नंबरदार ने सरबजीत को पाकिस्तान भेजने की सिफारिश की थी और कहा था कि वो सरबजीत के गांव गए थे और गांव में रहने की पुष्टि की।

मुनंबम वक्फ जमीन विवाद से चर्चा में आए जोसेफ बेनी लड़ेंगे चुनाव, कांग्रेस देगी टिकट

कोच्चि, 17 नवंबर (एजेंसियां)। मुनंबम जमीन सुरक्षा परिषद के नेता जोसेफ बेनी, जो लंबे समय से केरल वक्फ बोर्ड के खिलाफ लड़ाई लड़ रहे हैं, कांग्रेस के टिकट पर निकाय चुनाव में उतरेंगे। मुनंबम जमीन सुरक्षा परिषद के संयोजक जोसेफ बेनी मुनंबम खंड की वाइपिन ब्लॉक पंचायत से चुनाव लड़ेंगे। सोमवार को इस बारे में मीडिया से बात करते हुए बेनी ने कहा कि उन्होंने मुनंबम के लोगों के लिए चुनाव लड़ने का फैसला किया है। दरअसल मुनंबम के लोगों की जमीन पर केरल वक्फ बोर्ड ने दावा किया है।

कांग्रेस नेतृत्व ने दिया टिकट का ऑफर

जोसेफ बेनी ने कहा कि 'कांग्रेस नेताओं ने उन्हें चुनाव लड़ने का प्रस्ताव दिया। जिसके बाद अन्य लोगों से चर्चा के बाद मैंने 600 परिवारों के लिए चुनाव लड़ने का फैसला किया है, जो वक्फ बोर्ड से अपनी जमीन वापस लेने की लड़ाई लड़ रहे हैं।' बेनी ने कहा कि उनकी कोई राजनीतिक महत्वकांक्षा नहीं है। हालांकि साथ ही उन्होंने ये भी कहा कि वे कॉलेज कैंपस से ही राजनीति में शामिल रहे हैं। अभी जोसेफ बेनी के चुनाव लड़ने की आधिकारिक घोषणा होना बाकी है।

मुनंबम जमीन विवाद के खिलाफ

मुनंबम जमीन सुरक्षा परिषद के विरोध प्रदर्शन का 400वां दिन था। बेनी ने कहा कि 'अदालत भी कह चुकी है कि यह जमीन वक्फ की नहीं है, लेकिन अभी तक राज्य सरकार ने हमारे राजस्व अधिकार बहाल नहीं किए हैं। हम हमारी मांगों के पूरा होने के अभी विरोध प्रदर्शन जारी रखेंगे।' केरल वक्फ बोर्ड ने मुनंबम की 400 एकड़ जमीन पर अपना दावा किया है, जिसके खिलाफ इस जमीन पर बसे 600 परिवार विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं।

क्या है मुनंबम भूमि विवाद

केरल के एर्नाकुलम जिले में वाइपिन द्वीप पर मुनंबम तटीय इलाके में सैंकड़ों एकड़ जमीन पर कई गांव बसे हैं, जहां पारंपरिक तौर पर मछली पकड़ने वाले समुदाय के लोग रहते हैं। यहां 404 एकड़ जमीन पर केरल राज्य वक्फ बोर्ड ने दावा कर दिया। इस दावे के खिलाफ इस जमीन पर बसे 600 परिवार विरोध में उतर आए हैं। इनमें से 400 परिवार ईसाई हैं और पिछड़े लैटिन कैथोलिक समुदाय से ताल्लुक रखते हैं।

बाकी परिवार हिंदुओं के हैं। विवाद इस बात को लेकर है कि साल 1902 में त्रावणकोर शाही परिवार ने 404 एकड़ जमीन अब्दुल सत्तार मूसा नाम के व्यापारी को यह जमीन पट्टे पर दी थी। अब्दुल सत्तार बाद में कोच्चि शिफ्ट हो गए। पीड़ित परिवारों का दावा है कि जमीन पट्टे पर दिए जाने से पहले से ही उनके पूर्वज यहां बसे हुए थे। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, साल 1948 में अब्दुल सत्तार के दामाद मोहम्मद सिद्दीक ने इस जमीन को अपने नाम पर रजिस्टर कराया और बाद में इसे कोझिकोड के फारूख कॉलेज के प्रबंधन को जमीन सौंपने का फैसला किया।

स्वतंत्र वार्ता

मंगलवार, 18 नवंबर- 2025

नौगाम धमाके से उठते सुरक्षा के सवाल

ममता कुशवाहा

नौगाम की उस दर्दनाक रात ने देश को एक बार फिर झकझोर दिया, जब खामोश आसमान के नीचे अचानक उठी विस्फोट की दहाड़ ने सुरक्षा तंत्र की नाजुक परतों को उजागर कर दिया। दिल्ली के लालकिले के पास हुए धमाके का धुआँ अभी बिखरा ही था कि नौगाम थाने में हुआ यह हादसा भय, विडंबना और लापरवाही के मिश्रित स्वरूप में सामने आया। आतंक की परछाइयों से जूझते देश के लिए यह घटना सिर्फ एक दुर्घटना नहीं, बल्कि चेतावनी है कि खतरा हमेशा बाहर से नहीं आता- कभी-कभी वह हमारी ही असावधानियों की गोद में पला होता है। यह घटना जितनी भयावह थी, उतनी ही विडंबनापूर्ण भी, क्योंकि यह विस्फोट किसी आतंकी हमले का परिणाम नहीं, बल्कि विस्फोटकों की जांच के दौरान हुई एक घातक चूक का नतीजा बताया गया। परंतु यह किसी साधारण दुर्घटना की तरह नजरअंदाज करने योग्य नहीं है, बल्कि सुरक्षा व्यवस्था, आतंकवाद की बदलती चुनौतियों और प्रशासनिक जिम्मेदारियों की गंभीरता की याद दिलाने वाली एक चेतावनी है।

नौगाम धमाके की पृष्ठभूमि में देखने पर इसकी जड़ें गहरी चिंता की ओर संकेत करती हैं। हाल ही में सुरक्षा एजेंसियों ने जैश-ए-मोहम्मद से जुड़े एक आतंकी तंत्र का पर्दाफाश किया था, जिसमें कई लोगों को गिरफ्तार किया गया और भारी मात्रा में विस्फोटक सामग्री बरामद की गई। उसी बरामद सामग्री को विस्तृत परीक्षण के लिए नौगाम थाने लाया गया था। विस्फोटकों का परीक्षण एक अत्यंत संवेदनशील प्रक्रिया होती है, जिसमें क्षणभर की असावधानी भी जीवन और संपत्ति के लिए भारी खतरा बन जाती है। विस्फोटक सामग्री थाने तक तो सुरक्षित पहुँच गई, परंतु शायद उस वक्त यह समझना भूल गए कि असली चुनौती तो उनके परीक्षण के दौरान ही मंडराती है। यही कारण रहा कि जाँच की प्रक्रिया के बीच अचानक हुआ धमाका इतना प्रचंड साबित हुआ कि न केवल थाना भवन क्षत-विक्षत हो गया, बल्कि आसपास के घरों की दीवारें भी मानो किसी भूकंप जैसी कम्पन से कांप उठीं। घटना के तुरंत बाद इसे आतंकी हमले की आशंका से जोड़कर देखा गया, क्योंकि यह क्षेत्र लंबे समय से आतंकवादी गतिविधियों का केंद्र रहा है, और हाल के दिनों में लगातार ऐसी घटनाओं ने लोगों के मन में स्वाभाविक भय पैदा कर दिया है। लेकिन बाद में पुलिस और गृह मंत्रालय की ओर से यह स्पष्ट कर दिया गया कि यह धमाका किसी बाहरी हमले का परिणाम नहीं, बल्कि फोरेंसिक जांच प्रक्रिया के दौरान हुई एक अनजानी भूल का नतीजा है। यह कहना जितना सहज लगता है, उतना ही कठिन है यह समझ पाना कि जांच जैसी महत्वपूर्ण प्रक्रिया में आखिर ऐसी चूक कैसे हो सकती है, जिसमें नौ जिंदगियाँ बेमौत चली गईं। यह सवाल सिर्फ चूक का नहीं, बल्कि उस संपूर्ण तंत्र की कार्यप्रणाली का है, जहाँ संवेदनशील कार्यों के लिए आवश्यक कौशल, अनुभव और सावधानी की अपेक्षा की जाती है।

विस्फोटकों की जांच के लिए नमूना निकालना एक अत्यंत सूक्ष्म ऑपरेशन होता है, जिसके लिए प्रशिक्षित विशेषज्ञों की मौजूदगी, अत्याधुनिक उपकरणों की उपलब्धता और नियंत्रित वातावरण की आवश्यकता होती है। यह शंका स्वाभाविक रूप से उठती है कि क्या थाने में मौजूद अधिकारी इस स्तर की विशेषज्ञता रखते थे। यदि नहीं, तो इतनी बड़ी मात्रा में खतरनाक सामग्री को थाने में लाना ही एक गंभीर भूल थी। यह समझना आवश्यक है कि आतंकियों से बरामद किए गए ऐसे विस्फोटक न केवल कानूनी साक्ष्य होते हैं, बल्कि वे स्वयं एक संभावित खतरा भी बने रहते हैं, जिन्हें संभालना किसी साधारण प्रशासनिक प्रक्रिया के तहत संभव नहीं। नौगाम धमाके का परिणाम हमें यह सोचने पर मजबूर करता है कि अगर यह विस्फोट आतंकियों के हाथों योजनाबद्ध तरीके से किसी भीड़भाड़ वाले इलाके में होता, तो हुई क्षति का स्वरूप कितना भयावह हो सकता था। इससे यह भी स्पष्ट हो जाता है कि सुरक्षा एजेंसियों ने एक बड़ी साजिश को भले ही विफल कर दिया हो, लेकिन बरामद सामग्री को संभालने के दौरान उनकी सावधानी पर्याप्त नहीं थी।

इस घटना का एक और पहलू आतंकवाद की बदलती प्रवृत्ति से भी जुड़ा है। जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद लंबे समय से सक्रिय रहा है, लेकिन हाल के महीनों में देखा गया है कि आतंकी संगठन अब देश के दूसरे हिस्सों में भी अपनी पैठ बनाने की कोशिश कर रहे हैं। फरीदाबाद में हुई गिरफ्तारी और दिल्ली के लालकिले के पास हुआ धमाका इस श्रृंखला का हिस्सा प्रतीत होते हैं। यह तथ्य अपने आप में चिंताजनक है कि आतंकवादी नेटवर्क अब बहु-क्षेत्रीय और बहु-स्तरीय रणनीतियों पर काम कर रहे हैं, जिसमें स्थानीय समर्थन, तकनीकी सहायता और विस्फोटकों की आसान उपलब्धता उनके हथियार बन गए हैं। ऐसे में यह अनिवार्य हो जाता है कि आतंकियों से बरामद हर वस्तु, चाहे वह रासायनिक पदार्थ हो, विस्फोटक उपकरण हों या कोई इलेक्ट्रॉनिक सर्किट को अत्यधिक सतर्कता के साथ संभाला जाए, क्योंकि कभी-कभी एक छोटी-सी चूक बड़ी त्रासदी का कारण बन जाती है।

नौगाम धमाका महज एक दुर्घटना भर नहीं, बल्कि एक व्यापक सबक है, जो बताता है कि सुरक्षा और सावधानी केवल कागज़ी कार्रवाइयों का विषय नहीं, बल्कि ज़मीनी स्तर पर गंभीरता से लागू किए जाने की आवश्यकता है। आतंकवाद का मुकाबला सिर्फ हथियारों से नहीं होता, बल्कि उससे बरामद सामग्री की सही हैंडलिंग और वैज्ञानिक तरीके से जांच भी उतनी ही महत्वपूर्ण होती है। यदि जांच प्रक्रिया में तकनीकी विशेषज्ञता कमी हो, या नेतृत्व स्तर पर समुचित मार्गदर्शन न मिले, तो ऐसे हादसे होना स्वाभाविक है। यह घटना सुरक्षा एजेंसियों के लिए एक चेतावनी है कि उन्हें अपने प्रशिक्षण, उपकरण और प्रक्रियाओं की गंभीरता से समीक्षा करनी चाहिए। इस विस्फोट ने न केवल कई जिंदगियों को खत्म किया, बल्कि यह भी संदेश दिया कि सुरक्षा व्यवस्था में सिर्फ दुश्मन बाहरी नहीं होते- कई बार हमारी अपनी लापरवाहियाँ ही सबसे बड़ा खतरा बन जाती हैं।

फिर भी, यह समय दोषारोपण का नहीं, बल्कि आत्ममंथन और सुधार का है। एक विस्तृत और निष्पक्ष जांच यह समझने में सहायता करेगी कि गलती कहाँ हुई, किस स्तर पर हुई और भविष्य में इसे रोकने के लिए कौन-से कदम आवश्यक हैं। यह भी जरूरी है कि विस्फोटक पदार्थों को संभालने वाले अधिकारियों को विशेष प्रशिक्षण दिया जाए, और ऐसी सामग्री की जांच के लिए थानों के बजाय सुरक्षित प्रयोगशालाओं या बम निरोधक इकाइयों का उपयोग अनिवार्य किया जाए।नौगाम की यह घटना हमें यह याद दिलाती है कि आतंकवाद से लड़ाई सिर्फ सीमा पर नहीं लड़ी जाती, बल्कि यह उस हर कमरे, हर प्रयोगशाला, हर थाने और हर मेज पर लड़ी जाती है, जहाँ विस्फोटकों को खोला, देखा, जांचा या समझा जाता है। छोटी-सी चूक भी कभी-कभी बड़े हादसे की शक्ल ले सकती है।

यह विस्फोट एक त्रासदी जरूर है, पर साथ ही यह चेतावनी भी है कि सुरक्षा व्यवस्था में सुधार, संवेदनशीलता और वैज्ञानिक दृष्टिकोण अपनाने का समय बीत चुका, अब यह अनिवार्य है। यदि हम इस चेतावनी को समझ पाए, तभी हम आतंकवाद की बदलती परछाइयों से मुकाबला करने और देश को सुरक्षित रखने में सफल हो सकेंगे।

रणनीतिक तैयारी में पीके

राजनीतिक रणनीतिकार प्रशांत किशोर यानी पीके ने सपने में भी नहीं सोचा था कि बिहार चुनाव में उन्हें इस तरह की करारी हार मिलेगी। इस हार से हालांकि वे उबर तो नहीं पाए हैं लेकिन अपने फ्यूचर प्लान को लेकर चिंतित जरूर हैं। प्रसिद्ध शायर फैज अहमद फैज का ये शेर दिल ना-उम्मीद तो नहीं नाकाम ही तो है, लम्बी है गम की शाम मगर शाम ही तो है... इस वक्त पीके और उनकी पार्टी जनसुराज के कार्यकर्ताओं पर फिट बैठता है। बिहार चुनाव के झटके को पचा पानी पीके और उनके समर्थकों के लिए आसान तो नहीं होगा, लेकिन पीके इस कड़वे घूट को पीकर आगे बढ़ने के लिए तैयारी में जुट गए हैं। चुनाव के नतीजों से निराश प्रशांत किशोर अब रणनीति को लेकर एक बार फिर रणभूमि में उतरने की तैयारी कर रहे हैं। एक तरफ जहां उनके विरोधी प्रशांत किशोर के राजनीति से संन्यास की अटकलें लगा रहे है तो वहीं दूसरी तरफ पीके कुछ और ही प्लान कर रहे हैं। सूत्रों के मुताबिक प्रशांत किशोर को पूरी उम्मीद थी कि जनसुराज अपने प्रदर्शन से सबको चौंका देगी, लेकिन उनका ये अनुमान पूरी तरह से फेल हो गया। उनके खाते में एक भी सीट नहीं आई। लेकिन राजनीति का चस्का लगा चुके पीके के लिए, राजनीति छोडना इतना आसान भी नहीं होगा। जनसुराज से जुड़े सूत्रों के मुताबिक प्रशांत किशोर न ही राजनीति छोड़ेंगे और न ही किसी दूसरे करियर का विकल्प तलाशेंगे। वे एक बार फिर बिहार की जमीन पर पसीना बहाते नजर आने वाले हैं। पिछले 3 सालों से जारी प्रशांत किशोर की पदयात्रा में बिहार का दक्षिणी हिस्सा छूट गया था। तो अब पीके 1 दिसंबर के आसपास फिर से अपनी पदयात्रा शुरू करेंगे। उनकी पिछली पदयात्रा में दक्षिण बिहार छूट गया था। इसलिए अब वह बिहार के दक्षिणी इलाके में पदयात्रा कर लोगों से संपर्क बढ़ाते नजर आने वाले हैं। इसके लिए प्रशांत किशोर पटना, गया, बक्सर, भोजपुर, कैमूर, नालंदा, अरवल, जहानाबाद, गया, शेखपुरा, बांका, खगड़िया, बेगुसराय में पदयात्रा करेंगे। प्रशांत किशोर को ऐसे नतीजे की उम्मीद तो नहीं थी, लेकिन वो मानसिक तौर पर पूरी तरह से तैयार थे कि बुरे से बुरे नतीजे आने पर भी आगे क्या रणनीति अपनानी है। जनसुराज से जुड़े लोगों के मुताबिक प्रशांत किशोर पुराने मुद्दों को किसी भी हालत में छोडने वाले नहीं हैं, वे इसे जन-जन तक पहुंचाने का प्रयास करेंगे। पलायन और बेरोजगारी से लेकर शिक्षा और स्वास्थ्य तक पीके अपने मुद्दों पर अडिग नजर आ रहे हैं। यह बात अलग है कि इस बार उनका तरीका कुछ अलग होगा। प्रशांत किशोर कुछ दिनों तक सरकार के कामकाज का इंतजार करेंगे और फिर लोगों को बताएंगे कि सरकार ने उनके साथ जो वादे किए थे, वो पूरे हो पा रहे हैं या नहीं। वो अपनी आगामी यात्राओं में बताएंगे कि बिहार के लोगों ने 'डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर' को देखकर एनडीए को वोट तो दे दिया है, लेकिन अब आगे उन्हें मूलभूत सुविधाएं मिल पाएंगी या नहीं। बता दें कि प्रशांत किशोर ने 2 अक्टूबर 2022 को अपनी पदयात्रा शुरू की थी। तब से लेकर बिहार चुनाव तक पीके लगातार बिहार की जमीन को नापते दिख रहे हैं। इस दौरान उन्होंने हर उस मुद्दे को उठाया, जो आम आदमी से जुड़ा था। फिर चाहे वह स्कूलों-अस्पतालों की बदहाली का मुद्दा हो या फिर बेरोजगारी के कारण पलायन का मुद्दा।

छोटे शहरों व कस्बों के लिए प्रेरणा है लखनऊ को मिली यूनेस्को की मान्यता

अमरपाल सिंह वर्मा

हाल में विश्व नगर दिवस के अवसर पर यूनेस्को ने अपने रचनात्मक शहरों की सूची में 58 नए शहरों को शामिल किया है। इस सूची में लखनऊ का होना भारत के लिए गर्व का विषय है। उत्तरप्रदेश की राजधानी लखनऊ को 'पाक-कला के सृजनशील शहर' का दर्जा मिलना न केवल लखनऊ की समृद्ध नवाबी विरासत का प्रतीक है बल्कि इससे हमारे देश की खान-पान की खास परंपराओं पर वैश्विक मुहर भी लगी है। इतना ही नहीं, लखनऊ की शान में लगी इस कलगी से देश के उन छोटे शहर-कस्बों को भी प्रेरणा मिली है जो अपने यहां विशिष्ट स्वाद समेटे हुए हैं। लखनऊ की पाक परंपरा केवल भोजन नहीं बल्कि समृद्ध खान-पान संस्कृति, इतिहास और भावनाओं का संगम है। वहां की गलियों में महकने वाला स्वाद सदियों पुरानी नवाबी तहजीब की निशानी है। वहां के रसदार कबाब, खास बिरयानी और अन्य खान-पान केवल व्यंजन नहीं बल्कि पीढ़ियों से चली आ रही पाक कला के स्थापित प्रतीक हैं। लखनऊ साबित करता है कि भोजन केवल पेट भरने का साधन नहीं बल्कि एक रचनात्मक अभिव्यक्ति भी है जो समुदायों को जोड़ती है और इतिहास को जीवित रखती है। लखनऊ का यूनेस्को की रचनात्मक शहरों की सूची में शामिल होना केवल एक सम्मान नहीं बल्कि एक अवसर है। इससे जहां शहर को न केवल वैश्विक स्तर पर पहचान मिलेगी वहीं पाक-कला के संरक्षण, नवाचार और पर्यटन को भी नई दिशा मिलेगी। यह दर्जा इस शहर को अंतरराष्ट्रीय मंचों पर पाक आदान-प्रदान, सांस्कृतिक कार्यक्रमों और प्रशिक्षण के अवसरों से जोड़ेगा। इससे स्थानीय रसोइयों, छोटे खानपान व्यवसायों और पारंपरिक खाद्य निर्माताओं को भी नई आर्थिक संभावनाएं मिलेंगी। 2019 में हैदराबाद को यह दर्जा मिला था. इसके बाद लखनऊ भारत का दूसरा शहर है, जिसे पाक कला श्रेणी में यह सम्मान मिला है। इससे दुनिया में यह संदेश गया है कि हमारे देश का खानपान केवल विविध नहीं बल्कि नवाचार और परंपरा के संतुलन का एक अद्भुत उदाहरण भी है। लखनऊ की यह उपलब्धि भारत के हजारों गांवों, कस्बों और छोटे शहरों के लिए प्रेरणा बन सकती है। देश के हर क्षेत्र की अपनी कोई न कोई खाद्य पहचान है। आगरा का पेठा, मथुरा के पेड़े, जैसलमेर के घोटिया लड्डू, रेवाड़ी की बर्फी, बीकानेर का भुजिया और रसगुल्ले, जोधपुर की कचौरी समेत तमाम स्थानों की खान-पान संबंधी कोई न कोई पहचान है जिसमें स्थानीय मिट्टी, जलवायु, संस्कृति और श्रम की मिठास मिली है लेकिन दुर्भाग्य यह है कि ज्यादातर इलाकों के स्वाद की कहानी इन इलाकों तक ही सिमट कर रह गई है। लखनऊ की तरह यदि ऐसे सभी स्थानों की विशेषता को पहचान दिलाने के लिए संगठित प्रयास हों तो ये भी देश और दुनिया के खानपान नक्शे पर जगह बना सकते हैं। देश के विभिन्न इलाकों के स्थानीय स्वादों की वैश्विक पहचान के लिए बहुत कुछ करना पड़ेगा। यह सही है कि यूनेस्को का दर्जा हर शहर को नहीं मिल सकता लेकिन उस स्तर तक पहुंचने के लिए प्रयास जरूर किए जा सकते हैं। स्थानीय ब्रांडिंग और संरक्षण के तहत हर जिले के विशिष्ट व्यंजन की कहानी और परंपराओं का दस्तावेजीकरण और 'वन डिस्ट्रिक्ट वन डिश' जैसे अभियानों का आगाज इसमें योगदान दे सकता है। पर्यटन विभाग यदि स्थानीय व्यंजनों पर आधारित फूड फेस्टिवल आयोजित करे तो न केवल पर्यटन बढ़ेगा बल्कि स्थानीय रोजगार भी सृजित होंगे।अगर छोटे होटल, स्ट्रीट फूड विक्रेता, गृहिणी उद्यमी और रसोइये मिलकर स्थानीय स्तर पर ब्रांड बनाएं तो इससे 'मेक इन इंडिया' का स्वादिष्ट रूप सामने आ सकता है। छोटे शहरों के युवा अपने क्षेत्रीय व्यंजनों को डिजिटल माध्यमों पर प्रस्तुत करें तो बड़ी पहचान मिल सकती है।

भगत सिंह की छाया नहीं–एक अलग आकाश थे बटुकेश्वर दत्त

आरके जैन

वह लड़का, जिसे इतिहास ने अक्सर भगत सिंह की छाया में याद किया, असल में खुद एक ऐसी लौ था जो किसी भी आँधी में नहीं बुझती थी- बटुकेश्वर दत्त। वो शख्स, जिसने अपनी जवानी की हर सांस, हर धड़कन, देश की मिट्टी के नाम कर दी। उसका जीवन सिर्फ एक क्रांतिकारी की दास्तान नहीं, बल्कि उस जिद का प्रतीक है जो कहती है-"अन्याय का जवाब सिर्फ आवाज़ से नहीं, साहस से दिया जाता है।" आज, उनकी जयंती पर, हम सिर्फ़ एक क्रांतिकारी को याद नहीं करते, बल्कि उस आग को सलाम करते हैं, जो अंग्रेजी हुकूमत की नींव हिला गई।

बटुकेश्वर दत्त कोई मिथक नहीं थे, न ही कोई काल्पनिक नायक; बल्कि हाड़-मांस का वह साहसी युवक था, जिसने 18 साल की उम्र में अपने सपनों और भविष्य को देश के लिए समर्पित कर दिया। उनके भीतर बचपन से ही वह आग थी जो किसी निजी बदले की नहीं, बल्कि गुलामी को तोड़ने की थी। अन्याय और अत्याचार को देखकर जहाँ अधिकांश लोग चुप हो जाते हैं, दत्त ने क्रांति का रास्ता चुना-सबसे कठिन, सबसे जोखिम भरा, पर सबसे सच्चा। जिस उम्र में लोग अपने सपनों की नींव रखते हैं, दत्त ने अपने जीवन को देश के नाम अर्पित करने का संकल्प लिया-विनाश के लिए नहीं, बल्कि भारत के निर्माण के लिए। 1929 की वो अप्रैल की तारीख, जब दिल्ली की सेंट्रल लेजिस्लेटिव असेंबली में धमाके की गूंज उठी। बम फटा, धुआं छाया, और अंग्रेजी सत्ता के कान खड़े हो गए।

लेकिन ये धमाका सिर्फ़ बारूद का नहीं था; ये था एक नौजवान के दिल का फटना, जो गुलामी की बेड़ियों को देखकर तड़प रहा था। बटुकेश्वर दत्त ने, अपने साथी भगत सिंह के साथ मिलकर, उस बम को फेंका, जो न हत्या के लिए था, न विनाश के लिए। वो बम था एक चेतावनी, एक हुंकार, एक संदेश-'इंकलाब ज़िंदाबाद!'। उन्होंने जानबूझकर ऐसी जगह बम फेंका, जहां कोई जान न जाए। क्योंकि उनकी लड़ाई हथियारों से नहीं, विचारों से थी। वो चाहते थे कि अंग्रेज़ सुनें, कि भारत की आत्मा की आवाज़ दुनिया तक पहुंचे। और वो आवाज़ पहुंची भी। लेकिन इस शौर्य की कीमत क्या थी? आज हम उनके नाम पर गर्व करते हैं, पर उस वक्त? कालापानी की सजा, अंडमान की जेल की अंधेरी कोठरियां, जहां सूरज की किरण भी दम तोड़ देती थी। बटुकेश्वर ने वो सब सहा। न उनके चेहरे पर शिकन आई, न दिल में पछतावा। जेल की दीवारों पर उनकी उंगलियों ने आज़ादी के गीत लिखे। वो गीत, जो आज भी हमारे भीतर कहीं न कहीं गूंजते हैं। क्या हमने कभी सोचा, कितनी हिम्मत चाहिए होती है, अपने परिवार को, अपने सपनों को, अपने जीवन को, सिर्फ़ एक उम्मीद के लिए कुर्बान कर देने में? बटुकेश्वर ने किया। और यही उनकी जयंती को इतना खास बनाता है। बटुकेश्वर दत्त सिर्फ़ एक क्रांतिकारी नहीं थे, वो एक विचार थे। वो उस पीढ़ी के प्रतीक थे, जिसने गुलामी को नकार दिया। उनकी ज़िंदगी का हर पल हमें सिखाता है कि आज़ादी कोई सौदा नहीं, कोई उपहार नहीं। आज़ादी वो आग है, जिसे हर पीढ़ी को जलाए रखना पड़ता है। आज, जब हम उनकी जयंती मना रहे हैं, क्या हम सचमुच उनकी विरासत को समझते हैं? क्या हम उस आग को अपने भीतर महसूस करते हैं? बटुकेश्वर की कहानी हमें झकझोरती है, हमें याद दिलाती है कि आज़ादी की लड़ाई कभी खत्म नहीं होती। वो रूप बदलती है, लेकिन उसका मोल वही रहता है।

उनका जीवन सिर्फ़ बम और बारूद तक सीमित नहीं था। जेल से निकलने के बाद भी, उन्होंने समाज के लिए काम किया। लेकिन दुख की बात, देश ने उन्हें उतना सम्मान नहीं दिया, जितना वो हकदार थे। बटुकेश्वर दत्त की आखिरी सांसें दिल्ली एक अस्पताल में टूटीं, 1965 में, और तब तक देश का बड़ा हिस्सा उन्हें भूल चुका था। ये हमारे लिए शर्मिंदगी की बात है। पर उनकी जयंती हमें मौका देती है-खुद को सुधारने का, उनकी कुर्बानी को सच्चे मन से याद करने का, और उनके सपनों को ज़िंदा रखने का। आज, जब हम बटुकेश्वर दत्त को याद करते हैं, तो ये सिर्फ़ एक दिन नहीं, एक जिम्मेदारी है। उनकी आंखों में जो भारत का सपना था, उसे साकार करने की जिम्मेदारी। वो सपना, जहां कोई भूखा न सोए, कोई गुलाम न रहे, कोई डर न जीए। क्या हम उस सपने के करीब हैं? या हमने उनकी कुर्बानी को सिर्फ़ किताबों और भाषणों तक सीमित कर दिया? उनकी जयंती हमें ये सवाल पूछने को मजबूर करती है। और जवाब हमारी ज़िंदगी में, हमारे कर्मों में छिपा है। बटुकेश्वर दत्त की कहानी कोई पुरानी कथा नहीं। वो आज भी उतनी ही प्रासंगिक है। जब हम अन्याय देखते हैं, जब हम गलत के खिलाफ आवाज़ उठाने से डरते हैं, तब हमें बटुकेश्वर की वो हिम्मत याद करनी चाहिए। वो हिम्मत, जिसने अंग्रेजी सत्ता को चुनौती दी। वो जज़्बा, जिसने जेल की सलाखों को भी गीत बना दिया। उनकी जयंती हमें वो आग देती है, वो ताकत देती है, जो हमें अपने भीतर के डर को जलाने के लिए चाहिए। उनकी जयंती पर जब हम उन्हें याद करते हैं, तो यह याद मात्र औपचारिकता नहीं होनी चाहिए। यह वह क्षण है जब हमें खुद से पूछना चाहिए-क्या हम उन बलिदानों को सिर्फ पाठ्यपुस्तकों की लाइनों तक सीमित कर सकते हैं? क्या बटुकेश्वर दत्त जैसे क्रांतिकारी सिर्फ एक नाम रह जाएँ? या हम उनके विचारों की आग को अपने भीतर जगा सकते हैं-अन्याय के खिलाफ खड़े होने की हिम्मत, सच बोलने का साहस और देश से प्रेम की वह भावना जो किसी स्वार्थ की मोहताज नहीं?

बटुकेश्वर दत्त हमें यह सिखाते हैं कि आज़ादी सिर्फ सीमा पर नहीं बचती, वह हर उस जगह बचती है जहाँ कोई अन्याय के सामने सिर झुकाने से इंकार करता है। वह हमें बताते हैं कि देशभक्ति तिरंगे की शान में खड़े होने तक सीमित नहीं, बल्कि उस हर सत्य को बचाने में है जो समाज को इंसानियत से जोड़ता है। आज उनका नाम जितनी बार लिया जाए, उतनी ही बार यह एहसास होना चाहिए कि वह सिर्फ इतिहास के पात्र नहीं-वह वर्तमान को जीवंत रखने वाला वह दीपक हैं जिसे अगर जला दिया जाए, तो अंधेरा कभी स्थायी नहीं रह सकता। उनकी जयंती पर उन्हें नमन करना जितना जरूरी है, उतना ही जरूरी है उनके दिखाए रास्ते को समझना-निडरता का रास्ता, सत्य का रास्ता, और उस देशप्रेम का रास्ता जो खुद से पहले देश को रखता है। बटुकेश्वर दत्त भले शरीर से मिट गए हों, पर उनका साहस और उनका विद्रोही प्रकाश आज भी उतना ही ज्वलंत है।

और शायद यही उनकी सबसे बड़ी विरासत है-एक ऐसी विरासत जिसे न कोई सलाख़ें कैद कर सकती हैं, न कोई समय मिटा सकता है। बटुकेश्वर दत्त को सलाम करें, न सिर्फ़ शब्दों से, बल्कि अपने कर्मों से। उनके सपने को, उनके इंकलाब को, अपने जीवन का हिस्सा बनाएं। क्योंकि बटुकेश्वर दत्त कोई नाम नहीं,

खरबूजे का रंग

डॉ टी महादेव राव

यह सभी जानते हैं कि खाकी वर्दीधारियों को हर चीज हजम हो जाती है क्योंकि वे हर चीज चबा जाते हैं। उनके चबाने और हाजमे के शिकार पिछले दिनों ओडिशा के दो बकरे हो गए। उनकी पाचन शक्ति की बलि चढ़ गए। पुलिस के निर्देशन में, पुलिस की ही मुख्य भूमिकाएं लिए अखबारों के पहले पन्ने पर चढ़ी एक अद्भुत अपराध फिल्म है यह। कहते हैं न कि खरबूजा खरबूजे को देख रंग पकड़ता है। आप जिसके साथ रहेंगे वैसे हो जाओगे। इसी का परिणाम यह है कि चोरों, हत्यारों और खादीधारियों के साथ इनकी दोस्ती ने इनके रंग ढंग उनके जैसा कर दिया है। कुछ पुलिसियों को तो यह रंग इतनी जल्दी पकड़ता है कि क्या कहें? इनकी आदतों को अपनाकर ओड़ीशा के बोलाङीर जिले के सिंधीकेला के रक्षक सिपाही एक ग्रामीण के बकरियों के झुंड से दो बकरे गायब कर दिए। सीधे थाने के पिछवाड़े जाकर मटन करी बनाने के चक्कर में छुरी चाकू तेज कर रहे थे कि बकरी वाला ग्रामीण आकर गिड़ गिड़ाता रहा कि उसके बकरे छोड़ दिये जायें। रक्षक उसे "तेरी हिम्मत कैसे हुई यहां आकर यह सब कहने की? भाग जा यहाँ से" कहते हुए उसे दुत्कार दिया, भगा दिया। बेचारा चला गया और वे मटन करी बना कर खाते रहे, बकरे का स्वाद लेते रहे। यह बात किसी तरह एसपी साहब के कानों तक पहुंची तो उन्होंने विस्तृत जांच कराया और एएसआई को निलंबित कर दिया। अखिल भारतीय पुलिस की प्रतिष्ठा को मिट्टी में मिलाने वाली इस हरकत पर अधिकारियों ने यह सब किया, लेकिन नकाब डाले बकरों को बगल में दबाकर भागना क्या आम आदमी कर सकता है? बोलिए! यह कहा जाता है कि बहुत पहले गांवों में भेड़, बकरी, मुर्गी चुराने वाले चोर हुआ करते थे। रात के समय जो जीव हाथ में आया लपक कर उठा ले जाते थे। शताब्दियों पूर्व की चोरकला को पुनरुद्धार कर मरम्मत करने की कसम खाए हुए रक्षक या तक्षक सिपाहियों की, बकरे की खाल का शाल ओढ़ाकर सम्मान करने की बजाय उन्हें निलंबित करना महापाप है, घोर गलती है। अंधेरे में बिना किसी आहट के, खामोशी के साथ अपना काम कर जाने वाले पागल चोरों को देखकर सीखने को कहते हुए अपनी चोर विद्या का दिनदहाड़े प्रदर्शन करने वालों को अगर संभव हुआ तो कुटिल कौशल रत्न या मुश्कर तस्कर सम्राट जैसी उपाधियां देकर अभिनंदन करना तो बनता ही है न। सिर्फ ओडिशा ही नहीं ऐसे चोर-पुलिसियों की देश में कहीं भी कमी नहीं है। चोरों में साहूकार और साहूकारों में चोरों का होना कोई नई बात नहीं है। इसलिए ऊपर दिए गए कथन पर आश्चर्य करना छोड़ कर चलिए आगरा चलते हैं। पागल खाना या ताजमहल दिखाने नहीं ले जा रहा हूं। वहां एक और बेहद रोचक और मजेदार कहानी तैयार है। घर में अगर चोर पड़े तो उन्हें पकड़ने पुलिस आती है न। फिर थाने में चोर घुस कर सारा कुछ उड़ा ले जाए तो रक्षक सिपाहियों की रक्षा कौन करेगा? वही हुआ जगदीशपुरा पुलिस थाने में। थाने में रखे रुपयों पर नजर गड़ाए चोर एक दिन अच्छी साइत देखकर काम पर लग गए। पूरे पच्चीस लाख रुपए आसानी से चुरा ले गए। प्रश्न उठना सहज है इतना पैसा थाने में क्यों था? क्योंकि चार दिन पहले ही एक चोरी के मामले में पुलिस ने उस पैसे को बरामद किया था। वह चोरी हो गया है कह रहे हैं पुलिस वाले। राजा हरिश्चंद्र भले ही झूठ बोले, लेकिन पुलिस वाले क्या कभी झूठ बोलते हैं? एफ़ आई आर को साक्षी मानकर हर समय हर हालत में वे सच बोलते हैं, यह सबको पता है। यह सब तो ठीक है लेकिन किसी ने यह कहकर चिढ़ाया कि राजाओं का धन पत्थरों पर यानी शिल्पकला पर बर्बाद तो चोरों का माल पुलिस पर बर्बाद। चिढ़कर पीठ दिखाने वाले नहीं हैं पुलिस वाले वहां। उनके खिलाफ कुछ कह दिया तो बस लाठियां बरसाने वाले परम दयालु लोग हैं वे। चलो उनकी बात कि थाने में चोरी हो गई का विश्वास कर लेते हैं।

भारत की ऐतिहासिक विश्वकप विजय की अमर कहानी

डॉ. प्रियंका सौरभ

भारत की सुबह उस दिन कुछ अलग ही थी। सूरज जैसे थोड़ा गर्व लेकर उगा था, हवा में एक हल्की-सी ताजगी थी, और सड़कों पर लोगों की आवाज़ों में एक अलग ही किस्म की चहल-पहल महसूस हो रही थी। यह वही दिन था जब भारत में पहली बार महिला क्रिकेट विश्वकप की शुरुआत होनी थी। वर्षों से क्रिकेट से प्रेम करने वाला यह देश इस पल को अपने दिल में संजोकर बैठा था। हर गली, हर मोहल्ले में लोग चर्चा कर रहे थे- टीम कैसी है, किसका फॉर्म कैसा है, कौन-सी टीम सबसे बड़ी चुनौती बनेगी-सबके पास अपने-अपने तर्क थे, अपनी-अपनी उम्मीदें थीं। लेकिन एक बात पर हर कोई सहमत था-इस बार इतिहास लिखने का समय आ गया है।

भारतीय टीम होटल से निकलकर बस में बैठ रही थी, तो हर खिलाड़ी के मन में एक अजीब सा मिश्रण था-उत्साह, घबराहट, ज़िम्मेदारी, और सबसे बढ़कर पूरे देश की अपेक्षाओं को पूरा करने का जुनून। बस के शीशों के बाहर खड़े लोग झंडे लहरा रहे थे, मोबाइल उठाकर वीडियो बना रहे थे, कुछ लोग तो बस का पीछा करते हुए नारे लगा रहे थे। खिलाड़ियों की आँखों में चमक थी-वह चमक जो हर खेल से पहले होती है, लेकिन इस बार वह चमक कहीं अधिक गहरी थी, क्योंकि यह सफर सिर्फ कुछ मैचों का नहीं था, यह सफर था अपने सपनों को सच साबित करने का। टूर्नामेंट देश के छह बड़े शहरों में आयोजित होना था-मुंबई, दिल्ली, कोलकाता, चेन्नई, बेंगलुरु और अहमदाबाद। हर शहर को पूरी तरह विश्वकप के रंग में रंग दिया गया था। होर्डिंग्स, पोस्टर, विज्ञापन-हर जगह खिलाड़ी नज़र आते थे। उन चेहरों में भारतीय कप्तान का चेहरा सबसे ज़्यादा चमक रहा था साहसी, आत्मविश्वासी और दृढ़ निश्चयी। उनके नेतृत्व में टीम ने पिछले दो वर्षों में शानदार प्रदर्शन किया था और अब वह पूरे विश्व को दिखाने के लिए तैयार थीं कि भारतीय महिलाएँ सिर्फ खेलती नहीं, जीतना भी जानती हैं। टूर्नामेंट का पहला मैच मुंबई में था, और भारत का मुकाबला था इंग्लैंड से-एक मजबूत टीम, जिसके पास कई अनुभवी खिलाड़ी थीं। यह वही इंग्लैंड थी जिसने कई बार भारत को बड़े टूर्नामेंटों में चुनौती दी थी। स्टेडियम खचाखच भरा हुआ था। तिरंगे हर ओर लहरा रहे थे, ढोल की आवाज़ें गूंज रही थीं, और दर्शक हर खिलाड़ी का नाम पुकारकर उसे हौसला दे रहे थे। जैसे ही भारत की कप्तान टॉस के लिए मैदान पर उतरीं, पूरा स्टेडियम 'भारत माता की जय' के नारों से भर गया। भारत ने बल्लेबाजी चुनी। ओपनर मैदान पर उतरीं तो हवा जैसे ठहर गई। शुरुआती ओवरों में इंग्लैंड की गेंदबाजों ने कसी हुई गेंदबाजी की, लेकिन भारतीय ओपनरों ने धैर्य से खेलते हुए धीरे-धीरे लय पकड़ी। पावरप्ले खत्म होते-होते स्कोरबोर्ड अच्छी तरह चलने लगा था। फिर जैसे ही स्पिनर आए, भारतीय बल्लेबाज़ों ने अपने हाथ खोल दिए। चौकों की बौछार, दर्शकों की गर्जना और डगआउट से बजती तालियाँ-सब मिलकर एक खूबसूरत लय पैदा कर रहे थे। भारत ने एक मजबूत स्कोर खड़ा किया। जब इंग्लैंड बल्लेबाज़ी करने उतरी, भारतीय गेंदबाज़ों ने बेजोड़ प्रदर्शन किया। हर गेंद पर ऊर्जा थी, हर गेंद पर रणनीति थी। जब इंग्लैंड का आखिरी विकेट गिरा, पूरा स्टेडियम गूंज उठा। भारत ने टूर्नामेंट की शुरुआत शानदार जीत से की थी।

इस जीत ने भारतीय टीम का मनोबल बढ़ा दिया। अगले मैच बेंगलुरु और दिल्ली में होने थे। हर मैच में भारत का दबदबा दिखाई दिया। एक मैच में ओपनरों की बड़ी साझेदारी ने टीम को संभाला, दूसरे मैच में गेंदबाजों ने विपक्षी टीम को 150 के अंदर समेट दिया। तीसरे मैच में फील्डर्स ने दो ऐसे कैच पकड़े जिन्हें देखकर कमेंटेटर तक दंग रह गए। हर जीत के साथ भारत की उम्मीदें बढ़ रही थीं, और लोगों का विश्वास और भी मजबूत होता जा रहा था कि यह टूर्नामेंट भारत को ही जीतना है।

जैसे-जैसे लीग मैच आगे बढ़े, भारतीय टीम लगातार अंकतालिका में शीर्ष पर बनी रही। सेमीफ़ाइनल के लिए पहले से ही भारत का स्थान लगभग तय हो चुका था। लेकिन आखिरी लीग मैच कोलकाता में खेला जाना था-और यह मैच टीम के लिए एक औपचारिकता से अधिक था। खिलाड़ी अंतिम मैच में भी वही जोश दिखाना चाहती थीं। उन्होंने वही किया। यह मैच भी भारत ने शानदार तरीके से जीतकर लीग चरण का अंत अपराजित रहते हुए किया। अब बारी थी सेमीफ़ाइनल की-वह मैच जिसका इंतजार खिलाड़ी भी कर रही थीं और दर्शक भी। यह मैच ऑस्ट्रेलिया से था-वह टीम जिसने दुनिया पर लंबे समय तक शासन किया था। ऑस्ट्रेलिया की टीम बेहतरीन बल्लेबाजों, अनुभवी गेंदबाजों और अटूट मानसिकता के लिए जानी जाती है। उन्हें हराना किसी भी टीम के लिए आसान नहीं था, लेकिन यह भारत था-अपने घर में खेल रहा भारत-जिसके आगे दुनिया की सबसे मजबूत टीमें भी दबाव में आ जाती थीं। सेमीफ़ाइनल मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में था। मैच से एक दिन पहले ही स्टेडियम के टिकट बिक चुके थे। सुबह से ही सड़कों पर भीड़ लगनी शुरू हो गई थी। जैसे ही भारतीय टीम बस से उतरी, दर्शकों ने तिरंगे हवा में लहराने शुरू कर दिए। भारत की कप्तान ने जैसे ही टॉस के लिए कदम बढ़ाया, पूरा स्टेडियम 'भारत! भारत!'

खुल गया दुनिया का सबसे बड़ा तीर्थस्थल सबरीमाला में पहुंच रहे हैं सैकड़ों भक्त

सबरीमला मंदिर दो महीने के वार्षिक तीर्थ सीजन के लिए खुल चुका है। परंपरा के अनुसार तंत्री ने नए मेलसांति को कलशाभिषेक और मूलमंत्र से दीक्षित किया। भक्तों की भारी भीड़ को संभालने के लिए वर्चुअल और स्पॉट पास जारी किए गए हैं। सोमवार से 90,000 भक्तों को दर्शन मिलेंगे और मंदिर प्रतिदिन 18 घंटे खुलेगा।

दुनिया के दूसरे सबसे बड़े तीर्थस्थल सबरीमला मंदिर को रविवार के दिन दो महीने चलने वाले वार्षिक तीर्थ सीजन के लिए खोल दिया गया है। समारोह की शुरुआत तंत्री द्वारा नए मेलसांति पर श्रीकोविल के सामने कलशाभिषेक करने से हुई। इसके बाद तंत्री ने नए मेलसांति के कान में मूलमंत्र सुनाया, जो परंपरा का महत्वपूर्ण हिस्सा है। मंदिर की चल रही परंपरा के अनुसार, श्रीकोविल में इसके अलावा कोई और पूजा या कर्मकांड नहीं किया गया। अगर यहां भक्तों के पहुंचने की जाए तो, भक्तों की एंट्री को नियंत्रित करने के लिए 39,000 वर्चुअल क्यू पास और 20,000 स्पॉट पास जारी किए गए। वलियानाडपंडाल पूरी तरह भर गया था और लाइन सरमकुथी तक पहुंच गई थी।

सोमवार से कुल 90,000 भक्तों को दर्शन की अनुमति थी, जिसमें 70,000 ऑनलाइन पास और 20,000 स्पॉट पास शामिल हैं। भक्तों की सुविधा के लिए मंदिर 18 घंटे खुला रहेगा। इसके लिए मंदिर दो चरणों में खुलेगा, पहलाः सुबह 3 बजे से दोपहर 1 बजे तक, और दूसरा शाम 3 बजे से रात 11 बजे तक। अगर आप जाना चाहते हैं तो पहले जाना लें क्या हैं मंदिर की खासियत।

भगवान अयप्पा का मंदिर है सबरीमाला

सबरीमाला मंदिर में भगवान अयप्पा की पूजा की जाती है। पौराणिक मान्यता के अनुसार भगवान अयप्पा, भगवान शिव और माता मोहिनी (जो भगवान विष्णु का अवतार थीं) के पुत्र माने जाते हैं। कहा जाता है कि जब भगवान विष्णु मोहिनी रूप में आए, तो उनकी सुंदरता देखकर भगवान शिव मोहित हो गए और उनसे एक पुत्र का जन्म हुआ, जिसे साश्वत कहा गया।

दक्षिण भारत में यही साश्वत अयप्पा नाम से प्रसिद्ध हुए। दक्षिण भारत में भगवान अयप्पा की बहुत श्रद्धा है, इसलिए वहां इनके कई मंदिर हैं। इनमें सबसे प्रमुख और प्रसिद्ध मंदिर सबरीमाला मंदिर है, जिसे दक्षिण भारत का प्रमुख तीर्थस्थल भी माना जाता है।

अयप्पा मंदिर का महत्व

भारत के केरल राज्य में स्थित सबरीमाला मंदिर में भगवान अयप्पा स्वामी की पूजा होती है। माना जाता है कि दुनिया में जैसे मक्का-मदीना में भारी संख्या में श्रद्धालु जाते हैं, वैसे ही सबरीमाला में भी हर दिन लाखों भक्त दर्शन के लिए आते हैं। दूर-दूर से लोग भगवान शिव के पुत्र अयप्पा के दर्शन करने यहां पहुंचते हैं।

कहा जाता है कि मकर संक्रांति की रात घने अंधेरे में मंदिर के पास आसमान में एक पवित्र ज्योति (मकरी विलक्कु) दिखाई देती है। इस दिव्य ज्योति के दर्शन के लिए हर साल करोड़ों श्रद्धालु दुनिया भर से आते हैं। इस मंदिर का नाम सबरीमाला इसलिए पड़ा क्योंकि यह मंदिर 18 पहाड़ियों से घिरा हुआ है, और दक्षिण भारत में पर्वतमालाओं को सबरीमाला कहा जाता है।

मंदिर की 18 पावन सीढ़ियां

सबरीमाला मंदिर चारों तरफ से पहाड़ियों से घिरा हुआ है और यह केरल की राजधानी तिरुवनंतपुरम से लगभग 175 किलोमीटर दूर ऊंची पहाड़ियों पर स्थित है। मंदिर तक जाने के लिए भक्तों को 18 पवित्र सीढ़ियां चढ़नी पड़ती हैं, जिनका अपना विशेष महत्व है।

पहली 5 सीढ़ियां मनुष्य की पांच इन्द्रियों का प्रतीक मानी जाती हैं।

अगली 8 सीढ़ियां मानवीय भावनाओं को दर्शाती हैं।

उसके बाद की 3 सीढ़ियां मनुष्य के गुणों का प्रतीक हैं।

आखिरी 2 सीढ़ियां ज्ञान और अज्ञान का संकेत मानी जाती हैं।

मंदिर आने वाले श्रद्धालु अपने सिर पर एक पोटली (इरुमुडि) रखकर चलते हैं। इस पोटली में भगवान को चढ़ाए जाने वाले सामान होते हैं, जिन्हें बाद में पुजारी प्रसाद के रूप में भक्तों को देते हैं। मान्यता है कि तुलसी या रुद्राक्ष की माला पहनकर, व्रत रखकर और सिर पर नैवेद्य की पोटली रखकर जो भी व्यक्ति सबरीमाला आता है, उसकी मनोकामनाएं पूरी होती हैं।

मंदिर खुलने और बंद होने का समय

मंदिर खुलने का समयः सुबह 3 बजे

निर्माल्य अभिषेकमः सुबह 3 बजे से 3:30 बजे तक

गणपति होममः सुबह 3:20 बजे से

नेय्याभिषेकम (घी अभिषेक): सुबह 3:30 बजे से 7 बजे तक

उषपूजाः सुबह 7:30 बजे से 8 बजे तक

नेय्याभिषेकमः सुबह 8 बजे से 11 बजे तक

25 कलशम और कलाभमः सुबह 11:30 बजे से दोपहर 12 बजे तक

उच्चपूजाः दोपहर 12 बजे

श्रीकोविल (गरभागृह) बंदः दोपहर 1 बजे

श्रीकोविल दोबारा खुलनाः दोपहर 3 बजे

दीपराधनाः शाम 6:30 बजे से 6:45 बजे तक

पुष्पाभिषेकमः शाम 6:45 बजे से रात 9 बजे तक

अथाझा पूजाः रात 9:15 बजे से 9:30 बजे तक

हरिवरासनमः रात 10:45 बजे

मंदिर बंदः रात 11 बजे

कैसे पहुंचें सबरीमाला मंदिर

सबरीमाला मंदिर पहुंचने के लिए आपको सबसे पहले केरल की राजधानी तिरुवनंतपुरम आना होता है। यहां से आप बस या निजी वाहन से सबरीमाला के बेस कैंप पंपा तक पहुंच सकते हैं।

19 और 20 नवंबर को अगहन अमावस्या

तिथियों की घट-बढ़ की वजह से दो दिन रहेगी मार्गशीर्ष अमावस्या

19 और 20 नवंबर को अगहन अमावस्या (मार्गशीर्ष अमावस्या) है। तिथियों की घट-बढ़ की वजह से ये तिथि दो दिन रहेगी। मार्गशीर्ष मास को स्वयं भगवान श्रीकृष्ण का स्वरूप माना जाता है, जैसा कि भगवान ने श्रीमद्भगवद्गीता में कहा है- मासों में मैं मार्गशीर्ष हूं। इस कारण इस महीने की अमावस्या का महत्व और भी बढ़ जाता है।

अमावस्या तिथि 19 नवंबर की सुबह 09:43 बजे शुरू होगी और 20 नवंबर की दोपहर 12:16 बजे खत्म होगी। जो लोग उदयातिथि के अनुसार ये पर्व मनाते हैं, वे 20 नवंबर स्नान-दान कर सकते हैं। पितृ कर्म जैसे श्राद्ध और तर्पण करना चाहते हैं तो 19 नवंबर की दोपहर में ये कर्म किए जा सकते हैं।

अगहन अमावस्या से जुड़ी मान्यताएं

अगहन अमावस्या का महत्व कार्तिक अमावस्या दीपावली जैसा ही है। इस तिथि पर किए गए धर्म-कर्म से भगवान विष्णु, श्रीकृष्ण और पितरों की कृपा प्राप्त की जा सकती है।

ये तिथि विशेष रूप से पितरों को समर्पित है। मान्यता है कि अमावस्या तिथि पर पितर देवता पितृलोक से धरती पर आते हैं और अपने कुटुंब के लोगों के घर जाते हैं। इसलिए इस दिन श्राद्ध, तर्पण, पिंडदान कर्म करने से पितरों की आत्मा को शांति मिलती है। जिन लोगों की कुंडली में पितृ दोष है, उन्हें अमावस्या पर पितरों से जुड़े धर्म-कर्म जरूर करना चाहिए।

इस तिथि पर गंगा, यमुना, नर्मदा, शिप्रा जैसी पवित्र नदियों में स्नान करने की परंपरा है। जो लोग नदी स्नान नहीं कर पा रहे हैं, वे घर पर ही पानी में गंगाजल मिलाकर स्नान कर सकते हैं। ऐसा करने से भी तीर्थ स्नान के समान पुण्य मिल सकता है।

इस दिन अपने इष्टदेव की पूजा करें। मंत्र जप करें। अपने सामर्थ्य के अनुसार दान करें।

मार्गशीर्ष मास भगवान श्रीकृष्ण का प्रिय मास है, इसलिए इस दिन उनकी विशेष पूजा जरूर करें। पूजा में कृं कृष्णाय नमः मंत्र का जप करें। बाल गोपाल का अभिषेक करें। माखन-मिश्री का भोग तुलसी के साथ लगाएं।

अमावस्या पर चंद्र देव की पूजा का भी विधान है। इस दिन शिवलिंग पर विराजित चंद्र देव की विशेष पूजा करनी चाहिए। ऐसा करने से कुंडली के चंद्र दोषों का असर कम होता है।

इस दिन महालक्ष्मी और भगवान विष्णु का पूजन करना भी शुभ होता है, ऐसा करने से घर में सुख-समृद्धि और शांति बनी रहती है।

इस दिन सूर्योदय से पहले उठकर स्नान करना चाहिए। स्नान के बाद सूर्य देव को जल अर्पित करें। पितरों की कृपा पाने के लिए गाय, कुत्ता, कौवा, देव आदि के लिए भोजन निकालना चाहिए। जरूरतमंदों को अन्न, वस्त्र, कंबल, गुड़, घी, तिल, तिल के लड्डू, या धन का दान करें।

पीपल के वृक्ष में भगवान विष्णु और पितरों का वास माना जाता है। अगहन अमावस्या पर पीपल के पेड़ पर कच्चा दूध और जल चढ़ाएं। शाम के समय पीपल के नीचे सरसों या तिल के तेल का दीपक जलाएं और परिक्रमा करें।

मंदिर में चढ़ाए फूलों का ऐसे करें विसर्जन, नहीं लगेगा पाप!

हिन्दू धर्म में भगवान की पूजा-पाठ करने का विशेष महत्व है। भगवान को प्रसन्न करने के लिए भक्त कई प्रकार से जतन भी करते हैं। अक्सर देखा जाता है सुगंधित फूलों के बगैर पूजा अधूरी सी मानी जाती है। इसलिए भगवान को प्रसन्न करने के लिए भक्त फूल अर्पित जरूर करते हैं। और घरों में पूजा के दौरान फूल चढ़ाना एक सदियों पुरानी धार्मिक परंपरा है। ये फूल न केवल भगवान के प्रति हमारी श्रद्धा को दर्शाते हैं, बल्कि पूजा स्थल को एक सकारात्मक ऊर्जा से भी भर देते हैं।

लेकिन, जब ये फूल मुरझा जाते हैं, तो इन्हें हटाने की बारी आती है। तो कई लोग इन्हें कूड़ेदान या घर से दूर में फेंक देते हैं। लेकिन ऐसा करना बिलकुल भी शुभ नहीं माना जाता है। क्योंकि धार्मिक मान्यताओं के अनुसार ऐसा करना देवताओं का अपमान माना जाता है। आइए उज्जैन के आचार्य आनंद भारद्वाज से जानते हैं कि मुरझाए हुए इन पवित्र फूलों को सही तरीके से कैसे विसर्जित किया जाए, ताकि उनकी सकारात्मक ऊर्जा बनी रहे और हमें पुण्य की प्राप्ति हो।

घर के मंदिर से कब हटाना चाहिए फूल

वास्तु शास्त्र के अनुसार, मंदिर में चढ़ाए गए फूलों को तुरंत नहीं, लेकिन दिन ढलने से पहले हटा देना चाहिए। वास्तु के अनुसार, सूखे हुए फूलों को मंदिर में रखना शुभ नहीं माना जाता है, क्योंकि ये नकारात्मक ऊर्जा उत्पन्न कर सकते हैं। साथ ही, इससे घर का माहौल तनावपूर्ण बन जाता है और घर के लोगों में चिड़चिड़ापन या गुस्सा बढ़ सकता है। इसलिए पूजा घर में चढ़ाए गए फूलों को समय रहते हटाना देना चाहिए।

ऐसे करें मुरझाए हुए फूल का विसर्जन

पुराने फूलों को विसर्जित करने का यह सबसे अच्छा और पारंपरिक तरीका है। मुरझाए हुए फूलों को किसी पवित्र नदी (जैसे गंगा, यमुना), शुद्ध बहते पानी (जैसे नहर, तालाब या बड़ी झील) में सम्मानपूर्वक विसर्जित करना चाहिए। ऐसा माना जाता है कि पानी में विसर्जित करने से ये फूल प्रकृति के चरणों में लौट जाते हैं और उनका अनादर नहीं होता है।

आसपास नही हो पवित्र कुंड, तालाब, नदी फिर?

कुछ पेड़-पौधे धार्मिक दृष्टि से अत्यंत पवित्र माने जाते हैं। आप उनके नीचे भी फूल विसर्जित कर सकते हैं। इन फूलों को धार्मिक दृष्टि से पूजनीय वृक्षों, जैसे पीपल, बरगद या तुलसी के पौधे की जड़ों में सम्मानपूर्वक विसर्जित किया जा सकता है। मान्यता के अनुसार, इन वृक्षों में देवताओं का निवास माना जाता है, इसलिए इनकी जड़ें फूलों के विसर्जन के लिए एक पवित्र स्थान बन जाती हैं।

नए घर में शिफ्ट होना है तो वास्तु के इन नियमों को जरूर जान लें

घर का मेन गेट हो इस दिशा में

मकान का निर्माण करवाते समय या बना हुआ घर लेते वक्त इस बात का ख्याल जरूर रखें कि उसका मुख्य द्वार उत्तर, पूर्व या उत्तर-पूर्व दिशा में हो। साथ ही, घर गेट के सामने किसी अन्य व्यक्ति की सीढ़ी या गेट न बना हो। इसके अलावा, मुख्य द्वार पर पर्याप्त मात्रा में रोशनी भी जरूर आनी चाहिए। इस प्रकार घर का गेट होने से वहां सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है।

बेडरूम से जुड़े वास्तु नियम

घर लेते समय मास्टर बेडरूम की दिशा का ख्याल भी जरूर रखना चाहिए। वास्तुशास्त्र के अनुसार, कमरा अगर दक्षिण-पश्चिम दिशा में हो तो इसे सबसे उत्तम माना जाता है। इससे रूम में शांति का माहौल बना रहता है और घर में समृद्धि आती है। साथ ही, घर में शिफ्ट होते समय कभी भी शीशे के अपने बेड के ठीक सामने न लगाएं। ऐसा करने से वहां नकारात्मकता फैल सकती है।

इस दिशा में हो रसोईघर

कभी भी घर का निर्माण करते वक्त या नए मकान में शिफ्ट होने से पहले यह जरूर देख लें कि रसोईघर किस दिशा में

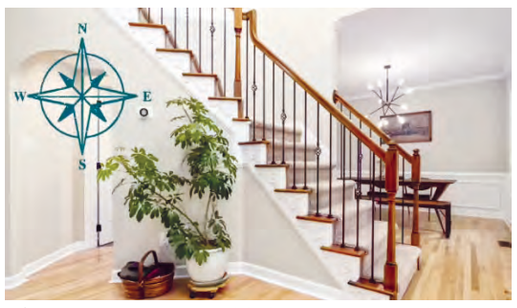

है। गलत स्थान पर किचन होने से अशुभ फल प्राप्त हो सकता है। वास्तु के अनुसार, किचन हमेशा आग्नेय कोण यानी दक्षिण-पूर्व दिशा में होना चाहिए। इससे परिवार के सदस्यों पर सकारात्मक प्रभाव पड़ता है।

लिविंग रूम में ऐसे रखें फर्नीचर और रंग

वास्तुशास्त्र के अनुसार, लिविंग रूम में सही स्थान पर सामान रखना बेहद जरूरी होता है। मान्यता है कि हमेशा दक्षिण या पश्चिम दिशा में फर्नीचर को रखना चाहिए। साथ ही, लिविंग रूम और फर्नीचर के लिए हल्के व शांत रंगों का प्रयोग करना सबसे शुभ माना जाता है। उत्तर-पूर्व भाग में हल्के सामान और उसे खुला रखना उत्तम माना जाता है। इससे घर का माहौल सकारात्मक बना रहता है।

इस दिशा में हो बाथरूम और टॉयलेट

घर में शिफ्ट या नया मकान लेने से पहले इस बात पर जरूर गौर करें की उसमें बाथरूम व टॉयलेट किस दिशा में बना हुआ है। वास्तुशास्त्र की मानें तो बाथरूम और टॉयलेट को हमेशा उत्तर-पश्चिम दिशा में बनवाना चाहिए। इसे उत्तर-पूर्व दिशा में बनवाना सही नहीं माना गया है। साथ ही, टॉयलेट-बाथरूम को हवादार होना चाहिए और उनके दरवाजे हमेशा बंद रखने चाहिए।

सीढ़ियों के लिए सही दिशा

वास्तुशास्त्र के अनुसार, घर में सीढ़ियां हमेशा पूर्व से पश्चिम या उत्तर से दक्षिण के ओर उठी होनी चाहिए। लेकिन कभी भी इन्हें उत्तर पूर्व दिशा में नहीं बनवाना चाहिए। कई लोग सीढ़ियों के नीचे पानी का नल, बाथरूम, टॉयलेट, जूते-चप्पलों का स्थान बना लेते हैं। लेकिन ऐसा करना बहुत गलत माना गया है। वास्तु के अनुसार, सीढ़ियों के नीचे का स्थान खाली रखना उत्तम माना गया है।

मामा शकुनी को जुए में केवल एक व्यक्ति हरा सकता था युधिष्ठर ने उन्हें वचन में बांधा, परिणाम हुआ द्रौपदी चीरहरण

महाभारत कथा में द्यूत क्रीड़ा यानी जुए का खेल के बड़ी घटना है। दुर्योधन ने एक चाल चली अपने तरफ से उसने शकुनी को पासा फेंकने के कहा। लेकिन युधिष्ठर चाहते तो यहां अपनी ओर से किसी और को पासा फेकने के लिए कह सकते थे लेकिन उन्होंने तो उस व्यक्ति को चौसर के लिए बताया भी नहीं जो उन्हें जीत दिला सकता था और द्रौपदी चीर हरण से बचा सकता था। इसका परिणाम पांडवों को बड़ा महंगा पड़ा। तो आइए जानते हैं महाभारत द्यूत क्रीड़ा कथा

महाभारत की रोचक कहानियां:

शकुनी को महाभारत के सभी पात्रों में से सबसे शातिर माना जाता है। कहते हैं कि मामा शकुनी को शतरंज में हराना मुश्किल ही नहीं नामुमकिन था। लेकिन, कोई था जो न सिर्फ मामा शकुनी को द्यूत में परास्त कर सकता था और द्रौपदी चीर हरण की घटना को भी रोक सकता था है। लेकिन पांडवों ने उन्हें इस खेल तो क्या खेल भवन में आने से भी रोक दिया था। यही वजह रही जिससे पांडव शकुनी और दुर्योधन की चाल में फंस गए और बात यहां तक पहुंच गई की पांडव राजपाट तो क्या द्रौपदी को भी जुए में हार गए।

चौसर का खेल और शकुनी की चाल

शकुनि के पास जो पासे थे वह बहुत ही मायावी थे वह उसके इशारों पर काम करते थे। क्योंकि वह पासे शकुनि ने अपनी पिता की हड्डियों से बनाए थे जिस वजह से शकुनि को कभी भी कोई चौसर में नहीं हरा सकता था। लेकिन, शकुनी को केवल भगवान कृष्ण ही इस खेल में मात दे सकते हैं तो फिर क्यों भगवान कृष्ण ने उस दिन शकुनि के साथ चौसर का खेल नहीं खेला और आखिर क्यों भगवान कृष्ण द्रोपदी की रक्षा के लिए उस समय पहुंचे जब दुशासन ने द्रौपदी का चीर खींचना शुरू किया? यही प्रश्न भगवान कृष्ण से उद्धवजी ने भी किया था। उद्धव ने पूछा था जब द्रौपदी लगभग अपना शील खो रही थी,तब आपने उन्हें वस्त्र चीर हरण के अपमान से बचाया और उनके शील की रक्षा की। आप चाहते तो इस घटना को पहले भी रोक सकते थे लेकिन आपने पहले ऐसे क्यों नहीं किया।

क्यों पांडवों को करना पड़ा जुए में हार का सामना

भगवान कृष्ण ने बताया कि, पांडव मुझसे छुपकर चौसर के खेल में शामिल हुए थे। साथ ही मन ही मन मुझसे प्रार्थना की थी कि आप इस द्यूत भवन में न आएं। इसलिए मैं तो क्रीड़ा भवन के बाहर ही खड़ा रहा। पांडवों के सामने जब दुर्योधन ने यह बात रखी की उसकी ओर से पासा शकुनि फेंकेगा तब युधिष्ठिर की मति मारी गई थी। वह भी कह सकता था कि अगर दुर्योधन की ओर से पासा शकुनि चलेंगे तो पांडवों की ओर से उनका भ्राता कृष्ण पासा चलेंगे। युधिष्ठिर अगर ऐसा करते तो द्यूत में शकुनि अपनी कपट नहीं दिखा पाता और पांडव निश्चित विजयी होते और द्रौपदी चीर हरण की घटना भी नहीं हो पाती।

इसलिए चीर हरण होने पर द्रौपदी की लाज बचाने पहुंचे श्रीकृष्ण

द्रौपदी को जुए में हार जाने पर दुर्योधन ने अपने भाई दुशासन को द्रौपदी के बाल पकड़कर घसीटते हुए सभा भवन में लाने का आदेश दे दिया। दुशासन द्रौपदी को बालों से घटीसता हुआ सभा में लेकर पहुंचा। उस समय द्रौपदी ने सबसे पहले अपने पतियों के तरफ आशा से देखे की वह सभी उसकी लाज बचाएंगे लेकिन, सभी पांडव मुंह लटकाए हुए बैठे रहे। जब दुस्साशन ने द्रौपदी का चीरहरण करना आरंभ किया तब द्रौपदी ने भगवान कृष्ण को पुकारा।

जैसे ही द्रौपदी ने भगवान कृष्ण को पुकारा तो वह बिना किसी विलंब के ही द्रौपदी को बचाने के लिए पहुंच गए। भगवान ने उद्धवजी को बताया कि, वह तो द्रौपदी को बचाने के लिए तत्पर बैठे थे लेकिन जबतक कोई उन्हें सच्चे मन से पुकारता नहीं तब तक वह कहीं नहीं जाते हैं। जब व्यक्ति अहंकार छोड़कर उनकी ओर आस लगता है वह मदद के लिए अवश्य आते हैं।

विवाह उद्योग तो बनता जा रहा है, इसे उपासना भी बनाएं

एक समय हमारे देश को राजनीतिक एकता की बहुत जरूरत थी। इसकी पूर्ति की सरदार पटेल ने। आज उनकी जयंती पर राष्ट्रीय एकता दिवस मनाया जाता है। पर अब समय आ गया है कि परिवार एकता दिवस भी मनाया जाए। भारत के परिवार टूट रहे हैं। विवाह का स्वरूप बदल रहा है।

पहले तो विवाह ही मुश्किल से हुए, यह समस्या। जैसे-तैसे करो तो संबंध-विच्छेद की नौबत आई। इधर एक नई समस्या सामने आ गई है। युवा विवाह करना ही नहीं चाहते। जब विवाह होता है तो एक गठबंधन की भी क्रिया होती है, जिसमें स्त्री-पुरुष के वस्त्रों की गठान लगाई जाती है ताकि अब ये एक रहें। लेकिन अब तो यह गठबंधन रेशम की डोरी से भी कमजोर है।

आज की युवा पीढ़ी को- वो जिस भी आदर्श व्यक्तित्व को मानते हों, उन्होंने भी विवाह किया और कैसे निभाया- यह सिखाना चाहिए। क्योंकि विवाह जैसी संस्था यदि आहत हुई तो भारत में परिवार बचाना कठिन हो जाएगा। विवाह उद्योग तो बनता जा रहा है, लेकिन इसे उपासना भी बनाया जाए।

साई पल्लवी को मिला 'कलैमामणि अवॉर्ड' शेयर की दादा-दादी के साथ तस्वीर

साई पल्लवी इन दिनों अपनी पहली बॉलीवुड फिल्म 'रामायण भाग 1' को लेकर चर्चा में बनी हुई हैं। कई फिल्मों में बेहतरीन अदाकारी के लिए साई को 'कलैमामणि अवॉर्ड' दिया गया। साई ने इस सम्मान के मिलने पर एक पोस्ट सोशल मीडिया हैंडल पर शेयर कर अपनी खुशी जताई है।

साई पल्लवी ने इंस्टाग्राम हैंडल पर अपने दादा और दादी के साथ तस्वीर शेयर की, जिसमें वे पुरस्कार का प्रमाणपत्र पकड़े नजर आ रही हैं। इसके अलावा साई ने तमिलनाडु मुख्यमंत्री एमके स्टालिन के साथ भी तस्वीरें शेयर कीं। इस पोस्ट के साथ साई ने कैप्शन में लिखा, 'कलैमामणि पुरस्कार मेरे लिए बहुत बड़ा सम्मान है। मैं बचपन से इस नाम को सुनती आई हूं। तमिलनाडु सरकार, मुख्यमंत्री एमके स्टालिन और टीएन इयाल इसाई नादगा मंद्रम को धन्यवाद। यह पोस्ट एक महीने देर से इसलिए डाली, ताकि मैं अपने परिवार के साथ फोटो ले सकूं।'

कलैमामणि अवॉर्ड क्यों दिया जाता है

कलैमामणि पुरस्कार तमिलनाडु राज्य के कला और संस्कृति में उत्कृष्टता प्राप्त करने वाले कलाकारों को उनकी उपलब्धियों के लिए दिया जाता है। यह पुरस्कार साहित्य, संगीत, नाटक, नृत्य और चित्रकला जैसे विभिन्न क्षेत्रों में स्थायी योगदान और महारत को सम्मानित करता है।

साई का वर्कफ्रंट

साई पल्लवी निर्देशक नितेश तिवारी की फिल्म 'रामायण' में नजर आएंगी। इस फिल्म में वह माता सीता का किरदार निभाएंगी। फिल्म 'रामायण' को दो भागों में रिलीज किया जाएगा। फिल्म का पहला भाग दिवाली 2026 को रिलीज हो सकता है। यह साई की पहली बॉलीवुड फिल्म है। इस फिल्म में साई के अलावा रणबीर कपूर (भगवान राम) और सनी देओल (हनुमान) के रोल में नजर आएंगे।

बॉलीवुड के बाद अब तेलुगु सिनेमा में तहलका मचाने को तैयार राशा थडानी

फिल्म 'आजाद' से बॉलीवुड में डेब्यू कर चुकीं राशा थडानी अब साउथ फिल्म में नजर आएंगी। राशा ने 'उई अम्मा' गाने से सभी का दिल जीता। आज उन्होंने अपनी पहली तेलुगु फिल्म की घोषणा सोशल मीडिया हैंडल पर एक खास अंदाज में की।

राशा ने इंस्टाग्राम हैंडल पर कुछ ही देर पहले अपना एक धांसू लुक शेयर किया। जिसमें वह बाइक के साथ पोज देती नजर आ रही हैं। इस पोस्टर के साथ राशा ने कैप्शन में लिखा, 'नई शुरुआत, अनंत आभार। मैं तेलुगु सिनेमा में कदम रख रही हूं।' आगे राशा ने अजय भूपति का धन्यवाद देते हुए लिखा, 'सर, इस अवसर के लिए बहुत-बहुत धन्यवाद। इस सफर को शुरू करने के लिए बहुत उत्साहित हूं।

राशा की तेलुगु फिल्म

बहरहाल, इस पोस्ट में राशा ने फिल्म का नाम नहीं बताया है। लेकिन उनके इस बोल्ड और हॉट लुक को देखकर लग रहा है कि वह इस बार कुछ अलग करने वाली हैं। राशा की पहली तेलुगु फिल्म को अजय भूपति निर्देशित करेंगे। अजय ने कई लोकप्रिय फिल्में निर्देशित की हैं, जिनमें उनकी पहली फिल्म 'आरएक्स 100', 'महा समुद्रम' और 'मंगलावरम' शामिल हैं। अजय निर्देशक होने के साथ ही एक अच्छे लेखक भी हैं।

राशा थडानी का करियर

राशा थडानी ने अभिनेत्री के तौर पर अपने करियर की शुरुआत फिल्म 'आजाद' से की। राशा के अलावा यह फिल्म अजय देवगन के भतीजे अमन देवगन की भी डेब्यू फिल्म थी। 'आजाद' एक पीरियड एक्शन-ड्रामा फिल्म है।

इसका निर्देशन अभिषेक कपूर ने किया है। इसमें अमन देवगन, राथा थडानी के अलावा अजय देवगन और डायना पेंटी ने भी अहम भूमिका निभाई है। यह फिल्म 17 जनवरी 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी। वहीं अब राशा तेलुगु सिनेमा में भी कदम रख रही हैं।

'आश्रम' फेम अदिति पोहनकर बोलीं- 'मुझे नहीं पता कैसे कहूं कि मुझे अब बॉबी सर की याद आती है

अभिनेत्री अदिति पोहनकर वेब सीरीज 'आश्रम' में बॉबी देओल के साथ मुख्य भूमिका में नजर आई थीं। एक्ट्रेस ने अभिनेता के साथ काम करने के अपने अनुभवों को साझा किया है।

'बॉबी सर की याद आती है'

अदिति पोहनकर ने बताया, 'मुझे नहीं पता कि मैं कैसे कहूं कि मुझे अब बॉबी सर की याद आती है। 'आश्रम' में काम करना अद्भुत था। मेरा मतलब है, वह बहुत अच्छे इंसान और अभिनेता हैं। 'आश्रम' एक परिवार की तरह है, हमने कोविड के दौरान एक साथ बहुत समय बिताया।' उन्होंने आगे कहा, 'लगभग तीन साल तक हम

सबने साथ में शूटिंग की है। बॉबी सर एक बहुत ही अच्छे और सच्चे इंसान और अभिनेता हैं। मुझे लगता है कि अब वह इस बात को और भी ज्यादा एक्सप्लोर कर रहे हैं।'

किस तरह के रोल्स करना चाहती हैं एक्ट्रेस?

अभिनेत्री ने आगे बातचीत में कहा, 'एक एक्टर के रूप में, आप बस यही करना चाहते हैं। आप एक ऐसी स्क्रिप्ट चाहते हैं जो कई रंग, कई परतें दिखा सके। मुझे लगता है कि 'शी', 'आश्रम' से आगे बढ़ने और 'जिद्दी इश्क' जैसी चीज पाने की जरूरत थी। मुझे लगता है यह कुछ ऐसा था, जिसका मैं इंतजार कर रही थी, क्योंकि यह सीरीज उस लड़की की एक बहुत ही अलग, मासूम, युवा और कमजोर परिदृश्य को दर्शाती है।'

अदिति पोहनकर का वर्कफ्रंट

अदिति पोहनकर को आश्रम, 'मंडाला मर्डर्स' और 'शी' सीरीज में देखा गया है। अब वह 'जिद्दी इश्क' में नजर आने वाली हैं, जो 21 नवंबर को हॉटस्टार पर रिलीज रिलीज होगी।

रूमर्ड बॉयफ्रेंड ने गले लगाया तो हुमा ने तुरंत टोका, बोलीं- कैमरा है

अभिनेत्री हुमा कुरैशी इन दिनों अपनी हालिया रिलीज हुई सीरीज 'दिल्ली क्राइम' के तीसरे सीजन से चर्चा में हैं। अब उनका एक वीडियो सामने आया है, जिसमें एक्ट्रेस अपने रूमर्ड बॉयफ्रेंड रचित सिंह के साथ दिख रही हैं। ये वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है, जिसे देख नेटिजंस प्रतिक्रियाएं दे रहे हैं।

रोमांटिक अंदाज में दिखे हुमा-रचित

वायरल हो रहा वीडियो सिंगर-एक्टर हिमेश रेशमिया के म्यूजिक कॉन्सर्ट का है। बैकग्राउंड में उनकी आवाज भी आ रही है। इसी दौरान भीड़ में सबसे आगे हुमा कुरैशी खड़ी दिख रही हैं और पीछे उनके रूमर्ड बॉयफ्रेंड रचित सिंह भी नजर आ रहे हैं। बाद में देखा जाता है कि रचित सिंह

अभिनेत्री के गले में हाथ डालते दिखे। हालांकि, एक्ट्रेस ने कैमरा देख तुरंत उन्हें रोका और उनसे कुछ कहा। फिर दोनों कार्यक्रम का आनंद लेने लगते हैं। ये वीडियो अब तेजी से सोशल मीडिया पर देखा जा रहा है। आपको बताते चलें कि दोनों की तरफ से रिश्ते को लेकर अभी कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है।

क्या बोल रहे नेटिजंस?

इस वीडियो के वायरल होते ही नेटिजंस की प्रतिक्रियाएं सामने आ रही हैं। एक यूजर ने लिखा, 'कैमरा है बेबी।' दूसरे यूजर ने कहा, 'हमेशा के लिए सबसे बेस्ट जोड़ी।' एक अन्य यूजर ने हिमेशा रेशमिया के इस कॉन्सर्ट को शानदार बताया। इसके अलावा अन्य यूजर्स इस वीडियो पसंद कर रहे हैं और कुछ मजाक में कह रहे हैं कि कैमरा ने देख लिया सब।

हुमा कुरैशी का वर्कफ्रंट

हुमा कुरैशी के वर्क फ्रंट की बात करें तो वह इन दिनों सीरीज 'दिल्ली क्राइम 3' को लेकर सुर्खियों में हैं, जो 13 नवंबर को ओटीटी पर रिलीज हुई। साथ ही उन्हें इससे पहले 'महारानी 4' में देखा गया था। इसके अलावा अभिनेत्री फिल्म 'थामा' में दिखी थीं।

सऊदी अरब में हुए सड़क हादसे से दुखी चिरंजीवी भारतीय नागरिकों की मौत पर जाहिर किया शोक

सऊदी अरब में बुधवार को मक्का से मदीना जा रही एक बस लोडर से टकरा गई। हादसे के बाद उसमें आग लग गई। दुर्घटना में कई लोगों की मौत हुई। इसमें कई भारतीय भी शामिल हैं। इस खबर पर साउथ के चर्चित अभिनेता चिरंजीवी ने शोक प्रकट किया है।

परिवार के लिए जाहिर की संवेदनाएं

मीडिया से बातचीत करते हुए मेगास्टार चिरंजीवी ने हादसे में मारे गए लोगों के परिवारों के लिए संवेदना व्यक्त की है। वह कहते हैं, 'हमारी संवेदनाएं परिवारों के साथ हैं। हम ईश्वर से प्रार्थना करते हैं कि हादसे में मारे गए लोगों की आत्मा को शांति मिले।'

चिरंजीवी की अपकमिंग फिल्म कौन सी है?

चिरंजीवी के करियर फ्रंट की बात करें तो दो साल से उनकी कोई फिल्म रिलीज नहीं हुई है। अगले साल

वह फिल्म 'विश्वंभरा' रिलीज होगी। इस फिल्म में चिरंजीवी के साथ एक्ट्रेस तृषा कृष्णन भी नजर आएंगी। साथ ही आशिका रंगनाथ और कुणाल कपूर भी अहम किरदारों में नजर आएंगे।

धर्मेंद्र की तबीयत जानने हेमा मालिनी से मिले शत्रुघ्न सिन्हा

कुछ दिन पहले ब्रीच कैंडी अस्पताल से छुट्टी मिलने के बाद, दिग्गज अभिनेता धर्मेंद्र फिलहाल अपने घर पर डॉक्टर्स की देखरेख में हैं। जहां एक ओर ही-मैन के फैंस उनके स्वास्थ्य संबंधी अपडेट का इंतजार कर रहे हैं, वहीं दूसरी ओर दिग्गज एक्टर शत्रुघ्न सिन्हा अपनी पत्नी पूनम सिन्हा के साथ हेमा मालिनी से मिलने गए और धर्मेंद्र के स्वास्थ्य के बारे में जानकारी ली।

हेमा मालिनी से मिलने के बाद, शत्रुघ्न सिन्हा ने अपने एक्स अकाउंट पर इंडस्ट्री की ड्रीम गर्ल के साथ अपनी मुलाकात की कुछ तस्वीरें शेयर कीं और लिखा, 'अपनी 'बेस्ट हाफ' @PoonamSinha के साथ, हमारी बहुत प्यारी पारिवारिक दोस्त, बेहतरीन इंसानों में से एक, बेहतरीन स्टार, उच्चतम क्षमता की कलाकार, एक योग्य सांसद @dreamgirlhema से मिलने, उनका अभिवादन करने और ईश्वर की कृपा पाने के लिए गया।'

हेमा मालिनी के चेहरे पर मायूसी

धर्मेंद्र को स्वास्थ्य खराब होने के बाद अस्पताल में भर्ती कराया गया था और 12 नवंबर को छुट्टी मिलने से पहले उन्होंने कई दिनों तक इलाज करवाया। अस्पताल में रहने के दौरान उनकी मृत्यु की झूठी अफवाहें फैलीं, जिसके कारण उनकी पत्नी हेमा मालिनी और बेटी ईशा देओल ने 11 नवंबर को सार्वजनिक बयान जारी कर पुष्टि की कि वह जीवित हैं और उनकी हालत में सुधार हो रहा है। हालांकि, इन तस्वीरों में हेमा मालिनी के चेहरे पर मायूसी साफ देखी जा सकती है।

घर पर ही हो रहा धर्मेंद्र का इलाज

खबरों के अनुसार, धर्मेंद्र के परिवार ने एक्टर की देखभाल उनके घर पर ही करने का फैसला किया और ब्रीच कैंडी अस्पताल से छुट्टी मिलने के बाद, सनी देओल की टीम ने एक आधिकारिक बयान भी दिया। शत्रुघ्न सिन्हा की शेयर की गई तस्वीर में हेमा मालिनी का चेहरा देख फैंस का दिल बैठा जा रहा है।

धर्मेंद्र का जन्मदिन मनाने की तैयारी

बॉलीवुड हंगामा की एक रिपोर्ट के अनुसार, देओल परिवार ही-मैन का 90वां जन्मदिन मनाने की प्लानिंग कर रहा है, अगर उनकी सेहत ठीक रही तो इसे सेलिब्रेट किया जाएगा। मनोरंजन पोर्टल के हवाले से एक सूत्र ने दावा किया, 'अगर भगवान ने चाहा, तो हम अगले महीने दो जन्मदिन मनाएंगे, धरमजी का और ईशा का।' बता दें कि धर्मेंद्र 8 दिसंबर को 90 साल के हो जाएंगे।

रणवीर सिंह को मिले संजय दत्त से 5 गुना अधिक पैसे अक्षय खन्ना, अर्जुन रामपाल को सबसे कम!

साल 2025 के आखिरी महीने में बॉलीवुड का बड़ा धमाका 'धुरंधर' रिलीज होने वाली है। 'उरीः द सर्जिकल स्ट्राइक' फेम आदित्य धर इसके राइटर और डायरेक्टर हैं। बीते साल जुलाई 2024 में जब इस फिल्म का ऐलान हुआ था, तभी से इसको लेकर हर किसी की एक्साइटमेंट बढ़ गई थी। पहली नजर में देखें तो इस फिल्म में वह सबकुछ है, जो इसे बॉक्स ऑफिस पर ब्लॉकबस्टर बना सकता है। आदित्य धर के दमदार डायरेक्शन के अलावा फिल्म की कास्ट भी चर्चा में है। हरफनमौला रणवीर सिंह के साथ संजय दत्त, अक्षय खन्ना, आर माधवन, अर्जुन रामपाल और सारा अर्जुन जैसे कलाकारों की बेहतरीन फौज है। टीजर में ही इस फिल्म के धुआंधार एक्शन और एक्टर्स के खूंखार अवतार ने फैंस की रगों में उबाल ला दिया है। अब मंगलवार, 18 नवंबर को 'धुरंधर' का ट्रेलर रिलीज होने वाला है। लेकिन इस बीच फिल्म के स्टारकास्ट की फीस भी चर्चा में है। आइए, एक नजर डालते हैं कि इस 280 करोड़ी फिल्म के लिए लीड एक्टर्स में किसने कितनी फीस ली है!

'धुरंधर' का निर्माण ज्योति देशपांडे, आदित्य धर और लोकेश धर ने जियो स्टूडियोज और बी62 स्टूडियोज के बैनर तले किया है।

एक स्पाई एक्शन थ्रिलर का बजट 280 करोड़ रुपये बताया जाता है। इसमें से 250 करोड़ फिल्म के निर्माण का बजट है, जबकि 30 करोड़ प्रमोशनल बजट। एक रिपोर्ट के मुताबिक, रणवीर सिंह ने इस फिल्म ने 30-50 करोड़ रुपये की फीस ली है। हालांकि, इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। लेकिन यह भी कहा जा रहा है कि यह एक्टर की अब तक की सबसे बड़ी फीस है।

संजय दत्त की फीस

'धुरंधर' में रणवीर सिंह के बाद सबसे बड़ी रकम संजय दत्त ने चार्ज किया है। हालांकि, फिल्म में किसी भी कास्ट की भूमिका को लेकर कोई खुलासा नहीं हुआ है। लेकिन इसका प्लॉट भारत-पाकिस्तान में खूफिया जासूसी एजेंसियों के कामकाज का है। टीजर में हमने संजय दत्त का खूंखार अवतार देखा है। बताया जाता है कि संजू बाबा ने 'धुरंधर' के लिए 8-10 करोड़ रुपये की फीस वसूली है।

अक्षय खन्ना की फीस

'धुरंधर' के फर्स्ट लुक पोस्टर्स और टीजर में जिन एक्टर्स के अंदाज ने सबसे ज्यादा चौंकाया है, उनमें अक्षय खन्ना सबसे ऊपर हैं। पर्दे पर आम तौर पर शांत और जहीन किरदार निभाने वाले अक्षय खन्ना इसमें खूंखार अंदाज में दिख रहे हैं। बताया जाता है कि उन्होंने इस किरदार को निभाने के लिए 2.50-3.00 करोड़ रुपये फीस चार्ज की है।

आर माधवन की फीस

फिल्म के फर्स्ट लुक पोस्टर्स में आर. माधवन का अंदाज ऐसा है, जिसे पहली नजर में कोई नहीं पहचान पाया। सूट-बूट में वह एक रणनीतिकार की भूमिका में दिख रहे हैं। बहुत से सोशल मीडिया यूजर्स ने उनके लुक और किरदार को राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल से प्रेरित मान रहे हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, आर माधवन ने फिल्म के लिए 9 करोड़ रुपये की फीस ली है।

अर्जुन रामपाल की फीस

'धुरंधर' में अर्जुन रामपाल भी भरदम एक्शन करते नजर आने वाले हैं। कथिता तौर पर उन्होंने इस फिल्म के लिए 1 करोड़ रुपये की फीस ली है। वह इससे पहले इसी साल सोनाक्षी सिन्हा की फिल्म 'निकिता रॉय' में नजर आए थे, जो बुरी तरह फ्लॉप साबित हुई।

सारा अर्जुन की फीस

'धुरंधर' की कास्ट में इसकी एक्ट्रेस सारा अर्जुन की भी खूब चर्चा है। साल 2011 में हिंदी फिल्म '404' से एक्टिंग डेब्यू करने वालीं सारा तमिल फिल्मों की मशहूर एक्ट्रेस हैं। वह साउथ सिनेमा के सुपरस्टार राज अर्जुन की बेटी हैं। 20 साल की सारा इससे पहले हिंदी में 'एक थी डायन', 'जय हो', 'सांड की आंख' जैसी फिल्मों में नजर आ चुकी हैं। कथिता तौर पर 'पोन्नियिन सेल्वन' फेम एक्ट्रेस ने 'धुरंधर' के लिए 1 करोड़ रुपये की फीस ली है।

'धुरंधर' की रिलीज डेट और रनटाइम

'धुरंधर' का ट्रेलर पहले 12 नवंबर को ही रिलीज होने वाला था। लेकिन दिल्ली में हुए बम ब्लास्ट के बाद मेकर्स ने इसे पोस्टपोन कर दिया। अब 18 नवंबर को ट्रेलर रिलीज किया जाएगा। इस बीच फिल्म की लंबाई यानी रनटाइम को लेकर भी जानकारी आई है। 'बॉलीवुड हंगामा' की रिपोर्ट के मुताबिक, यह फिल्म 3 घंटे और 5 मिनट लंबी है। हालांकि, सेंसर बोर्ड से पास होने के बाद ही इसका फाइनल रनटाइम सामने आएगा। 'धुरंधर' अगले महीने 5 दिसंबर 2025 को रिलीज होने वाली है।

गर्भवती महिलाओं पर प्रदूषण के प्रभाव को लेकर डॉक्टर की चेतावनी

दिल्ली-एनसीआर के कई क्षेत्रों में इन दिनों वायु प्रदूषण अपने चरम है, और इसका नकारात्मक असर बच्चों लेकर बुढ़ों तक हर किसी में देखने को मिल रहा है। 400+ एक्यूआई का वायु प्रदूषण, बच्चे, बूढ़े, वयस्क और गर्भवती महिलाओं समेत हर किसी को नुकसान पहुंचाता है। हमने वायु प्रदूषण के नकारात्मक प्रभाव और बीमारियों के जोखिम के बारे में बताया है। इसलिए आइए इस लेख में जानते हैं कि ये खतरनाक वायु प्रदूषण गर्भवती महिलाओं को किस तरह प्रभावित कर रहा है और इससे बचने के लिए किस तरह की सावधानियां बरतना जरूरी है।

विशेषज्ञों के मुताबिक ये प्रदूषण गर्भ में पल रहे शिशु के स्वास्थ्य को भी गंभीर रूप से प्रभावित कर सकता है। इसी विषय पर गायनेकोलॉजिस्ट डॉक्टर अंजली कुमार ने सोशल मीडिया पर वीडियो शेयर करके आगाह किया है कि गर्भवती महिलाओं के लिए अधिक वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) में रहना दोहरी चुनौती है।

इस प्रदूषण का सबसे बड़ा खतरा PM2.5 कणों से है, जो रेत के दाने से भी 30 गुना ज्यादा छोटे होते हैं। अपने अत्यंत सूक्ष्म आकार के कारण, ये जहरीले कण सांस के माध्यम से फेफड़ों को पार करके सीधे रक्तप्रवाह में प्रवेश कर जाते हैं, और दुख की बात यह है कि ये प्लेसेंटा तक भी पहुंच सकते हैं।

डॉक्टर अंजली ने बताया कि PM2.5 के संपर्क में आने से शिशु का वजन कम हो सकता है, समय से पहले प्रसव का जोखिम बढ़ सकता है, और बचपन में अस्थमा जैसी सांस की बीमारियां होने की आशंका अधिक हो जाती है। इसलिए गर्भवती महिलाओं को अपनी सुरक्षा के लिए अतिरिक्त सतर्कता बरतनी चाहिए, क्योंकि उनकी हर सांस सीधे उनके अजन्मे बच्चे के स्वास्थ्य से जुड़ी है।

शिशु के विकास पर प्रदूषण का गहरा असर

डॉक्टर अंजली के मुताबिक खतरनाक स्तर का वायु प्रदूषण भ्रूण के विकास को कई तरह से बाधित करता है। इससे शिशु का जन्म वजन कम हो सकता है और समय से पहले डिलीवरी का खतरा बढ़ जाता है।

इसके अलावा, मां में गर्भकालीन मधुमेह और प्री-एक्लेमप्सिया (उच्च रक्तचाप की समस्या) का खतरा भी बढ़ जाता है। प्रदूषण से भ्रूण के फेफड़ों का विकास भी प्रभावित हो सकता है, जिससे बच्चे में आगे चलकर अस्थमा जैसी श्वसन संबंधी बीमारियों का जोखिम अधिक होता है।

क्या करें?

डॉक्टर अंजली कुमार के अनुसार, जब एक्यूआई 'बहुत खराब' या 'गंभीर' स्तर पर हो, तो गर्भवती महिलाओं को घर के अंदर ही रहने को प्राथमिकता देनी चाहिए। इस दौरान घर की खिड़कियां और दरवाजे बंद रखना चाहिए।

यदि आपको बहुत जरूरी काम से बाहर निकलना पड़े, तो हमेशा N95 या N99 मास्क का उपयोग करें। घर के अंदर की हवा को शुद्ध रखने के लिए, बेडरूम में HEPA फिल्टर वाले एयर प्यूरीफायर का इस्तेमाल करना सबसे अच्छा उपाय है।

हाइड्रेशन और आहार में जरूर करें ये सुधार

शरीर को प्रदूषण के हानिकारक प्रभावों से लड़ने में मदद करने के लिए, हाइड्रेटेड रहना बहुत जरूरी है। इसलिए खूब पानी पिएं। इसके साथ ही, अपने आहार में एंटीऑक्सीडेंट्स से भरपूर खाद्य पदार्थ शामिल करें। जामुन, मेवे, खट्टे फल, और हरी पत्तेदार सब्जियां जैसे खाद्य पदार्थ शरीर में सूजन को कम करने और प्रदूषण के विषाक्त प्रभावों को बेअसर करने में मदद करते हैं।

नियमित डॉक्टर से परामर्श

डॉक्टर अंजली के अनुसार, गर्भवती महिलाओं को अपनी नियमित प्रसव पूर्व जांच को प्राथमिकता देनी चाहिए। यदि आप उच्च प्रदूषण वाले वातावरण में रह रही हैं, तो समय-समय पर अपने डॉक्टर से भ्रूण की निगरानी के बारे में जरूर पूछें।

यह सुनिश्चित करता है कि शिशु को पर्याप्त ऑक्सीजन मिल रही है और उसका विकास ठीक से हो रहा है। याद रखें आप केवल अपने शरीर की सुरक्षा नहीं कर रही हैं, बल्कि आप अपने अंदर पल रहे नए जीवन की भी रक्षा कर रही हैं।

आंवले के जूस में मिला लें ये एक चीज, रोज सुबह पीने से दूर होगा कब्ज और हेयर फॉल की समस्या

आज के समय में बहुत से लोग कब्ज और हेयर फॉल की समस्या से परेशान रहते हैं। आंवला और एलोवेरा का जूस भारतीय पारंपरिक चिकित्सा में सदियों से उपयोग किया जाता रहा है। इन्हें एक साथ मिलाकर सुबह खाली पेट पीना किसी टॉनिक से कम नहीं है और ये न सिर्फ कब्ज से आराम दिलाती हैं बल्कि हमारे संपूर्ण स्वास्थ्य के लिए फायदेमंद होती हैं। ये दोनों ही सामग्रियां एंटीऑक्सीडेंट्स, विटामिन और खनिजों से भरपूर हैं, जो शरीर को आंतरिक रूप से मजबूत बनाती हैं।

आंवला विटामिन सी का एक उत्कृष्ट स्रोत है, जो प्रतिरक्षा प्रणाली को मजबूत करने, त्वचा को चमकदार बनाने और कोलेजन उत्पादन में मदद करने के लिए जाना जाता है। वहीं, एलोवेरा अपने शीतलन और सूजन-रोधी गुणों के कारण पाचन तंत्र को शांत करने में अद्भुत रूप से काम करता है।

जब इन दोनों को मिलाया जाता है, तो इनके स्वास्थ्य लाभ कई गुना बढ़ जाते हैं। यह मिश्रण न केवल कब्ज और एसिडिटी जैसी आम पाचन समस्याओं को दूर करता है, बल्कि यह हेयर फॉल (बालों का झड़ना) जैसी समस्याओं को भी दूर करने में मदद करता है। यह एक सरल लेकिन प्रभावी दिनचर्या है जो शरीर को डिटॉक्सिफाई करती है।

कब्ज का प्रभावी समाधान

आंवला और एलोवेरा दोनों ही फाइबर से भरपूर होते हैं। एलोवेरा में प्राकृतिक रेचक गुण होते हैं। सुबह खाली पेट इस जूस को पीने से आंतों की गतिशीलता उत्तेजित होती है। यह सख्त मल को नरम करता है और आंतों को साफ करने में मदद करता है, जिससे कब्ज की पुरानी समस्या दूर होती है और पाचन तंत्र स्वस्थ रहता है।

हेयर फॉल को नियंत्रित करना

बालों के झड़ने का एक मुख्य कारण पोषण की कमी और स्कैल्प का अस्वस्थ होना है। आंवला में मौजूद विटामिन C और एंटीऑक्सीडेंट बालों के फॉलिकल्स को मजबूत करते हैं। एलोवेरा में प्रोटीयोलाइटिक एंजाइम होते हैं जो स्कैल्प की मृत त्वचा कोशिकाओं की मरम्मत करते हैं, जिससे बाल मजबूत होते हैं और हेयर फॉल कम होता है।

त्वचा को बनाता है चमकदार

यह मिश्रण आंतरिक रूप से रक्त को शुद्ध करता है। आंवला का विटामिन C त्वचा में कोलेजन उत्पादन को बढ़ावा देता है, जिससे त्वचा जवान और लोचदार बनी रहती है। एलोवेरा के एंटी-इंफ्लेमेटरी गुण मुँहासे और त्वचा की जलन को कम करते हैं, जिससे आपकी त्वचा चमकदार और स्वस्थ दिखती है।

इम्यूनिटी और मेटाबॉलिज्म बूस्ट

आंवला में मौजूद उच्च विटामिन C और एलोवेरा के शक्तिशाली एंटीऑक्सीडेंट गुण मिलकर आपकी प्रतिरक्षा प्रणाली (इम्यूनिटी) को बहुत मजबूत बनाते हैं, जिससे आप बीमारियों से बचे रहते हैं। इसके अलावा, यह मिश्रण शरीर के मेटाबॉलिज्म को तेज करता है, जिससे ऊर्जा का स्तर बढ़ता है और आपको पूरे दिन सक्रिय रहने में मदद मिलती है। इस तरह यह जूस वजन प्रबंधन में भी आपकी मदद करता है।

विटामिन डी को अक्सर 'सनशाइन विटामिन' कहा जाता है, क्योंकि सूरज की रोशनी इसके उत्पादन का सबसे प्राकृतिक और प्रभावी स्रोत है। ठंड के दिनों में अक्सर बहुत से लोगों में विटामिन डी की कमी देखने को मिलती है। इसके कई कारण हो सकते हैं, जिनमें से एक मुख्य कारण यह है कि सर्दियों में सूरज कम समय के लिए निकलता है, और जब निकलता भी है तो उसकी तीव्रता बहुत कम होती है।

वातावरण में धुंध और प्रदूषण के कारण सूरज की किरणें ठीक से जमीन तक नहीं पहुंच पातीं। इसके अलावा, सर्दियों में हम ठंडी से बचने के लिए अधिक गर्म कपड़े पहनते हैं, जिससे हमारी त्वचा का धूप से संपर्क बहुत कम हो जाता है। विटामिन डी हमारे शरीर के लिए बहुत जरूरी है, खासकर हड्डियों की मजबूती और रोग प्रतिरोधक क्षमता के लिए।

ऐसे में बहुत से लोगों के मन में सवाल रहता है कि सुबह या शाम आखिर किस समय का धूप लेने से विटामिन डी तेजी से बढ़ता है। इसलिए यह जानना जरूरी हो जाता है कि विटामिन डी की कमी को दूर करने के लिए दिन के किस समय धूप लेना सबसे अधिक फायदेमंद है। आइए इस लेख में कुछ शोधों के आधार पर इस सवाल का जवाब जानते हैं।

किस समय धूप में बैठें?

एक स्टडी के अनुसार, हमारे शरीर में सबसे ज्यादा विटामिन डी तब बनता है जब 'पराबैंगनी बी' सूरज की किरणें सबसे तेज होती हैं। यह आमतौर पर सुबह 10 बजे से दोपहर 3 बजे के बीच का समय होता है। इस दौरान सूरज की किरणें वायुमंडल के माध्यम से सबसे छोटी दूरी तय करती हैं।

दोपहर की धूप क्यों है बेहतर?

दोपहर के समय धूप लेने का मतलब यह नहीं है कि आपको घंटों तक धूप में रहना है। अधिकांश विशेषज्ञों का सुझाव है कि सर्दियों में 20-30 मिनट तक बिना सनस्क्रीन लगाए, शरीर के कुछ हिस्सों (जैसे हाथ और चेहरा) को सीधे धूप दिखाना पर्याप्त होता है। इस कम अवधि में शरीर तेजी से पर्याप्त मात्रा में विटामिन डी का संश्लेषण कर लेता है।

अवधि और भौगोलिक स्थिति का महत्व

विटामिन डी के संश्लेषण की अवधि आपकी भौगोलिक स्थिति (भूमध्य रेखा से दूरी), मौसम, और त्वचा के रंग पर भी निर्भर करती है। गहरे रंग की त्वचा वाले लोगों को हल्के रंग की त्वचा वालों की तुलना में अधिक विटामिन डी संश्लेषित करने के लिए अधिक समय चाहिए होता है। इसलिए अपनी जरूरत के अनुसार और सावधानी के साथ धूप लेना ही सबसे समझदारी भरा तरीका है।

जरूर बरतें ये सावधानियां

हालांकि दोपहर की धूप विटामिन डी के लिए सबसे अच्छी है, लेकिन यह त्वचा कैंसर के जोखिम को भी बढ़ाती है। इसलिए त्वचा विशेषज्ञों की सलाह है कि आपको अपनी त्वचा के प्रकार और भौगोलिक स्थिति के अनुसार समय निर्धारित करना चाहिए।

यदि आप इस दौरान धूप ले रहे हैं, तो 30 मिनट से ज्यादा एक्सपोजर से बचें और एक बार जब आपकी त्वचा थोड़ी गुलाबी दिखने लगे, तो तुरंत छाया में आ जाएं या सनस्क्रीन लगा लें। विटामिन डी की कमी को पूरा करने के लिए धूप लेने के साथ अपने आहार में पौष्टिक भोजन भी शामिल करें और बैलेंस डाइट लें।

आपके खून में जहर घोल रहीं हैं आपकी ये आदतें, हो जाएं अलर्ट

दिल्ली एनसीआई में इन दिनों वायु प्रदूषण अपने चरम पर है। कुछ जगहों पर तो एक्यूआई कई दिनों से 300 से 400 के बीच ही बना हुआ है। जाहिर है इस प्रदूषण का खराब असर हमारे स्वास्थ्य पर पड़ता है। खतरनाक स्तर का वायु प्रदूषण हमारी रोजमर्रा की आदतों के माध्यम से दबे पांव हमारे खून में जहर घोलने का काम कर रहा है। खासकर जब एक्यूआई का स्तर खतरनाक हो, तब हमारी कुछ लापरवाही भरी आदतें इस जोखिम को कई गुना बढ़ा देती हैं।

वातावरण में मौजूद PM2.5 जैसे अति सूक्ष्म कण न सिर्फ फेफड़ों को नुकसान पहुंचाते हैं, बल्कि श्वसन तंत्र से होते हुए सीधे ब्लड फ्लो में प्रवेश कर जाते हैं। ये कण खून में जाकर सूजन पैदा करते हैं, रक्त वाहिकाओं को संकीर्ण कर देते हैं और दिल के दौरे तथा स्ट्रोक के खतरे को कई गुना बढ़ा देते हैं।

इसलिए यह समझना जरूरी है कि प्रदूषित हवा के संपर्क में आने पर, आपकी कुछ आदतें इस प्रक्रिया को तेज कर सकती हैं और आपके स्वास्थ्य के लिए गंभीर खतरा पैदा कर सकती हैं। इसलिए इन आदतों के बारे में जानना और उसे सुधारना

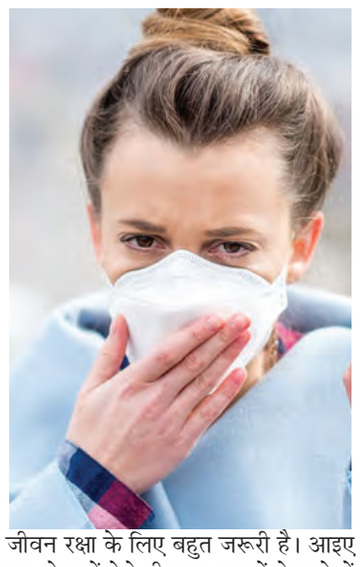

जीवन रक्षा के लिए बहुत जरूरी है। आइए इस लेख में ऐसे ही कुछ आदतों के बारे में जानते हैं, जिसे सुधारकर आप अपने और अपने परिवार के स्वास्थ्य को सुरक्षित रख सकें।

हाई एक्यूआई में मॉर्निंग वॉक करना

जब वायु गुणवत्ता सूचकांक 300 या उससे अधिक हो, तब भी बाहर मॉर्निंग वॉक करना या अधिक तिव्रता वाले व्यायाम करना आपके सेहत के लिए जोखिम भरा हो सकता है। व्यायाम के दौरान सांस लेने की दर बढ़ जाती है, जिससे फेफड़ों तक पहुंचने वाले प्रदूषकों (PM2.5) की मात्रा कई गुना बढ़ जाती है।

ये कण तेजी से ब्लड फ्लो में प्रवेश कर हृदय पर अनावश्यक तनाव डालते हैं। अधिक एक्यूआई में खुले वातावरण में व्यायाम करने से फेफड़ों में सूजन और खून के थक्के जमने का खतरा बढ़ जाता है।

बंद कमरे या घर के अंदर धूम्रपान करना

कई लोग यह सोचते हैं कि वे बाहर के प्रदूषण से बचने के लिए घर के अंदर हैं, लेकिन यदि वे घर के अंदर धूम्रपान करते हैं, तो वे अपनी और घर में रहने वाले अन्य लोगों की सेहत को भी दोगुना नुकसान पहुंचा रहे हैं। सिगरेट का धुआं PM2.5 और हानिकारक रसायनों का एक बड़ा स्रोत है। बंद कमरे में धूम्रपान करने से घर के अंदर का प्रदूषण स्तर कई गुना बढ़ जाता है, जिससे यह धुआं सीधे आपके खून में पहुंचकर रक्त वाहिकाओं को नुकसान पहुंचाता है।

बाहर निकलते समय मास्क न पहनना

अधिक वायु गुणवत्ता सूचकांक वाले वातावरण में मास्क (विशेषकर N95 या N99) न पहनना भी एक बड़ी गलती है। जब हवा में PM2.5 जैसे महीन कणों का स्तर 300 या 400+ हो, तब ये कण नाक और गले के प्राकृतिक फिल्टर को भेदकर सीधे फेफड़ों में प्रवेश कर जाते हैं।

मास्क इन खतरनाक सूक्ष्म कणों को प्रभावी ढंग से फिल्टर करता है। बिना मास्क के बाहर निकलने पर, ये जहरीले कण सीधे रक्तप्रवाह में मिलकर रक्त वाहिकाओं को नुकसान पहुंचाते हैं, जिससे हृदय रोग और स्ट्रोक का खतरा कई गुना बढ़ जाता है।

इनडोर प्रदूषण बढ़ाने वाली चीजें जलाना

घर के अंदर प्रदूषण का स्तर बढ़ाने वाली चीजें, जैसे धूपबत्ती, मच्छर भगाने वाली कॉइल, या लकड़ी/कोयला जलाना भी आपके स्वास्थ्य के लिए नुकसानदायक हो सकता है। ये चीजें जलने पर कार्बन मोनोऑक्साइड और PM2.5 के महीन कण छोड़ती हैं, जो हवा को तेजी से प्रदूषित करते हैं। बंद जगहों पर इनका धुआं आसानी से बाहर नहीं निकल पाता और सांस के जरिए सीधे खून में प्रवेश कर जाता है, जिससे हृदय और श्वसन संबंधी रोग होने का खतरा कई गुना बढ़ जाता है।

आँख की झिल्ली पर सफेद निशान

प्रश्न : मेरी उम्र 60 वर्ष है। मैंने सुना है ,आयुर्वेद में ऐसे रसायन कल्प हैं जिनके सेवन से मैं आने वाले वर्षों में भी स्वस्थ और सक्रिय रह सकता हूं। कृपया उनके बारे में बताएं।

- दामोदर राव, मेदक

उत्तरः आयुर्वेद में रसायन चिकित्सा का वर्णन आता है। अष्टांग आयुर्वेद में रसायन और वाजीकरण का महत्वपूर्ण स्थान है। जो कल्प या योग रस रक्त आदि सभी धातु को पुष्ट कर अष्टम धातु ओज का भी निर्माण करें उसे 'रसायन' कहते हैं। रसायनों में 'वयस्थापक रसायन' वह है जो बढ़ती उम्र के प्रभाव को कम करें, शरीर में वृद्धावस्था के आगमन पर रोक लगाएं। पंचकर्म से शरीर को पहले शुद्ध कर इन वयस्थापकों का प्रयोग करने से शरीर की चयापचय प्रक्रिया सुचारू रूप से कार्य करती है। आमलकी रसायन, च्यवनप्राश सुप्रीम, रजवाड़ीप्राश, स्वर्णिमप्राश, अश्वगंधादि चूर्ण, धातु पौष्टिक चूर्ण और पूर्ण चंद्र रस, ऊंझा नवरत्न कल्पामृत रस, ऊंझा वसंत कुसुमाकर रस आदि इसी श्रेणी में आते हैं । इसके अलावा व्यक्ति खूब पानी पिए, दूध ,दही ,घी, शहद आदि का प्रयोग करें .इन सब में बढ़ती उम्र के प्रभाव को कम करने के गुण हैं। भोजन के बाद ऊंझा द्राक्षासव, ग्रेप्स विन और सारस्वतारिष्ट का प्रयोग करें। इनकी मात्रा 7.5 मिलीलीटर दवा को दुगुने पानी में मिलाकर पीने से शरीर में किसी भी प्रकार की कमजोरी नहीं रहती .शरीर और मन ताजा बने रहते हैं । रसायन लेने की कोई उम्र नहीं होती। आयुर्वेदाचार्य नित्य सेवन की सलाह देते हैं।

प्रश्न : मेरी उम्र 30 वर्ष है। रात में कम दिखाई देता है। आँख की झिल्ली पर सफेद निशान भी आ गए हैं। क्या इसका आयुर्वेद में इलाज है?

- ए प्रकाश चंद्र राव, करीमनगर

उत्तर : रात में कम दिखलाई देना या नहीं दिखाई देना ' रतौंधी ' कहलाता है । ऐसी स्थिति जीवनीय तत्व ' ए ' की कमी से उत्पन्न होती हैं। आहार में जीवनीय तत्वों की कमी, लंबे समय तक अपच की स्तिथि, बार बार रेचक (जुलाब) लेने की आदत के चलते ऐसी हालत हो सकती है। जीवनीय तत्व ' ए ' की कमी अक्सर बड़ी उमरवालो या बच्चों में ही होती है। इसकी कमी से आँख की झिल्ली पर सफेद दाग जिन्हे ' बिटोट स्पॉट ' कहते है - पनप सकते है। इलाज नहीं किए जाने पर अंधेपन का खतरा बना रहता है।

आयुर्वेद में इसका इलाज़ है। सुबह शाम गाय के गुनगुने दूध में त्रिफला घृत मिलाकर (मात्रा -३ से ५ ग्राम) पीने से जल्दी ही लाभ होता है। इसी दूध के साथ ऊंझा सप्तामृत लौह टिकिया देवे। दूध, घी, मक्खन आदि का प्रयोग करें। नित्य गाजर व चुकुंदर के ५० मिलीलीटर रस में १० मिलीलीटर शहद मिलाकर पीने से जीवनीय तत्वों के अभाव की पूर्ति होती है। सभी प्रकार के पीले फल (उदाहरण : आम, पपीता, संतरा, मौसमी, अमरूद आदि) भरपूर मात्रा में पोषक तत्वों। के संग विटामिन ए भी पहुंचाते हैं। यह औषधि क्रम ६ से ८ सप्ताह तक धैर्यपूर्वक चालू रखें। इससे अवश्य लाभ होगा।

प्रश्न : मेरी उम्र 50 वर्ष है पहले अम्लपित्त की शिकायत थी। अब मल के साथ सफेद चिकना पदार्थ जाता है । कृपया इसका इलाज बताए ।

- प्रभाकर रेड्डी,वारंगल

उत्तर : आमाशय में पाचन क्रिया हाइड्रोक्लोरिक एसिड के माध्यम में होती है । प्रकृति ने जीवाणु संक्रमण को रोकने और पाचन क्रिया में सहयोग देने के लिए ही अम्ल बनाया । लेकिन जब यह अम्ल खाद्य पदार्थों द्वारा बढ़ जाता है तो आमाशय की सुरक्षा झिल्ली नष्ट होकर एवं कोशिकाओं के द्वारा जब बड़ा वहां छाला (अल्सर) बन जाता है। मानसिक तनाव और आहार संबंधी अनियमिताएं धूम्रपान, कुछ तेज अंग्रेजी दवाओं का सेवन व संक्रमण इत्यादि इसके प्रमुख कारण है।

इसको रोकने के लिए पथ्य आवश्यक है। धूम्रपान , मद्य सेवन, मिर्च - मसाले, तीखे- खट्टे पदार्थ, तले खाद्य पदार्थ का सेवन बंद कर देने देना चाहिए। मल के साथ जो चिकना पदार्थ आता है - वह म्यूकस या आँव है। यह अधिकतर एक परजीवी प्रोटोजोन ' अमीबा ' के संक्रमण के कारण होता है। औरा ट्रायोगोन टिकिया या ऊंझा डायरेंड टिकिया ऊंझा कुटजघन वटी, पंचामृत पर्पटी का प्रयोग तुरंत लाभ करता है।

भोजन के बाद ऊंझा बिल्वासव या ऊंझा कुटजारिष्ट का १५ से २० मिलीलीटर को दुगुने पानी में मिलाकर लेना आंव दूर कर देता है। बेल का मुरब्बा या बेल घनवटी, गंगाधर रस से भी इसमें आराम मिलता है।

भोजन सुपाच्य, ताजा और संतुलित हो। दही और छांछ विशेष रूप से हितकारी है। किसी भी प्रकार गरिष्ठ भोजन से बचना चाहिए।

डॉ.च.पुरुषोत्तम बिदादा

email : purushottambidada@gmail.com

आप अपनी स्वास्थ्य समस्याओं का यदि आयुर्वेदिक इलाज चाहते हैं तो अपनी समस्या संक्षेप में हमें लिखकर भेजें। अपने पत्र पर नीचे दिया गया कूपन अवश्य कचपकाएं।

आयुर्वेदिक स्वास्थ्य प्रश्नोत्तरी
स्वतंत्र वार्ता
396, लोअर टैंक बंड,
हैदराबाद-80

शादी में देरी और जीवन शैली बढ़ा रही ब्रेस्ट कैंसर की खतरे की रफ्तार

देश और दुनिया में युवतियों के बीच तेजी से बढ़ रहे ब्रेस्ट कैंसर के मामलों ने विशेषज्ञों को चिंता में डाल दिया है। डॉक्टरों का कहना है कि बदलती जीवन शैली, देर से शादी और प्रसव में देरी जैसे कारण इसके जोखिम को कई गुना बढ़ा रहे हैं। नई दिल्ली में आयोजित दूसरे अंतरराष्ट्रीय स्तन कैंसर सम्मेलन में विशेषज्ञों ने चेताया कि मौजूदा हालात चिंताजनक स्तर पर पहुंच चुके हैं और समय रहते जागरूकता ही मौत के जोखिम को कम कर सकती है।

सम्मेलन के दौरान विशेषज्ञों ने कहा कि पारिवारिक जीन, हार्मोनल बदलाव और जीवनशैली की गलत आदतें ब्रेस्ट कैंसर के प्रमुख कारण बन रही हैं। विशेषज्ञों ने बताया कि अति-प्रसंस्कृत खाद्य पदार्थ, मोटापा, व्यायाम की कमी और शराब सेवन जैसे कारक बीमारी को और गंभीर बनाते हैं। कार्यक्रम में फिल्म अभिनेत्री

महिमा चौधरी भी शामिल रहीं, जो खुद ब्रेस्ट कैंसर से उबर चुकी हैं। उन्होंने कहा कि हर महिला को सालाना जांच करानी चाहिए ताकि बीमारी का शुरुआती चरण में पता लगाया जा सके।

महिमा चौधरी की अपील

महिला स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाने को लेकर अभिनेत्री महिमा चौधरी ने कहा कि महिलाओं को अपनी सेहत को प्राथमिकता देनी चाहिए। उन्होंने बताया कि उन्हें यह बीमारी बिना किसी लक्षण के पता चली। महिमा ने कहा कि घरों में पुरुषों को भी इस विषय पर संवेदनशील होना चाहिए और महिलाओं को नियमित स्वास्थ्य जांच के लिए प्रेरित करना चाहिए। उन्होंने कहा कि शुरुआती स्टेज में कैंसर पकड़ में आ जाए तो इलाज काफी प्रभावी साबित होता है।

जीवनशैली और बढ़ते जोखिम

गुरुग्राम के मेदांता कैंसर संस्थान के डॉ. अशोक वैद ने बताया कि ब्रेस्ट कैंसर का सबसे बड़ा जोखिम कारक पारिवारिक जीन है। इसके बाद देर से शादी, पहली गर्भावस्था में देरी और मासिक धर्म जल्दी शुरू होना शरीर को लंबे समय तक एस्ट्रोजन के संपर्क में रखता है। डॉ. वैद के मुताबिक, अत्यधिक वजन, आलस भरी दिनचर्या, धूम्रपान और शराब सेवन जोखिम को और बढ़ाते हैं। विशेषज्ञों के अनुसार, अगर जीवनशैली में समय रहते बदलाव किए जाएं तो ब्रेस्ट कैंसर की संभावना को काफी हद तक कम किया जा सकता है।

शुरुआती लक्षण न दिखने से बढ़ती चुनौती

महिमा चौधरी ने बताया कि चार साल पहले जब उन्हें यह बीमारी हुई, तब कोई लक्षण नजर नहीं आए। उन्होंने कहा कि यही कारण है कि महिलाओं को सालाना स्क्रीनिंग कराना सबसे जरूरी है। विशेषज्ञों ने बताया कि ब्रेस्ट कैंसर की शुरुआती स्टेज में सामान्य लक्षण नहीं दिखते। ऐसे में मामोग्राफी और अन्य जांच ही बीमारी का पता लगाने का भरोसेमंद तरीका है। सम्मेलन में युवतियों को जल्द जागरूक करने पर जोर दिया गया।

भारत और दुनिया में बढ़ते आंकड़े

डब्ल्यूएचओ के अनुसार, 2022 में भारत में ब्रेस्ट कैंसर के करीब 1.93 लाख नए मामले सामने आए और लगभग 99 हजार महिलाओं की जान गई। 2024 में यह संख्या 2.38 लाख से अधिक रही। अनुमानों के मुताबिक 2025 में यह आंकड़ा और बढ़कर 2.32 लाख तक पहुंच सकता है। विशेषज्ञों ने कहा कि देश में कैंसर के कुल मामलों में 28 फीसदी ब्रेस्ट कैंसर के हैं, जिससे यह महिलाओं में सबसे बड़ा कैंसर खतरा बन चुका है। वैश्विक स्तर पर भी स्थिति गंभीर है जहां 2020 में 20 लाख से अधिक महिलाएं ब्रेस्ट कैंसर की शिकार बनीं और 6.85 लाख की मौत हुई।

अमेरिका ने पहली बार मंगाई भारत से जेट फ्यूल

रिलायंस की जामनगर रिफाइनरी से रवाना हुआ माल

नई दिल्ली, 17 नवंबर (एजेंसियां)। भारत ने पहली बार अमेरिका के पश्चिमी तट के लिए जेट फ्यूल का एक्सपोर्ट किया है। यह शिपमेंट ऊर्जा कंपनी शेवरॉन के लिए भेजा गया है। व्यापारिक सूत्रों और शिपिंग डेटा के अनुसार लॉस एंजिलिस में ईंधन की कमी को पूरा करने के लिए यह आयात किया गया है।पिछले साल अक्टूबर से अमेरिका के पश्चिमी तट पर जेट फ्यूल का उत्पादन कम हो गया था। कैलिफोर्निया में शेवरॉन की एक बड़ी रिफाइनरी में आग लग गई थी। इस कारण कंपनी को कई यूनिट बंद करनी पड़ीं। सूत्रों के मुताबिक लगभग 60,000 मीट्रिक टन (472,800 बैरल) जेट फ्यूल को 'हफ़्निया कलंग' नाम के टैंकर में लादा गया था। यह जहाज 28 और 29 अक्टूबर के बीच रिलायंस इंडस्ट्रीज की जामनगर रिफाइनरी से रवाना हुआ। ब्रोकरों का कहना है कि यह दिसंबर के पहले हफ्ते में लॉस एंजिल्स पहुंच जाएगा। रिलायंस ने इस पर कोई टिप्पणी नहीं की।

शेवरॉन की रिफाइनरी की मरम्मत का काम 2026 की शुरुआत में पूरा होने की उम्मीद है लेकिन तब तक अमेरिका के पश्चिमी तट पर जेट फ्यूल की आपूर्ति में कमी बनी रह सकती है।

अमेरिका से एलपीजी का आयात

हालांकि सूत्रों का मानना है कि अमेरिका के पश्चिमी तट पर भारत से बार-बार जेट फ्यूल का आयात होने

की संभावना कम है। ऐसा इसलिए, है क्योंकि पूर्वोत्तर एशिया से ईंधन का आयात सस्ता पड़ता है। अमेरिका के पश्चिमी तट पर जेट फ्यूल की कीमतें सिंगापुर (एशिया का बेंचमार्क) में स्पॉट फ्री ऑन बोर्ड (एफओबी) कीमतों से 10 डॉलर प्रति बैरल अधिक रही हैं। इससे आयात का फायदा बना हुआ है। 7 नवंबर को मेरिका के पश्चिमी तट पर जेट फ्यूल का स्टॉक तीन महीने के निचले स्तर पर 11.12 मिलियन बैरल पर था।इस बीच भारत की सरकारी तेल कंपनियों ने अमेरिका से 2.2 मिलियन टन प्रति वर्ष एलपीजी आयात करने के लिए कॉन्ट्रैक्ट किया है जो भारत के सालाना आयात का 10% है। यह जानकारी केंद्रीय पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी की ओर से सोमवार को दी गई। यह भारतीय बाजार में अमेरिका से एलपीजी आयात के लिए पहला कॉन्ट्रैक्ट है। इस समझौते में एलपीजी खरीदारी के लिए मोंट बेल्विउ को बेंचमार्क के रूप में उपयोग किया है।

चीन के पास नहीं इस बीमारी का इलाज

4 साल से ड्रैगन है परेशान, पूरी इकॉनमी डूबने का खतरा

नई दिल्ली,17 नवंबर (एजेंसियां)। चीन का रियल एस्टेट संकट लगातार गहराता जा रहा है। पिछले 4 साल से चीन की सरकार इसे सुलझा नहीं पाई है और इसके कारण पूरी इकॉनमी के डूबने का खतरा बना हुआ है। अक्टूबर में नए मकानों की कीमत में 0.45% गिरावट आई है जो इस साल सबसे ज्यादा है। साथ ही रीसेल होम प्राइस में भी 0.66 फीसदी गिरावट आई है जो 13 महीने में सबसे ज्यादा है। एक सर्वे के मुताबिक देश के 70 प्रमुख शहरों में नए और रीसेल मकानों की कीमत में गिरावट आई है जो पूरे रियल एस्टेट सेक्टर की कमजोरी को उजागर करता है। जानकारों का कहना है कि चीन में नए मकानों की डिमांड लगातार घट रही है जिससे कीमतों में गिरावट आ रही है। चाइना इंडेक्स एकेडमी द्वारा 260 शहरों में कराए गए एक सर्वे के मुताबिक छोटे शहरों में होम परचेजिंग कॉन्फिडेंस में पिछले महीने की तुलना में 2.9 फीसदी की गिरावट आई। चीन की इकॉनमी में रियल एस्टेट सेक्टर का करीब एक तिहाई योगदान है। इसके डूबने से बैंकिंग सेक्टर को भी नुकसान हो सकता है। बैंकों ने रियल एस्टेट सेक्टर को काफी लोन दिया है जिसके डूबने का खतरा है।

रियल एस्टेट संकट

चीन का रियल एस्टेट सेक्टर साल 2021 से ही जूझ रहा है जब एवरग्रांडे ने कर्ज के भुगतान में डिफॉल्ट किया था। इसके बाद कई कंपनियां इसकी चपेट में आ गईं। इस संकट के कारण होमबायर्स, इन्वेस्टर्स और कंपनियों का भरोसा बुरी तरह डगमगाया हुआ है। सरकार ने इस सेक्टर को संकट से उबारने के लिए कई कदम उठाए हैं लेकिन अब तक ये बेअसर रहे हैं। देश में प्रॉपर्टी सेल्स और प्रॉपर्टी इन्वेस्टमेंट में काफी आई है।

सरकारी बॉन्ड में भारतीय रिजर्व बैंक की हिस्सेदारी बढ़ी, एसबीआई की रिपोर्ट में दावा

नई दिल्ली, 17 नवंबर (एजेंसियां)। भारतीय रिजर्व बैंक की सरकारी प्रतिभूतियों में हिस्सेदारी पिछले एक साल में स्पष्ट रूप से बढ़ी है। स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई) की ताजा रिपोर्ट के अनुसार जून 2025 में आरबीआई की हिस्सेदारी बढ़कर 14.2 प्रतिशत हो गई, जो जून 2024 में 11.9 प्रतिशत थी।

बैंकों की हिस्सेदारी में आई कमी

रिपोर्ट में कहा गया है कि आरबीआई की ओर से सरकारी बॉन्ड की होल्डिंग में निरंतर वृद्धि देखी जा रही है, जबकि बैंकों की हिस्सेदारी में कमी आई है। इसके विपरीत, बीमा कंपनियों की हिस्सेदारी लगभग स्थिर बनी हुई है। इसमें कहा गया है कि केंद्र सरकार की ओर से फरवरी 2026 तक हर महीने लगभग एक लाख करोड़ रुपये उधार लेने की उम्मीद है। इसमें मार्च के लिए केवल एक छोटी राशि निर्धारित है।

बॉन्ड प्रतिफल सीमित दायरे में रहने की उम्मीद

साथ ही अपेक्षाकृत बड़ी स्टेट डेवलपमेंट लोन (एसडीएल) केंद्र सरकार की अल्पकालिक उधारी से प्रतिस्पर्धा कर सकती हैं। इससे बाजार में आपूर्ति बढ़ेगी। इसके बावजूद, रिपोर्ट का मानना है कि बॉन्ड प्रतिफल सीमित दायरे में रह सकता है और आने वाले दिनों में इसमें उतार-चढ़ाव हो सकता है। हाल के महीनों में बैंक और म्यूचुअल फंड्स जहां जी-सेक के शुद्ध विक्रेता बने हुए हैं।

आरबीआई ने विदेशी मुद्रा बाजार में किया हस्तक्षेप

रिपोर्ट में आरबीआई की विदेशी मुद्रा बाजार में हस्तक्षेप गतिविधि को भी रेखांकित किया गया है। केंद्रीय बैंक ने रुपये को अत्यधिक उतार-चढ़ाव से बचाने और सट्टेबाजी पर अंकुश लगाने के लिए अपने मजबूत विदेशी मुद्र भंडार का इस्तेमाल किया। जून से अगस्त 2025 के बीच आरबीआई की ओर से लगभग 14 अरब डॉलर की नेट डॉलर सेल की गई, जिसके परिणामस्वरूप बैंकिंग प्रणाली से करीब 1.2 लाख करोड़ की स्थायी तरलता निकल गई।

विदेशी मुद्रा भंडार में आई गिरावट

भारत का विदेशी मुद्रा भंडार, जो जून 2025 में 703 अरब डॉलर था, अक्टूबर के अंत तक घटकर 690 अरब डॉलर रह गया। सोने और विशेष आहरण अधिकार (एसडीआर) को छोड़कर, इसी अवधि में भंडार 30 अरब डॉलर घटकर 599 अरब डॉलर से 569 अरब डॉलर रह गया।

रुपये में जारी कमजोरी के रुझान के बीच रिपोर्ट का आकलन है कि अगस्त के बाद भी आरबीआई का हस्तक्षेप जारी रहा होगा और अब तक यह आंकड़ा 14 अरब डॉलर से अधिक पहुंच चुका होगा। मुद्रा बाजार में स्थिरता बनाए रखने के लिए केंद्रीय बैंक लगातार सक्रिय बना हुआ है।

टैरिफ के झटके से जापान की अर्थव्यवस्था पड़ी धीमी

जीडीपी विकास दर छह तिमाहियों में पहली बार नकारात्मक

नई दिल्ली, 17 नवंबर (एजेंसियां)। जापान की अर्थव्यवस्था जुलाई-सितंबर तिमाही में तेज गिरावट के साथ सिकुड़ गई। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की ओर से लगाए गए टैरिफ का असर जापानी निर्यात पर दिखा, जिससे देश की आर्थिक रफ्तार थम गई है। सरकारी आंकड़ों के मुताबिक, इस अवधि में जापान का सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) सालाना आधार पर 1.8% घटा। तिमाही आधार पर जीडीपी में 0.4% की गिरावट दर्ज की गई, जो छह तिमाहियों में पहली बार आई आर्थिक संकुचन है। वार्षिक आधार पर यह अनुमान लगाया जाता है कि तिमाही की यही रफ्तार पूरे साल जारी रहे तो अर्थव्यवस्था कैसी दिखेगी।

हालांकि ताजा तिमाही गिरावट बाजार की उम्मीदों से कम रही, जहां 0.6% की गिरावट का अनुमान था, वहीं वास्तविक गिरावट इससे छोटी रही। तिमाही के दौरान सबसे बड़ी मार निर्यात पर पड़ी, जो पिछली तिमाही की तुलना में 1.2% घट गया।

रिपोर्ट में बताया गया कि कई कंपनियों ने टैरिफ लागू होने से पहले जितना संभव हो सके उतना माल निर्यात कर लिया था। इससे पिछली तिमाही के निर्यात आंकड़े ऊंचे दिखे। वार्षिक आधार पर, सितंबर तक तीन महीनों में निर्यात में 4.5 प्रतिशत की गिरावट आई। तीसरी तिमाही में आयात में 0.1 प्रतिशत की गिरावट आई। तिमाही के दौरान निजी खपत में 0.1 प्रतिशत की वृद्धि हुई टैरिफ जापान की निर्यात-निर्भर अर्थव्यवस्था के लिए एक बड़ा झटका है। इसका नेतृत्व टोयोटा मोटर कॉर्पोरेशन जैसे शक्तिशाली वाहन निर्माता कर रहे हैं, हालांकि ऐसे निर्माताओं ने टैरिफ के प्रभाव से बचने के लिए पिछले कुछ वर्षों में उत्पादन को विदेशों में स्थानांतरित कर दिया है।

गौतम अडानी ला रहे हैं देश का सबसे बड़ा राइट्स इश्यू

716 रुपये सस्ता मिल रहा शेयर, जानिए डिटेल

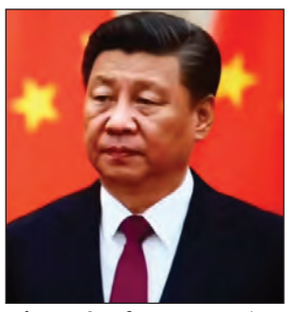

नई दिल्ली,17 नवंबर (एजेंसियां)। देश के तीसरे बड़े औद्योगिक घराने अडानी ग्रुप की फ्लैगशिप कंपनी अडानी एंटरप्राइजेज का 25,000 करोड़ रुपये का राइट्स ऑफर 25 नवंबर को खुलेगा और 10 दिसंबर को बंद होगा। कंपनी ने यह जानकारी दी है। 11 नवंबर को कंपनी के बोर्ड ने इस राइट्स ऑफर को मंजूरी दी थी। इसके लिए शेयर की कीमत 1,800 रुपये प्रति शेयर रखी गई है, जो उस दिन के शेयर के बंद भाव से 25% कम है। शुक्रवार को कंपनी का शेयर 1.29 फीसदी तेजी के साथ 2516.85 रुपये पर बंद हुआ। कंपनी ने यह भी बताया कि शेयरधारकों को पूरी रकम यानी हर शेयर के लिए 1,800 रुपये एक साथ नहीं देनी होगी। वे इसे तीन किस्तों में चुकाएंगे। आवेदन करते समय शेयरधारकों को 900 रुपये देने होंगे। इसके बाद दो और किस्तें होंगी, जिन्हें बाजार की भाषा में 'फर्स्ट कॉल' और 'सेकंड कॉल' कहा जाता है। इन दोनों किस्तों में उन्हें 450-450 रुपये देने होंगे। पहली कॉल की अवधि 12 जनवरी से 27 जनवरी 2026 तक रहने की उम्मीद है।

क्या है राइट्स इश्यू?

अडानी एंटरप्राइजेज की फाइनेंशियल ईयर

2026 में 36,000 करोड़ रुपये कैपेक्स की योजना है। इसमें से 16,300 करोड़ रुपये पहली छमाही में खर्च किए गए हैं। इसमें से 10,500 करोड़ रुपये एयरपोर्ट बिजनेस पर, 6,000 करोड़ रुपये रोड और 9,000 करोड़ रुपये पेट्रोकेमिकल्स और मटीरियल्स पर, 3,500 करोड़ रुपये मेटल्स और माइनिंग पर तथा 5,500 करोड़ रुपये अडानी न्यू इंडस्ट्रीज पर खर्च होंगे। राइट्स इश्यू एक ऐसी प्रक्रिया है जिसमें कोई कंपनी अपने मौजूदा शेयरधारकों को रियायती मूल्य पर अतिरिक्त शेयर खरीदने का अधिकार देती है। कंपनियां इससे जुटने वाली राशि का इस्तेमाल अपने कारोबार के विस्तार करने, ऋण चुकाने या अन्य उद्देश्यों के लिए करती है।

फेमा केस में दूसरी बार ईडी के सामने पेश नहीं हुए अनिल अंबानी

नई दिल्ली, 17 नवंबर (एजेंसियां)। रिलायंस ग्रुप के चेयरमैन अनिल अंबानी ने विदेशी प्रबंधन अधिनियम (फेमा) मामले में ईडी के सामने पेश होने से दूसरी बार इनकार कर दिया। उन्होंने पहली बार 14 नवंबर को समन पर पेश न होकर ईडी को बताया था कि वह वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग या रिकॉर्डेड बयान के जरिए पूछताछ में शामिल होने को तैयार हैं। हालांकि, ईडी ने इस प्रस्ताव को खारिज कर दिया और सोमवार के लिए नया समन जारी किया। अब यह स्पष्ट नहीं है कि एजेंसी तीसरा समन भेजेगी या नहीं। बता दें कि फेमा के तहत होने वाली कार्रवाई सिविल प्रकृति की होती है, जबकि मनी लॉन्ड्रिंग कानून के तहत की जाने वाली जांच और कार्रवाई आपराधिक प्रकृति की मानी जाती है। 66 वर्षीय व्यवसायी के प्रवक्ता ने एक बयान में कहा कि अनिल अंबानी ने ईडी के लिए उपयुक्त किसी भी तारीख और समय पर वर्चुअल उपस्थिति/रिकॉर्डेड वीडियो के माध्यम से अपना बयान दर्ज कराने के लिए खुद को उपलब्ध कराने की पेशकश की है। सूत्रों के अनुसार, एजेंसी ने अंबानी को शुक्रवार को व्यक्तिगत रूप से पेश होने और फेमा के तहत अपना बयान दर्ज कराने को कहा था। यह जांच जयपुर-रींगस राजमार्ग परियोजना से संबंधित है। इससे पहले जारी एक बयान में ईडी ने कहा था कि हाल ही में धन शोधन निरोधक कानून के तहत अंबानी और उनकी कंपनियों की 7,500 करोड़ रुपये की संपत्ति कुर्क करने के बाद रिलायंस इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड के खिलाफ की गई तलाशी में पाया गया कि राजमार्ग परियोजना से कथित तौर पर 40 करोड़ रुपये की हेराफेरी की गई। एजेंसी ने कहा कि सूरत स्थित फर्जी कंपनियों के माध्यम से धन दुबई पहुंचाया गया। इससे 600 करोड़ रुपये से अधिक के व्यापक अंतरराष्ट्रीय हवाला नेटवर्क का पता चला है। सूत्रों ने बताया कि ईडी ने कुछ कथित हवाला डीलरों सहित विभिन्न व्यक्तियों के बयान दर्ज किए हैं। इसके बाद उन्होंने अंबानी को तलब करने का फैसला किया है।

इस साल पहली बार निगेटिव हुई बिटकॉइन

एक महीने में अर्श से फर्श पर आई, अब क्या रह गया रेट

नई दिल्ली,17 नवंबर (एजेंसियां)। दुनिया की सबसे बड़ी, सबसे पुरानी और सबसे लोकप्रिय क्रिप्टोकरेंसी बिटकॉइन की कीमत में भारी गिरावट आई है। इसकी कीमत गिरकर 93,000 डॉलर के करीब पहुंच चुकी है। 6 अक्टूबर को इसकी कीमत रेकॉर्ड $126,251 तक पहुंच थी लेकिन उसके बाद से इसमें भारी गिरावट आई है। इस साल पहली बार यह अधिकारिक रूप से निगेटिव हुई है। पिछले 24 घंटे में इसका 500 मिलियन डॉलर से ज्यादा लिक्विडेशन हुआ है। बिटकॉइन की कीमत में साल की शुरुआत से अब तक 30% से ज्यादा गिरावट आई है। इसकी वजह यह है कि ट्रंप प्रशासन के क्रिप्टो-फ्रेंडली रुख को लेकर जो उत्साह दिख रहा था, वह अब काफी हद तक कम हो गया है। रविवार को बिटकॉइन की कीमत $93,124 तक आ गई थी। हालांकि सोमवार को सिंगापुर में सुबह 8:39 बजे तक बिटकॉइन की कीमत थोड़ी सुधरी और $94,869 पर कारोबार कर रहा था।

क्यों आई गिरावट?

पिछले एक महीने में कई बड़े खरीदार चुपचाप क्रिप्टो मार्केट से पीछे हट गए हैं। इससे बाजार को वह सपोर्ट नहीं मिल रहा है जिससे बिटकॉइन को रेकॉर्ड स्तर तक पहुंचाया था।

साथ ही हाल ही में तेजी से बढ़ रहे टेक्नोलॉजी शेयरों में आई नरमी ने भी जोखिम लेने की निवेशकों की क्षमता को कम कर दिया है। साल के ज्यादातर समय तक संस्थागत निवेशकों ने बिटकॉइन की वैधता और उसकी कीमत को सहारा दिया था। लेकिन अब वे इससे किनारा कर रहे हैं।

1,400 रुपये सस्ता हुआ सोना चांदी में 2,000 की गिरावट

जानिए हफ्ते के पहले दिन का रेट

नई दिल्ली,17 नवंबर (एजेंसियां)। सोने और चांदी की कीमत में हफ्ते के पहले दिन आज शुरुआती कारोबार में गिरावट देखी गई। इस साल की तेज वैश्विक तेजी के बाद निवेशकों ने मुनाफावसूली की। साथ ही, अमेरिकी फेडरल रिजर्व के अधिकारियों की सख्त टिप्पणियों ने दिसंबर में ब्याज दरों में कटौती की उम्मीदों को कम कर दिया। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज पर दिसंबर डिलीवरी के लिए सोने का वायदा 1,389 रुपये से ज्यादा गिर गया। सुबह 11.50 बजे यह 1,132 रुपये यानी 0.92 फीसदी गिरावट के साथ 1,22,429 रुपये प्रति 10 ग्राम पर कारोबार कर रहा था। पिछले सत्र में सोना 1,23,561 रुपये पर बंद हुआ था और आज 1,23,114 रुपये पर खुला। शुरुआती कारोबार में यह 1,22,172 रुपये तक नीचे और 1,23,580 रुपये तक हाई गया। अंतरराष्ट्रीय बाजार में, सोमवार को सोने की कीमतों में थोड़ी बढ़ोतरी हुई। निवेशक इस हफ्ते आने वाले अमेरिकी आर्थिक आंकड़ों पर नजरें टिकाए हुए थे, जो फेडरल रिजर्व की भविष्य की ब्याज दर की दिशा के बारे में स्पष्ट संकेत दे सकते हैं। सुबह

0256 जीएमटी तक स्पॉट गोल्ड 0.1% बढ़कर $4,083.92 प्रति औंस हो गया जबकि दिसंबर डिलीवरी के लिए अमेरिकी गोल्ड फ्यूचर्स 0.2% गिरकर $4,085.30 प्रति औंस पर आ गया।

चांदी की कीमत

सोने के साथ-साथ चांदी के वायदा में भी नरमी आई और शुरुआती कारोबार में यह 2,000 रुपये तक गिर गया। पिछले सत्र में चांदी 1,56,018 रुपये प्रति किलो पर बंद हुई थी और आज 1,55,105 रुपये पर खुली। शुरुआती कारोबार में यह 1,53,310 रुपये तक लो और 1,56,049 रुपये तक हाई गई। जानकारों का कहना है कि फेडरल रिजर्व के सदस्यों की टिप्पणियों के बाद सोने की कीमतें कल शाम की बिकवाली के बाद कमजोर बनी रहीं, जिससे यह संकेत मिला कि नए आर्थिक आंकड़ों की कमी आगे ब्याज दरों में कटौती में देरी कर सकती है। इससे बुलियन में सेंटीमेंट कमजोर हुआ।

भारतीय बाजार में जोरदार तेजी; सेंसेक्स 388 अंक उछला

निफ्टी ने पार किया 26000 का स्तर

नई दिल्ली,17 नवंबर (एजेंसियां)। शेयर बाजारों में सोमवार को लगातार छठे कारोबारी सत्र में तेजी रही। बेंचमार्क सेंसेक्स 388 अंक चढ़कर और निफ्टी 26,000 अंक के ऊपर बंद हुआ। यह तेजी व्यापक स्तर पर तेजी और कंपनियों के मजबूत तिमाही प्रदर्शन के बाद आई। कारोबारियों ने कहा कि घरेलू संस्थागत निवेशकों की मजबूत लिवाली से तेजी को बल मिला।लगातार छठे दिन बढ़त के साथ, 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 388.17 अंक या 0.46 प्रतिशत चढ़कर 84,950.95 पर बंद हुआ। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 103.40 अंक या 0.40 प्रतिशत बढ़कर 26,013.45 पर बंद हुआ।

घरेलू शेयर बाजारों में मजबूती और वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट के चलते सोमवार को रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले तीन पैसे बढ़कर 88.63 (अनंतिम) पर बंद हुआ। जियोजित इन्वेस्टमेंट्स लिमिटेड के शोध प्रमुख विनोद नायर ने कहा कि बाजार ने अपनी सकारात्मक गति बनाए रखी है। यह 26,000 के प्रमुख उच्च स्तर के आसपास बना हुआ है। उन्होंने कहा कि संभावित व्यापार समझौता एक महत्वपूर्ण कारक बना हुआ है, जिस पर प्रतिभागी बारीकी से नजर रख रहे हैं। वर्तमान में, जोखिम-लाभ अनुपात काफी हद तक अनुकूल है, जिसे मिडकैप्स की दूसरी तिमाही की उम्मीद से ज्यादा मजबूत आय से बल मिला है। इससे विकास में सुधार के प्रति विश्वास मजबूत हुआ है और भविष्य में आय में संभावित वृद्धि की ओर इशारा करता है। सेंसेक्स में शामिल शेयरों में इटरनल, मारुति सुजुकी इंडिया, कोटक महिंद्रा बैंक, महिंद्रा एंड महिंद्रा, टेक महिंद्रा, टाइटन, एचडीएफसी बैंक, पावरग्रिड, बजाज फिनसर्व, एचसीएल टेक्नोलॉजीज, बजाज फाइनेंस और लार्सन एंड टुब्रो शामिल रहे। वहीं, टाटा मोटर्स पैसेंजर व्हीकल्स, एशियन पेंट्स, अल्ट्राटेक सीमेंट, भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड, टाटा स्टील, अडानी पोर्ट्स, हिंदुस्तान यूनिलीवर, आईटीसी, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज और रिलायंस इंडस्ट्रीज ही पिछड़ने वाले शेयर रहे। एशियाई बाजारों में, हांगकांग का हैंगसेंग, शंघाई का एसएसई कम्पोजिट सूचकांक और जापान का निक्केई 225 बेंचमार्क नकारात्मक क्षेत्र में बंद हुए।

यूरोप के बाजार लाल निशान में कारोबार कर रहे थे। शुक्रवार को अमेरिकी बाजार काफी हद तक गिरावट के साथ बंद हुए। ब्रेंट क्रूड का भाव गिरकर 63.94 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंचा वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड 0.70 प्रतिशत गिरकर 63.94 डॉलर प्रति बैरल पर आ गया।

दैनिक पंचांग

श्री सिद्धार्थी (विश्वावसु) नामक संवत्सर-विक्रम संवत्- 2082
शक संवत्-1947, सूर्य दक्षिणायने,ऋतु- हेमन्त
महावीर निर्वाण संवत् -2551
कलियुग अवधि-432000
भोग्य कलि वर्ष-426874
सूर्योदय 06-25
सूर्यास्त. 17-36
कलियुग संवत्-5126 वर्ष,
कल्पारंभ संवत् -1972949126
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्-1955885126
दिशाशूल - उत्तर - गुड खाकर घर से निकले
मास - मार्गशिर्ष कृष्ण पक्ष मंगलवार 18 Nov
तिथि - त्रयोदशी 07-12 तक उपरान्त चतुर्दशी
नक्षत्र - स्वाति 05-01 पूर्ण है
योग - आयुष्मान 08-09 तक सौभाग्य
करण - वणिज 07-12 तक उप विष्टि (भद्रा)

व्रत - मास शिवरात्रि

विशेष- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका हमें दिखायें व पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति व दशान्तर्दशा को विशेष प्रभावित समझना चाहिए।

राहुकाल 14-50 से 16-14 तक

पं.महेशचन्द्र शर्मा 9247132654 9167555710

दिन का चौघडिया		रात का चौघडिया	
रोग	06-25 - 07-48 अशुभ	काल	17-36 - 19-14 अशुभ
उत्पात	07-48 - 09-13 अशुभ	लाभ	19-14 - 20-50 शुभ
चंचल	09-13 - 10-37 शुभ	उत्पात	20-50 - 22-26 अशुभ
लाभ	10-37 - 12-01 शुभ	शुभ	22-26 - 00-01 शुभ
अमृत	12-01 - 13-26 शुभ	अमृत	00-01 - 01-37 शुभ
काल	13-26 - 14-50 अशुभ	चंचल	01-37 - 03-13 शुभ
शुभ	14-50 - 16-14 शुभ	रोग	03-13 - 04-49 अशुभ
रोग	16-14 - 17-39 अशुभ	काल	04-49 - 06-25 अशुभ

आपका राशिफल

मेष (चू, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ)
आपकी रचनात्मकता सबसे अलग है, जो आपको काम पर एक मजबूत छाप छोड़ने में मदद करती है। अपनी दिनचर्या में किसी भी व्यवधान को संतुलित करने के लिए अनुशासित और स्थिर रहें। आप आंतरिक तनाव या सख्त मानसिकता महसूस कर सकते हैं, इसलिए लचीला बने रहने पर ध्यान दें।

वृष (ई, उ, ए, ओ, वा, वी, वू, वे, वो)
एक दूर्लभ नौकरी का अवसर आज आपके दरवाजे पर दस्तक देने के लिए आ रहा है। यह विचार करने पर कुछ हद तक जोखिम भरा लगेगा, लेकिन आप उस पर कार्रवाई करते हैं, तो आप अपने कैरियर को एक नया मोड़ दे सकते हैं। सुरक्षित और संकीर्ण रास्ते की तुलना में ये समय जोखिम लेने के लिए है ताकि जो आप अपने जीवन में करना चाहते है वो पूरा हो।

मिथुन (का, की, कू, घ, ङ, छ, के, को, ह)
आज आपको अपने कार्यालय पर संचार और बातचीत कौशल का विशेष उपयोग करने की जरूरत है। आपको सावधान रहना होगा की जोर से शिकायत या किसी के पैसे में गिरने की जरूरत नहीं है, इसके बजाय आपको कूटनीति और कुशलता से दबाव के समय में कार्य करने की आवश्यकता होगी। आपको प्रभाव बातचीत में काफी हद तक संकल्प और ध्यान को बढ़ाता है।

कर्क (ही, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डो)
कर्क राशि में सूर्य के होने से आपके कार्य जीवन को लाभ मिलता है, जो विनम्रता और भावनात्मक अंतर्दृष्टि को प्रोत्साहित करता है। मिथुन राशि में चंद्रमा अनुकूलनशीलता और जिज्ञासा लाता है। सूर्य त्रिकोण शनि आपके दृढ़ संकल्प और ध्यान को बढ़ाता है। हालाँकि आपकी संवेदनशीलता एक कमजोरी की तरह लग सकती है।

सिंह (मा, मी, मू, मे, मो, टा, टी, टू, टे)
कार्यस्थल पर आपका दिन ऊर्जावान और भावनात्मक रूप से आवेशित महसूस हो सकता है। आप स्वाभाविक रूप से एक देखभाल करने वाला माहौल बनाएंगे, साथ ही पहल करने के लिए प्रेरित भी महसूस करेंगे। आपका दृढ़ संकल्प रचनात्मक सफलताओं का समर्थन करता है।

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो)
आज आपका काम और पढ़ाई अच्छी तरह से चलने की संभावना है, आपमें प्रबल ऊर्जा और एकाग्रता रहेगी। स्पष्ट सोच आपको अच्छे निर्णय लेने में मदद करती है, और आप खुद के साथ तालमेल महसूस करते हैं। चुनौतियों का सामना करने और अपने लक्ष्यों पर विश्वास के साथ आगे बढ़ने का यह एक बढ़िया समय है।

तुला (रा, री, रू, रे, रो, ता, ती, तू, ते)
आपके साहसिक विचार और विस्तार पर ध्यान सफलता के लिए मंच तैयार करते हैं। आपमें रचनात्मक चिंगारी महसूस हो सकती है और प्रभावशाली लोगों के साथ काम करने के अवसर मिल सकते हैं। एकांत में रहने से स्पष्टता आ सकती है, लेकिन दुर्घटनाओं से बचने के लिए सावधान रहें। महत्वपूर्ण कार्यों को सटीकता और आत्मविश्वास के साथ पूरा करने के लिए अपनी ऊर्जा को बुद्धिमानी से लगाएं।

वृश्चिक (तो, ना, नी, ने, नू, नो, या, यी, यु)
आज का दिन आपके लिए व्यस्त रहने की संभावना है क्योंकि आपकी उपस्थिति अलग अलग दिशाओं में वांछनीय होगी, हालांकि आपके व्यवसायिक विकास के लिए आप अपने से अधिक समय समर्पित करने की कोशिश करें। ऑनलाइन परीक्षाओं या प्रमाणपत्र के लिए ऑनलाइन कुछ मार्गदर्शन की तलाश करें।

धनु (ये, यो, भा, भी, भू, धा, फा, ढा, भे)
सूर्य के कर्क राशि में होने से आपका दिन भावनात्मक रूप से सहायक हो सकता है, जबकि मेष राशि में चंद्रमा आपको साहसपूर्वक कार्य करने का साहस देता है। आपकी रचनात्मकता उभर कर सामने आती है, हालाँकि शुक्र वर्ग मंगल के कारण भावनाएँ बदल सकती हैं। पढ़ाई में, आपकी गर्मजोशी टीमवर्क को बढ़ावा देती है।

मकर (भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी)
आप कुछ मिलनसार नए लोगों या विदेशी प्रतिनिधियों से आज के दिन मिल सकते हैं। स्वतंत्र रूप से उन लोगों के साथ संपर्क करें और जितनी उपयोगी जानकारी इकट्ठा कर सके करें क्योंकि यह आपकी परियोजना के पूरा होने में आप के लिए बहुत मददगार साबित होगा। किसी भी विचलित करने वाले प्रतिद्वंद्वी से परेशान न हो जो की आपके करियर सहकर्मी ने आपके लिए बनाया हो।

कुंभ (गू, गे, गो, सा, सी, सू, से, सो, दा)
आज आपका कार्य जीवन गंभीर लग सकता है, जिससे आपको व्यावहारिक दृष्टिकोण अपनाने की आवश्यकता है। आत्मविश्वास आपकी महत्वाकांक्षाओं का समर्थन करता है, जबकि जिज्ञासा आपको नए अवसरों की ओर ले जाती है। फिर भी, कार्यों या लोगों से अवास्तविक अपेक्षाएँ रखने से बचें। अपने पैर जमीन पर रखें।

मीन (दी, दू, थ, झ, ञ, दे, दो, चा, ची)
आज आपकी महत्वाकांक्षाओं को एक मजबूत बढ़ावा मिलेगा, और आप अपने करियर या पढ़ाई में साहसिक कदम उठाने के लिए तैयार हैं। नए विचार आसानी से आते हैं, और सकारात्मक बातचीत से समर्थन मिलता है, खासकर महिलाओं से। बदलाव क्षितिज पर हो सकते हैं, इसलिए उनका आत्मविश्वास के साथ स्वागत करें।

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र

शेख हसीना को बांग्लादेश को नहीं सौंपा तो क्या होगा?

ढाका, 17 नवंबर (एजेंसियां)। बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना को 'मानवता के खिलाफ अपराध' का दोषी पाया गया है। सोमवार को बांग्लादेश की इंटरनेशनल क्राइम्स ट्रिब्यूनल यानी आईसीटी ने हसीना को फांसी की सजा सुनाई। वह पिछले साल ढाका छोड़कर भारत आई थीं और पिछले 15 महीनों से दिल्ली के एक सेफ हाउस में रह रही हैं।

क्या अब भारत शेख हसीना को वापस बांग्लादेश को सौंप देगा, अगर नहीं दिया तो क्या होगा, शेख हसीना के पास क्या रास्ते हैं

क्या भारत को बांग्लादेशी ट्रिब्यूनल का फैसला मानना कानूनी मजबूरी है?

आईसीटी के फैसले के बाद बांग्लादेश के विदेश मंत्रालय ने बयान जारी कर भारत से शेख हसीना को सौंपने की अपील की है। भारत और बांग्लादेश के बीच 2013 में एक्स्ट्रडिशन ट्रीटी साइन हुई थी, जिसमें दोनों देशों के बीच अपराधियों के एक्सचेंज की शर्तें हैं। इसके तहत किसी अपराधी को प्रत्यार्पित तभी किया जाएगा, जब

अगर अपराध दोनों देशों में अपराध माना जाए

कम से कम 1 साल की सजा मिली हो

आरोपी पर अरेस्ट वारंट हो

इसी आधार पर भारत ने 2020 में शेख मुजीबुर्रहमान की हत्या के दो दोषियों को बांग्लादेश भेजा था। हालांकि इस ट्रीटी के बावजूद शेख हसीना को वापस ना लौटाने के दो रास्ते हैं

मुकदमा राजनीति से प्रेरित है

ट्रीटी के आर्टिकल 6 के मुताबिक अगर अपराध राजनीतिक माना जाए, तो भारत प्रत्यर्पण से इनकार कर सकता है। हालांकि हत्या, नरसंहार, मानवता के खिलाफ अपराध इस क्लॉज से बाहर रखे गए हैं। आईसीटी में हसीना पर इन्हीं गंभीर आरोपों में अपराध तय हुए हैं। इसलिए भारत यह नहीं कह सकता कि पूरा मामला राजनीतिक है।

मुकदमा ईमानदारी से नहीं चला

ट्रीटी के आर्टिकल 8 के तहत अगर आरोपी की जान को खतरा हो, उसे निष्पक्ष ट्रायल नहीं मिला हो या ट्रिब्यूनल का उद्देश्य न्याय नहीं, बल्कि राजनीतिक हो, तो भारत प्रत्यर्पण से मना कर सकता है। भारत यह सब आसानी से दिखा सकता है, क्योंकि-

ट्रिब्यूनल के गठन, जजों की नियुक्ति और प्रक्रिया पर यूएन ने पहले ही सवाल उठाए हैं।

हसीना को अपना पक्ष रखने के लिए वकील नहीं मिला।

कई रिपोर्ट्स के मुताबिक जजों पर सरकारी दबाव था।

1400 मौतों की जांच पर अंतरराष्ट्रीय संगठन चिंता जता चुके हैं।

हसीना खुद लगातार पॉलिटिकल बदले का आरोप लगा रही हैं।

भारत के पूर्व डिप्लोमैट अजय बिसारिया के मुताबिक, 'भारत किसी भी हाल में शेख हसीना को बांग्लादेश को नहीं लौटाएगा। भारत ने उन्हें राजनीतिक शरण दी है। एशिया में हसीना के लिए सबसे सुरक्षित भारत ही है। अगर वो हसीना को वापस भेजता है तो बांग्लादेश में अस्थिरता बढ़ जाएगी जो ज्यादा खतरनाक होगी।'

भारत के विदेश मंत्रालय ने आईसीटी का फैसला आने के बाद बयान जारी कर कहा है, 'पड़ोसी के रूप में, भारत बांग्लादेश के लोगों की भलाई ही चाहता है। साथ ही देश में शांति, लोकतंत्र और स्थिरता के लिए प्रतिबद्ध है। हम इस दिशा में सभी हितधारकों के साथ जुड़े रहेंगे।'

अगर भारत शेख हसीना को लौटाने से मना कर देता है, तो क्या होगा?

इस स्थिति में दो सिनेरियो बन सकते हैं

बांग्लादेश से रिश्ते खराब होंगे, कूटनीतिक दबाव रहेगा

ढाका लगातार कह सकता है कि भारत हमारे न्यायिक फैसले का सम्मान नहीं कर रहा। कूटनीतिक बयानबाजी बढ़ेगी, लेकिन रिश्ते टूटना मुश्किल है, क्योंकि व्यापार, ऊर्जा सप्लाई जैसी कई चीजों पर बांग्लादेश अब भी भारत पर निर्भर है।

तनाव बढ़कर 'स्ट्रैटजिक शिफ्ट' की तरफ जा सकता है

यह भारत के लिए सबसे खतरनाक स्थिति होगी। अगर ढाका चीन-पाकिस्तान से और नजदीकी बढ़ाता है। पहले ही पाकिस्तान का युद्धपोत बांग्लादेश पहुंच चुका है। यूनुस 'ग्रेटर बांग्लादेश' मैप हाथ में लेकर

खड़े दिखे और भारत-बांग्लादेश ट्रेड वॉर जैसे हालात बन गए थे। यह भारत को पूर्वोत्तर से लेकर बंगाल की खाड़ी तक असुरक्षित बना देगा। एक्सपर्ट्स मानते हैं कि भारत के लिए सबसे सुरक्षित विकल्प शेख हसीना को किसी तीसरे देश भेजना है। इससे हसीना सुरक्षित रहेंगी और भारत-ढाका का सीधा टकराव नहीं होगा। यूएइ, यूके, कनाडा, नीदरलैंड्स जैसे कुछ संभावित देश हैं। हालांकि एक सवाल ये भी है कि क्या इस वक्त ये देश शेख हसीना को पनाह देंगे?

बांग्लादेश लौटने के सवाल पर शेख हसीना क्या संकेत दे रही हैं? शेख हसीना अगस्त 2024 में बांग्लादेश छोड़कर भारत आई थीं। उनका कहना था कि हिंसक भीड़ पीएम आवास में घुस गई थी और उन्हें जान का खतरा था। हाल के इंटरव्यू से उनके तीन अलग-अलग टोन दिखाई देते हैं

आईसीटी का ट्रायल झूठा तमाशा

मीडिया को दिए कई बयानों में हसीना ने अपने ऊपर लगे आरोपों को सिरे से खारिज किया और आईसीटी के बारे में कहा है, 'ये कंगारू ट्रिब्यूनल है, जिसे मेरे विरोधी चला रहे हैं।'

एक दूसरे इंटरव्यू में उन्होंने कार्रवाई को राजनीतिक बदला बताते हुए कहा है, 'मेरे खिलाफ चल रहा मुकदमा झूठा तमाशा है। यह पूरी तरह राजनीतिक बदले की कार्रवाई है। मैं ट्रायल में न तो अपनी सफाई पेश कर सकी और न ही अपने वकील नियुक्त कर सकी।'

ट्रिब्यूनल का फैसला आने से पहले हसीना ने एक ऑडियो संदेश जारी करते हुए कहा, 'मेरी जिंदगी अल्लाह ने दी है और वही उसे लेगा। मैं जिंदा हूं और जिंदा रहूंगी।'

आईसीसी में केस चलाना है तो चलाओ, मैं तैयार हूं

शेख हसीना कह चुकी है कि ट्रिब्यून की कार्रवाई निष्पक्ष नहीं है। उन्होंने यूनुस सरकार से कहा, 'सरकार सच में ईमानदार है, तो मुझ पर इंटरनेशनल क्रिमिनल कोर्ट यानी आईसीसी में केस करें।'

'लौटूंगी, पर तभी जब लोकतंत्र लौटे'

हसीना ने कहा है वो बांग्लादेश लौटेंगी, लेकिन कुछ शर्तों पर- बांग्लादेश में चुनाव निष्पक्ष हों, अवामी लीग पर से बैन हटे, राजनीतिक बदले की कार्रवाई बंद हो। इसके अलावा उन्होंने यह भी कहा- अगर चुनाव में उनकी पार्टी को शामिल नहीं किया गया तो बांग्लादेश नहीं लौटेंगी, फिर चाहे किसी की भी सरकार बने।

हसीना को आखिर किन आरोपों में सजा मिली?

शेख हसीना पर 5 आरोप लगाए गए थे

आरोप-1: हत्या, हत्या की कोशिश, यातना देना। चार्जशीट के मुताबिक हसीना ने पुलिस और अवामी लीग को आम नागरिकों पर हमला करने के लिए उकसाया और हिंसा रोकने में नाकाम रहीं।

आरोप-2: हसीना ने छात्र प्रदर्शनकारियों को दबाने के लिए घातक हथियार, हेलिकॉप्टर और ड्रोन इस्तेमाल करने का आदेश दिया।

आरोप-3: ये आरोप 16 जुलाई को बेगम रौकेया यूनिवर्सिटी के छात्र अबू सैयद की हत्या से जुड़ा है। इसमें कहा गया है कि हसीना और अन्य ने इस हत्या के आदेश दिए, इसके लिए साजिश रची और अपराध में शामिल रहे।

आरोप-4: 5 अगस्त को ढाका के चांखारपुल में छह निहत्थे प्रदर्शनकारियों की हत्या कर दी गई। यह भी कहा गया है कि यह हत्या हसीना के सीधे आदेश, उकसावे, मदद, साजिश की वजह से हुई।

आरोप-5: इस आरोप में 5 प्रदर्शनकारियों को गोली मारकर हत्या करने और एक को घायल करने की बात है। आरोप है कि उन 5 मारे गए लोगों की लाशें जला दी गईं, और एक प्रदर्शनकारी को जिंदा जला दिया गया। इंटरनेशनल क्राइम्स ट्रिब्यूनल ने 5 में से दो मामले (हत्या के लिए उकसाने और हत्या का आदेश देने के लिए) मौत की सजा दी। वहीं, बाकी मामलों में उन्हें उम्रकैद की सजा सुनाई गई। ट्रिब्यूनल ने दूसरे आरोपी पूर्व गृह मंत्री असदुज्जमान खान को भी 12 लोगों की हत्या का दोषी माना और फांसी की सजा सुनाई।

वहीं, तीसरे आरोपी पूर्व आईजीपी अब्दुल्ला अल-ममून को 5 साल के जेल की सजा सुनाई। ममून सरकारी गवाह बन चुके हैं। कोर्ट ने हसीना और असदुज्जमान कमाल की प्रॉपर्टी जब्त करने का आदेश दिया है। सजा का ऐलान होते ही कोर्ट रूम में मौजूद लोगों ने तालियां बजाईं।

अब शेख हसीना के पास क्या विकल्प मौजूद हैं?

बांग्लादेश आईसीटी से सजा के बाद शेख हसीना के पास अभी भी कई कानूनी और राजनीतिक रास्ते मौजूद हैं-

कानूनी ऑप्शन: शेख हसीना ट्रिब्यूनल के फैसले को बांग्लादेश की ऊपरी अदालत में चुनौती दे सकती हैं। वे सबूतों की दोबारा जांच और अनफेयर ट्रायल का हवाला देकर रिव्यू करने की मांग कर सकती हैं। हसीना निष्पक्ष ट्रायल न होने को लेकर अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार संगठनों या कानूनी संस्थाओं में शिकायत कर सकती हैं। ये संस्थाएं सीधे किसी देश की अदालत के फैसले को रद्द नहीं कर सकतीं, लेकिन फेयर ट्रायल के लिए दबाव जरूर बना सकती हैं।

पॉलिटिकल ऑप्शन: हसीना भारत या किसी और देश में 'उनके जान को खतरा है' का हवाला देकर शरण या सुरक्षा मांग सकती हैं। उनकी पार्टी अवामी लीग और अंतरराष्ट्रीय समर्थक दूसरे देशों पर दबाव बना सकते हैं ताकि बांग्लादेश पर ट्रायल को लेकर सवाल उठाए जाएं या सजा को रोकने की मांग की जाए। अवामी लीग देश में जन समर्थन जुटाकर यूनुस सरकार पर सजा में नरमी बरतने या कोई समझौता करने का दबाव बना सकती है।

क्या यूएन या आईसीसी इस मामले में भूमिका निभा सकते हैं?

संयुक्त राष्ट्र और आईसीसी का इस मामले में रोल सीमित है। यूएन सीधे किसी कोर्ट का फैसला रद्द नहीं कर सकता, लेकिन वो मानवाधिकार उल्लंघन की जांच कर सकता है। फेयर ट्रायल पर सवाल उठा सकता है या फिर केस आईसीसी को रेफर कर सकता है। हसीना खुद भी आईसीसी में केस के लिए तैयार हैं। अगर आईसीसी को ट्रायल में गड़बड़ियां दिखती हैं तो भारत उस फैसले को आधार बनाकर हसीना को वापस लौटाने से मना कर सकता है।

बाबूलाल मरांडी ने एनआइए को लिखी चिट्ठी

पूर्व डीजीपी अनुराग गुप्ता और गैंगस्टर सुजीत सिन्हा पर गठजोड़ का आरोप, कहा- करें विस्तृत जांच

रांची, 17 नवंबर (एजेंसियां)। पूर्व मुख्यमंत्री और वर्तमान में नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने पूर्व डीजीपी अनुराग गुप्ता और कुख्यात गैंगस्टर सुजीत सिन्हा गिरोह के बीच कथित साठगांठ की राष्ट्रीय स्तर पर जांच की मांग की है। उन्होंने राष्ट्रीय जांच एजेंसी को एक विस्तृत पत्र भेजा है।

पत्र में आरोप लगाया है कि सुजीत सिन्हा गिरोह वर्षों से हत्या, ठेकेदारों-व्यवसायियों से वसूली, ट्रांसपोर्टरों, डॉक्टरों और वकीलों को धमकाने तथा अवैध हथियारों के व्यापार में लिप्त रहा है।

यह गिरोह कोयलांचल शांति समिति नाम के एक मुखौटा संगठन के तहत संचालित होता है। जिसके शुरू होने और काम करने में पूर्व डीजीपी के कथित हस्तक्षेप की बात सामने आई है।

पत्र में कहा कि गिरोह को चलाने में केवल अपराधियों की भूमिका नहीं, बल्कि उच्चस्तरीय संरक्षण का भी संदेह है। यह

राज्य की पुलिस व्यवस्था पर गंभीर सवाल उठाता है।

पाकिस्तान से सुजीत सिन्हा खरीदता था हथियार

पत्र में दावा किया है कि सुजीत सिन्हा गिरोह पंजाब के मोगा जिले में ड्रोन द्वारा गिराए गए हथियारों की खरीद कर रहा था। ये हथियार सीधे पाकिस्तान से भेजे जा रहे थे। उन्होंने कहा कि यह गतिविधि किसी छोटे आपराधिक गिरोह की नहीं, बल्कि अंतरराष्ट्रीय नेटवर्क वाली तस्करी का संकेत देती है।

गिरोह का संबंध प्रिंस खान नामक अपराधी से होने के भी आरोप हैं, जो पहले से अंतरराष्ट्रीय संगठित अपराध और राष्ट्रविरोधी गतिविधियों में शामिल बताया गया है।

रांची पुलिस द्वारा हाल में गैंगस्टर सुजीत सिन्हा की पत्नी रिया सिन्हा की गिरफ्तारी और उसके मोबाइल से प्राप्त डेटा के आधार पर बाबूलाल मरांडी ने यह भी कहा कि पूर्व डीजीपी अनुराग गुप्ता के साथ उसके सीधे संपर्क के कई संदिग्ध संकेत मिले हैं। इससे हथियार तस्करी और पुलिस-गिरोह गठजोड़ की परतें और गहरी होती दिखती हैं।

बाबूलाल मरांडी ने आरोप लगाया कि कोयलांचल शांति समिति (केएसएस) बनने और उसके काम करने में पूर्व डीजीपी अनुराग गुप्ता की सीधी भूमिका रही है। उनका कहना है कि केएसएस का पूरा ढांचा उगाही को संस्थागत स्वरूप देने के लिए तैयार किया गया। गिरोह द्वारा वसूली गई राशि का एक निश्चित हिस्सा पूर्व डीजीपी तक पहुंचता था। मरांडी ने यह गंभीर आरोप भी लगाया है कि पुलिस-गिरोह गठजोड़ का उद्देश्य झारखंड में भारतमाला परियोजना क्षेत्र पर आपराधिक नियंत्रण स्थापित करना था, ताकि ठेकों और निर्माण कार्यों पर उगाही-कार्टल जैसी स्थिति कायम की जा सके।

पूर्व मुख्यमंत्री ने पत्र में अमन साहू मुठभेड़ को भी संदिग्ध बताते हुए दावा किया है कि यह घटना सुजीत सिन्हा गिरोह के लिए प्रतिस्पर्धा खत्म करने के उद्देश्य से योजनाबद्ध तरीके से कराई गई। उन्होंने कहा कि रिया सिन्हा और पूर्व डीजीपी के बीच चैट रिकॉर्ड को कुछ पुलिस अधिकारियों द्वारा दबाने की कोशिश की गई, जो न्याय में बाधा डालने और प्रभावशाली व्यक्तियों को बचाने की कोशिश है। उन्होंने एनआइए से रिया सिन्हा और अनुराग गुप्ता के बीच पूरी डिजिटल बातचीत का फोरेंसिक विश्लेषण, केएसएस की गतिविधियों, हथियारों के अंतरराष्ट्रीय स्मगलिंग, भारतमाला परियोजना में गिरोह की भूमिका तथा अमन साहू मुठभेड़ से जुड़े सभी पहलुओं की गहन और निष्पक्ष जांच की मांग की है।

हाथियों ने महिला को कुचला, मौत

गांव में कई घरों में किया तोड़फोड़, ग्रामीणों ने मुआवजे की मांग पर सड़क किया जाम

रामगढ़, 17 नवंबर (एजेंसियां)। रामगढ़ जिले के जगेश्वर ओपी क्षेत्र स्थित खरकंडा गांव में हाथियों के झुंड ने उत्पात मचाया। इस दौरान हाथियों ने एक 45 वर्षीय महिला सांझो देवी को कुचलकर मार डाला। हाथियों ने गांव के कई घरों में भी तोड़फोड़ की। यह घटना रविवार देर रात की है, जब बोकारो जिले से सटे रामगढ़ के खरकंडा गांव में हाथियों का एक बड़ा झुंड घुस आया। हाथियों ने घंटों तक गांव में जमकर उत्पात मचाया, जिससे ग्रामीण दहशत में आ गए। हाथियों के उत्पात को देखते हुए ग्रामीण अपनी जान बचाने के लिए घरों की छतों पर चढ़ गए। घटना की सूचना तत्काल वन विभाग को दी गई, जिसके बाद टीम मौके पर पहुंची। हालांकि, हाथियों ने घरों को तोड़कर अंदर रखे धान और अन्य खाद्य सामग्री को खा लिया।

भिलाई गोलीकांड: झारखंड से बुलाए गए थे 3 शूटर

मास्टरमाइंड ने भाई की मौत का बदला लेने चलवाई गोली, लेकिन अंधेरे में चूक गया निशाना

दुर्ग-भिलाई, 17 नवंबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के दुर्ग जिले में भिलाई गोलीकांड केस में पुलिस ने मास्टरमाइंड करण साव को पकड़ा है। करण साव ने विकास प्रजापति की सुपारी झारखंड के 3 शूटर्स को दी थी। आरोप है कि करण के कहने पर शूटर ने फायरिंग की, लेकिन विकास की जान बच गई। मामला जामुल थाना क्षेत्र का है।

जानकारी के मुताबिक, शूटर्स ने साजिश के तहत विकास को डेकोरेशन के लिए ऑर्डर देने के बहाने से बुलाया था। इसके बाद 3 नकाबपोश शूटर्स ने फायरिंग की थी। वहीं फायरिंग स्पॉट पर खाली खोखे मिले थे, जिसे पुलिस ने बरामद किया है। फिलहाल जामुल पुलिस झारखंड के शूटर्स की तलाश में जुटी है।

दरअसल, 22 जनवरी 2024 को गाड़ी टकराने के विवाद में 12वीं के छात्र शिवम साव (17) की चाकू मारकर हत्या कर दी गई थी। शिवम साव करण साव का चचेरा भाई था। इस हत्या के मामले में विकास प्रजापति का चचेरा भाई राहुल प्रजापति अभी जेल में बंद है।

शिवम की हत्या के बाद से करण साव गुस्से में था। खून का बदला खून से लेना चाहता था। शिवम की मौत का बदला लेने के लिए झारखंड के शूटर्स हायर किए। शूटर्स ने साजिश के तहत विकास प्रजापति को फोन किया और अंधेरे इलाके में बुलाया। इसके बाद अंधाधुंध फायरिंग की।

वहीं पीड़ित विकास प्रजापति के भाई गंगाधर प्रजापति ने बताया कि वह लोग जामुल के कैंप-2 में रहते हैं। विकास पर पुरानी रंजिश में फायरिंग की गई है। करण ने खून का बदला खून से लेने के लिए गोली चलवाई है। करण अपने भाई की मौत का बदला लेना चाहता है।

गंगाधर प्रजापति ने बताया कि सालभर पहले करण साव के नाबालिग भाई की मौत हो गई थी, उसी रंजिश में फायरिंग की गई है। इसके बाद नाबालिग के परिजनों ने धमकी दी थी कि हमारे घर का चिराग बुझा है तो तुम्हारे घर का भी एक चिराग बुझेगा।

पुलिस के मुताबिक मास्टरमाइंड करण साव ने पूछताछ में स्वीकार किया है कि 14 नंवबर को उसने शूटर्स से फायरिंग कराई है। हालांकि अंधेरे की वजह से निशाना नहीं लगा। फायरिंग में विकास प्रजापति बच गया। उसके कान को छूकर गोली निकल गई।

फायरिंग के बाद शूटर्स अंधेरे का फायदा उठाकर भाग गए। वहीं करण साव के कबूलनामे के बाद पुलिस एक्टिव हो गई है।

दिल्ली ब्लास्ट-आतंकी उमर का श्रीनगर से एक और साथी गिरफ्तार

ड्रोन-रॉकेट बनाता, टेक्निकल सपोर्ट देता था दिल्ली वाले आमिर ने आईईडी बनाने में मदद की

नई दिल्ली, 17 नवंबर (एजेंसियां)। दिल्ली ब्लास्ट मामले में एनआइए ने जम्मू-कश्मीर के श्रीनगर से आतंकी उमर के एक और साथी जसीर बिलाल वानी उर्फ दानिश को गिरफ्तार किया। आरोप है कि जसीर आतंकी उमर को टेक्निकल सपोर्ट देता था। विस्फोट के लिए ड्रोन मॉडिफाई करता था और रॉकेट बनाने की भी कोशिश की थी।

एनआइए के मुताबिक जसीर आतंकी उमर का प्रमुख सहयोगी है। वह अनंतनाग के काजीकुंड का रहने वाला है। दिल्ली ब्लास्ट में इसकी सक्रिय भूमिका रही है। डॉ. उमर के साथ मिलकर ब्लास्ट की प्लानिंग में शामिल था।

वहीं दिल्ली से गिरफ्तार आमिर राशिद अली को लेकर खुलासा हुआ है कि ब्लास्ट से पहले उसने उमर को सेफ हाउस (सुरक्षित ठिकाने) उपलब्ध कराए, आईईडी बनाने में भी मदद की थी। ये दलील सोमवार को एनआइए ने स्पेशल एनआइए कोर्ट में आमिर की कस्टडी पाने के लिए दीं।

रविवार को दिल्ली से गिरफ्तार आमिर को आज कोर्ट में पेश किया गया था। पूरी सुनवाई बंद कमरे में हुई। यहां केवल मामले से जुड़े अधिकारी और वकील मौजूद रहे। एनआइए ने लंबी हिरासत की डिमांड की थी। दिल्ली ब्लास्ट में इस्तेमाल कार आमिर के ही नाम है।

इस ब्लास्ट में सुरक्षा एजेंसियों को शू बम के इस्तेमाल का शक है। सूत्रों के मुताबिक जांच एजेंसियों को विस्फोट वाली कार से एक जूता मिला है।

इसकी जांच में अमोनियम नाइट्रेट और टीएटीपी के ट्रेस मिले, जिन्हें शुरुआती सुराग माना जा रहा है।

टीएटीपी एक बेहद खतरनाक और सेंसिटिव विस्फोटक माना जाता है, जिसे आतंकी अक्सर इस्तेमाल करते हैं। यह मामूली झटके, रगड़ या थोड़ी सी गर्मी से भी फट सकता है। इसी वजह से इसे आतंकी दुनिया में 'Mother of Satan' यानी 'शैतान की मां' कहा जाता है।

एनआइए ने रविवार को बताया कि कार चला रहा डॉ. उमर नबी एक आत्मघाती हमलावर (सुसाइड बॉम्बर) था। यह पहली बार है, जब किसी सुरक्षा एजेंसी ने ऑफिशियल तौर पर इसकी पुष्टि की है। इससे यह तय हो गया है कि ब्लास्ट सुसाइड अटैक ही था। 10 नवंबर को दिल्ली धमाके में 15 लोगों की मौत हुई है, 20 से ज्यादा लोग जख्मी हैं।

शराब घोटाला: सुप्रीम कोर्ट से ईडी को फटकार

कोर्ट ने पूछा-लखमा के खिलाफ कौन-सी जांच है, जो पूरी नहीं हो रही, इनवेस्टिगेशन अफसर एफिडेविट में बताए

रायपुर, 17 नवंबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ शराब घोटाला केस में सुप्रीम कोर्ट ने प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) को कड़ी फटकार लगाई है। सुप्रीम कोर्ट ने ईडी से पूछा कि ऐसी कौन-सी जांच बची है, जो अभी तक पूरी नहीं हो पाई है। इस जांच को पूरा करने के लिए कितने समय की जरूरत है।

सुप्रीम कोर्ट ने सुनवाई के दौरान ईडी से पूछा कि एक तरफ कहते हो कि शराब घोटाले के आरोपियों को बेल नहीं देनी है, दूसरी तरफ कहते हो कि हम जांच कर रहे हैं। तो ऐसी कौन-सी जांच है, जो अभी तक चल रही है।

सुप्रीम कोर्ट ने ईडी को आदेश

दिया है कि जांच अधिकारी अपना पर्सनल एफिडेविट दाखिल करें, जिसमें यह स्पष्ट किया जाए कि पूर्व मंत्री कवासी लखमा के खिलाफ अभी कौन-सी जांच चल रही है। इस जांच को पूरा करने के लिए कितने समय की जरूरत है।

ईडी ने पूर्व आबकारी मंत्री कवासी लखमा को 15 जनवरी 2025 को गिरफ्तार किया था, फिर ईओडब्ल्यू ने भी गिरफ्तारी की। कवासी लखमा 10 महीने से जेल में बंद हैं। लखमा की तबीयत बिगड़ गई है।

कांग्रेस ने कहा कि जल्द से जल्द कवासी लखमा का इलाज कराया जाए।

वहीं, सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को छत्तीसगढ़ के शराब घोटाले मामले में आबकारी विभाग के अधिकारियों को पहले दी गई अंतरिम गिरफ्तारी सुरक्षा को स्थायी कर दिया। कोर्ट ने यह आदेश उन मामलों की सुनवाई के दौरान दिया, जिनमें अधिकारियों पर मनी लॉन्ड्रिंग और भ्रष्टाचार के आरोप हैं।

जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमल्या बागची की पीठ ने यह फैसला सीनियर एडवोकेट एस. नागमुथु और सिद्धार्थ अग्रवाल (याचिकाकर्ताओं की ओर से) और सीनियर एडवोकेट महेश जेठमलानी और एएसजी एस.डी. संजय (राज्य और ईडी की ओर से) की दलीलें सुनने के बाद सुनाया।

6 करोड़ का यूपी-एमपी-ओडिशा का धान जब्त

रायपुर, 17 नवंबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ में 15 नवंबर से समर्थन मूल्य पर धान खरीदी की शुरुआत हो चुकी है। इसी दौरान, प्रशासन ने अवैध रूप से दूसरे राज्यों से लाए जा रहे धान पर कार्रवाई की। 1 नवंबर से 16 नवंबर तक अभियान चलाकर पूरे प्रदेश में कुल 19,320 क्विंटल धान जब्त किया गया, जिसकी कीमत 6 करोड़ रुपए आंकी गई है। तस्करों ने यूपी, एमपी और ओडिशा से धान लाया था, जिसे टास्क फोर्स ने घेराबंदी कर पकड़ा। सबसे ज्यादा महासमुंद में 4,266 क्विंटल धान जब्त किया गया है। जबकि दूसरे नंबर पर बलरामपुर है। जहां से 4,139 क्विंटल धान जब्त किया गया है। 15 नवंबर की तड़के सुबह साढ़े 3 बजे, पुलिस टीम ने साढ़े 4 किलोमीटर तक पीछा कर अवैध धान की गाड़ी रोकी। जांच में दोनों वाहनों से लगभग 200 बोरी अवैध धान बरामद हुआ।

झारखंड में नवंबर में ही कड़ाके की ठंड

मैक्लुस्कीगंज 6 डिग्री पर, 11 जिलों में शीतलहर का यलो अलर्ट

रांची, 17 नवंबर (एजेंसियां)। हिमालयी क्षेत्रों में लगातार हो रही बर्फबारी का असर अब झारखंड में साफ दिखने लगा है। जिस तापमान की दस्तक आमतौर पर दिसंबर के दूसरे सप्ताह में होती थी, वह इस बार नवंबर की शुरुआत से ही महसूस की जा रही है।

राज्य के कई जिलों में पारा 10 डिग्री सेल्सियस से नीचे चला गया है, जिससे सर्दी का प्रकोप बढ़ गया है। राजधानी रांची की तुलना में आस-पास के इलाकों में ठिठुरन ज्यादा महसूस की जा रही है। खास तौर पर मैक्लुस्कीगंज में हालात और सख्त हैं। यहां रविवार को लगातार दूसरे दिन रात का न्यूनतम तापमान 6 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। मौसम विभाग, रांची केंद्र के अनुसार इस बार ठंड का असर जल्द शुरू हुआ है और कुछ दिनों तक इसी तरह बने रहने की संभावना है।

बंदूकें छोड़ चुके पूर्व नक्सलियों के पंडुम कैफ़े में लीजिये स्वाद का मजा

सीएम साय ने किया उद्घाटन

रायपुर, 17 नवंबर (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने बस्तर में सामाजिक आर्थिक बदलाव के नए अध्याय की शुरुआत करते हुए आज जगदलपुर में 'पंडुम कैफ़े'का शुभारंभ किया। यह कैफ़े नक्सली हिंसा के पीड़ितों और समर्पण कर चुके सदस्यों के पुनर्वास हेतु छत्तीसगढ़ सरकार की एक महत्वपूर्ण पहल है, जिसने हिंसा का मार्ग छोड़कर मुख्यधारा में लौटने वालों को सम्मानजनक और स्थायी आजीविका प्रदान करने की दिशा में मजबूत कदम बढ़ाया है। यह अनूठी पहल संघर्ष से सहयोग तक के प्रेरणादायक सफर को दर्शाती है।'पंडुम कैफ़े'जगदलपुर के पुलिस लाइन परिसर में स्थित है।

मुख्यमंत्री साय ने पंडुम कैफे में कार्यरत नारायणपुर की फगनी, सुकमा की पुष्पा ठाकुर, बीरेंद्र ठाकुर, बस्तर की आशमती और प्रेमिला बघेल के साथ सौहार्दपूर्ण बातचीत की। उन्होंने नई शुरुआत के लिए उनका हौसला बढ़ाया और 'पंडुम कैफ़े' के बेहतर संचालन के लिए बधाई एवं शुभकामनाएं भी दी। मुख्यमंत्री

विष्णु देव साय ने कहा कि पंडुम कैफ़े का शुभारंभ बस्तर क्षेत्र में नक्सलवाद के उन्मूलन की दिशा में हो रहे सकारात्मक परिवर्तन का एक प्रेरक प्रतीक है। मुख्यमंत्री ने साय ने कहा कि पंडुम कैफे आशा, प्रगति और शांति का उज्ज्वल प्रतीक है। कैफे में कार्यरत युवा, जो नक्सली हिंसा के पीड़ित तथा हिंसा का मार्ग छोड़ चुके सदस्य हैं, अब शांति के पथ पर अग्रसर हो चुके हैं।

तुर्की पर भारत का बहुत बड़ा कर्ज

सौ जन्म में नहीं उतार पाएगा, फिर ऐसी दुश्मनी क्यों

नई दिल्ली, 17 नवंबर (एजेंसियां)। ऑपरेशन सिंदूर के दौरान तुर्की ने पाकिस्तान जिस तरह से खुलकर समर्थन किया था, उससे जाहिर हो गया था कि तुर्की अब भारत से खुलकर दुश्मनी निभाने लगा है। संयुक्त राष्ट्र में कश्मीर पर पाकिस्तान के साथ दोस्ती की पींगे बढ़ा रहे तुर्की ने अमेरिका से आ रहे एएच-64ई अपाचे हेलिकॉप्टरों की डिलीवरी में अड़ंगा लगा दिया।

तुर्की ने हेलिकॉप्टर ला रहे मालवाहक जहाज को अपने एयरस्पेस से उड़ान भरने की इजाजत नहीं दी। जिससे यह कार्गो वापस अमेरिका लौट गया। इसके अलावा, हाल ही में दिल्ली लालकिला ब्लास्ट मामले में ऐसी खबरें भी आईं कि पाकिस्तान के जैश-ए-मोहम्मद के आतंकियों ने इस धमाके की साजिश तुर्की में ही रची थी। आतंकी उमर और मुजामिल तुर्की गए थे और वहां जैश ए मोहम्मद के हैंडलर्स के भी सबूत मिल रहे हैं।

लंबी तैयारी यह थी कि 26/11 की तरह कई स्थानों पर एक साथ हमला कर दिल्ली को दहलाया जाए। आखिर क्या कारण है कि तुर्की हमारा इतना बड़ा दुश्मन क्यों और कैसे बन गया? इतिहास में झांकें तो 2016-17 में तुर्की में एक विद्रोह हुआ। तुर्की ने तुर्की के धार्मिक नेता फेतुल्लाह गुलान के संगठन को जिम्मेदार ठहराया था, जो अमेरिका में रह रहा था।

तुर्की ने उस वक्त ये आरोप लगाया था कि अमेरिकी खुफिया एजेंसी सीआईए इस संगठन का इस्तेमाल कर तुर्की में तख्तापलट करना चाहती है। ये गुलान मूवमेंट भारत में भी काफी एक्टिव रहा है। तब तुर्की के राष्ट्रपति रेचेप तैय्यप एर्दोगन ने भारत से कहा था कि वो अपने यहां गुलान मूवमेंट के जो भी स्कूल या दफ्तर हैं, उन्हें बंद करवा दे। माना जाता है कि उस वक्त भारत ने तुर्की की अपील अनसुनी कर दी। इसके बाद से ही राष्ट्रपति रेचेप तैय्यप एर्दोगन लगातार कश्मीर का मुद्दा उठा रहे हैं।

भारत और तुर्की के बीच राजनयिक संबंधों की स्थापना 1948 में हुई। मगर, जब अमेरिका और रूस शीतयुद्ध में उलझे तो तुर्की अमेरिका के समर्थन में उतर आया। वहीं, भारत-रूस की गहरी दोस्ती थी, मगर भारत ने गुट निरपेक्षता को अपनाया। इसके बाद से तुर्की पाकिस्तान के करीब आता गया। क्योंकि पाकिस्तान भी अमेरिका का परंपरागत दोस्त बनता गया। भारत में दिल्ली सल्तनत की शुरुआत ही तुर्कों से शुरू हुई थी। चार वंश गुलाम वंश (या मामलुक वंश), खिलजी वंश, तुगलक वंश और सैयद वंश मूल रूप से तुर्क ही थे। यहां तक कि मुगल साम्राज्य की स्थापना करने वाला जहीरूद्दीन मोहम्मद बाबर के खून में भी तुर्की का अंश था। वह अपने पिता की तरफ से तुर्क-मंगोल शासक तैमूर का वंशज और मां की तरफ से मंगोल शासक चंगेज खान का वंशज था। उसका परिवार चग़ताई तुर्क के वंश से था।

साल 1912 में बाल्कन युद्धों के दौरान मशहूर भारतीय स्वतंत्रता सेनानी डॉ. एमए अंसारी के नेतृत्व में तुर्की के लिए चिकित्सा सुविधा मुहैया कराई गई थी। इस भारतीय मिशन ने युद्ध में घायल तुर्की सैनिकों की दिन-रात देखभाल की और उनकी जान बचाई। इसके अलावा, भारत ने 1920 के दशक में तुर्की के स्वतंत्रता संग्राम और तुर्की गणराज्य के गठन में भी सहयोग दिया था। प्रथम विश्व युद्ध के अंत में तुर्की पर हुए अन्याय के खिलाफ महात्मा गांधी ने भी उनका साथ दिया था। 15 अगस्त 1947 को स्वतंत्रता की घोषणा के ठीक बाद तुर्की ने भारत को मान्यता दी और दोनों देशों के बीच राजनयिक संबंध स्थापित हुए। हिंदी और तुर्की भाषाओं में 9,000 से भी अधिक शब्द समान हैं। ऐसा माना जाता है कि जो तुर्क सैनिक बनकर भारत आए थे, उन्होंने 11वीं सदी में एक और आक्रमणकारी गाजी सैयद सालार मसूद का साथ दिया था। महमूद गजनवी के एक सेनापति सालार मसूद इस्लाम को फैलाने के लिए भारत आया। उसने सिंध पर आक्रमण किया और फिर मुल्तान पर जीत हासिल की। मेरठ और कन्नौज से आगे बढ़ने के बाद सैयद सालार मसूद जब आगे बढ़ा तो उसे उत्तर प्रदेश के बहराइच में एक बड़े प्रतिरोध का सामना करना पड़ा। उस वक्त बहराइच के राजा सुहेलदेव ने 1034 में गजनवी सेनापति सैयद सालार मसूद गाजी को हराया और मार डाला। इस कहानी का जिक्र 17वीं शताब्दी के फारसी भाषा की किताब 'मिरात-ए-मसूदी' में किया गया है। हजारों हिंदुओं के कत्ल के लिए ही सालार मसूद को गाजी की उपाधि मिली थी।

दुबई एयरशो में एयर डिफेंस किलर सु-57 जेट की धमाकेदार एंट्री

अमेरिकी एफ-35 और चीनी जे-20 क्यों नहीं कर पाते यह खतरनाक मिशन?

दुबई, 17 नवंबर (एजेंसियां)। रूस का पांचवीं पीढ़ी का स्टील्थ फाइटर जेट एसयू-57 तो भले ही बड़े खरीददार देश नहीं मिल रहे हैं, लेकिन ये लड़ाकू विमान कितना खतरनाक है, इसका अंदाजा इसी बात से लगा सकते हैं कि पश्चिमी देश इसके पार्ट्स की सप्लाई रोकने के लिए काम कर रहे हैं। रूस का ये पांचवीं पीढ़ी का स्टील्थ लड़ाकू विमान, अमेरिकी एफ-35 लाइटनिंग II और चीनी जे-20 माइटी ड्रैगन से कुछ मामलों में जबरदस्त बढ़त बनाए हुए है। ये एंटी-रेडियेशन मिसाइल ले जा सकता है। जी हां, रूस के पांचवीं पीढ़ी के फाइटर जेट सु-57ई की दुबई एयरशो में धमाकेदार एंट्री हो गई है। ये एयरशो आज से शुरू हो रहा है और इस दौरान ये विमान अपनी क्षमताओं का प्रदर्शन करेगा।

दुनिया में पांचवीं पीढ़ी के फाइटर जेट बनाने वाले सिर्फ तीन ही देश हैं, फिर भी रूस अपने सु-57ई को अल्जीरिया के अलावा किसी और देश को नहीं बेच पाया है। जबकि अमेरिकी एफ-35 ज्वाइंट स्ट्राइक फाइटर स्टील्थ विमान को दुनिया भर के 17 से ज्यादा देशों ने खरीदा है और कई देशों की डिलीवरी पाइपलाइन में है। पश्चिमी देशों के डिफेंस एक्सपर्ट्स दावा करते हैं कि सु-57, अमेरिकी एफ-35 के सामने कहीं नहीं ठहरता। इसके अलावा, रूसी स्टील्थ लड़ाकू विमान की तुलना चीनी जे-20 से की जाती है और आलोचक इस बात पर जोर देते हैं, कि कैसे सु-57 उत्पादन संबंधी समस्याओं में उलझा हुआ है, जबकि जे-20 की 300 से ज्यादा इकाइयां पहले से ही सेवा में आ चुकी हैं।

वायुयुद्ध में एयर डिफेंस सिस्टम, रडार और सरफेय टू एयर मिसाइल (एसएएम) काफी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। लेकिन फर्ज कीजिए कि अगर अगर इन्हें युद्ध के शुरूआत में ही ध्वस्त कर दिया जाए तो कैसे आसानी से दुश्मन देश के आसमान पर बढ़त हासिल की जा सकती है।

रूस का ये विमान, इस मिशन को अंजाम देने में माहिर है। एसईएडी मिशन का लक्ष्य दुश्मन के रडार, एयर डिफेंस और मिसाइल सिस्टमों को अस्थायी या आंशिक रूप से बंद कराना होता है। इसमें आमतौर पर एंटी-रेडिएशन मिसाइलें इस्तेमाल होती हैं, जो रडार की तरंगों को ट्रैक करके उसे नष्ट कर देती हैं।

कांगो में खदान ढहने से 80 की मौत

कई लोगों के फंसे होने की आशंका

कांगो, 17 नवंबर (एजेंसियां)। दक्षिण-पूर्वी कांगो लोकतांत्रिक गणराज्य (डीआरसी) में शनिवार को एक खदान ढह गया। हादसे में कम से कम 80 लोगों की मौत हो गई। कई लोगों के मलबे में दबे होने की आशंका है। एक अधिकारी ने रविवार को घटना की जानकारी दी। यह हादसा लुआलाबा प्रांत के मुलोंडो में कलांडो खदान में हुई।

प्रांत के गृह मंत्री रॉय कौम्बा मायोंडे ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान बताया कि भारी बारिश और लैंडस्लाइड के खतरे के कारण खदान में जाने पर बैन लगा था।

इसके बावजूद अवैध माइनिंग करने वाले खदान में जबरन खदान में घुस गए थे।

डीआरसी की सरकारी एजेंसी एसएइएमएपीइ की रिपोर्ट में कहा गया है कि घटनास्थल पर सैनिकों की फायरिंग से माइनिंग करने वालो में दहशत फैल गई और वे खदान के ऊपर पुल की ओर दौड़ पड़े, जिससे पुल ढह गया।

घटना का एक वीडियो भी सामने आया है, जिसमें खदान के नीचे कई लोग खड़े दिखे। अचानक खदान का बड़ा हिस्सा ढह गया और उसके मलबे में कई लोग दब गए।

कई लोग भागने के दौरान एक-दूसरे के ऊपर गिर गए, जिससे उनकी जान गई।

बता दें कि डीआरसी दुनिया में कोबाल्ट का सबसे बड़ा उत्पादक है। कोबाल्ट इलेक्ट्रिक वाहनों और दूसरे प्रोजक्ट के लिए लिथियम-आयन बैटरी बनाने में इस्तेमाल होता है। इस मध्य अफ्रीकी देश में उत्पादन का 80% हिस्सा चीनी कंपनियों के कंट्रोल में है।

देश की खनन इंडस्ट्री लंबे समय से बाल मजदूरी, असुरक्षित परिस्थितियों और भ्रष्टाचार के आरोपों के जूझ रही है।

1400 से अधिक प्राचार्यों का प्रमोशन फिर अटका

शुरू होने वाली ई-संवर्ग की काउंसलिंग स्थगित, डीपीआई ने दावा आपत्ति के लिए समय बढ़ाया

रायपुर, 17 नवंबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ में ई-संवर्ग के 1400 से अधिक प्राचार्यों का प्रमोशन एक बार फिर अटक गया है। रविवार देर रात काउंसलिंग प्रक्रिया को स्थगित कर दिया गया। डीपीआई द्वारा जारी नोटिफिकेशन में बताया गया कि कुछ पदोन्नत प्राचार्यों ने दावा-आपत्ति दर्ज कराने के लिए अतिरिक्त समय मांगा है।

अब 17 से 19 नवंबर 2025 तक दावा-आपत्तियाँ आमंत्रित की जाएंगी। प्राचार्य पदोन्नति प्रक्रिया 30 अप्रैल को पूरी हो चुकी थी, लेकिन न्यायालयीन अड़चन के चलते यह आगे नहीं बढ़ पाई।

हाईकोर्ट में निर्णय आने के बाद मामला स्पष्ट हो गया था और 17 नवंबर से ई-संवर्ग के 1400 से अधिक प्राचार्यों की पोस्टिंग के लिए काउंसलिंग शुरू की जानी थी।

ड्रग ले जा रही बोट पर अमेरिका का हवाई अटैक

75 दिनों में 21वां हमला, अब तक 83 मौतें, ट्रम्प ने उड़ाने का आदेश दिया था

वॉशिंगटन, 17 नवंबर (एजेंसियां)। अमेरिका ने शनिवार को पूर्वी प्रशांत महासागर में एक ड्रग तस्करी करने वाली नाव पर हवाई हमला किया, जिसमें तीन लोग मारे गए। अमेरिकी सेना ने रविवार को यह जानकारी दी।

यह सितंबर की शुरुआत से अब तक अमेरिकी सेना का ड्रग नावों पर किया गया 21वां हमला है। आंकड़ों के अनुसार, इन हमलों में अब तक 83 से अधिक लोग मारे जा चुके हैं। अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो के मुताबिक ये हमले अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प के आदेश पर हो रहे हैं। ट्रम्प प्रशासन ने इन हमलों को अमेरिका में ड्रग्स सप्लाई रोकने के लिए जरूरी कदम बताया। न्याय विभाग ने इन हमलों को सही ठहराया है और कहा गया है कि इन ऑपरेशनों में शामिल अमेरिकी सैनिकों को मुकदमा चलाने से छूट मिलेगी। अमेरिकी दक्षिणी कमान ने रविवार को हमले का वीडियो भी सोशल मीडिया X पर जारी किया। वीडियो में विस्फोट दिख रहा है, जिससे नाव के परखच्चे उड़ गए।

हमले के तुरंत बाद बोट में आग लग गई। मारे गए लोगों की राष्ट्रीयता या पहचान की जानकारी नहीं दी गई। इससे पहले ट्रम्प ने सोशल मीडिया पोस्ट में लिखा था, 'मेरे आदेश पर अमेरिकी सेना ने ड्रग तस्करी करने वाले कार्टेल और नार्को टेररिस्ट पर स्ट्राइक की। ये लोग वेनेजुएला से नशीले पदार्थ अमेरिका की ओर ले जा रहे थे।' अमेरिका ने 10 नवंबर को भी पूर्वी प्रशांत महासागर में दो संदिग्ध नावों पर हवाई हमला किया। अमेरिका के रक्षा सचिव पीट हेगसेथ ने बताया कि ये नाव ड्रग्स लेकर जा रहे थे। इसमें 6 लोग मारे गए थए।

हेगसेथ ने एक्स पर पोस्ट किया कि ये नावें आतंकवादी संगठनों से जुड़ी थीं और कोकीन तस्करी कर रही थीं। अमेरिकी कांग्रेस के सांसदों, मानवाधिकार संगठनों और सहयोगी देशों ने इन हमलों की वैधता पर सवाल उठाए हैं। उनका कहना है कि युद्ध क्षेत्र से बाहर हमले करने का कानूनी आधार साफ नहीं है।

ट्रम्प प्रशासन का कहना है कि उसके पास पूर्ण कानूनी अधिकार हैं। विदेश मंत्री मार्को रूबियो ने रविवार को वेनेजुएला की ड्रग संगठन 'कार्टेल डे लोस सोल्स' को 'विदेशी आतंकवादी संगठन' घोषित किया। इससे अमेरिका में इस ग्रुप को किसी भी तरह की मदद देने वाला अपराधी माना जाएगा। अमेरिकी अधिकारियों ने आरोप लगाया है कि यह संगठन 'ट्रेन डे अरागुआ' नामक अपराधी समूह के साथ मिलकर अमेरिका में नशीले पदार्थ भेजता है।

रूस से व्यापार करने वाले देशों पर प्रतिबंध लगाने का कानून ला रही ट्रंप सरकार

वॉशिंगटन, 17 नवंबर (एजेंसियां)। अमेरिका का ट्रंप प्रशासन जल्द ही एक नया कानून बनाने जा रहा है, जिसके तहत रूस से व्यापार करने वाले देशों पर कड़े प्रतिबंध लगाए जाएंगे। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भी इसे समर्थन दे दिया है। रविवार को मीडिया से बात करते हुए राष्ट्रपति ट्रंप ने बताया कि उनकी पार्टी एक विधेयक लाने जा रही है, जिसके तहत रूस से व्यापार करना किसी भी देश के लिए बेहद मुश्किल हो जाएगा। ट्रंप ने कहा कि 'रूस के व्यापारिक साझेदार देश यूक्रेन युद्ध को वित्तपोषित करने के लिए जिम्मेदार हैं, खासकर रूस से कच्चा तेल और गैस खरीदने वाले देश। ट्रंप ने कहा कि रिपब्लिकन पार्टी ऐसा विधेयक लाने जा रही है, जिसमें रूस से व्यापार करने वाले देशों पर काफी कड़े प्रतिबंधों का प्रावधान है।' रूस से व्यापार करने वाले देशों में भारत और चीन शामिल हैं। ऐसे में अमेरिका के इस नए कानून से भारत की परेशानी बढ़ सकती है। अमेरिका पहले ही भारत पर रूस से तेल खरीदने के लिए अतिरिक्त टैरिफ लगा चुका है। अमेरिका का मानना है कि रूस के यूक्रेन युद्ध को वित्तपोषित करने में भारत और चीन का प्रमुख योगदान है। नए कानून के तहत भारत और चीन के अलावा ईरान की भी परेशानी बढ़ सकती है। एक तरफ अमेरिका रूस से व्यापार करने वाले देशों के खिलाफ कार्रवाई करने की तैयारी कर रहा है। वहीं दूसरी तरफ भारत और रूस के बीच व्यापार लगातार बढ़ रहा है। साल 2030 तक दोनों देशों ने द्विपक्षीय व्यापार को बढ़ाकर 100 अरब डॉलर करने का लक्ष्य तय किया है।

भारत और रूस के बीच इंडिया-यूरेशियन इकॉनोमिक यूनियन मुक्त व्यापार समझौता हो सकता है। ब्लूमबर्ग की एक रिपोर्ट के अनुसार, अगर अमेरिका का यह विधेयक पारित हो जाता है, तो ट्रंप उन देशों से आयात पर 500 प्रतिशत तक शुल्क लगा सकेंगे जो रूस से कच्चा तेल या गैस खरीदते हैं।

मंगेतर की मौत के 1.5 साल बाद मां बनी इजराइली-महिला

पोस्टमॉर्टम स्पर्म रिट्रीवल तकनीक की मदद ली, बोलीं- मैंने वंश खत्म नहीं होने दिया

तेल अवीव, 17 नवंबर (एजेंसियां)। इजराइल में एक महिला ने अपने पार्टनर की मौत के 1.5 साल बाद उसके बच्चे को जन्म दिया।

इसके लिए उसने पोस्टमॉर्टम स्पर्म रिट्रीवल (पीएसआर) तकनीक की मदद ली है। 35 साल की डॉ. हदास लेवी ने 11 जून 2025 को एक बेटे को जन्म दिया। उनके पार्टनर और बच्चे के पिता कैप्टन नेतनेल सिल्बर्ग की 18 दिसंबर 2023 को गाजा में मौत हो गई थी।

लेवी ने बताया कि जब उन्हें अपने मंगेतर की मौत की खबर मिली, तो उनका पहला ख्याल ये था ये सच नहीं हो सकता और दूसरा था कि मैं उसका बच्चा चाहती हूं।

लेवी का कहना है कि अब मैं सुबह उठकर खुशी महसूस कर सकती हूं। यह बच्चा दुश्मन को जवाब है, मैंने अपने परिवार की शाखा को टूटने नहीं दिया।

पीएसआर में मौत के बाद पुरुष के शरीर से स्पर्म निकाले जाते हैं। यह तकनीक खास तौर से तब इस्तेमाल होती है जब मृत व्यक्ति की पत्नी या पार्टनर भविष्य में बच्चा चाहती है, लेकिन मृतक ने जीवनकाल में स्पर्म बैंक में जमा नहीं किया था।

यह आर्टिफिशियल रिप्रोडक्टिव टेक्नोलॉजी (एआरटी) का हिस्सा है और IVएफ (इन विट्रो फर्टिलाइजेशन) के साथ इस्तेमाल की जाती है। लेवी और सिल्बर्ग शादीशुदा नहीं थे, इसलिए 2024 में लेवी को येरुशलम फैमिली कोर्ट में याचिका दायर की थी कि-

कैसे होती है प्रोसेस

डॉक्टर टेस्टिकल्स से सुई के जरिए लिक्विड निकालते हैं जिसमें स्पर्म मौजूद होते हैं।

अगर कुछ स्पर्म जीवित हों, तो उन्हें फ्रीज कर लिया जाता है।

स्पर्म फ्रीज-थॉ करने के बाद लगभग 39% क्षमता कम हो जाती है, लेकिन सालों तक सुरक्षित रखा जा सकता है।

हमास हमलों के बाद, इजराइल में पोस्टमॉर्टम स्पर्म रिट्रीवल (पीएसआर) की मांग अचानक बढ़ गई।

एपिडेमियोलॉजिस्ट प्रो. बेला सावित्स्की ने इस मामले में 600 पुरुषों से बात की। इसके बाद उन्होंने बताया कि 70% इजराइली पुरुष चाहते हैं कि सेना में जॉइनिंग के समय उनसे यह पूछा जाए कि वे पीएसआर की इजाजत देना चाहते हैं या नहीं, ताकि परिवार कीमती समय न गंवाए।

सावित्स्की ने बताया कि वह खुद इस दर्द से गुजरी हैं। उनका बेटा जोनाथन 7 अक्टूबर को मारा गया था और जब तक उनका शरीर मिला और प्रोसेस शुरू हुई, 70 घंटे बीत चुके थे, जिसके कारण स्पर्म जीवित नहीं रहे।

एक ही परिवार के 3 बच्चों की मौत

बुखार आने पर बैगा-गुनिया से झाड़-फूंक कराते रहे, 3 दिन में मासूमों ने तोड़ा दम

गरियाबंद, 17 नवंबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के गरियाबंद जिले में तीन दिनों में तीन सगे भाई-बहन की मौत हो गई। शुरुआती जांच में पता चला है कि बच्चों की मौत का मुख्य कारण अंधविश्वास, झोलाछाप डॉक्टर का गलत इलाज और परिजनों द्वारा समय पर अस्पताल न ले जाना था। घटना मैनपुर ब्लॉक के धनोरा गांव की है।

जानकारी के अनुसार, पिता का नाम डमरुधर नागेश है। जो कि पेशे से मजदूर है। वह परिवार के साथ हाल ही में अपने ससुराल मक्का तोड़ने साहिबिन कछार गया था। जहां तीनों बच्चों को बुखार आने लगा। जहां उन्होंने झोलाछाप डॉक्टर से इलाज कराया लेकिन बुखार उतर नहीं पाया।

इसके बाद वो गांव लौट आए और बच्चों को अस्पताल न ले जाकर बैगा-गुनिया के पास झाड़-फूंक कराने लगे। इस बीच तीन दिनों में तीनों भाई-बहन की मौत हो गई। इस मामले में सीएमएचओ एसके नवरत्न के निर्देश के बाद जांच के लिए चार सदस्यीय टीम गठित कर उसे तुरंत धनोरा गांव भेजने के निर्देश दिए हैं। दरअसल, डमरुधर नागेश के 2 बेटे और 1 बेटी थी। वो परिवार के साथ ससुराल काम करने गया था। जहां बच्चों को तेज बुखार आने लगा, लेकिन उन्होंने झोलाछाप डॉक्टर से इलाज कराया। इसके बाद भी उन्हें राहत नहीं मिली। ऐसे में वह अपने गांव लौट आए।

लेकिन वो बच्चों को अस्पताल न ले जाकर बैगा-गुनिया के पास झाड़-फूंक कराने ले गए। 11 नवंबर को 8 साल की बेटी अनिता नागेश की हालत बिगड़ी। जब उसे अमलीपदर अस्पताल ले जाया गया, तब तक उसकी मौत हो चुकी थी। 13 नवंबर को 7 साल के बेटे ऐकराम नागेश को देवभोग ले जाया गया, लेकिन उसने रास्ते में ही दम तोड़ दिया।

लंदन की नदी में इंडियन के पैर धोने से विवाद

सोशल मीडिया यूजर बोले- गंगा-यमुना काफी नहीं, टेम्स को भी वैसा बनाना चाहते हो

लंदन, 17 नवंबर (एजेंसियां)। लंदन की मशहूर टेम्स नदी में एक भारतीय युवक के पैर धोने से विवाद छिड़ गया है। इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल है। कुछ रिपोर्ट्स में यह भी दावा किया गया है कि उसने नदी में नहाने की भी कोशिश की थी।

टेम्स नदी लंदन की पहचान मानी जाती है और इसके किनारे संसद भवन, लंदन आई और टावर ब्रिज जैसी मशहूर जगहें हैं। जब यह वीडियो इंस्टाग्राम और अन्य सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर सामने आया, तो लोगों की तीखी प्रतिक्रियाएं दी।

एक सोशल मीडिया यूजर ने कहा कि गंगा-यमुना काफी नहीं थीं, अब टेम्स को भी वैसा बनाना चाहते हो। एक अन्य ने लिखा कि इंडियन आदमी टेम्स में पैर धो रहा है, लोग नाराज हैं। ये कैसी हरकतें हैं?

कई सोशल मीडिया यूजर्स ने युवक के सपोर्ट में भी ट्वीट किए हैं। एक यूजर ने लिखा कि पैर धोने में आखिर समस्या क्या है।सम्मान के साथ पूछ रहा हूं, इसमें दिक्कत क्या है? एक यूजर ने पूछा- क्या पानी में पैर डालना गैरकानूनी है? एक यूजर ने लिखा कि नदी का रंग ही बता रहा है कि इसमें कुछ भी धोना ठीक नहीं। दूसरे ने मजाक में कहा- भाई, पैर मत धोओ, लोग यही पानी पीते हैं।

टेम्स नदी लंदन शहर के बीच से गुजरती है और सदियों से शहर के विकास, व्यापार और परिवहन का मुख्य आधार रही है। रोमन साम्राज्य के समय से ही यह नदी महत्वपूर्ण रही है।

लंदन शहर की स्थापना भी इसी नदी के किनारे हुई थी। टेम्स नदी पर लंदन ब्रिज, टॉवर ब्रिज, वेस्टमिंस्टर पैलेस, लंदन आई और टेम्स बैरियर जैसे फेमस ब्रिज हैं। नदी के किनारे कला, संगीत, थियेटर और त्योहारों से जुड़ी कई एक्टिविटी होती हैं।

कतर के प्रधानमंत्री अल थानी से मिले विदेश मंत्री

द्विपक्षीय संबंधों के प्रमुख पहलुओं पर चर्चा

दोहा, 17 नवंबर (एजेंसियां)। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने रविवार को कतर के प्रधानमंत्री मोहम्मद बिन अब्दुलरहमान बिन जसीम अल थानी से दोहा में मुलाकात की। दोनों नेताओं ने ऊर्जा, व्यापार व निवेश सहित द्विपक्षीय संबंधों के प्रमुख पहलुओं पर चर्चा की। जयशंकर ने थानी के साथ क्षेत्रीय व वैश्विक मुद्दों पर विचारों का आदान-प्रदान भी किया।

जयशंकर ने सोशल मीडिया पोस्ट में लिखा, दोहा में कतर के प्रधानमंत्री व विदेश मंत्री अल थानी से मिलकर खुशी हुई। ऊर्जा, व्यापार, निवेश और लोगों के बीच संपर्क सहित हमारी रणनीतिक साझेदारी के प्रमुख पहलुओं की समीक्षा की गई।

पश्चिम एशिया, क्षेत्रीय और वैश्विक विकास पर विचारों के आदान-प्रदान की सराहना की गई।

बहरीन के समकक्ष से क्षेत्रीय समेत कई मुद्दे पर विमर्श, विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने बहरीन के अपने समकक्ष अब्दुल्लातिफ बिन राशिद अल जायनी के साथ फोन पर क्षेत्रीय समेत कई अन्य मुद्दों पर बातचीत की।

जयशंकर ने शनिवार को सोशल मीडिया पोस्ट में कहा, बहरीन के विदेश मंत्री डॉ. अब्दुलातिफ बिन राशिद अल जायनी से फोन पर बात करके अच्छा लगा। दोनों मंत्रियों ने क्षेत्रीय और वैश्विक घटनाक्रमों पर भी चर्चा की।

मतदाता सूची पुनरीक्षण पर मदन राठौड़ की प्रतिक्रिया

कहा- वोट चोरी होती तो अंता में नहीं हारते

जोधपुर, 17 नवंबर (एजेंसियां)। जोधपुर के लघु उद्योग भारती में शनिवार को जोधपुर संभाग के बीएलए फर्स्ट की विशेष गहन परीक्षण कार्यशाला आयोजित हुई। कार्यक्रम में संभाग के विधायक, मंत्री, जिला अध्यक्ष समेत बड़ी संख्या में पार्टी पदाधिकारी मौजूद रहे। मुख्य अतिथि के रूप में भाजपा के राष्ट्रीय मंत्री ओमप्रकाश धनखड़ और प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ उपस्थित रहे। कार्यशाला का केंद्र बिंदु SIR यानी विशेष ग्रहण पुनरीक्षण और मतदाता सूची से जुड़े मुद्दे रहे।

'वंदे मातरम्-के छह अंतरों का इतिहास बताना जरूरी'

कार्यक्रम में राष्ट्रीय मंत्री ओमप्रकाश धनखड़ ने कहा कि वंदे मातरम के 150 वर्ष, सरदार पटेल की 150वीं जयंती और बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती देश के लिए महत्वपूर्ण अवसर हैं। उन्होंने कहा कि वंदे मातरम् मूल

रूप से छह अंतरों का था, लेकिन आज केवल दो अंतरे गाए जाते हैं। इसकी पूरी कहानी और ऐतिहासिक महत्व लोगों तक पहुंचाना चाहिए।

'एसआईआर संवैधानिक प्रक्रिया है'

प्रवक्ता अपूर्वा सिंह ने कहा कि एसआईआर भारत निर्वाचन आयोग की संवैधानिक प्रक्रिया है, जिसका उद्देश्य मतदाता सूची का पुनर्मूल्यांकन और निरीक्षण करना है। इसमें नए मतदाताओं के नाम जोड़ने से लेकर स्वर्गवासी हो चुके लोगों के नाम हटाने तक का कार्य शामिल है। सरकारी तंत्र और राजनीतिक दल इस अभियान में सहयोग करते हैं ताकि कोई योग्य मतदाता सूची से न छूटे।

मतदाता सूची पुनरीक्षण पर बोले मदन राठौड़

प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ ने कहा कि एसआईआर पूरे देश में चल रहा है और राजस्थान में भी यह प्रक्रिया नियमित रूप से होती है। उन्होंने कहा कि जो लोग 18 वर्ष के हो जाते हैं, उनके नाम जोड़े जाते हैं, जबकि मृत व्यक्तियों के नाम हटाए जाते हैं। उन्होंने कहा कि जो लोग भारत के नागरिक नहीं हैं और वोट पाने के लालच में नाम जुड़वाते हैं, उनके नाम काटे जाने चाहिए। राठौड़ के अनुसार, हिंदुस्तान का नागरिक ही तय करेगा कि सत्ता किसके हाथ में होगी और शासन कौन चलाएगा।

राठौड़ का विपक्ष पर कटाक्ष

विपक्ष के आरोपों पर राठौड़ ने कहा कि बिहार में हारने पर 'वोट चोरी' का आरोप लगाने वाले दल अंता में उनकी एक सीट की जीत पर अपनी ही प्रशंसा करते हैं। उन्होंने कहा कि अगर वोट चोरी करते तो अंता में हार कैसे जाते? राठौड़ ने कहा कि भाजपा जनता के जनादेश पर विश्वास करती है और हार को स्वीकार करती है, जबकि विपक्ष जनादेश का सम्मान नहीं करता।

संगठन विस्तार से जुड़े सवाल पर उनका कहना था कि पार्टी की सदस्यता लगातार बढ़ रही है और नए लोगों को जोड़ने का कार्य जारी है। मंत्रिमंडल विस्तार के प्रश्न पर उन्होंने मुस्कराते हुए कहा कि यह मुख्यमंत्री का विशेष अधिकार है।

भारत-पाक बॉर्डर से पाकिस्तान जाने की फिराक में था युवक, बीएसएफ ने दबोचा

जैसलमेर, 17 नवंबर (एजेंसियां)। भारत-पाकिस्तान अंतरराष्ट्रीय सीमा पर सुरक्षा एजेंसियों ने एक बार फिर सतर्कता का परिचय दिया है। जैसलमेर जिले के मोहनगढ़ थाना क्षेत्र में बीएसएफ की 38वीं बटालियन की पेट्रोलिंग टीम ने एक युवक को संदिग्ध गतिविधियों के चलते हिरासत में लिया।

बता दें कि यह कार्रवाई 192 आरडी नहरी क्षेत्र के पास गश्त के दौरान की गई। जहां जवानों ने युवक को सीमा के नजदीक भटकते हुए देखा। रोककर पूछताछ करने पर युवक ने प्रारंभिक बातचीत में बताया, वह पाकिस्तान जाने की तैयारी में था। उसकी पहचान पंकज कश्यप, निवासी शाजापुर, उत्तर प्रदेश के रूप में हुई है।

मामले की गंभीरता और इलाके की संवेदनशीलता देखते हुए बीएसएफ ने युवक को आगे की कार्रवाई के लिए पीटीएम थाना पुलिस के हवाले कर दिया।

खुफिया और सुरक्षा एजेंसियां उससे विस्तृत पूछताछ कर रही हैं। इस पूछताछ में उसके पाकिस्तान जाने की मंशा, किसी संभावित नेटवर्क से जुड़ाव और हालिया गतिविधियों को लेकर कई स्तरों पर जांच होगी।

सीमा क्षेत्र में किसी भी संदिग्ध गतिविधि को लेकर सुरक्षा एजेंसियां पहले से ही अलर्ट पर हैं। बीएसएफ ने इस घटना के बाद गश्त और निगरानी और भी बढ़ा दी है, ताकि किसी भी तरह की घुसपैठ, जासूसी या गैरकानूनी गतिविधि को रोका जा सके। जवानों की सतर्कता ने कई बार ऐसे मामलों को समय रहते पकड़ने में अहम भूमिका निभाई है।

अब तक कई जासूसों का खुलासा

जैसलमेर में यह पहला मामला नहीं है। इस साल ही विभिन्न एजेंसियों ने पांच से अधिक जासूसी मामलों का खुलासा किया है। मार्च में पहलगांव आतंकी हमले से पहले चांधन फील्ड फायरिंग रेंज के पास पठान खान को ऑफिशियल सीक्रेट्स एक्ट के तहत गिरफ्तार किया गया था। मई में पाकिस्तान के लिए जासूसी के आरोप में सरकारी कर्मचारी शकूर खान को पकड़ा गया।

वहीं, अगस्त में डीआरडीओ गेस्ट हाउस मैनेजर महेंद्र प्रसाद और फिर जीवन खान को संदिग्ध पाकिस्तानी नंबरों से संपर्क और भारतीय सेना से संबंधित जानकारियां साझा करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया। सितंबर में हनीफ खान को आईएसआई को गोपनीय सूचनाएं भेजने के आरोप में पकड़ा गया।

बीएसएफ द्वारा पकड़ा गया यह युवक भी इसी तरह के किसी नेटवर्क से जुड़ा है या सिर्फ व्यक्तिगत मंशा से सीमा पार करना चाहता था, यह एजेंसियों की पूछताछ के बाद साफ हो पाएगा। फिलहाल, मामले को लेकर सुरक्षा एजेंसियां सतर्क हैं। सीमा पर निगरानी और सख्त कर दी गई है।

बीजेपी नेता पर पत्नी की हत्या का आरोप : ससुर बोले

'शादी के बाद से थी थार की डिमांड', 7 साल पहले हुई थी शादी

भरतपुर, 17 नवंबर (एजेंसियां)। भाजपा युवा मोर्चा के नेता की पत्नी की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। महिला के पिता ने दामाद और ससुराल वालों के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज कराया है। यह भी आरोप है कि पीहर पक्ष को बताए बिना ससुरालीजन अंतिम संस्कार कर रहे थे।

पिता का आरोप है कि दामाद आकाश शादी के बाद से ही बेटी से दहेज में थार एसयूवी की मांग कर रहा था। इसको लेकर आकाश और उसके परिजनों ने मेरी बेटी की हत्या कर दी। उसके शरीर पर चोट और गले पर निशान मिले हैं।

आरोप है कि सबूत मिटाने के लिए ये लोग हमें बताए बिना अंतिम संस्कार करना चाहते थे। मैंने भनक लगते ही पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने अंतिम संस्कार रुकवाया और शव कब्जे में ले लिया। पुलिस ने शव का पोस्टमॉर्टम कराकर पीहर पक्ष को सौंप दिया।

मामला बयाना क्षेत्र के पिदावली गांव का है। सेवर थाना प्रभारी सतीश चंद ने बताया कि शनिवार शाम कंट्रोल रूम को सूचना मिली कि भाजपा युवा मोर्चा के नेता आकाश फौजदार (35) निवासी पिदावली की पत्नी प्रियंका (33) की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई है। पीहर पक्ष को सूचना दिए बिना अंतिम संस्कार किया जा रहा है। इस पर बयाना थाना पुलिस मौके पर पहुंची और अंतिम संस्कार

रुकवाया। एफएसएल की टीम ने मौके पर सबूत जुटाए। प्रियंका के पिता ने उसके दामाद आकाश और ससुराल पक्ष के लोगों के खिलाफ हत्या की रिपोर्ट दी है।

मृतका के पिता ओमप्रकाश निवासी लुहासा गांव थाना नदबई ने रिपोर्ट में बताया कि बेटी प्रियंका की शादी आकाश के साथ 24 नवंबर 2018 को हुई थी। शादी में करीब 20 लाख रुपए खर्च किए थे। पति बार-बार दहेज में थार लाकर देने की मांग करता था। प्रियंका ने इस बारे में कई बार हमें बताया था। कई बार उसके ससुराल वालों को समझाने गए थे।

अब आकाश और प्रियंका भरतपुर शहर में सेवर थाना स्थित गणेश कॉलोनी में रह रहे थे। आरोप है कि गणेश कॉलोनी के मकान पर आकाश ने प्रियंका की हत्या की और शव को पिदावली ले गया। वहां उसके परिवार के लोग प्रियंका के शव का अंतिम संस्कार करना चाहते थे। मैंने आकाश और उसके परिजनों को फोन किया तो वह गुमराह करते रहे। इसके बाद पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने शव को चेक किया तो उसके शरीर पर कई जगह चोट के निशान और गले पर नीले रंग के निशान थे। प्रियंका और आकाश के एक बेटा युवराज (7) और बेटी काव्या (5) है। आकाश फाइनेंस का काम करता है। आकाश बीजेपी युवा मोर्चा में जिला उपाध्यक्ष (2021-22) के पद पर रह चुका है।

मृतका के पिता की ओर से दहेज हत्या का मामला दर्ज कराया है। इसमें पति आकाश, सास मछला और काका ससुर मुन्ना को आरोपी बनाया है। पुलिस मामला दर्ज कर अनुसंधान कर रही है।

तो डिरेल हो जाती ट्रेन; रेलवे ट्रैक पर फंसी ट्रैक्टर ट्रॉली के उड़े परखच्चे

लोको पायलट ने टाला बड़ा हादसा

बीकानेर, 17 नवंबर (एजेंसियां)। बीकानेर के श्रीडूंगरगढ़ में लोको पायलट की सजगता से एक्सप्रेस ट्रेन डिरेल होने से बच गई। दिल्ली सराय रोहिला से बीकानेर आ रही एक्सप्रेस ट्रेन की रेलवे ट्रैक पर खड़े ट्रैक्टर ट्रॉली से भिड़ंत हो गई। दुर्घटना के बाद रेल यात्रियों में हड़कंप मच गया और यात्री ट्रेन से कूदने लगे। समय रहते ट्रेन रुकने पर बड़ा हादसा टल गया और दुर्घटना में कोई जनहानि नहीं हुई।

जानकारी के अनुसार दिल्ली से बीकानेर की तरफ दिल्ली सराय बीकानेर एक्सप्रेस आ रही थी। इसी दौरान श्रीडूंगरगढ़ से करीब 2 किलोमीटर आगे बेनीसर के पास पटरियां पार कर रही एक ट्रेक्टर-ट्रॉली रेलवे ट्रैक पर फंस गई। ट्रेन के लोको पायलट ने दूर से ट्रैक पर फंसी ट्रैक्टर ट्रॉली को देखकर इमरजेंसी ब्रेक लगाए लेकिन ट्रेन की रफ्तार ज्यादा होने के कारण ट्रेन ट्रैक्टर ट्रॉली से जा भिड़ी। ट्रेन की टक्कर से ट्रेक्टर और ट्रॉली के परखच्चे उड़ गए, हालांकि ट्रैक्टर चालक ने कूदकर जान बचाई और मौके से भाग छूटा। घटना के बाद ट्रेन मौके पर रुक गई और घबराहट में ट्रेन के यात्री भी उतर गए। दुर्घटना में कोई जनहानि नहीं हुई।

ट्रैक्टर चालक की जल्दबाजी से हादसा

मौके पर मौजूद लोगों ने बताया कि ट्रैक्टर चालक रेलवे ट्रैक के आउटर सिग्नल के पास से ही ट्रैक पार करने का प्रयास जल्दबाजी में कर रहा था। ट्रैक्टर चालक को ट्रेन आने का आभास होने के बावजूद वह जल्दबाजी में ट्रैक पार करने की कोशिश करने लगा। मौके पर लोगों ने शोर मचाकर उसे रुकने को कहा लेकिन वह नहीं माना।

ट्रैक्टर चालक पर दर्ज होगा केस

ट्रेन से ट्रैक्टर ट्रॉली की भिड़ंत के बाद अब रेलवे प्रशासन ट्रैक्टर चालक के खिलाफ रेलवे संपत्ति को नुकसान पहुंचाने और रेल यात्रियों के जीवन को संकट में डालने के अपराध में केस दर्ज कर कार्रवाई करेगा।

कालाडेरा रीको इंडसट्रियल एरिया में भगवती पेपर मिल में भीषण आग

लाखों का माल स्वाहा

जयपुर, 17 नवंबर (एजेंसियां)। चौमूं उपखंड के कालाडेरा रीको इंडसट्रियल एरिया स्थित भगवती पेपर मिल में सोमवार तड़के लगभग 3 बजे भीषण आग लग गई। आग इतनी तेज थी कि कुछ ही मिनटों में पूरी फैक्ट्री परिसर को अपनी चपेट में ले लिया। फैक्ट्री में रखा कच्चा व तैयार माल जलकर पूरी तरह खाक हो गया। सूचना मिलते ही चौमूं अग्निशमन अधिकारी जय कुमार जांगिड़ टीम सहित मौके पर पहुंचे और राहत व बचाव कार्य शुरू कराया। आग पर काबू पाने के लिए चौमूं, कालाडेरा, जयपुर, सरना डूंगर, जोबनेर, रेनवाल, रींगस और मंडा सहित विभिन्न जगहों से एक दर्जन से भी अधिक दमकल वाहन बुलाए गए। दमकल विभाग के दर्जनों कर्मचारी रातभर आग बुझाने में जुटे रहे, लेकिन कई घंटे बीतने के बाद भी आग पूरी तरह नियंत्रित नहीं हो सकी। फैक्ट्री में मौजूद ज्वलनशील सामग्री और तेज लपटों के कारण आग बुझाने का काम चुनौतीपूर्ण बना हुआ है।

प्रारंभिक जांच में आग लगने का कारण शॉर्ट सर्किट बताया जा रहा है। हालांकि अधिकारियों ने कहा कि आग पर पूरी तरह काबू पाने और धुआं कम होने के बाद ही वास्तविक कारणों की विस्तृत जांच की जाएगी। फिलहाल किसी जनहानि की सूचना नहीं है, लेकिन लाखों रुपये के नुकसान की आशंका जताई जा रही है। दमकल विभाग और कालाडेरा पुलिस क्षेत्र को सुरक्षित करने और फैक्ट्री में हुए नुकसान का प्रारंभिक आकलन करने में जुटे हुए हैं।

राजस्थान में भीलवाड़ा नंबर-1: जल संरक्षण मॉडल बना पूरे

प्रदेश के लिए उदाहरण, डीएम संधू को राष्ट्रपति मुर्मू करेंगी सम्मानित

भीलवाड़ा, 17 नवंबर (एजेंसियां)। भीलवाड़ा ने जल संरक्षण के क्षेत्र में एक बड़ी उपलब्धि हासिल की है। केंद्र सरकार के 'जल संचय जन भागीदारी' अभियान में राजस्थान में पहला और पूरे देश में दूसरा स्थान हासिल किया है।

बता दें कि इस अभियान का सबसे बड़ा असर यह देखा गया कि जिले में भूजल स्तर 3.57 मीटर तक बढ़ गया, जो अपने आप में एक बड़ी सफलता है। इस उपलब्धि के लिए राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू 18 नवंबर को दिल्ली में भीलवाड़ा के कलेक्टर जसमीत सिंह संधू को सम्मानित करेंगी। यह सम्मान पूरे जिले के लिए गौरव का क्षण होगा, क्योंकि यह उपलब्धि सरकारी विभागों के साथ-साथ आम लोगों की भागीदारी से संभव हुई है।

केंद्र सरकार ने चलाया था अभियान

केंद्र सरकार ने 1 मार्च से 30 मई तक यह अभियान चलाया था। इसका उद्देश्य जिले में कृषि क्षेत्र को बढ़ाना, लोगों को शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराना और भूजल स्तर में सुधार करना था। अभियान के दौरान कई विभागों ने मिलकर बड़े पैमाने पर काम किया।

ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज विभाग ने 81,410 कार्य पूरे किए। जलदाय विभाग ने 19,017, कृषि विभाग ने 672, वन विभाग ने 2,284, जलापूर्ति विभाग ने 1,128 और भूजल विभाग ने 22 कार्य किए। इसके अलावा अन्य विभागों और स्वयंसेवी संस्थाओं ने 279 कार्य किए।

कुल मिलाकर 1,01,910 कार्य किए गए, जिनमें से 46,526 नई जल संरचनाएं बनाई गईं और 55,384 पुरानी जल संरचनाओं की मरम्मत हुई। इन सभी प्रयासों का नतीजा यह रहा कि जिले के भूजल स्तर में उल्लेखनीय सुधार हुआ।

कलेक्टर संधू ने कहा कि यह सफलता जनता की सक्रिय भागीदारी से ही संभव हुई है। उन्होंने लोगों से अपील की कि वे हर बूंद पानी का सही उपयोग करें। उन्होंने यह भी बताया कि ग्रामीण इलाकों में जल संरक्षण बहुत अच्छी तरह हो रहा है, लेकिन शहरी निजी कॉलोनियों में अभी भी जागरुकता की जरूरत है। भूजल स्तर बढ़ना पूरे जिले के लिए खुशी की बात है और आगे भी इस दिशा में प्रयास जारी रहने चाहिए।

तस्करी करके ले जाई जा रही 79 किलो अवैध डोडा पोस्त बरामद, हिरासत में आरोपी

कोटपूतली-बहरोड़, 17 नवंबर (एजेंसियां)। प्रागपुरा पुलिस ने अवैध मादक पदार्थों के विरुद्ध एक सप्ताह में दूसरी बड़ी कार्रवाई करते हुए 79 किलो 354 ग्राम अवैध डोडा पोस्त छिलका सहित एक कार को जब्त कर आरोपी को गिरफ्तार किया है।

जिला पुलिस अधीक्षक देवेंद्र कुमार विश्नोई के निर्देश पर प्रागपुरा थानाधिकारी कश्मीर सिंह के नेतृत्व में विशेष टीम का गठन किया गया, जिसमें हैड कांस्टेबल (प्रागपुरा) सायरमल, श्रीकांत तथा हैड कांस्टेबल (यातायात कोटपूतली) नरेश शामिल थे। टीम ने एनएच-48 पर जयपुर से दिल्ली की ओर जाने वाले वाहनों की नाकाबंदी कर जांच शुरू की।

इसी दौरान एक होंडा अमेज कार को रोककर गहनता से तलाशी ली गई। जांच में कार की डिक्की में पीछे की सीट के नीचे प्लास्टिक के तीन कट्टे छिपे मिले। चालक से पूछताछ में संतोषजनक जवाब न मिलने पर कट्टों की तलाशी ली गई, जिसमें भारी मात्रा में अवैध डोडा पोस्त छिलका भरा मिला।

थानाधिकारी कश्मीर सिंह ने बताया कि मौके पर ही कुल 79 किलो 354 ग्राम डोडा पोस्त छिलका बरामद किया गया। साथ ही एनडीपीएस एक्ट के तहत तस्करी में प्रयुक्त कार को जब्त कर आरोपी मेवासिंह (42) पुत्र जातीसिंह हरिजन निवासी हरियाऊ खुर्द, थाना पातड़ा, जिला पटियाला (पंजाब) को गिरफ्तार किया गया। पुलिस आरोपी से नेटवर्क और सप्लाई रूट को लेकर विस्तृत पूछताछ कर रही है। मामले में आगे अनुसंधान जारी है।

पिस्टल से मजाक पड़ा भारी, गोली लगने से दोस्त की मौत

लॉ कॉलेज के सेकंड ईयर स्टूडेंट पर हत्या का मामला दर्ज

उदयपुर, 17 नवंबर (एजेंसियां)। उदयपुर के प्रतापनगर थाना क्षेत्र के सेरावतवाड़ा देबारी में दिलदहला देने वाली घटना सामने आई। पिस्टल से मजाक करना भारी पड़ गया। एक दोस्त ने मजाक में दूसरे दोस्त की तरफ पिस्टल तानी। इसी दौरान अचानक गोली चल गई, जिससे युवक की मौत हो गई।

थानाधिकारी राजेंद्रसिंह चारण ने बताया कि हादसे में देबारी निवासी प्रतापसिंह (27) पुत्र उदयसिंह देवड़ा की मौत हो गई। सामने आया कि उसी के दोस्त कमलोद निवासी जिगर जोशी के

हाथ से पिस्टल चली थी। घटना उस समय हुई, जब आरोपी और एक अन्य साथी प्रतापसिंह के खेत पर मौजूद थे। यहां गोली लगने से घायल प्रतापसिंह को दोस्तों ने ही अस्पताल पहुंचाया, जहां उपचार के दौरान मौत हो गई। पुलिस ने शव को मुर्दाघर में रखवाया। पोस्टमार्टम सोमवार को होगा।

फायरिंग की सूचना पर थानाधिकारी राजेंद्रसिंह दल-बल के साथ मौके पर पहुंचे। घटनाक्रम की जानकारी लेने के साथ ही आरोपी जिगर जोशी को डिटेन कर लिया। आरोपी पिस्टल कहां से और क्यों लाया, इस बात को लेकर पूछताछ की जा रही है। आरोपी जिगर जोशी लॉ कॉलेज में द्वितीय वर्ष का छात्र है और कोर्ट में प्रैक्टिस कर रहा है। मृतक कृषि के साथ ही बिस्किट फैक्टरी में काम करता था।

मां पर लगा अपनी ही बेटी की हत्या का आरोप

दादा ने खोला राज- 9 महीने की मासूम को गला दबाकर मार डाला

अलवर, 17 नवंबर (एजेंसियां)। जिले से एक दर्दनाक और चौंकाने वाला मामला सामने आया है। यहां बीती रात 9 महीने की एक मासूम की मौत संदिग्ध परिस्थितियों में हो गई। परिजनों ने आरोप लगाया है कि बच्ची की हत्या उसकी ही मां ने गला और मुंह दबाकर की। इससे पहले भी महिला पर दो दिन पहले घर की भैंसों के चारे में जहर मिलाने का आरोप लगाया जा चुका है। पुलिस मामले की गंभीरता से जांच कर रही है। किशनगढ़बास थाना प्रभारी जितेंद्र सिंह शेखावत ने बताया कि देर रात करीब साढ़े नौ बजे सूचना मिली कि मूसाखेड़ा गांव में 9 महीने की बच्ची की संदिग्ध मौत हो गई। पुलिस के मौके पर पहुंचने पर बच्ची मृत अवस्था में पाई गई। मेडिकल बोर्ड से पोस्टमार्टम करवाकर शव दादा आजाद खान को सौंप दिया गया। आजाद खान ने पुलिस में रिपोर्ट दर्ज कराई कि उनकी बहू रूनीजा ने बच्ची अक्सा का गला दबाकर हत्या कर दी। उनका कहना है कि शनिवार रात उन्होंने कमरे से संदिग्ध आवाजें सुनीं। जब उन्होंने दरवाजा खोला तो कथित रूप से देखा कि पुत्रवधू अपनी बच्ची का गला दबा रही थी।

कॉलोनी में नौ लोगों ने युवक पर की गोलीबारी

फैली सनसनी; पुलिस ने मुकदमा दर्ज कराने को कहा

भरतपुर, 17 नवंबर (एजेंसियां)। भरतपुर के थाना मथुरा गेट क्षेत्र की ब्रजनगर कॉलोनी में शनिवार दोपहर अचानक फायरिंग की घटना से हड़कंप मच गया। सूचना मिलते ही थाना प्रभारी देरावर भाटी और सीओ सिटी पंकज यादव मौके पर पहुंचे और घटनास्थल का निरीक्षण किया।

प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, लगभग नौ लोग अजय सिंह के पुत्र प्रदीप पर फायरिंग करते देखे गए। गनीमत रही कि इस वारदात में किसी को भी गोली नहीं लगी। पड़ोसी महेंद्र सिंह ने बताया कि हमलावर पीछे से प्रदीप को घेरकर उस पर फायरिंग करते हुए मौके से भाग निकले। फायरिंग का कारण अभी तक स्पष्ट नहीं है और पुलिस इस पहलू की भी जांच कर रही है।

पुलिस अधिकारियों ने पीड़ित पक्ष को औपचारिक रूप से मुकदमा दर्ज कराने के लिए कहा है, लेकिन शनिवार शाम तक थाना मथुरा गेट में रिपोर्ट दर्ज नहीं कराई गई। अधिकारियों का कहना है कि एफआईआर दर्ज होने के बाद ही पूरे मामले की वास्तविक वजह सामने आएगी। थाना प्रभारी देरावर भाटी ने घटना की पुष्टि करते हुए बताया कि पुलिस मामले की गंभीरता से जांच कर रही है।

हाईवे पर कार से मिली 15 लाख की चरस, दो तस्कर गिरफ्तार

टोंक, 17 नवंबर (एजेंसियां)। टोंक जिले में नशे के सौदागरों पर पुलिस अधीक्षक राजेश मीना के निर्देशन में लगातार कार्रवाई जारी है। जयपुर-कोटा हाईवे 52 पर मेहंदवास थाना क्षेत्र में पुलिस ने जाल बिछाकर बड़ी सफलता हासिल की। पुलिस टीम ने एक कार से चरस बरामद कर दो आरोपियों को गिरफ्तार किया। अधिकारियों के अनुसार, जब्त की गई चरस की अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत करीब 15 लाख रुपये है। मेहंदवास थानाधिकारी ओमप्रकाश टीम के साथ गश्त पर थे, तभी मेहंदवास कट एनएच-52 पर एक कार पुलिस को देखकर भागने लगी। संदिग्ध कार को रोककर तलाशी ली गई, जिसमें दो व्यक्ति बैठे पाए गए।

किशन रेड्डी और तुम्मला ने समीक्षा बैठक की

मंत्री ने जिनिंग मिल मालिकों से कल से खरीदारी करने का अनुरोध किया

हैदराबाद, 17 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के कृषि मंत्री तुम्माला ने कहा कि हालांकि किसान जलवायु परिवर्तन, बेमौसम बारिश और चक्रवात जैसी प्राकृतिक आपदाओं के कारण अपनी फसलें, खो रहे हैं, लेकिन अगर वे अपनी फसल खरीदने और उसे खरीद केंद्रों तक लाने के लिए सरकार पर भरोसा करते हैं, तो केंद्र द्वारा लगाए गए नियमों के कारण किसान मुश्किल स्थिति में आ जाएंगे। उन्होंने कहा कि पहले दालों, ज्वार और सूरजमुखी जैसी फसलों की खरीद की सीमा केवल 25 प्रतिशत करके किसानों को अपनी फसल का केवल 25 प्रतिशत ही न्यूनतम समर्थन मूल्य पर बेचना पड़ता था और बाकी कम कीमत पर बेचना पड़ता था। उन्होंने याद दिलाया कि राज्य सरकार ने इस संबंध में बार-बार 25 प्रतिशत की सीमा हटाने का अनुरोध किया था। अंततः मंत्री ने कहा कि राज्य सरकार स्वयं समर्थन मूल्य का भुगतान करेगी और पिछले दो वर्षों की शेष फसलों की खरीद करेगी ताकि किसानों को कोई वित्तीय नुकसान न हो। उन्होंने याद दिलाया कि सोयाबीन के मामले में, जब बेमौसम बारिश हुई और सोयाबीन का रंग बदल गया, तो रंग बदलने का बहाना बनाकर उसे न खरीदकर किसानों को असुविधा हुई। यह खेदजनक है कि जब केंद्र से रंग बदली हुई फसल खरीदने का अनुरोध किया गया, तब भी इसे नजरअंदाज़ कर दिया गया और न तो नेफेड और न ही केंद्र की ओर से कोई प्रतिक्रिया आई। मंत्री ने सवाल किया कि क्या 25 प्रतिशत फसल खरीदने के लिए इतने सारे नियम हैं? आज केंद्रीय मंत्री किशन रेड्डी की पहल पर, मंत्री तुम्मला ने सचिव, जिनिंग मिल्स एसोसिएशन और सचिवालय के अधिकारियों के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंस में भाग लिया, जबकि जिनिंग मिल्स एसोसिएशन के अध्यक्ष रविंदर रेड्डी ने भी भाग लिया। इस समीक्षा में बोलते हुए, मंत्री ने कहा कि केंद्र के अनुरोध पर, कलेक्टरों द्वारा राज्य से कपास की औसत उपज के आंकड़े एकत्र किए गए और सीसीआई को भेजे गए। शुरूआत में, प्रति एकड़ 11 क्विंटल एकत्र किया गया था, और कुछ दिनों के बाद, यह सीमा घटाकर 7 क्विंटल कर दी गई, जिससे किसानों को यह कहकर भ्रमित किया गया कि वे केवल 7 क्विंटल प्रति एकड़ तक ही खरीदेंगे। मंत्री ने बताया कि उन्होंने इस संबंध में कई बार केंद्र से भी संपर्क किया था। अब, राज्य के किसान चक्रवात और बेमौसम बारिश के कारण कठिनाइयों का सामना कर रहे हैं, और केंद्र द्वारा लगाई गई नमी की मात्रा की सीमा के कारण किसानों को कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने उस अवसर के बारे में बताया जब उन्होंने केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह से नमी की मात्रा बढ़ाने और खरीद करने का अनुरोध किया था। हालांकि, मंत्री ने कहा कि कोई छूट नहीं दी गई थी। उन्होंने उपरोक्त दोनों मामलों में सकारात्मक निर्णय लेने का अनुरोध किया ताकि सभी किसानों को लाभ मिल सके।साथ ही, जिनिंग मिलों के मामले में, उन्होंने कहा कि जिनिंग मिलों के प्रतिनिधि, जो शुरू से ही जिनिंग मिलों को एल1 से एल12 में विभाजित करने और केंद्र द्वारा लाए गए नियमों के अनुसार कपास खरीदने के निर्णय से बेहद असंतुष्ट थे, निविदाओं में भी नहीं आए, लेकिन राज्य सरकार की पहल पर

उन्हें निविदाओं के लिए बुलाया गया। हालांकि खरीद शुरू हुए एक महीना बीत चुका है, लेकिन अभी तक केवल 243 मिलें ही किसानों को आवंटित की गई हैं, और शेष 82 मिलें अभी तक नहीं खुली हैं, जिससे ऐसी स्थिति पैदा हो गई है कि किसानों को कपास बेचने के लिए लंबी दूरी तय करनी पड़ रही है। हालांकि, मंत्री ने कहा कि केंद्र उन नियमों को जारी रख रहा है और किसानों और जिनिंग मिलों को वित्तीय नुकसान पहुंचा रहा है, जिसके कारण अब ऐसी स्थिति पैदा हो गई है कि जिनिंग मिलों के प्रतिनिधि हड़ताल पर जा रहे हैं। मंत्री ने केंद्र सरकार से कपास किसानों के कल्याण के लिए जिनिंग मिलर्स से बात करने और उनकी समस्याओं के समाधान के लिए सीसीआई अधिकारियों को निर्देश जारी करने का आग्रह किया।

पीएम श्री क्षेत्रीय विद्यालय गजुलापेट के छात्रों ने राष्ट्रपति से मुलाकात की

हैदराबाद, 17 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी क्षेत्रीय विद्यालय गजुलापेट, तेलंगाना के छात्रों और शिक्षकों को नई दिल्ली के अपने शैक्षिक दौरे के दौरान भारत के राष्ट्रपति से मिलने का दुर्लभ अवसर प्राप्त हुआ। प्रतिनिधिमंडल को राष्ट्रपति भवन का निर्देशित दौरा कराया गया, जहां उन्होंने इसके ऐतिहासिक महत्व और स्थापत्य विरासत के बारे में जानकारी प्राप्त की। इस बातचीत के दौरान, राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने नेतृत्व, शासन और राष्ट्र के भविष्य को आकार देने में शिक्षा की भूमिका पर अपने विचार साझा किए। राष्ट्रपति ने अपने लक्ष्यों को प्राप्त करने में शिक्षा, कड़ी मेहनत और समर्पण के महत्व पर भी ज़ोर दिया। छात्रों ने इस यात्रा को एक प्रेरणादायक और अविस्मरणीय अनुभव बताया और इस ऐतिहासिक अवसर को संभव बनाने के लिए स्कूल प्रबंधन और आयोजकों को धन्यवाद दिया। बैठक का समापन एक सामूहिक तस्वीर के साथ हुआ।

केएलएसआर इंफ्राटेक को ठेके देने पर बीआरएस ने उठाए सवाल

हैदराबाद, 17 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। भारत राष्ट्र समिति ने कांग्रेस सरकार द्वारा नेल्लोर स्थित केएलएसआर इंफ्राटेक लिमिटेड को करोड़ों रुपये के ठेके देने पर आपत्ति जताते हुए गंभीर आरोप लगाए हैं। बीआरएस प्रवक्ता मन्ने कृषांक ने सोमवार को एक संवाददाता सम्मेलन में कहा कि कंपनी ने पहले मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी को उस समय एक लैंड क्रूजर कार उपहार में दी थी, जब वे पीसीसी अध्यक्ष थे, और बाद में यह वाहन उनके भाई ए कोंडल रेड्डी के नाम पर पंजीकृत किया गया। उन्होंने आरोप लगाया कि इसके बदले कंपनी को 1500 करोड़ रुपये के ठेके और यंग इंडिया इंटीग्रेटेड स्कूल्स के निर्माण का काम सौंपा गया।

आंध्र प्रदेश के एमएसएमई मंत्री ने उद्योग को मजबूत बनाने का आह्वान किया

विनिर्माण को बढ़ावा देने के लिए सरकारी तालमेल

नई दिल्ली, 17 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। आंध्र प्रदेश के एमएसएमई मंत्री कोंडापल्ली श्रीनिवास ने वैश्विक विनिर्माण मूल्य श्रृंखलाओं में भारत की स्थिति मज़बूत करने की आवश्यकता पर जोर दिया। नई दिल्ली में 22वें सीआईआई वैश्विक एमएसएमई व्यापार शिखर सम्मेलन का उद्घाटन करने के बाद एक सभा को संबोधित करते हुए, मंत्री ने कहा कि सेवाओं के क्षेत्र में वैश्विक अग्रणी होने के बावजूद, भारत को अब अपनी विनिर्माण क्षमता का विस्तार करना होगा। उन्होंने भारत के विशाल लोकतांत्रिक उपभोक्ता बाज़ार पर प्रकाश डाला और कहा कि भारत की सेवा करने में सक्षम कंपनियां वैश्विक बाज़ारों की सेवा करने के लिए अच्छी स्थिति में हैं। उन्होंने कहा, हमारा उद्देश्य एमएसएमई को छोटे से मध्यम और अंततः बड़े उद्यमों में विकसित करने में मदद करना है। गहन सहयोग का आह्वान करते हुए, श्रीनिवास ने सीआईआई से एमएसएमई विकास के लिए नीतियों को मजबूत करने हेतु सरकारी निकायों के साथ मिलकर काम करने का आग्रह किया- विशेष रूप से मानकीकरण, प्रमाणन और परीक्षण प्रयोगशालाओं के विस्तार में- ताकि भारतीय उत्पाद वैश्विक मानकों को पूरा कर सकें। उन्होंने कहा कि अंतर्राष्ट्रीय मानकों के साथ तालमेल बिठाने से निर्यात प्रतिस्पर्धात्मकता में उल्लेखनीय वृद्धि होगी।

इस अवसर पर, उन्होंने एमएसएमई द्वारा "मुक्त व्यापार समझौतों (एफटीए)" का लाभ उठाने और वैश्विक बाज़ारों तक पहुंचने के लिए एआई सहित उभरती तकनीकों का उपयोग करने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने आगे कहा, तकनीक ने दुनिया को छोटा बना दिया है। एमएसएमई को वैश्विक अवसरों से जुड़ने के लिए इसका उपयोग करना चाहिए। "स्थानीय से वैश्विक: एमएसएमई को लचीली मूल्य श्रृंखलाओं से जोड़ना" विषय पर आयोजित इस शिखर सम्मेलन में डिजिटलीकरण, कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई), हरित परिवर्तन, स्मार्ट वित्तपोषण और महिला-नेतृत्व वाले उद्यम विकास पर सत्र आयोजित किए गए। उपस्थित प्रमुख गणमान्य व्यक्तियों में भारत में कनाडा के उच्चायोग के वाणिज्य मंत्री एड जैगर, एनआईसीडीसी के सीईओ और एमडी रजत कुमार सैनी, सीआईआई राष्ट्रीय एमएसएमई परिषद के अध्यक्ष सुनील चोरडिया और सीआईआई राष्ट्रीय एमएसएमई परिषद के सह-अध्यक्ष एम पोन्नुस्वामी शामिल थे।

कृष्ण कांत पार्क के जलाशय जलकुंभी से ढके, आगंतुक परेशान

हरियाली के लिए प्रसिद्ध पार्क में फैली बदबू और अव्यवस्था से लोगों में नाराजगी

हैदराबाद, 17 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। हाल ही में समाप्त हुए मानसून के बाद कृष्ण कांत पार्क के तीनों जलाशय जलकुंभी और खरपतवार से बुरी तरह भर गए हैं, जिससे आगंतुकों का अनुभव काफी प्रभावित हुआ है। शहर के मध्य में यूसुफगुडा और जुबली हिल्स के पास 22 एकड़ से अधिक क्षेत्र में फैला यह पार्क अपनी घनी हरियाली और शांत वातावरण के लिए जाना जाता है तथा इसकी तुलना अक्सर केबीआर और जेवीआर पार्क से की जाती है।

पार्क में आने वाले नियमित आगंतुकों ने शिकायत की है कि जलकुंभी की अनियंत्रित वृद्धि जल निकायों के पारिस्थितिक संतुलन को बिगाड़ रही है। एक पैदल यात्री राजेश्वर राव ने बताया कि यह स्थिति कई महीनों से बनी हुई है और जलकुंभी के कारण जलाशय बदसूरत दिखते हैं, साथ ही दुर्गंध भी फैल रही है। एक अन्य सुबह की सैर करने वाले आगंतुक ने कहा कि पार्क का शांत वातावरण पानी से उठती बदबू के कारण प्रभावित हो रहा है, जिससे ध्यान और योग जैसी गतिविधियों में भी बाधा पड़ती है।

जन सेवा संघ क्लब की स्थापना की जाएगी : वीके सिंह

हैदराबाद, 17 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। जन सेवा संघ के महासचिव राजीव चौबे द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, सिकंदराबाद स्थित एक होटल में जन सेवा संघ की समीक्षा एवं समन्वय समिति की मीटिंग डी डी तिवारी के संयोजन में संपन्न हुई। अवसर पर पूर्व आईपीएस वीके सिंह के दिशा निर्देशन में महत्वपूर्ण विषयों पर विचार विमर्श किया गया।

यह तय हुआ कि अगले कुछ दिनों में जन सेवा संघ की जनरल बॉडी मीटिंग आहूत की जाएगी जिसमें नई कार्यकारिणी के विषय में चर्चा के साथ-साथ वर्ष भर के कार्यक्रम की योजना बनाई जाएगी। आगामी वर्ष में समाज सेवा के रूप में समस्या निवारण के साथ बड़े सांस्कृतिक कार्यक्रम, प्रतिभा सम्मान समारोह, छठ पूजा तथा ऐसे ही अनेक कार्यक्रम किये जाएंगे। यह तय हुआ कि जल्द ही जन सेवा संघ द्वारा एक क्लब की स्थापना की जाएगी जिसके सदस्य विभिन्न क्षेत्रों के बुद्धिजीवी, उच्च पदस्थ अधिकारी एवं व्यापारी वर्ग के लोग होंगे। अगली जनरल बॉडी मीटिंग में क्लब की स्थापना, नाम एवं उद्देश्य की घोषणा की जाएगी। बैठक में वीके सिंह के साथ में डी डी तिवारी, राजीव चौबे, बीनीत सिंह, वीडी चौबे, श्रीकांत पांडेय, एल एम चौधरी, कपिराज सिंह, पीपी पांडेय, सौरभ तिवारी, सुमित चौबे, हरेंदर चौबे, के एल श्रीनिवास राव, एल एन चौबे, सुशील श्रीवास्तव, मदन लाल रावल, शेखर झा, भोला सिंह, दिनेश रजक आदि उपस्थित थे।

सीरवी समाज वॉलीबॉल महाकुंभ प्रतियोगिता सम्पन्न

(महाकुम्भ-2025 की विजेता बनी

हैदराबाद, 17 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। करमनघाट अलमासगुड़ा आईजी मैदान स्थित सीरवी समाज ट्रस्ट बन्धुओं एवं सीरवी समाज स्पोर्टस क्लब भाग्यनगर के सानिध्य मे आयोजित दो दिवसीय वॉलीबॉल प्रतियोगिता 2025 का भव्य समापन्न कार्यक्रम रविवार 16 नवम्बर रात्रि 10.15 बजे विजेता टीम सीरवी पुणे को विजेता ट्रोफी प्रदान कर आयोजित किया गया। जारी प्रेस विज्ञप्ति मे खेल मंत्री धनराज वरपा व सह खेलमंत्री मोतीलाल सोयल ने संयुक्त रुप से बताया कि सीरवी समाज वॉलीबॉल महाकुंभ का भव्य समापन्न कार्यक्रम आयोजित किया गया। देश के विभिन्न प्रांतो से 64 टीमों ने भाग लिया। प्रथम दिवस प्रतियोगिता के मैच लीग आदार पर खेले गये। समापन्न दिवस रविवार 16 नवम्बर क्वाटर फाईनल, सेमी फाईनल और फाईनल मुकाबला खेले गये। रोमांचक फाईनल मुकाबला सीरवी पुणे एवं राजस्थान आईजी के मध्य खेला गया। जिसमें शानदान प्रदर्शन करते हुए लगातार दो गेम जीतकर सीरवी पुणे ने महाकुम्भ-2025 की चमचमाती ट्रोफी पर कब्जा जमाया। तीसरे स्थान पर जीडिमेटला एवं चौथे स्थान डीएससी करमनघाट की टीम रही।

समापन्न कार्यक्रम में आयोजकों ने पधारे विभिन्न संस्थाओं के पदाधिकारियों, बेस्ट नेटर देव पुणे, बेस्ट शूटर उमेश, बेस्ट डिफेन्डर जगदीश, बेस्ट सेन्टर गोविन्द, बेस्ट युवा शूटर यशवन्त बर्फा, बेस्ट सीनियर सोहन सोयल, बेस्ट इमेजिंग खिलाड़ी नवीन, फेर प्ले अवार्ड आईपीसी ईसनापुर, शानदार प्रदर्शन करने पर मैन ऑफ दी टूर्नामेन्ट माही पुणे, विजेता टीम सीरवी पुणे, उपविजेता राजस्थान आईजी को चमचमाती ट्रोफी व मेडल से सम्मानित किया गया। सीरवी समाज ट्रस्ट करमनघाट अध्यक्ष प्रकाश आगलेचा, सचिव पुखराज चोयल ने समापन्न कार्यक्रम पर पधारे सभी अतिथियों, समाज बन्धुओं व खेल की भावना से खेलने पर खिलाड़ियों का तहदिल से आभार प्रकट किया। कार्यक्रम के सफल आयोजन में अध्यक्ष प्रकाश आगलेचा, सचिव पुखराज चोयल, खेल मंत्री धनराज वरपा, सह-खेल मंत्री मोतीलाल सोयल, पदाधिकारियों, प्रतियोगिता के सभी स्पॉन्सरों, सीरवी समाज स्पोर्ट क्लब के सदस्यों व समाज बन्धुओं का विशेष सहयोग रहा। मंच का संचालन मरुधरा की धरा से पधारे विशाल रामावत, मोहन झाला ने एवं मैच की कॉमेन्ट्री भरत बरफा ने की। खेल मंत्री धनराज वरपा के धन्यवाद ज्ञापन से कार्यक्रम का समापन्न हुआ।

पीएम मोदी के चित्र का दुग्धाभिषेक

हैदराबाद, 17 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। आज जामबाग मंडल के पार्षद राकेश जायसवाल ने भाजपा कार्यकर्ताओं के साथ बिहार में एनडीए सरकार की शानदार जीत का जश्न मनाया। यह समारोह जामबाग मंडल के पुतलीबावली चौरास्ता पर आयोजित किया गया, जहां बड़ी संख्या में पार्टी कार्यकर्ता एकत्रित हुए।

इस अवसर पर बोलते हुए, राकेश जायसवाल ने एनडीए नेतृत्व को बधाई दी और पार्टी कार्यकर्ताओं की कड़ी मेहनत की सराहना की, जो पार्टी के विकास में अथक योगदान दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि बिहार का जनादेश एनडीए के विकासोन्मुखी शासन में लोगों के विश्वास को दर्शाता है। अब पीएम मोदी की मंशानुसार अगला लक्ष्य पश्चिम बंगाल होगा जहां पार्टी की जीत के लिए कार्यकर्ताओं को समर्पित भाव से काम करना होगा। इस समारोह में पीएम नरेंद्र मोदी के चित्र पर दुग्धाभिषेक किया गया और जनता व कार्यकर्ताओं के बीच मिठाइयां वितरित की गईं। बैठक में श्रीनिवास यादव, राजकुमार, अनिल, संदीप, हरिनाथ और कई वरिष्ठ नेता व कार्यकर्ता शामिल हुए।

खरीद केंद्र में 3 करोड़ के धान घोटाले का आरोप

किसान ने कलेक्टर से की शिकायत, फर्जी रिकॉर्ड और मिलीभगत की बात उठाई

मंचेरियल, 17 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। जयपुर मंडल के किष्टपुर गांव स्थित एक खरीद केंद्र के संचालक पर धान खरीद के रिकॉर्ड में हेराफेरी कर तीन करोड़ रुपये की ठगी करने का गंभीर आरोप लगाया गया है। किसान लंबू शिवप्रसाद रेड्डी ने सोमवार को कलेक्टर कुमार दीपक को शिकायत देकर दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। अपनी याचिका में शिवप्रसाद रेड्डी ने आरोप लगाया कि खरीद केंद्र के संचालकों ने रबी 2024-25 सीजन में धान खरीद में बड़े पैमाने पर अनियमितताएं कीं।

उनके अनुसार, मोटे अनाज से जुड़े झूठे आंकड़े दिखाकर 1.5 करोड़ रुपये और उच्च गुणवत्ता वाले धान की खरीद के नाम पर 1.40 करोड़ रुपये की हेराफेरी की गई।

किसान ने कहा कि खेतों में बोई गई फसल का रकबा और वास्तविक उपज, केंद्र द्वारा दर्ज की गई खरीद के आंकड़ों से मेल नहीं खाते। उन्होंने आरोप लगाया कि संचालकों ने नागरिक आपूर्ति विभाग के कुछ अधिकारियों की मदद से फर्जी रिकॉर्ड तैयार किए और सरकारी धन का दुरूपयोग किया। उन्होंने बताया कि मामला वरिष्ठ अधिकारियों और सतर्कता शाखा के संज्ञान में भी लाया गया है। इससे पहले भी जयपुर मंडल के नरसिंहपुर और मदुलापल्ली गांवों में खाद्यान्न आपूर्ति से जुड़े एक अन्य क्रय केंद्र के 13 लोगों के खिलाफ 1.39 करोड़ रुपये की ठगी का मामला दर्ज किया गया था। उस मामले में चावल मिल मालिक थाटीपल्ली साईकुमार को गिरफ्तार किया जा चुका है, जबकि श्रीरामपुर इंस्पेक्टर जी वेणुचंदर को मामले को कमजोर करने के आरोप में निलंबित कर दिया गया है।

कपास खरीद ठप, मिलर्स-ट्रेडर्स की हड़ताल से एनुमामुला बाजार शांत

सीसीआई के नियमों के विरोध में राज्यभर में 300 से ज्यादा जिनिंग मिलें बंद

वारंगल, 17 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना कॉटन मिलर्स एंड ट्रेडर्स वेलफेयर एसोसिएशन ने अपनी लंबे समय से लंबित मांगों के समर्थन में सोमवार को एनुमामुला बाजार में कपास की खरीद स्थगित कर दी, जिसके बाद बाजार पूरी तरह शांत हो गया। तेलंगाना कॉटन एसोसिएशन के राज्य अध्यक्ष रविंदर ने कहा कि कॉटन कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया द्वारा एल1, एल2 और एल3 श्रेणियों से जुड़े मुद्दों के समाधान न होने पर पूरे राज्य में खरीद रोकने का फैसला लिया गया है।

खरीद रोकने से बाजार में पहुंचे किसान सीसीआई के मानदंडों पर आक्रोशित दिखे। उन्होंने आरोप लगाया कि सीसीआई विभिन्न कारणों का हवाला देते हुए कपास खरीदने से इनकार कर रहा है, जिससे किसानों को भारी नुकसान हो रहा है। राज्यभर में 300 से अधिक जिनिंग मिलों ने हड़ताल में हिस्सा लिया है, जिसके चलते कपास खरीद पर असर पड़ा है। एसोसिएशन ने राज्य सरकार से सीसीआई के अव्यवहारिक नियमों को लेकर दखल की मांग की थी, लेकिन कोई ठोस कदम न उठाए जाने पर व्यापारियों और मिल मालिकों ने अनिश्चितकालीन हड़ताल शुरू कर दी। रविंदर ने कहा कि केंद्र सरकार सीसीआई के माध्यम से किसानों के साथ धोखा कर रही है और इस कठोर नीति के कारण राज्य में कई मिलें बंद होने की कगार पर हैं।

एनएमडीसी ने लौह अयस्क उत्पादक के रूप में साढ़े छह दशकों से अधिक की उत्कृष्टता का उत्सव मनाया

हैदराबाद, 17 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। भारत के सबसे बड़े लौह अयस्क उत्पादक एनएमडीसी ने 15 नवंबर को अपने संचालन के 68 साल में प्रवेश करते हुए अपना स्थापना दिवस मनाया। इस अवसर पर सम्पूर्ण कंपनी में उत्कृष्ट योगदान करने के लिए संगठन के सर्वोच्च सम्मानजनक अवॉर्ड, सीएमडी उत्कृष्टता पुरस्कार प्रदान किए गए।3

आयोजन में एनएमडीसी की 1958 में स्थापित एकल-इकाई संचालन से लेकर भारत के सबसे बड़े लौह अयस्क उत्पादक और खनन क्षेत्र में वैश्विक- स्तर की पहचान बनाने की उल्लेखनीय यात्रा को याद किया गया।

कार्यक्रम में एनएमडीसी के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक अमिताभ मुखर्जी के साथ वरिष्ठ नेतृत्व विश्वनाथ सुरेश, निदेशक (वाणिज्य), विनय कुमार, निदेशक (तकनीकी), जयदीप दासगुप्ता, निदेशक (उत्पादन), श्रीमती प्रियदर्शिनी, निदेशक (कार्मिक), स्वतंत्र निदेशकगण और पूर्व निदेशकगण तथा वरिष्ठ अधिकारीगण, कर्मचारीगण और उनके परिवार के सदस्य भी उपस्थित थे।

सीएमडी उत्कृष्टता पुरस्कार अनेक श्रेणियों में प्रदान किए गए, जिनमें खनिज रत्न (व्यक्तिगत और समूह), एनएमडीसी रत्न (व्यक्तिगत और समूह), सर्वश्रेष्ठ विभाग- उत्पादन एवं बिक्री के लिए सीएमडी शील्ड, सर्वश्रेष्ठ विभाग- सपोर्ट के लिए सीएमडी शील्ड और सर्वश्रेष्ठ परियोजना और सर्वश्रेष्ठ परियोजना (वर्क्स) शामिल हैं।

एनएमडीसी परिवार को बधाई देते हुए अमिताभ मुखर्जी ने कहा, एनएमडीसी एक ऐसी कंपनी है, जिसका इतिहास हमसे बहुत पुराना है तथा भविष्य हमसे कहीं अधिक लंबा है। अपने परिचालन को मजबूत करने के लिए हम डिजिटल रूप से सक्षम अत्याधुनिक उपकरण ला रहे हैं। भविष्य में एनएमडीसी नवाचार, सुस्थिरता और परिचालन उत्कृष्टता को आगे बढ़ाने के लिए दृढ़-संकल्पित है। पिछले 68 वर्षों में निर्मित एक मजबूत विरासत के साथ, यह संगठन भारत के विकसित भारत के दृष्टिकोण को प्राप्त करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने के लिए तैयार है।

प्रथम पृष्ठ का शेष भाग

दिल्ली ब्लास्ट आमिर ...

वहीं, इस ब्लास्ट में सुरक्षा एजेंसियों को शू बम (जूता बम) के इस्तेमाल का शक है। सूत्रों के मुताबिक जांच एजेंसियों को विस्फोट वाली कार से एक जूता मिला है। इसकी जांच में अमोनियम नाइट्रेट और टीएटीपी के ट्रेस मिले, जिन्हें शुरुआती सुराग माना जा रहा है।

यह एक बेहद खतरनाक और सेंसेटिव विस्फोटक माना जाता है, जिसे आतंकी अक्सर इस्तेमाल करते हैं। यह मामूली झटके, रगड़ या थोड़ी सी गर्मी से भी फट सकता है। इसी वजह से इसे आतंकी दुनिया में 'शैतान की मां' कहा जाता है।

एनआईए ने रविवार को बताया कि कार चला रहा डॉ. उमर नबी एक आत्मघाती हमलावर (सुसाइड बॉम्बर) था। यह पहली बार है, जब किसी सुरक्षा एजेंसी ने ऑफिशियल तौर पर इसकी पुष्टि की है। इससे यह तय हो गया है कि ब्लास्ट सुसाइड अटैक ही था। 10 नवंबर को दिल्ली धमाके में 15 लोगों की मौत हुई थी, 24 से ज्यादा लोग जख्मी हैं।

मदीना जा रहे 45...

उन्होंने रियाद में भारतीय दूतावास के डिप्टी चीफ ऑफ मिशन (डीसीएम) अबू मैथन जॉर्ज से भी बात की। जॉर्ज ने उन्हें बताया कि स्थानीय अधिकारियों से जानकारी जुटाई जा रही है और जल्द ही अपडेट दिया जाएगा। ओवैसी ने कहा- मैं केंद्र सरकार से, खासकर विदेश मंत्री जयशंकर से अपील करता हूं कि शवों को जल्द ले जल्द भारत लाया जाए और घायलों को जरूरी चिकित्सा मुहैया कराई जाए।

पीएम मोदी बोले- पीड़ितों को हरसंभव मदद

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को सऊदी बस दुर्घटना पर दुख जताया। एक पोस्ट में मोदी ने कहा कि रियाद में वाणिज्य दूतावास हर संभव मदद दे रहे हैं। प्रधानमंत्री ने X पर कहा, 'मदीना में भारतीय नागरिकों के साथ हुई दुर्घटना से मुझे गहरा दुख हुआ है। मेरी संवेदनाएं उन परिवारों के साथ हैं जिन्होंने अपने प्रियजनों को खो दिया है। हमारे अधिकारी सऊदी अरब के अधिकारियों के साथ संपर्क में हैं।'

विदेश मंत्री बोले- दुर्घटना से गहरा सदमा पहुंचा

विदेश मंत्री एस जयशंकर ने सऊदी अरब में हुए हादसे पर दुख जताया। जयशंकर ने कहा- 'मदीना में भारतीय नागरिकों के साथ हुई दुर्घटना से गहरा सदमा पहुंचा है। रियाद स्थित हमारा दूतावास दुर्घटना से प्रभावित भारतीय नागरिकों और उनके परिवारों को पूरी सहायता प्रदान कर रहा है।'

हैदराबाद निवासी मोहम्मद तहसीन ने बताया कि उनके परिवार के 7 लोगों की सऊदी बस हादसे में मौत हो गई है। तहसीन ने केंद्र सरकार से शवों को भारत लाने का अनुरोध किया है।

बता दें कि उमरा को साल के किसी भी दिन किया जा सकता है और इसके लिए कोई खास तारीख नहीं होती। उमरा फर्ज नहीं है, बल्कि मक्का-मदीना की तीर्थयात्रा का एक छोटा रूप है, जिसे कोई भी मुसलमान कभी भी, जितनी बार चाहे कर सकता है। हज करने के लिए खास इस्लामी तारीखें होती हैं (इस्लामी कैलेंडर के जिलहिज्जा महीने की 8 से 12 तारीख के बीच)। उमरा कभी भी किया जा सकता है।

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

गिल का गुवाहाटी टेस्ट में खेलना मुश्किल

हॉस्पिटल से डिस्चार्ज हुए, कोलकाता टेस्ट के पहली पारी में रिटायर हर्ट हुए थे

गुवाहाटी, 17 नवंबर (एजेंसियां)। भारतीय कप्तान शुभमन गिल भारत बनाम साउथ अफ्रीका कोलकाता टेस्ट मैच के दौरान चोटिल हो गए थे और उनकी गर्दन पर चोट लगी थी। जिसके चलते वो रिटायर्ड हर्ट हो गए और उन्हें कोलकाता के अस्पताल में भर्ती कराया गया। हालांकि, अब शुभमन गिल को अस्पताल से छुट्टी मिल गई है और वो होटल पहुंच गए हैं। लेकिन, क्या वो दूसरा टेस्ट मैच खेल पाएंगे और उनकी गर्दन का दर्द कैसा है आइए जानते हैं...

डॉक्टर की निगरानी में है शुभमन गिल

रिपोर्ट्स के अनुसार, शुभमन को भले ही अस्पताल से छुट्टी मिल गई है। लेकिन वो होटल में डॉक्टर की कड़ी निगरानी में रहेंगे, बीसीसीआई और डॉक्टर की टीम

उन पर नजर रखेगी। रिपोर्ट्स के अनुसार, उनकी हालत स्थिर है, वो चल फिर सकते हैं। अपनी गर्दन को घुमा सकते हैं, लेकिन थोड़ा दर्द है। जिसके चलते गुवाहाटी टेस्ट मैच में उनके खेलने पर संशय बना हुआ है।

क्या दूसरा टेस्ट मैच खेलेंगे शुभमन गिल

रिपोर्ट्स के अनुसार, शुभमन गिल का गुवाहाटी में होने वाले साउथ अफ्रीका के खिलाफ दूसरे टेस्ट मैच के लिए भारतीय टीम के साथ जाना मुश्किल है। हालांकि, उनके खेलने या ना खेलने पर अभी संशय बना हुआ है, ये आने वाले 2 से 3 दिनों में उनकी रिकवरी पर डिपेंड करता है, कि वो दूसरा टेस्ट मैच खेलेंगे या नहीं?

कैसे लगी थी शुभमन गिल को चोट

भारत बनाम साउथ अफ्रीका टेस्ट मैच के दूसरे दिन शुभमन गिल बल्लेबाजी करने के लिए मैदान पर उतरे। उन्होंने 4 रन भी बनाए, लेकिन ड्रिंक्स ब्रेक के बाद साइमन हार्मर की दूसरी गेंद को लॉन्ग स्वीप पर उन्होंने जड़ा, लेकिन उस शॉर्ट की ताकत से उनके शरीर में एक व्हिपलैश जैसा लगा। शुभमन गिल ने तुरंत अपनी गर्दन के पीछे हाथ रखा और दर्द से तड़पने लगे, उन्हें सिर हिलाने में भी दिक्कत हो रही थी। इसके बाद मैदान पर तुरंत फिजियो आए, उन्होंने 3 गेंदे और खेली, लेकिन उसके बाद रिटायर्ड हर्ट हो गए। शुभमन गिल को अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां पर उनसे मिलने बीसीसीआई के पूर्व अध्यक्ष सौरभ गांगुली भी पहुंचे।

धनुष ने जीता एयर राइफल का स्वर्ण, मुर्तजा को रजत

डेफलिंपिक्स में भारत की शानदार शुरुआत

टोक्यो, 17 नवंबर (एजेंसियां)। भारत के युवा निशानेबाज धनुष श्रीकांत ने टोक्यो में चल रहे डेफलिंपिक्स में पुरुष 10 मीटर एयर राइफल स्पर्धा का स्वर्ण पदक जीतकर भारत का खाता खोल दिया। 23 वर्षीय धनुष ने फाइनल में 252.2 अंक बनाते हुए डेफ फाइनल वर्ल्ड रिकॉर्ड स्थापित किया। भारत के ही मोहम्मद मुर्तजा वानिया ने 250.1 अंक के साथ रजत पदक अपने नाम किया, जबकि दक्षिण कोरिया के बैक स्यूंघाक को 223.6 अंक के साथ कांस्य मिला।

क्वालिफिकेशन में भी बनाया रिकॉर्ड

धनुष ने क्वालिफिकेशन राउंड में 630.6 अंक बनाकर डेफलिंपिक्स रिकॉर्ड कायम

किया। मुर्तजा 626.3 अंकों के साथ दूसरे स्थान पर रहे। फाइनल में धनुष ने न सिर्फ डेफलिंपिक्स रिकॉर्ड तोड़ा बल्कि डेफ फाइनल वर्ल्ड रिकॉर्ड भी अपने नाम किया। यह उनके करियर का दूसरा पुरुष 10 मीटर एयर राइफल डेफलिंपिक्स स्वर्ण है। 2022 के कैक्सियास डू सुल डेफलिंपिक्स में उन्होंने व्यक्तिगत और मिक्स्ड टीम दोनों में स्वर्ण जीते थे।

मिश्रित टीम में नजरें चौथे स्वर्ण पर

धनुष अब सोमवार को महित संधू के साथ 10 मीटर एयर राइफल मिश्रित टीम इवेंट में उतरेंगे, जहां उनका लक्ष्य अपने करियर का चौथा डेफलिंपिक्स स्वर्ण हासिल करना होगा।

महिला वर्ग में महित संधू को रजत

महिला 10 मीटर एयर राइफल में भारत की महित संधू (20 वर्ष) ने 250.5 अंक के साथ रजत पदक जीता। भारत की कोमल वाघमारे (228.3) को कांस्य मिला, जबकि यूक्रेन की लिडकोवा वायोलेटा ने 252.4 अंक के विश्व रिकॉर्ड के साथ स्वर्ण जीता।

धनुष की मां ने कही यह बात

धनुष की मां आशा श्रीकांत ने कहा, 'धनुष कल काफी आत्मविश्वास में था। उसकी रैंकिंग पिछले साल से थोड़ी उतार-चढ़ाव में थी, लेकिन यह प्रदर्शन उसके लिए बहुत प्रेरणादायक है।' उन्होंने बताया कि धनुष पहले राष्ट्रीय स्तर पर नंबर-1 पर भी पहुंच चुके हैं। बचपन से श्रवण बाधित धनुष के दो बार कोक्लियर इम्प्लांट सर्जरी हुई, पहली एक साल की उम्र में और दूसरी नौ साल की उम्र में। उन्होंने आगे कहा, 'वह मशीन के सहारे सुनता है। वह कुछ ही शब्द बोल पाता है और ज्यादातर इशारों के जरिए समझाता है।'

मोहम्मद शमी को बुलाओ, सौरव गांगुली ने ईडन की हार के बाद दी बड़ी नसीहत

कोलकाता, 17 नवंबर (एजेंसियां)। टीम इंडिया का कोलकाता टेस्ट में साउथ अफ्रीका ने जो हश्र किया, उसके बाद काफी सारे सवाल है. जैसे क्या टीम इंडिया की ताकत अब स्पिन नहीं रही? क्या टीम इंडिया को स्पिनिंग ट्रैक बनाने अब बंद कर देने चाहिए? सिर्फ 3 दिन में जब कोलकाता टेस्ट सिमटा, जिसमें भारत को 30 रन से हार का सामना करना पड़ा तो ईडन की पिच पर प्रश्न चिन्ह लग गया. लेकिन, क्रिकेट एसोसिएशन ऑफ बंगाल के अध्यक्ष सौरव गांगुली ने उस सवालिया निशान को सिरे से नकार दिया. और, साथ ही भारतीय टीम को बड़ी नसीहत भी दे डाली.

'पिच को मत छेड़ो, बस खेलो'

सौरव गांगुली ने कहा कि ईडन गार्डन्स की पिच बिल्कुल वैसी ही थी, जैसा कि भारतीय टीम ने डिमांड की थी. गांगुली ने इसके आगे जो कहा वो बात लेकिन ज्यादा गौर करने वाली रही. उन्होंने कहा कि भारतीय टीम मैनेजमेंट को घरेलू मैदान पर दबदबा बनाने के लिए पिचों से छेड़छाड़ करना बंद कर देना चाहिए. भारत के पूर्व कप्तान और सीएबी अध्यक्ष के मुताबिक पिच ऐसी होनी चाहिए जो अच्छा खेले. मतलब जिस पर बल्लेबाजों और गेंदबाजों, दोनों के लिए कुछ ना कुछ हो. मतलब उस पिच पर 350 प्लस रन भी बने और गेंदबाज भी विकेट निकालने के लिए प्रेरित हों.

शमी को लाओ... उम्मीद है गंभीर सुन रहे होंगे

सौरव गांगुली ने कहा कि उम्मीद है कि गौतम गंभीर मेरी बात सुन रहे होंगे. उन्होंने गंभीर को नसीहत दी की पिच को बदलने के बजाए अपनी बॉलिंग स्ट्रेंथ पर भरोसा करें. टीम में बुमराह और सिराज हैं, जो कि अच्छी गेंदबाजी कर रहे हैं. लेकिन, उनके मुताबिक शमी को भी लाया जाना चाहिए, जो कि भारत को मैच जिताने की क्षमता रखते हैं. सौरव गांगुली के इस बयान से साफ है कि कहीं ना कहीं वो टेस्ट के लिए टीम इंडिया के स्पेशल पिच की मांग से खुश नहीं हैं.

गंभीर ने पिच को लेकर क्या कहा था?

कोलकाता टेस्ट मैच के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में आए गौतम गंभीर ने पिच को लेकर बयान दिया था कि वो जैसा चाहते थे, उन्हें वैसी ही पिच मिली. क्यूरेटर काफी मददगार रहे. उन्होंने माना कि अगर आप अच्छा नहीं खेलेगो तो हारोगे ही. 124 चेज करने लायक स्कोर था. इस पिच में कुछ भी गड़बड़ी नहीं थी.

वैसे गंभीर चाहे अपने फैसले को कितना भी डिफेंड कर लें लेकिन सच्चाई छिपती नहीं छिपाने से. क्योंकि, 2024 में न्यूजीलैंड के खिलाफ सीरीज में भी ऐसा ही हुआ था. भारतीय टीम ने स्पिन पिच की डिमांड की थी और उसका खामियाजा उसे भुगतना पड़ा था.

सिनर ने लगातार दूसरी बार एटीपी फाइनल्स का खिताब जीता

वर्ल्ड नंबर-1 अल्काराज को हराया

ट्यूरिन, 17 नवंबर (एजेंसियां)। इटली के स्टार टेनिस खिलाड़ी यानिक सिन्नर का विजय रथ थमने का नाम नहीं ले रहा है। उन्होंने एक बार फिर अपनी धाक जमाते हुए लगातार दूसरी बार एटीपी फाइनल्स का खिताब अपने नाम कर लिया है। इस बार उन्होंने फाइनल मुकाबले में दुनिया के नंबर-1 खिलाड़ी स्पेन के कार्लोस अल्काराज़ को सीधे सेटों में हराकर यह उपलब्धि हासिल की।

ट्यूरिन के इनलपी एरिना में हुए इस कांटे के मुकाबले में सिन्नर ने अल्काराज को 7-6 (7-4), 7-5 से शिकस्त दी। ख़ास बात यह रही कि सिन्नर ने लगातार दूसरे वर्ष यह टूर्नामेंट बिना कोई सेट गंवाए जीता है। लगातार मिली जीत उनकी शानदार फ़ॉर्म को बताता है। यह जीत इसलिए भी अहम है क्योंकि यह इंडोर हार्ड कोर्ट पर उनकी लगातार 31वीं जीत है। साल 2025 का सीजन टेनिस फैंस के लिए अल्काराज और सिन्नर के बीच जबरदस्त प्रतिद्वंद्विता का गवाह बना। इस सीजन के लगभग सभी बड़े खिताब इन्हीं दोनों खिलाड़ियों ने आपस में बांटे। यहां तक कि साल के चारों ग्रैंड स्लैम भी इन दोनों ने दो-दो जीते। इस सीजन में दोनों के बीच यह छठा फाइनल था, जिसमें सिन्नर की यह दूसरी जीत रही। अब उनका हेड-टू-हेड रिकॉर्ड 10-6 हो गया है।

जीत के बाद सिन्नर ने अपने प्रतिद्वंद्वी अल्काराज़ की तारीफ़ की। उन्होंने कहा कि तुम निश्चित रूप से एक ऐसे खिलाड़ी हो जिनसे मैं प्रेरणा लेता हूं। मुझे उम्मीद है कि अगले साल भी हमारी शानदार टक्कर होगी। कार्लोस के खिलाफ खेलते हुए आपको अपना सर्वश्रेष्ठ खेल दिखाना पड़ता है। दूसरी ओर अल्काराज ने भी सिन्नर को बधाई दी और अगले सीज़न के लिए चुनौती दी।

संगकारा राजस्थान रॉयल्स के हेड कोच बने

राहुल द्रविड़ की जगह पद संभालेंगे; वर्तमान में फ्रेंचाइजी के डायरेक्टर ऑफ क्रिकेट भी हैं

नई दिल्ली, 17 नवंबर (एजेंसियां)। श्रीलंका के पूर्व कप्तान कुमार संगकारा को राजस्थान रॉयल्स ने आईपीएल 2026 से पहले क्रिकेट निदेशक और हेड कोच की दोहरी जिम्मेदारी सौंपी है। संगकारा रॉयल्स में राहुल द्रविड़ की जगह लेंगे।

राहुल द्रविड़ ने आईपीएल 2025 में खराब प्रदर्शन के बाद राजस्थान रॉयल्स से किनारा किया था। पांच साल में रॉयल्स का यह आईपीएल में सबसे लचर प्रदर्शन था। कुमार संगकारा ने रॉयल्स के हेड कोच बनने पर कहा, 'लक्ष्य हमेशा निरंतर है हम आईपीएल जीतना चाहते हैं। यह बदलेगा नहीं।'

संगकारा का रॉयल□स में प्रभाव

कुमार संगकारा राजस्थान

रॉयल्स के सभी प्रमुख फैसलों में शामिल रहेंगे। वो 16 दिसंबर को अबुधाबी में होने वाली नीलामी में अहम भूमिका निभाएंगे। याद दिला दें कि 2021 से 2024 तक संगकारा ने राजस्थान रॉयल्स के हेड कोच की भूमिका निभाई थी। श्रीलंका के पूर्व विकेटकीपर बल्लेबाज को इस बात का श्रेय जाता है कि उन्होंने फ्रेंचाइजी को मुश्किल स्थिति से उबारा और चार साल में दो बार प्लेऑफ में पहुंचाया। संगकारा ने पूर्व कप्तान संजू सैमसन के साथ मिलकर टीम को बेहद मजबूत बनाया। रॉयल्स ने सैमसन और संगकारा के रहते आईपीएल 2022 के फाइनल में प्रवेश किया था। तब उसे गुजरात टाइटंस से शिकस्त मिली थी।

नए क□तान की तलाश

राजस्थान रॉयल्स को नए कप्तान की तलाश है। संजू सैमसन को चेन्नई सुपरकिंग्स ने ट्रेड किया। राजस्थान के पास रवींद्र जडेजा और सैम करन आए। रॉयल्स के पास भारतीय खिलाड़ियों का अच्छा पूल है, जिसमें यशस्वी जायसवाल, वैभव सूर्यवंशी, रियान पराग और ध्रुव जुरैल हैं। जडेजा के आने से टीम को मजबूती मिलेगी।

बता दें कि राजस्थान रॉयल्स ने आईपीएल 2026 से पहले 9 खिलाड़ियों को रिलीज किया, जिसमें दो श्रीलंकाई स्पिनर्स वानिंदु हसरंगा और महीश तीक्षणा के नाम शामिल हैं। यह देखना दिलचस्प होगा कि मिनी नीलामी में संगकारा इन दोनों में से किसी को खरीदने के लिए जोर लगाएंगे या नहीं।

पाकिस्तान ने श्रीलंका को 6 विकेट से हराया

वनडे सीरीज में 3-0 से क्लीन स्वीप; फखर-रिज़वान की अर्धशतकीय पारियां

रावलपिंडी, 17 नवंबर (एजेंसियां)। शाहीन अफरीदी की कप्तानी वाली पाकिस्तान क्रिकेट टीम ने श्रीलंका को तीसरे और आखिरी मैच में 6 विकेट से हराकर तीन मैचों की वनडे सीरीज में उसका 3-0 से सफाया कर दिया. इस लो स्कोरिंग मैच में पाकिस्तान के सामने 212 रन का टारगेट था जो उसने 4 विकेट के नुकसान पर 45वें ओवर में हासिल कर लिया.पाकिस्तान की जीत में गेंदबाज मोहम्मद वसीम जूनियर और बल्लेबाज रिजवान के साथ फखर जमां और हुसैन तलत का अहम रोल रहा जिन्होंने शानदार बल्लेबाजी कर अपनी टीम को जीत दिलाई. पाकिस्तान की टीम अब अपने घर में टी20 ट्राई सीरीज खेलेगी जिसमें पाकिस्तान सहित जिम्बाब्वे और

श्रीलंका की टीमें शामिल होंगी. यह सीरीज 18 नवंबर से खेली जाएगी. ट्राई सीरीज के सभी मुकाबले एक ही वेन्यू रावलपिंडी में खेले जाएंगे.

पहले बल्लेबाजी करने उतरी श्रीलंकाई टीम पूरे 50 ओवर भी नहीं खेल पाई. 45.2 ओवर में श्रीलंका की टीम 211 रन बनाकर पवेलियन लौट गई. श्रीलंका की ओर से सदीरा समरविक्रमा ने सबसे अधिक 48 रन की पारी खेली जबकि पवन रत्नायके ने 32 रन का योगदान दिया. कामिल मिश्रा ने 29 रन बनाए वहीं ओपनर पथुम निसंका 24 रन बनाकर आउट हुए. पाकिस्तान की ओर से मोहम्मद वसीम जूनियर ने 3 विकेट चटकाए वहीं हारिस रउफ और फैसल अकरम ने दो दो विकेट लिए. वसीम जूनियर को प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया वहीं हारिस रउफ प्लेयर ऑफ द सीरीज चुने गए.

212 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी पाकिस्तानी टीम ने 44.4 ओवर में 4 विकेट के नुकसान पर 215 रन बनाकर मैच को अपने नाम कर लिया. ओपनर फखर जमां ने 45 गेंदों पर आठ चौकों की मदद से 55 रन बनाकर आउट हुए जबकि मोहम्मद रिजवान 92 गेंदों पर 62 रन बनाकर नाबाद लौटे. बाबर आजम ने 52 गेंदों पर 34 रन बनाए. हुसैन तलत 57 गेंदों पर 42 रन बनाकर नाबाद लौटे. श्रीलंका की ओर से जेफ्री वेंडरसे ने सबसे अधिक 3 विकेट लिए वहीं एक विकेट महीश तीक्षणा के नाम रहा.

2015 के बाद घर में पाकिस्तान की आठवीं वनडे सीरीज जीत है

हालंद का जलवा, नॉर्वे का 28 साल बाद विश्वकप का टिकट पक्का

इटली पर लगातार तीसरी बार बाहर होने का खतरा

खेल डेस्क, 17 नवंबर (एजेंसियां)। फुटबॉल दुनिया में कई बड़े उलटफेर लेकर आया। एर्लिंग हालंद के दो शानदार गोलों की बदौलत नॉर्वे ने इटली को 4-1 से हराकर 1998 के बाद पहली बार फुटबॉल विश्व कप में जगह बना ली। दूसरी ओर, अफ्रीका में हुए निर्णायक मुकाबले में कांगो ने नाइजीरिया को पेनल्टी शूटआउट में हराकर 2026 विश्व कप की दौड़ से बाहर कर दिया। फीफा विश्व कप 2026 में 48 टीमें हिस्सा लेंगी।

हालंद ने दिलाया नॉर्वे को 28 साल बाद विश्व कप का टिकट

मिलान के मशहूर मैदान में हुए मुकाबले में नॉर्वे को विश्व कप में पहुंचने के लिए भारी हार से बचना था, लेकिन टीम ने इसके बजाय अपने ग्रुप में सभी मैच जीतकर 24 अंक हासिल किए। हालंद ने 78वें और 79वें मिनट में लगातार दो गोल दागे। अब तक पूरे अभियान में हालंद ने 16 गोल किए, जो यूरोप में सबसे अधिक हैं। नॉर्वे के कोच स्टेल सोलबेक्कन ने कहा, 'हमने अपना काम शानदार तरीके से पूरा किया है, अब आगे की

रणनीति तय होगी।' बता दें कि 1998 में जब नॉर्वे विश्व कप खेला था, तब हालंद के पिता टीम का हिस्सा थे।

इटली की मुसीबत फिर बढ़ी, अब टिके हैं प्ले-ऑफ के सहारे

इटली के लिए यह हार बेहद निराशाजनक रही। 11वें मिनट में इटली ने गोल किया, लेकिन इसके बाद 63वें मिनट में नुसा ने बराबरी की। उसके बाद हॉलैंड ने दो गोल दागे। इंजरी समय में नॉर्वे के जॉर्गन लार्सन ने चौथा गोल ठोक दिया। इससे इटली लगातार तीसरी बार विश्व कप से बाहर होने के कगार पर खड़ा है। टीम 2018 और 2022 में भी फीफा विश्व कप के लिए क्वालिफाई नहीं कर पाई थी। इटली अब मार्च में होने वाले निर्णायक दौर में खेलेगा। इटली टीम के कोच गेन्नारो गट्टूसो ने कहा, 'यह चिंता की बात है, क्योंकि हमारा अगला मैच तीन महीने बाद होगा।'

नाइजीरिया का सपना टूटा

अफ्रीकन क्वालिफायर्स के अंतिम मुकाबले में कांगो रिपब्लिक ने नाइजीरिया को 4-3 से पेनल्टी में हराकर बड़ा उलटफेर कर दिया। मुकाबला 1-1 से बराबर रहने के बाद एक्स्ट्रा टाइम तक गया। बारिश और दबाव के बीच कांगो के कप्तान शांसल मबेंबा ने बेहतरीन खेल दिखाया। एक ही शूटआउट में चार पेनल्टी रोकी गईं। कांगो के दूसरे गोलकीपर, जो आखिरी मिनट में उतारे गए थे, उन्होंने दो पेनल्टी बचाईं। कांगो 1974 के बाद पहली बार विश्व कप के करीब पहुंचा है। तब देश का नाम जैरे था।

नाइजीरिया की बढ़त भी काम न आई

मुकाबले की शुरुआत नाइजीरिया ने बेहतरीन की। तीसरे मिनट में फ्रैंक ओन्येका के प्रहार से टीम ने बढ़त बनाई, लेकिन 32वें मिनट में मेचक एलिया ने बराबरी कर दी। नाइजीरिया के सबसे मजबूत खिलाड़ी विक्टर ओसिमेन पहले हाफ में ही चोटिल होकर बाहर हो गए। उनके बाहर होने के बाद टीम का अटैक कमजोर पड़ गया। अब कांगो अगले राउंड में हिस्सा लेगा, जहां छह टीमें दो स्थानों के लिए भिड़ेंगी।

फीफा विश्व कप 2026: सबसे बड़ा संस्करण

अगला फीफा विश्व कप अमेरिका, कनाडा और मेक्सिको में आयोजित होगा। यह पहली बार होगा जब 48 टीमें इसमें हिस्सा लेंगी। पिछले यानी 2022 फीफा विश्व कप में 32 टीमों ने हिस्सा लिया था। अफ्रीका से अब तक नौ टीमें सीधे जगह बना चुकी हैं। इनमें अल्जीरिया, केप वर्डे, मिस्र, घाना, आइवरी कोस्ट, मोरक्को, सेनेगल, दक्षिण अफ्रीका और ट्यूनीशिया शामिल हैं।

अब तक कुल 32 टीमें फीफा विश्व कप 2026 के लिए क्वालिफाई कर चुकी हैं। आइए उनके नाम जानते हैं-

मेजबान देशः कनाडा, मेक्सिको, संयुक्त राज्य अमेरिका

एशियाः ऑस्ट्रेलिया, ईरान, जापान, जॉर्डन, कतर, सऊदी अरब, दक्षिण कोरिया, उज्बेकिस्तान

अफ्रीकाः अल्जीरिया, केप वर्ड, मिस्र, घाना, आइवरी कोस्ट, मोरक्को, सेनेगल, दक्षिण अफ्रीका, ट्यूनीशिया

यूरोपः क्रोएशिया, इंग्लैंड, फ्रांस, नॉर्वे, पुर्तगाल

ओशिनियाः न्यूजीलैंड

दक्षिण अमेरिकाः अर्जेंटीना, ब्राजील, कोलंबिया, इक्वाडोर, पराग्वे, उरुग्वे।

भारतीय युवा टीम राइजिंग एशिया कप में पाकिस्तान से हारी

सदाकत माज ने 47 बॉल पर 79 रन बनाए

दोहा, 17 नवंबर (एजेंसियां)। दोहा में खेले गए राइजिंग एशिया कप 2025 के छठे मुकाबले में पाकिस्तान शाहीन्स ने इंडिया ए को 8 विकेट से करारी शिकस्त दी। पाकिस्तानी टीम ने 40 गेंद रहते ही निर्धारित लक्ष्य को पा लिया। दोहा में खेले गए इस मैच में पाकिस्तान के कप्तान इरफान खान ने टॉस जीतकर गेंदबाजी चुनी। भारतीय टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए पाकिस्तान के सामने 136 रनों का लक्ष्य रखा। बता दें कि भारत की पूरी टीम 19 ओवर में 136 के स्कोर पर सिमट गई।

सदाकत के सामने भारतीय गेंदबाजों ने डाले हथियार

पाकिस्तान की ओर से माज सदाकत ने सबसे ज्यादा 47 गेंदों में 79 रन की पारी खेली। उन्होंने इस पारी में 7 चौके और 4 छक्के लगाए। इसके अलावा मोहम्मद नईम ने 14, यासिर खान ने 11 और मोहम्मद फैक ने 16 रनों का योगदान दिया। पाकिस्तान ने 13.2 ओवर में 2 विकेट खोकर 137 रन के टारगेट को अचीव कर लिया। भारत की ओर से यश ठाकुर और सुयश शर्मा ने 1-1 विकेट लिया।

भारत की ओर से वैभव सूर्यवंशी ने बनाए सबसे ज्यादा रन

भारत की ओर से ओपनर वैभव सूर्यवंशी ने 28 गेंदों में 45 रन की पारी खेली। इस दौरान उन्होंने 5 चौके और 3 गगनचुंबी छक्के लगाए। वहीं, नमन धीर ने 20 बॉल में 35 रनों की शानदार पारी खेली। नमन ने 6 चौके और 1 छक्का लगाया। हालांकि, इन दोनों को छोड़ दें तो दोहा की पिच पर दूसरा कोई बल्लेबाज टिक कर बैटिंग नहीं कर सका।

पाकिस्तान के माज बने मैन ऑफ द मैच

पाकिस्तान के ओपनर सदाकत माज को 79 रनों की धुआंधार पारी खेलने और 2 विकेट चटकाने के लिए मैन ऑफ द मैच चुना गया। पाकिस्तान की तरफ से सबसे ज्यादा 3 विकेट शाहिद अजीज ने लिए। उनके अलावा साद मसूद ने 2 और उबैद शाह, अहमद दानियाल और सूफियान मुकीम ने 1-1 विकेट चटकाए। बता दें कि इस जीत के साथ ही पाकिस्तान ने टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में अपनी जगह करीब-करीब पक्की कर ली है।

2025 में पाकिस्तान से पहली बार हारा भारत

बता दें कि 2025 में अब तक क्रिकेट के किसी भी फॉर्मेट में पाकिस्तान की टीम भारत को हरा नहीं पाई थी। ये पहला मौका है, जब भारत इस साल पाकिस्तान के हाथों हारा है। दोनों देशों के बीच इस साल 6 मुकाबले हुए हैं, जिनमें भारत ने 5 और पाकिस्तान ने एक जीता है।

सीएम ने सऊदी अरब में हुई बस हादसे पर शोक जताया

यात्रियों में हैदराबाद के लोग भी शामिल

हैदराबाद, 17 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने सऊदी अरब में भारतीय हजयात्रियों को ले जा रही एक बस के साथ हुई भीषण दुर्घटना पर गहरा शोक व्यक्त किया है। यह दुर्घटना उस समय हुई जब बस मक्का से मदीना जा रही थी। मीडिया रिपोर्टों में कहा गया है कि यात्रियों में हैदराबाद के लोग भी शामिल थे। मुख्यमंत्री ने त्वरित प्रतिक्रिया देते हुए मुख्य सचिव के. रामकृष्ण राव और पुलिस महानिदेशक शिवधर रेड्डी को बस दुर्घटना में मारे गए लोगों

का विवरण प्राप्त करने का निर्देश दिया। मुख्यमंत्री ने बस में सवार तेलंगाना के लोगों की संख्या के बारे में भी जानकारी ली।अधिकारियों को तत्काल राहत उपाय करने के लिए विदेश मंत्रालय और सऊदी दूतावास से संपर्क करने का भी आदेश दिया गया। मुख्यमंत्री के निर्देश पर, मुख्य सचिव ने दिल्ली में रेजिडेंट कमिश्नर गौरव उप्पल को सूचित किया। मुख्य सचिव ने रेजिडेंट कमिश्नर को दुर्घटना में तेलंगाना के पीड़ितों की संख्या का विवरण एकत्र करने का निर्देश दिया। राज्य सचिवालय में एक नियंत्रण कक्ष भी स्थापित किया गया है।

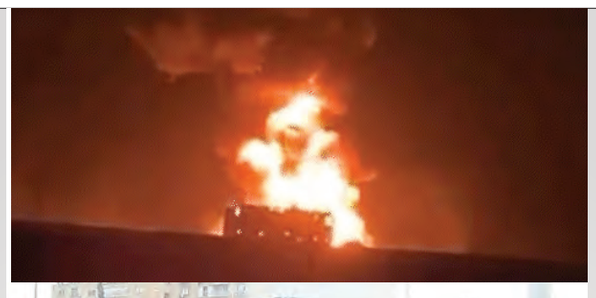

सऊदी अरब बस दुर्घटना पर रेजिडेंट कमिश्नर ने की आपातकालीन समीक्षा बैठक

नई दिल्ली, 17 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। सऊदी अरब में एक भीषण बस दुर्घटना हुई, जब भारतीय यात्री मक्का से मदीना जा रहे थे। तेलंगाना राज्य सरकार के निर्देशानुसार, नई दिल्ली स्थित तेलंगाना भवन के रेजिडेंट कमिश्नर डॉ. शशांक गोयल ने इस दुखद बस दुर्घटना के संबंध में एक आपातकालीन समीक्षा बैठक की।

इस बैठक में, विभिन्न आधिकारिक माध्यमों से अब तक प्राप्त प्रारंभिक रिपोर्टों की समीक्षा की गई। वरिष्ठ अधिकारियों को तुरंत एक उचित कार्ययोजना तैयार करने के निर्देश दिए गए। पीड़ितों और घायलों के बारे में सटीक जानकारी एकत्र करने का सुझाव दिया गया। इसके लिए विदेश मंत्रालय (एमईए), रियाद स्थित भारतीय दूतावास और सऊदी अधिकारियों के साथ निरंतर संपर्क बनाए रखने का निर्देश दिया गया। राज्य सरकार के आदेशानुसार, डॉ. शशांक गोयल ने अधिकारियों को हैदराबाद में वरिष्ठ अधिकारियों और अनिवासी भारतीयों के कल्याण का प्रबंधन करने वालों के साथ समन्वय करने के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि यह पता लगाया जाना चाहिए कि दुर्घटना में तेलंगाना के कितने लोग शामिल थे। उन्होंने बिना किसी देरी के सभी आवश्यक कदम उठाने के निर्देश दिए। स्थानिक आयुक्त डॉ. शशांक गोयल ने निर्देश दिए कि तेलंगाना भवन का एक अधिकारी विदेश मंत्रालय कार्यालय में जानकारी प्राप्त करने और शीघ्र संपर्क करने के लिए उपलब्ध रहे। वह अधिकारी दुर्घटना से संबंधित जानकारी प्राप्त करने और समन्वय के लिए चौबीसों घंटे उपलब्ध रहे। स्थानिक आयुक्त ने स्पष्ट किया कि तेलंगाना भवन के अधिकारी दुर्घटना से संबंधित जानकारी के लिए चौबीसों घंटे उपलब्ध रहेंगे। इस बैठक में सचिव समन्वय डॉ. गौरव उप्पल और अन्य वरिष्ठ अधिकारियों ने भाग लिया।

बस हादसे से पीड़ित परिवारों को सहायता के लिए सरकार प्रतिबद्ध : मो. अजहरुद्दीन

हैदराबाद, 17 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। सऊदी अरब में हुए हादसे के बाद हज हाउस में स्थिति पर मंत्री मोहम्मद अज़हरुद्दीन ने व्यक्तिगत रूप से नज़र रखी। अल्पसंख्यक एवं लोक कल्याण मंत्री मोहम्मद अज़हरुद्दीन ने सऊदी अरब में भारतीय हजयात्रियों के साथ हुई दुखद बस दुर्घटना पर गहरा दुख व्यक्त किया है। मंत्री ने आश्वासन दिया कि तेलंगाना सरकार इस कठिन समय में प्रभावित परिवारों की सहायता के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। मंत्री अज़हरुद्दीन ने जेद्दा में भारत के महावाणिज्य दूत श्री फहद अहमद खान सूरी से व्यक्तिगत रूप से बात की और उनसे घायल हजयात्रियों को हर संभव सहायता प्रदान करने

और राहत कार्यों का शीघ्र और प्रभावी ढंग से समन्वय करने का अनुरोध किया। तत्काल कार्रवाई करते हुए, मोहम्मद अज़हरुद्दीन वर्तमान में हैदराबाद के हज हाउस में हैं, जहाँ वे वरिष्ठ अधिकारियों के साथ व्यक्तिगत रूप से स्थिति पर नज़र रख रहे हैं। वे नियंत्रण कक्ष के कामकाज की निगरानी कर रहे हैं, प्रभावित तीर्थयात्रियों के परिवारों के लिए निरंतर संचार, सटीक अपडेट और समय पर सहायता सुनिश्चित कर रहे हैं। समर्पित नियंत्रण कक्ष के नंबर 79979 59754, 99129 19545 है। मंत्री ने पुष्टि की कि तेलंगाना सरकार, विदेश मंत्रालय और सऊदी प्राधिकारियों के साथ समन्वय करके, परिवारों को सहायता, मार्गदर्शन और आवश्यक सहयोग प्रदान करने के लिए हर संभव प्रयास कर रही है।

भाजपा तेलंगाना प्रदेश अध्यक्ष ने सऊदी अरब में हुई बस दुर्घटना पर शोक व्यक्त किया

हैदराबाद, 17 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। सऊदी अरब में हुई भीषण बस दुर्घटना में यात्रियों और तेलंगाना निवासियों की दुखद मृत्यु अत्यंत हृदयविदारक घटना है। मैं इस घटना पर गहरा शोक व्यक्त करता हूँ। इस घटना ने राज्य को गहरे शोक में डुबो दिया है। प्रभावित परिवारों को इस कठिन समय में साहस का परिचय देना चाहिए। भाजपा तेलंगाना प्रदेश इकाई उनके परिवारों के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त करती है। उमरा हजयात्रा पर गए तेलंगाना राज्य के नागरिकों के साथ हुई इस भयानक दुर्घटना ने उनके परिवारों को शोक में डुबो दिया है। मैं प्रार्थना करता हूँ कि मृतकों की आत्मा को शांति मिले और ईश्वर उनके परिजनों को इस दुख की घड़ी में साहस प्रदान करें। इस दुर्घटना के बाद केंद्रीय विदेश

मंत्रालय ने त्वरित कार्रवाई शुरू कर दी है। भारतीय दूतावास ने शवों की पहचान, राहत कार्यों और सऊदी अधिकारियों के साथ आवश्यक समन्वय के लिए पहले ही कार्रवाई शुरू कर दी है। इसी प्रकार, मैं तेलंगाना सरकार से अनुरोध करता हूं कि वह केंद्र के साथ समन्वय बढ़ाए और शवों को निकालने सहित सभी आवश्यक राहत प्रयासों में तेजी लाए।

नरसारावपेट, आंध्र प्रदेश से सांसद लावु श्री कृष्ण देवरायलु ने सोमवार को एससीआर मुख्यालय, रेल निलयम, सिकंदराबाद में संजय कुमार श्रीवास्तव, महाप्रबंधक, एससीआर से मुलाकात की और अपने क्षेत्र से संबंधित रेल विकास योजनाओं पर चर्चा की।

सऊदी अरब में बस दुर्घटना में मारे गए लोगों के परिवारों को 5-5 लाख रुपये की अनुग्रह राशि

पीड़ित परिवारों के साथ एक आधिकारिक टीम दुर्घटनास्थल का दौरा करेगी

हैदराबाद, 17 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना सरकार ने सऊदी अरब में बस दुर्घटना में मारे गए प्रत्येक पीड़ित के परिवारों को 5-5 लाख रुपये की अनुग्रह राशि देने की घोषणा की है। राज्य मंत्रिमंडल ने आज सचिवालय में हुई बैठक में शोक संतप्त परिवारों को अनुग्रह राशि प्रदान करने का निर्णय लिया। मंत्रिमंडल ने राज्य के अल्पसंख्यक कल्याण मंत्री मोहम्मद अजहरुद्दीन के नेतृत्व में एक सरकारी टीम को सऊदी अरब भेजने का भी निर्णय लिया। इस टीम में एआईएमआईएम का एक विधायक और अल्पसंख्यक समुदाय का एक वरिष्ठ अधिकारी भी शामिल होगा। प्रत्येक पीड़ित के परिवार के दो सदस्यों को भी सऊदी अरब ले जाया जाएगा। मृतकों के पार्थिव शरीर का अंतिम संस्कार सऊदी अरब में ही किया जाएगा।

सऊदी बस दुर्घटना में तेलंगाना का एकमात्र गवाह आईसीयू में भर्ती

हैदराबाद, 17 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। आसिफनगर के झिरा के रहने वाले मोहम्मद अब्दुल शोएब सऊदी अरब में हुई भीषण बस दुर्घटना के एकमात्र जीवित गवाह हैं और वर्तमान में गहन चिकित्सा इकाई (आईसीयू) में गंभीर हालत में भर्ती हैं। शोएब अपने रिश्तेदारों के साथ उमराह तीर्थयात्रा पर गए थे। हादसे के समय वे ड्राइवर की सीट के पास बैठे थे। बस के एक डीजल टैंकर से टकराते ही उन्होंने शीशा तोड़कर किसी तरह बस से बाहर छलांग लगा दी, जिससे उनकी जान बच गई। हादसे के तुरंत बाद घटनास्थल पर मौजूद कुछ लोगों की मदद से उन्होंने भारत में अपने परिजनों को दुर्घटना की जानकारी दी। बाद में उन्हें गंभीर चोटों के कारण सऊदी अरब के एक अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उनका इलाज जारी है।

हैदराबाद से 55 हजार के पैकेज पर सऊदी अरब गए थे हज यात्री,

हैदराबाद, 17 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। सऊदी अरब में भारतीय हज यात्रियों की बस के एक्सीडेंट और इसमें 42 लोगों की मौत पर तेलंगाना सरकार एक्शन मोड में आ गई है। तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने सोमवार तड़के सऊदी अरब में भारतीय तीर्थयात्रियों को ले जा रही एक बस के साथ हुए भीषण हादसे पर दुख व्यक्त किया। यह जानकारी सामने आई कि सऊदी अरब में हादसे का शिकार हुए भारतीय 55,000 रुपये के पैकेज पर वहां गए थे।

एआईएमआईएम नेता असुदद्दीन ओवैसी ने कहा कि यात्रियों ने कथित तौर पर दो ट्रैवल एजेंसियों के माध्यम से यात्रा की थी। हैदराबाद से हर साल सैकड़ों तीर्थयात्री उमराह (तीर्थयात्रा) करने के लिए सऊदी अरब जाते हैं। कई ट्रैवल एजेंसियां सात दिनों की यात्रा के लिए प्रति व्यक्ति 55,000 रुपये से शुरू होने वाले उमराह पैकेज पेश करती हैं, जिसमें मक्का और मदीना के अलावा कुछ दर्शनीय स्थलों की यात्रा भी शामिल है।

डीएनटी प्रमाणपत्र जारी करने की प्रक्रियाओं पर चर्चा

राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग की बैठक संपन्न

हैदराबाद, 17 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग की बैठक खैरताबाद स्थित आयोग कार्यालय में जी. निरंजन की अध्यक्षता में हुई। आयोग के सदस्य रापोलू जयप्रकाश, तिरुमालागिरी सुरेंद्र, रंगू बालालक्ष्मी और आयोग की सदस्य सचिव बाला माया देवी ने बैठक में भाग लिया। आज की बैठक में उप निदेशक यू. श्रीनिवास राव, सहायक सचिव के. मनोहर राव, विशेष अधिकारी कुमारी एन. सुनीता और अनुभाग अधिकारी जी. सतीश कुमार शामिल थे।

बैठक में आयोग ने विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की।

विशेष रूप से, केंद्र सरकार द्वारा कार्यान्वित की जा रही एसईईडी योजना के अंतर्गत पात्रता के लिए आवश्यक डीएनटी प्रमाणपत्र जारी करने की प्रक्रियाओं पर चर्चा की गई। आयोग जल्द ही इस मामले पर अपनी रिपोर्ट सरकार को सौंपेगा। आयोग ने राज्य सरकार में कार्यरत कर्मचारियों के जाति-संबंधी विवरण एकत्र करने पर भी चर्चा की। यह देखते हुए कि डेटा संग्रह अपने अंतिम चरण में है, आयोग ने पाया कि 345 सरकारी विभागों में से 45 विभागों ने अभी तक विवरण प्रस्तुत नहीं किया है। यह निर्णय लिया गया कि इन विभागों को यह प्रक्रिया जल्द से जल्द पूरी करनी होगी। आयोग ने अगले 10 दिनों के भीतर विवरण प्रस्तुत करने में विफल रहने वाले विभागों के सचिवों के साथ एक बैठक आयोजित करने का भी निर्णय लिया। छात्रों के डेटा संग्रह में भी तेजी लाने का निर्णय लिया गया। आयोग ने पिछड़ी जातियों से संबंधित पुस्तकों, शोध सामग्री, विभिन्न रिपोर्टों आदि के साथ आयोग कार्यालय में पुस्तकालय को सुदृढ़ करने का निर्णय लिया। इस उद्देश्य के लिए, आयोग ने एक समर्पित शोध सहयोगी की नियुक्ति करने का संकल्प लिया।

जुबली हिल्स विधानसभा क्षेत्र के लिए आदर्श आचार संहिता हटाई गई

हैदराबाद, 17 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। जुबली हिल्स विधानसभा क्षेत्र उपचुनाव के परिणामों की आधिकारिक घोषणा के बाद, भारत निर्वाचन आयोग ने तत्काल प्रभाव से आदर्श आचार संहिता (एमसीसी) हटा ली है। चुनाव कार्यक्रम की घोषणा के बाद से लागू आदर्श आचार संहिता अब लागू नहीं है क्योंकि निर्वाचन क्षेत्र में चुनाव प्रक्रिया विधिवत पूरी हो चुकी है।

नाचाराम में महिला से सोने की चेन छिनी

हैदराबाद, 17 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। नाचाराम में सोमवार को एक महिला से सोने की चेन छीनने की वारदात सामने आई। कार्तिकेय नगर की रहने वाली लक्ष्मी (40) सड़क पर चल रही थीं, तभी मोटरसाइकिल पर आए दो अज्ञात युवक उनकी करीब 3 तोले की सोने की चेन छीनकर फरार हो गए। पुलिस के अनुसार, महिला को जब तक घटना का अहसास हुआ और उसने शोर मचाया, तब तक आरोपी गलियों में गायब हो चुके थे। नाचाराम पुलिस मामले की जांच कर रही है और आरोपियों की तलाश में आसपास लगे निगरानी कैमरों की फुटेज की जांच कर रही है।

आखिरी सोमवार को वेमुलावाड़ा मंदिर में उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़

टोकन सीमित होने पर भक्तों और कर्मचारियों में हुई बहस

राजन्ना-सिरसिला, 17 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। पवित्र कार्तिक मास के अंतिम सोमवार को वेमुलावाड़ा स्थित श्री राजराजेश्वर स्वामी मंदिर में भारी संख्या में श्रद्धालुओं का तांता लगा रहा। सोमवार को इष्टदेव की पूजा का सबसे शुभ दिन माना जाता है, जिसके कारण राज्य के साथ-साथ पड़ोसी राज्यों से भी बड़ी संख्या में भक्त दर्शन के लिए पहुंचे।

मुख्य मंदिर में चल रहे जीर्णोद्धार कार्यों के कारण फिलहाल सभी पूजाएं भीमेश्वर मंदिर परिसर में संपन्न हो रही हैं, जहां श्रद्धालु सुबह से ही लंबी कतारों में लगे नजर आए। इस बीच नित्य कल्याणम टोकन सीमित संख्या में जारी किए जाने को लेकर श्रद्धालुओं और मंदिर कर्मचारियों के बीच कहासुनी हो गई। बड़ी संख्या में भक्त टिकट के लिए कतार में थे, लेकिन अधिकारियों द्वारा कथित रूप से केवल 79 टोकन जारी किए गए, जिससे टिकट न मिलने वाले श्रद्धालुओं ने आपत्ति जताई। कोडेमोक्कु करने में भक्तों को लगभग तीन घंटे तक इंतजार करना पड़ा और पूरे मंदिर परिसर में लंबी कतारें देखी गईं।

तेलंगाना के हजयात्रियों की पहचान तेजी से कराने में जुटे भारतीय अधिकारी

शव बुरी तरह जलने से डीएनए टेस्ट के जरिये होगी पहचान

दुबई, 17 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। सऊदी अरब में मदीना के पास हुए दर्दनाक सड़क हादसे में जलकर मारे गए तेलंगाना के उमराह हजयात्रियों की पहचान सुनिश्चित करने के लिए भारतीय अधिकारी तेजी से काम कर रहे हैं। भारतीय महावाणिज्य दूत फहद खान सूरी जेद्दा से अधिकारियों की टीम के साथ लगभग 400 किलोमीटर दूर मदीना पहुंचे, जहां उन्होंने स्थानीय प्रशासन से मुलाकात की।

चूंकि अधिकांश शव पहचान से परे जल चुके हैं, इसलिए उनकी पहचान डीएनए परीक्षण के माध्यम से ही संभव होगी। भारतीय अधिकारियों ने प्रक्रिया को तेजी से पूरा कराने और मृतकों के अंतिम संस्कार की व्यवस्था में परिजनों की सहायता हेतु समन्वय शुरू कर दिया है।

सूत्रों के अनुसार, पीड़ितों के रिश्तेदार डीएनए नमूने देने के लिए सऊदी अरब पहुंचने वाले हैं। हादसे में मारे गए सभी शवों को मदीना के तीन बड़े अस्पतालों के शवगृहों में रखा गया है। रविवार रात हुए इस भयावह हादसे में तेलंगाना के 40 से ज़्यादा उमराह यात्री जीवन गंवा बैठे। हैदराबाद के मोहम्मद अबुल शोएब ही इस दुर्घटना के एकमात्र जीवित बचे हैं और उनका मदीना के एक अस्पताल में इलाज जारी है। यह दुर्घटना मक्का से मदीना जाने वाले मार्ग पर मुफ़रीहाट के पास बद्र की ओर तब हुई, जब तीर्थयात्रियों से भरी बस एक ईंधन टैंकर से टकरा गई। सभी मृतक हैदराबाद के थे, जिनमें एक ही परिवार के 19 सदस्य शामिल बताए गए हैं।

मदीना के निकट हनाकिया में रहने वाले मोहम्मद मजहर, जिनके सभी 19 रिश्तेदार इस हादसे में मारे गए, ने बताया कि परिजन डीएनए नमूने देने की तैयारी कर रहे हैं। स्थानीय अधिकारियों ने अब तक मृतकों की संख्या को लेकर आधिकारिक बयान जारी नहीं किया है। भारतीय वाणिज्य दूतावास ने पीड़ित परिवारों की सहायता के लिए हॉटलाइन और नियंत्रण कक्ष स्थापित कर दिया है। मक्का से मदीना जाने वाले इस मार्ग से रोज़ाना हज़ारों तीर्थयात्री गुजरते हैं।

'मोहब्बत की दुकान' नारे के बीच कांग्रेस नेता के पिता की धमकी का विवाद

जुबली हिल्स में कांग्रेस विधायक के पिता के बयान से तनाव बढ़ा

हैदराबाद, 17 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी के 'मोहब्बत की दुकान' नारे के बीच जुबली हिल्स के कांग्रेस विधायक वी नवीन यादव के पिता चिन्ना श्रीशैलम यादव के बयान ने तनाव बढ़ा दिया है। श्रीशैलम यादव ने हुजूराबाद विधायक पाडी कौशिक रेड्डी को 'नंगा' करने और 'जिंदा खाल उधेड़ने' की धमकी दी। उन्होंने बीआरएस भवन को अवैध बताते हुए उसे गिराने की चेतावनी भी दी।

उन्हें 11 नवंबर को जुबली हिल्स उपचुनाव के दौरान गिरफ्तार किया गया था, लेकिन इसके बावजूद उनका परिवार चुनाव अधिसूचना जारी होने के बाद से बीआरएस नेताओं और कार्यकर्ताओं को लगातार धमकियां देता रहा है। उपचुनाव जीतने के बाद नवीन यादव के समर्थकों ने रैली निकालकर भी बीआरएस नेताओं पर इशारों में दबाव बनाया।

सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो में श्रीशैलम यादव ने कहा कि एक इशारे पर कौशिक रेड्डी के साथ चल रहे लोग उन पर हमला कर सकते हैं, इसलिए उन्हें सावधान रहना चाहिए। यह उनका दूसरा इंटरव्यू है जिसमें उन्होंने बीआरएस नेताओं को धमकी दी है। उनके बयानों पर कई लोगों ने आपत्ति जताई है।

नाबालिग से कथित संबंध के आरोप में विवाहित व्यक्ति की पीट-पीटकर हत्या

मुलुगु, 17 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। मुलुगु मंडल के लालैयागुडम गांव में रविवार रात एक विवाहित व्यक्ति की नाबालिग लड़की के साथ कथित अवैध संबंध के कारण पीट-पीटकर हत्या कर दी गई। मृतक जदी सम्मैय्या (40), एतुरनगरम का निवासी था और इलेक्ट्रीशियन का काम करता था। उसके दो बच्चे थे। स्थानीय लोगों के अनुसार, वह शराब का आदी था और लालैयागुडेम की 16 वर्षीय एक लड़की के साथ उसका कथित संबंध परिवार में विवाद का कारण बना हुआ था।

गांव वालों ने बताया कि सम्मैय्या कई बार अपने दादा-दादी से कह चुका था कि वह लड़की से शादी करना चाहता है, जिससे उसके घर में लगातार कलह हो रही थी। दो दिन पहले सम्मैय्या के पिता ने भी इस विवाद को लेकर पुलिस में शिकायत दर्ज कराई थी। रविवार रात सम्मैय्या लड़की के गांव गया था, जहां लड़की के घरवालों ने उसे पकड़ लिया। आरोप है कि उन्होंने उसे बिजली के खंभे से बांधकर बेरहमी से पीटा, जिससे उसकी आधी रात के करीब मौत हो गई। पुलिस अधिकारी मौके पर पहुंचे और मामले की जांच शुरू कर दी है।

सऊदी बस हादसे में नल्लाकुंटा के एक ही परिवार के 18 सदस्य मारे गए

उमराह यात्रा पर गए थे सभी, अमेरिका में रहने वाला एक बेटा ही जीवित बचा

हैदराबाद, 17 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। सऊदी अरब में हुए भयावह बस दुर्घटना ने हैदराबाद के नल्लाकुंटा क्षेत्र के एक पूरे परिवार को उजाड़ दिया। सेवानिवृत्त रेलवे अधिकारी नसीरुद्दीन (65) का परिवार इस हादसे में पूरी तरह खत्म हो गया, जिसमें उनके परिवार के 18 सदस्यों की मौत हो गई। परिवार 9 नवंबर को उमराह तीर्थयात्रा के लिए रवाना हुआ था। नसीरुद्दीन, उनकी पत्नी, बेटा-बहू, तीन बेटियां और उनके बच्चे इस लंबे समय से प्रतीक्षित यात्रा पर साथ गए थे। रिश्तेदारों ने बताया कि परिवार वर्षों से इस यात्रा की योजना बना रहा था और बच्चे भी इस यात्रा को लेकर बेहद उत्साहित थे।

दुर्घटना में नसीरुद्दीन का अमेरिका में रहने वाला एक बेटा ही जीवित बच पाया, क्योंकि वह इस यात्रा में शामिल नहीं हुआ था। नसीरुद्दीन और उनका बेटा नल्लाकुंटा में रहते थे, जबकि उनकी बेटियां मलकपेट, मुशीराबाद और मूसारामबाग में अपने परिवारों के साथ रहती थीं। हादसे से एक दिन पहले परिवार ने रिश्तेदारों को बताया था कि उन्होंने मक्का में उमराह कर लिया है और मदीना की ओर जा रहे हैं। लेकिन बस के एक डीजल टैंकर से टकराने के बाद लगी आग में सभी की जान चली गई। हादसे में कई बच्चे भी शामिल हैं। त्रासदी की खबर मिलते ही रिश्तेदारों और परिचितों में शोक की लहर दौड़ गई। स्थानीय निवासी और मस्जिद समिति के सदस्य नसीरुद्दीन के नल्लाकुंटा स्थित घर पहुंचकर परिवार को सांत्वना दे रहे हैं। सरकार द्वारा जारी हेल्पलाइन नंबरों पर संपर्क कर परिजन आगे की जानकारी का इंतजार कर रहे हैं।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.